यं शैवाः समुपासते शिव इति ब्रह्मेति वेदान्तिनो बौद्धा बुद्ध इति प्रमाणपटवः कर्त्तेति नैयायिकाः ॥ तिथिर्वारश्च नक्षत्रं योगः करणमेव च ॥ श्री सीतारामाभ्यान्नमः ॥ लक्ष्मीः स्थावचला तिथिश्रवणतो वारात्तथायुश्चिरं नक्षत्रं कृतपापतापशमनं योगो वियोगापहः ॥ गणाधिपोऽर्कश्च शशी धरासुतो बुधो गुरुर्भार्गवसूर्यनन्दनौ ॥
अर्हन्नित्यथ जैन शासनरताः कर्मेति मीमांसकाः सोऽयं वो विदधातु वाञ्छितफलं त्रैलोक्यनाथोहरिः ॥ पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गङ्गास्नानफलं लभेत् ॥ मकरन्दानुसारि ॥ सर्वाभीष्टकरन्तथैव करणं पञ्चाङ्गमेवं स्फुटं श्रोतव्यं गणकाननात्प्रतिदिनं श्रेयस्करं सिद्धिदम् ॥ राहुश्चकेतुश्च परं नवग्रहाः कुर्वन्तु वः पूर्णमनोरथान् सदा ॥

* संवत् २०३७ *

# विश्वविद्यालय-पञ्चाङ्गम्

* १९८०–८१ ई० *

॥ जगल्लग्नम् ४।७।३०॥

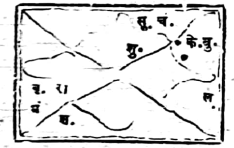



• रा.ल.वृ.म.श.

❀ राजा–चन्द्रः ❀ मन्त्री–गुरुः ❀

❀ वर्षा–७ ❀ धान्यम्–९ ❀

॥ वर्षलग्नम् ८।०।५॥




विक्रमसंवत् २०३७ ॥ शकाब्दः १९०२ ॥ कलिसम्वत्सरः ५०८१ ॥ अं. १९८०–८१ ई० ॥ लक्ष्मणसंवत् ८७१–७२ ॥ वङ्गाब्दः १३८६–८७ ॥ हिजरीसन् १४००–१४०१ ॥ भारतीयस्वतन्त्रताब्दः ३३–३४ ॥ सन् १३८७–८८ साल

* शकः १९०२ *

विश्यम्बुवृद्धं करणारविन्दं पर्वप्रवालं सुकरावतारम्।
योगोपबन्धं मनुजैरजस्रं सरोऽवगाह्यं तिथिपत्रमेवत्।
विदेहजाजन्मभुवोऽन्तराले कामेश्वरीये सदनेऽतिरम्ये।
गिरो निकेते निरतैर्निबद्धं बुधैर्विवृद्धिं लभतां सदेदम्।
अपेक्षितं सर्वमिहोपदिष्टं विसृष्टमन्यन्न नृणां यदिष्टम्।
ततोऽधिदेशं विततं मुदेऽदो विपश्चितामर्चनमातनोतु।

* कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय-प्रकाशितम् *

प्रवर्त्तकः — डा० रामकरण शर्मा, कुलपतिः।
संरक्षकः — डा० महेन्द्र ठाकुरः, कुलसचिवः।
निदेशकः — श्री पं० व्रजकिशोर झा, स्नातकोत्तर-ज्यौतिष-विभागाध्यक्षः।
सम्पादकौ — श्री पं० रामचन्द्र झा, ज्यौ० आ०, विद्या-वारिधिः।
श्री पं० यशस्पति झा, ज्यौतिषाचार्यश्च।

स्वतन्त्रताब्दः ३३-३४


मुद्रकः—मिथिलाविश्वविद्यालय प्रेस, कामेश्वरनगर, दरभङ्गा। प्राप्तिस्थानम्—पञ्चाङ्ग विभाग, कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभङ्गा। सूचना—२०३८ सम्वत्सरस्य विश्वविद्यालय-पञ्चाङ्गं २०३७ सम्वत्सरस्य कार्तिकमासे प्रकाशमेष्यति। मूल्यम्—२.५० रूप्यकम् ( भारतीय )

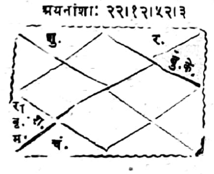
## चैत्रशुक्लपक्षः

शकः १९०१, संवत् २०३७, सन् १३८७ साल, दि. १७।३।८० ई. तः ३१।३।८० ई. यावत्, दक्षिणेकालः।
वक्री पूर्वोदितो गुरुः, मार्गीपश्चिमोदितः शुक्रः, शुद्धः वसन्तर्तुः, याम्यगोलः, सौम्यायनम्।

| दि.ति. | तिथयः द. प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगाः द. प | करणानि द. प. | चन्द्रस्थितिः द. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द. प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि | मु.दि | सौ.दि | ई.दि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. १ | ४०।२१ | रा. १०।११ | उभा. | ४४।२८ | रा. ११।५० | शु. ४२।५२ | किं. १३।२० | मीन | अहोरात्र | ११। ३।४४।३२ | २९।४४ | ६।३ | ५।५७ | २७ | २९ | ४ | १७ |
| मं. २ | ३४।२८ | रा. ७।४६ | रे. | ४०।२७ | रा. १०।१३ | ब्र. ३५।१२ | बा. ७।२५ | मी. ४०।२७ | ग. १०।१३ | ११। ४।४४।९ | २९।४८ | ६।२ | ५।५८ | २८ | ३० | ५ | १८ |
| बु. ३ | २८।५२ | दि. ५।३५ | अ. | ३६।४५ | रा. ८।४४ | ऐ. २७।४७ | तै. १।४० | मेष | अहोरात्र | ११। ५।४३।४५ | २९।५२ | ६।२ | ५।५८ | २९ | १ | ६ | १९ |
| बृ. ४ | २३।४७ | दि. ३।३२ | भ. | ३३।३५ | रा. ७।२७ | वै. २०।४६ | वि. २३।४७ | मे. ४८।०० | रा. १।१३ | ११। ६।४३।२१ | २९।५६ | ६।१ | ५।५९ | ३० | २ | ७ | २० |
| शु. ५ | १९।२८ | दि. १।४७ | कृ. | ३१।१४ | रा. ६।३० | वि. १४।१९ | बा. १९।२८ | वृष | अहोरात्र | ११। ७।४२।५७ | ३०।०० | ६।०० | ६।०० | १ | ३ | ८ | २१ |
| श. ६ | १५।५६ | दि. १२।२१ | रो. | २९।३९ | दि. ५।५१ | प्री. ८।३३ | तै. १५।५६ | वृ. ५९।२४ | रा ५।४५ | ११। ८।४२।३३ | ३०।४ | ५।५९ | ६।१ | २ | ४ | ९ | २२ |
| र. ७ | १३।२६ | दि. ११।२० | मृ. | २८।८ | दि. ५।३७ | आ. ३।३७ | व. १३।२६ | मिथुन | अहोरात्र | ११। ९।४२।९ | ३०।८ | ५।५८ | ६।२ | ३ | ५ | १० | २३ |
| चं. ८ | १२। ७ | दि. १०।४९ | आ. | २९।४९ | दि. ५।५४ | शो. ५६।२९ | व. १२।७ | मिथुन | अहोरात्र | ११।१०।४१।४५ | ३०।१२ | ५।५८ | ६।२ | ४ | ६ | ११ | २४ |
| मं. ९ | १२। ४ | दि. १०।४७ | पुन. | ३१।४५ | रा. ६।३९ | अ. ५४।२७ | कौ. १२।४ | मि. १६।१६ | दि. १२।२७ | ११।११।४१।१६ | ३०।१६ | ५।५७ | ६।३ | ५ | ७ | १२ | २५ |
| बु. १० | १३।२१ | दि. ११।१६ | पु. | ३४।५८ | रा. ७।५५ | सु. ५३।२५ | ग. १३।२१ | कर्क | अहोरात्र | ११।१२।४०।२७ | ३०।२० | ५।५६ | ६।४ | ६ | ८ | १३ | २६ |
| बृ. ११ | १५।५१ | दि. १२।१५ | आश्ले. | ३६।१७ | रा. ६।३८ | धृ. ५३।१६ | वि. १५।५१ | क. ३९।१७ | रा. ६।३८ | ११।१ ।३९।४७ | ३०।२४ | ५।५५ | ६।५ | ७ | ९ | १४ | २७ |
| शु. १२ | १९।२९ | दि. १।४२ | म. | ४४।४० | रा. ११।४६ | शू. ५३।५४ | बा. १९।२९ | सिंह | अहोरात्र | ११।१४।३९।७ | ३०।२८ | ५।५४ | ६।६ | ८ | १० | १५ | २८ |
| श. १३ | २४।०० | दि. ३।३० | पूफ. | ५०।४४ | रा. २।१२ | ग. ५५।३ | तै. २४।०० | सिंह | अहोरात्र | ११।१५।३८।२७ | ३०।३२ | ५।५४ | ६।६ | ९ | ११ | १६ | २९ |
| र. १४ | २९। ९ | दि. ५।३३ | उफ. | ५७।१८ | रा. ४।४८ | वृ. ५६।३१ | ब. २९।९ | सि. ७।२३ | दि. ८।५० | ११।१६।३७।४७ | ३०।३६ | ५।५३ | ६।७ | १० | १२ | १७ | ३० |
| चं. १५ | ३४।२९ | रा. ७।४० | ह. | ६०।०० | अहोरात्र | ध्रु. ५८।२ | वि. १।४६ | कन्या | अहोरात्र | ११।१७।३७।७ | ३०।४० | ५।५२ | ६।८ | ११ | १३ | १८ | ३१ |

**वासन्तनवरात्रारंभः** श्रीदुर्गोत्सवः **सृष्ट्यादिः**, २०३७ संवत्सरारंभः, **उत्तरभाद्रे रविः** २०।१४, यायिजयदयोगः प्रतिपदि, द. ति. ४०।२१ उपरि।
चन्द्रदर्शनं मु. ३० फलं साम्यं, द. ति. ३४।२८ या., गं. २८।२७ उ. ४३।२७ या., **पञ्चकान्तो** रात्रौ घं. १० मि. १३ उ., पूर्वपश्चिमयोर्यात्रा घं ७ मि. ४९ उ. घं. १० मि. १३ A
भ. ५६।२० उ., श्रीगौरीव्रतं, **मन्वादिः**, श्रीगणेश ४ व्रतं, उमामहेश्वरदोलोत्सवः, मार्गी बुधः ३।५३, जलाशयदेवादिप्रतिष्ठा तृतीयायाम्।
भ. २३।४७ या., यायिजयदयोगः पञ्चम्यां भरण्यां। A यावद्रात्रौ ततः उत्तरां विनायात्रोत्तमा।
**मीनावतारः**, श्रीपञ्चमीव्रतं, मध्याह्ने **रामराज्याभिषेकमहोत्सवः**। B अमोघागर्भसंभूत ! पापंलौहित्य ! मे हर। सम्पूर्ण**चैत्रमासि** ब्रह्मपुत्रस्नानंमहापुण्यप्रदम्।
वासन्ती **सूर्यषष्ठी** सायंकालिकार्घदानं, यायिजयदयोगः सप्तम्यां रोहिण्यां, दक्षिण दिशि यात्रा षष्ठ्यां, (६–७) एकोद्दिष्टम्।
सौभाग्ययोगमानं ५५।५७, भ. १३।२६ उ. ४२।४७ या., प्रातःकालिकार्घदानं पारणञ्च, पश्चिमां विना यात्रा मृगशिरसि, **जलाशयदेवादिप्रतिष्ठा** सप्तम्याम्।
यायिजयदयोगः पुनर्वसौ, **अशोकाष्टमी**, अशोककलिकापानं ब्रह्मपुत्रस्नानञ्च, तत्र **ब्रह्मपुत्रस्नानमन्त्रः**–ब्रह्मपुत्रमहाभाग शन्तनोः कुलसंभव ! B
**रामावतारः**, **श्रीरामनवमीव्रतं**, **अयोध्यायां** साङ्गश्रीसीतारामदर्शनम्, कृत्तिकायां शुक्रः १।४१, पश्चिमदिशियात्रा घं. १० मि. ४७ यावद्दिने।
**उपनयनं**, **जलाशयदेवादि** प्रतिष्ठा च, पश्चिम दिशि यात्रोत्तमा पुष्ये, भ. ४४।३६ उ.। C (१२) एकोद्दिष्टम्। D (१३) एकोद्दिष्टम्।
भ. १५।५१ या., गं. २८।१७ उ. ४३।१७ या., सर्वेषां **कामदा ११ व्रतं**, **उपनयनमेकादशीव्रतोद्यापनञ्च**. यायिजयदयोगः एकादश्यां, C
श्रीविष्णु १२, गोघृतेनपारणं, प्रदोष १३ व्रतं, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पूर्वफल्गुन्यां, **वृषेशुक्रः** १२।३६, स्थायि जयदयोगो मघायाम्।
चैत्रावली मदन १३ गोष्ठालये सत्सङ्गारंभः, **श्रीमहावीर** जयन्ती, प्रदोष १४ व्रतं, उत्तर दिशियात्रा पूर्वफल्गुन्यां, मार्गी कुजः १५।१३, D
**रेवत्यां रविः** ४७।२६, भ. २९।९ उ. यायिजयदयोगः पूर्णिमायां, वक्रगत्या सिंहे शनिः ४४।२८, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा हस्ते।
**मन्वादिः**, **चैत्री १५**, **जलाशयदेवादि**प्रतिष्ठा, यायिजयदयोगः, पूर्वभाद्रे बुधः ५०।५२, दक्षिणदिग्यात्रा दिवारात्रौ।

१५ चन्द्रे बल्ली ८।३५।३१।५
अयनांशाः २२।१२।५२।३



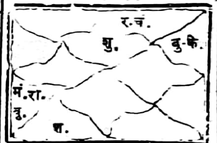

### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादिस्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. १ | ४।३ ।११।५१ | १०।११।२६।३० | ४।१०।१९।४० | ०।१८।५८।५८ | ५। १२ ।५६ | १०। ६।२३।२७ | ४४।५२ |
| मं. २ | ४।२ ।५९।२६ | १०।११।२३।३७ | ४।१०।१२।४९ | ०।२०।१२ ।२३ | ५। ०।५८।६ | १०। ६।२०।१६ | ४४।५४ |
| बु. ३ | ४।२ ।४७।१ | १०।११।२०।४३ | ४।१०।५ ।२८ | ०।२१।५ ।४८ | ५। ०।५३।१३ | १०। ६।१७।५ | ४४।५६ |
| बृ. ४ | ४।२ ।३४।३६ | १०।११।२६।४० | ४।६ ।५९।७ | ०।२२।९ ।१२ | ५। ०।४८।२१ | १०। ६।१३।५४ | ४४।५८ |
| शु. ५ | ४।२ ।२२।११ | १०।११।५२।५५ | ४।६ ।५२।१६ | ०।२३।१२।३६ | ५। ०।४३।२९ | १०। ६।१०।४३ | ४५।०० |
| श. ६ | ४।२ ।९ ।४७ | १०।१२।१०।५६ | ४।६ ।४५।२५ | ०।२४।१६।०० | ५। ०।३८।३७ | १०। ६।७ ।३२ | ४५।२ |
| र. ७ | ४।१ ।५७।२३ | १०।१२।४६।४० | ४।९ ।३८।३४ | ०।२५।१६।२४ | ५। ०।३३।४५ | १०। ६।४ ।२२ | ४५।४ |
| चं. ८ | ४।१ ।४४।५९ | १०।१३।३४।१० | ४।६ ।३१।४४ | ०।२६।२२।४८ | ५। ०।२८।५३ | १०। ६।१ ।१२ | ४५।६ |
| मं. ९ | ४।१ ।३७।५० | १०।१४।२८।३७ | ४।९ ।२५।४१ | ०।२७।२३।४७ | ५। ०।२३।४ | १०। ५।५८।१ | ४५।८ |
| बु. १० | ४।१ ।३०।४१ | १०।१५।२३।३ | ४।९ ।१९।३८ | ०।२८।२४।४६ | ५। ०।१८।१६ | १०। ५।५४।५० | ४५।१० |
| बृ. ११ | ४।१ ।२३।३३ | १०।१६।१७।२९ | ४।९ ।१३।३५ | ०।२९।२५।४५ | ५। ०।१३।२८ | १०। ५।५१।३६ | ४५।१२ |
| शु. १२ | ४।१ ।१६।२५ | १०।१७।११।५५ | ४।९ ।७ ।३२ | १।०० ।२६।४४ | ५। ०।८ ।४० | १०। ५।४८।२८ | ४५।१४ |
| श. १३ | ४।१ ।९ ।१७ | १०।१८।६ ।२१ | ४।६ ।१ ।३० | १।१ ।२७।४३ | ५। ०।३ ।५२ | १०। ५।४५।१७ | ४५।१६ |
| र. १४ | ४।१ ।२ ।९ | १०।१९।००।४७ | ४।८ ।५५।।२८ | १।२ ।२८।४२ | ४।२६।५९।४ | १०। ५।४२।६ | ४५।१८ |
| चं. १५ | ४।०।५५।१ | १०।१९।५५।१३ | ४।८ ।४९।२६ | १।३ ।२६।४० | ४।२६।५४।१६ | १०। ५।३८।५६ | ४५।२० |

### दैनिकलग्नसारिणीचक्रम्

| दि.ति. | मे. अ. | वृ. अ. | मि. अ. | क. अ. | सि. अ. | क. अ. | तु. अ. | वृ. अ. | ध. अ. | म. अ. | कु. अ. | मी. अ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. १ | ९।३ | १०।५९ | १३।१२ | १५।३० | १७।४४ | १९।५७ | २२।१३ | ००।३० | २।३६ | ४।२२ | ५।५४ | ७।२५ |
| मं. २ | ८।५९ | १०।५५ | १३।८ | १५।२६ | १७।४० | १९।५३ | २२।९ | ००।२६ | २।३२ | ४।१८ | ५।५० | ७।२१ |
| बु. ३ | ८।५५ | १०।५१ | १३।४ | १५।२२ | १७।३६ | १९।४९ | २२।५ | ००।२२ | २।२८ | ४।१४ | ५।४६ | ७।१७ |
| बृ. ४ | ८।५२ | १०।४८ | १३।१ | १५।१९ | १७।३३ | १९।४६ | २२।२ | ००।१९ | २।२५ | ४।११ | ५।४३ | ७।१४ |
| शु. ५ | ८।४८ | १०।४४ | १२।५७ | १५।१५ | १७।२९ | १९।४२ | २१।५८ | ००।१५ | २।२१ | ४।७ | ५।३९ | ७।१० |
| श. ६ | ८।४४ | १०।४० | १२।५३ | १५।११ | १७।२५ | १९।३८ | २१।५४ | ००।११ | २।१७ | ४।३ | ५।३५ | ७।६ |
| र. ७ | ८।४० | १०।३६ | १२।४९ | १५।७ | १७।२१ | १९।३४ | २१।५० | ००। ७ | २।१३ | ३।५९ | ५।३१ | ७।२ |
| चं. ८ | ८।३७ | १०।३३ | १२।४६ | १५।४ | १७।१८ | १९।३१ | २१।४७ | ००। ४ | २।१० | ३।५६ | ५।२८ | ६।५९ |
| मं. ९ | ८।३३ | १०।२९ | १२।४२ | १५।०० | १७।१४ | १९।२७ | २१।४३ | ००।०० | २।६ | ३।५२ | ५।२४ | ६।५५ |
| बु. १० | ८।२९ | १०।२५ | १२।३८ | १४।५६ | १७।१० | १९।२३ | २१।३९ | २३।५६ | २।२ | ३।४८ | ५।२० | ६।५१ |
| बृ. ११ | ८।२५ | १०।२१ | १२।३४ | १४।५२ | १७।६ | १९।१९ | २१।३५ | २३।५२ | १।५८ | ३।४४ | ५।१६ | ६।४७ |
| शु. १२ | ८।२२ | १०।१८ | १२।३१ | १४।४९ | १७।३ | १९।१६ | २१।३२ | २३।४९ | १।५५ | ३।४१ | ५।१३ | ६।४४ |
| श. १३ | ८।१८ | १०।१४ | १२।२७ | १४।४५ | १६।५९ | १९।१२ | २१।२८ | २३।४५ | १।५१ | ३।३७ | ५।९ | ६।४० |
| र. १४ | ८।१४ | १०।१० | १२।२३ | १४।४१ | १६।५५ | १९।८ | २१।२४ | २३।४१ | १।४७ | ३।३३ | ५।५ | ६।३६ |
| चं. १५ | ८।११ | १०। ७ | १२।२० | १४।३८ | १६।५२ | १९।५ | २१।२१ | २३।३८ | १।४४ | ३।३० | ५।२ | ६।३३ |

१ चन्द्रे बल्ली ८।३५।३०।५१
अयनांशाः २२।१२।४९।५७




८ चन्द्रे बल्ली ८।३५।३०।५८
अयनांशा २२।१२।५१।००




**अथ विविध विषयाः**—चैत्र शुक्लप्रतिपत्तः नवमीं यावद्दुर्गापूजनोत्सवस्तत्र देवीप्रतिमां निर्माय पूजयेत्सप्तशती पाठादिकं च कुर्यात्॥ **चैत्रशुक्लाष्टम्यामशोक कलिकापानमंत्रः**–त्वमशोककराभीष्ट मधुमाससमुद्भव। पिबामि शोकसन्तप्तो मामशोकं सदा कुरु। एतत्पानफलं लिङ्गपुराणे–अशोक कलिका ह्यष्टौ ये पिबन्ति पुनर्वसौ। चैत्रेमासि सिताष्टम्यां न ते शोकमवाप्नुयुः॥ चैत्र शुक्ल नवम्यां **रामनवमी**-व्रतन्तत्राङ्गदेवतापूजनपूर्वकं श्रीरामं सम्पूज्यार्घ्यं दद्यात्तन्मन्त्रः–दशानन वधार्थाय धर्मसंस्थापनाय च। राक्षसानां विनाशाय दैत्यानां निधनाय च। परित्राणाय साधूनां जातो रामः स्वयं हरिः। गृहाणार्घ्यं मया दत्तं भ्रातृभिः सहितोऽनघ॥ ततः परदिने इदं विष्णुरिति मंत्रेण जुहुयाद्ब्राह्मणांश्च भोजयत्। **मिथिला माहात्म्यं**–महापुण्याऽतिरेकैश्च जन्म लब्ध्वा च भारते। मिथिलायां निवासस्य नराः संयान्ति योग्यताम्।

**वातावरणम्**—पक्षादितः सप्तमीं यावद्वायुवह्नितापादयस्ततः पक्षान्तं यावत्खण्डवृष्टिवायुमेघचारादयः।

**ग्रहस्थितिः**—कुजगुरुशनयो वक्रिणः पूर्वोदिताः, पूर्वोदितोबुधस्तृतीयायांबुधे ३।५३ यावद्वक्री ततो मार्गी, मार्गी पश्चिमोदितः शुक्रः।

| दि.ति. | तिथयः द.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगाः द.प. | करणानि द.प. | चन्द्रस्थितिः द.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादि | दिनमानं द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | सौ.दि. | प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. १ | ३९।३० | रा. ९।३९ | ह. | ३।४८ | दि. ७।२२ | व्या. ५९। ६ | वा. ७।०० | कं. ३६।५० | रा. ८।३५ | ११।१८।३६।१२ | ३०।४४ | ५।५१ | ६। ९ | १२ | १४ | १९ | १ |
| बु. २ | ४३।५३ | रा. ११।२३ | चि. | ६।५३ | दि. ९।४७ | ह. ५९।४८ | तै. ११।४२ | तुला | अहोरात्र | ११।१९।३५।१७ | ३०।४८ | ५।५० | ६।१० | १३ | १५ | २० | २ |
| बृ. ३ | ४७।१८ | रा. १२।४५ | स्वा. | १५।१५ | दि. ११।५६ | व. ५९।३७ | व. १५।३६ | तुला | अहोरात्र | ११।२०।३४।२२ | ३०।५२ | ५।५० | ६।१० | १४ | १६ | २१ | ३ |
| शु. ४ | ४९।३४ | रा. १।३९ | वि. | १९।३२ | दि. १।३८ | सि. ५८।३७ | व. १८।२६ | तु. ३।२८ | दि. ७।१२ | ११।२१।३३।२७ | ३०।५६ | ५।४९ | ६।११ | १५ | १७ | २२ | ४ |
| श. ५ | ५०।३४ | रा. २। २ | अनु. | २२।४४ | दि. २।५४ | व्य. ५६।३५ | कौ. २०। ४ | वृश्चिक | अहोरात्र | ११।२२।३२।३१ | ३१।०० | ५।४८ | ६।१२ | १६ | १८ | २३ | ५ |
| र. ६ | ५०।१६ | रा. १।५३ | ज्ये. | २४।३७ | दि. ३।३८ | व. ५३।३२ | ग. २०।२५ | वृ. २४।३७ | दि. ३।३८ | ११।२३।३१।३५ | ३१। ३ | ५।४७ | ६।१३ | १७ | १९ | २४ | ६ |
| चं. ७ | ४८।४३ | रा. १।१६ | मू. | २५।१६ | दि. ३।५३ | प. ४९।३१ | वि. १६।३० | धनु | अहोरात्र | ११।२४।३०।३९ | ३१। ६ | ५।४७ | ६।१३ | १८ | [illegible] | २५ | ७ |
| मं. ८ | ४६।०० | रा. १२।१० | पूषा. | २४।४३ | दि. ३।३९ | शि. ४४।२६ | वा. १७।२२ | ध. ३६।१९ | रा. ७।३० | ११।२५।२९।२८ | ३१।१० | ५।४६ | ६।१४ | १९ | २१ | २६ | ८ |
| बु. ९ | ४२।१९ | रा. १०।४१ | उषा. | २३। ८ | दि. ३।०० | सि. ३८।५३ | तै. १४।१० | मकर | अहोरात्र | ११।२६।२८।१७ | ३१।१४ | ५।४५ | ६।१५ | २० | २२ | २७ | ९ |
| बृ. १० | ३७।४५ | रा. ८।५० | श्र. | २०।४४ | दि. २। २ | सा. ३२।२८ | व. १०। २ | म. ४९। ९ | रा. १।२४ | ११।२७।२७। ६ | ३१।१८ | ५।४४ | ६।१६ | २१ | २३ | २८ | १० |
| शु. ११ | ३२।३४ | रा. ६।४६ | ध. | १७।३३ | दि. १२।४५ | शु. २५।३० | व. ५।१० | कुम्भ | अहोरात्र | ११।२८।२५।५५ | ३१।२२ | ५।४४ | ६।१६ | २२ | २४ | २९ | ११ |
| श. १२ | २७। १ | दि. ४।३१ | श | १३।५२ | दि. ११।१६ | शु. १८। ९ | तै. २७।०१ | कु. ५५।२२ | रा. ४। ४ | ११।२९।२४।४४ | ३१।२६ | ५।४३ | ६।१७ | २३ | २५ | ३० | १२ |
| र. १३ | २१। २ | दि. २। ७ | पूभा. | ६।५१ | दि. ६।३८ | ब्र. १०।३२ | व. २१। २ | मीन | अहोरात्र | ००।००।२३।३२ | ३१।३० | ५।४२ | ६।१८ | २४ | २६ | १ | १३ |
| चं. १४ | १४।५५ | दि. ११।३९ | उभा. | ५।४१ | दि. ७।५७ | ऐ. २।४७ | श. १४।५५ | मीन | अहोरात्र | ००। १।२२।२० | ३१।३४ | ५।४१ | ६।१९ | २५ | २७ | २ | १४ |
| मं. ३० | ८।५६ | दि. ९।१४ | रे. | १।३६ | दि. ६।१८ | वि. ४७।४४ | ना. ८।५६ | मी. १।३६ | दि. ६।१८ | ००। २।२०।५४ | ३१।३८ | ५।४० | ६।२० | २६ | २८ | ३ | १५ |

## वैशाखकृष्णपक्षः

शकः १९०१, १३तः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८७ साल, दि. १।४।८० ई. तः १५।४।८० ई. यावत्, दक्षिणेकालः। वक्री पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पश्चिमोदितः शुक्रः, शुद्धः, वसन्तर्तुः, याम्यगोलः, १३तः सौम्यगोलः, सौम्यायनम्।

**वैशाखे कौशिकीस्नान** महापुण्यप्रदम् अप्रील ४ मासारंभः, द. ति. ३९।३० उ., वैशाखे **तैलं** त्यजेत्।

द. ति. ४३।५३ यावत्। एकराशौ चतुः पञ्च वा **ग्रहयोगफलम्**—एकराशौ यदा यान्ति चत्वारः पञ्च वा ग्रहाः। प्लावयन्ति महीं कृत्स्नां रुधिरेण जलेन वा।

भ. १५।३६ उ., ४७।१८ या., यायिजयदयोगः स्वात्यां पश्चिमदिशियात्रा स्वात्याम्।

श्रीगणेश ४ व्रतं, स्थायिजयदयोगो विशाखायां, उत्तरदिशियात्राऽनुराधायाम्।

पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा पष्ठ्याम्, यायिजयदयोगोऽनुराधायाम्।

**कोकिला** षष्ठी, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा सप्तम्यां, भ. ५०।१६ उ., गं. १८।३७ उ० ३३।३७ यावत्।

**शर्करा** सप्तमी, उत्तरदिशियात्राऽष्टम्यां, रोहिण्यां शुक्रः ३०।४७, भ. १६।३० यावत्।

**शीतलाष्टमी**, स्थायिजयदयोगः पूर्वाषाढे, मीने बुधः १७।३८, पूर्वदिशियात्रा घं. ३ मि. ३९ यावद्दिने।

उत्तरदिशि यात्रा दशम्यां, मार्गी कुजः ३४।२४।

दक्षिणां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां उत्तरभाद्रे बुधः ३२।४९, भ. १०।२ उ. ३७।४५ यावत्।

सर्वेषां **वरुथिनी** ११ व्रतम्।

कुशोदकेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतम्, मासान्तः। ——— ‡ प्रदोष १४ व्रतं, यायिजयदयोगस्त्रयोदश्यामुत्तरभाद्रे, भ. २१।२ उ. ४८।०० यावत्।

**अश्विन्यां मेषे रविः** २१।३६ मु. ४५ फलं समर्घं, **यवविपुवसंक्रान्ति पुण्यकालो** दिवा घं. २ मि. २० उपरि घं. ६ मि. १८ यावत् १९०२ शकारंभः सौम्यगोलारंभश्च २१।३६ उ., ‡

वैधृतियोगमानं ५२।२३, मासादिः, अमावास्यापार्वणम्, ग. ४९।३६ उ., यायिजयदयोगोऽमायाम्, **सोमवत्यमा** व्रतं पूजनञ्च घं. ११ मि. ३६ उपरि दिने।

अश्विनीमानं ५६।१४, गं. ४।३६ या., **वैशाखी** ३०, मेषार्के निम्बपत्रद्वययुतमसूरबीजपानम्।

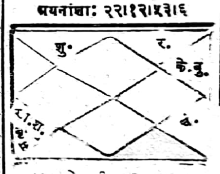
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. १ | ४।००।५१। १ | १०।२९।१४।५० | ४। ८।४४।३७ | १। ४।२७।२३ | ४।२९।५०।३६ | १०। ५।३५।४५ | ४५।२२ |
| बु. २ | ४।००।४८। १ | १०।२२।३४।२७ | ४। ८।३९।४८ | १। ५।२५। ६ | ४।२६।४५।५६ | १०। ५।३२।३२ | ४५।२४ |
| बृ. ३ | ४।००।४६।०० | १०।२३।५४। ४ | ४। ८।३४।५९ | १। ६।२२।४९ | ४।२९।४१।१६ | १०। ५।२९।२३ | ४५।२६ |
| शु. ४ | ४।००।४५।०० | १०।२५।१३।४१ | ४। ८।३०।१० | १। ७।२०।३२ | ४।२९।३६।३७ | १०। ५।२६।१२ | ४५।२८ |
| श. ५ | ४।००।४४।३० | १०।२६।३३।१८ | ४। ८।२५।२२ | १। ८।१८।१५ | ४।२९।३१।५८ | १०। ५।२३। १ | ४५।३० |
| र. ६ | ४।००।४४।१० | १०।२७।५२।५५ | ४। ८।२०।३४ | १। ९।१५।५८ | ४।२९।२७।१९ | १०। ५।१९।५१ | ४५।३२ |
| चं. ७ | ४।००।४३।५९ | १०।२९।१२।३२ | ४। ८।१५।४६ | १।१०।१३।४१ | ४।२९।२२।४० | १०। ५।१६।४१ | ४५।३३ |
| मं. ८ | ४।००।४३।५२ | ११।००।४७।२९ | ४। ८।१२। १ | १।११। ७।५८ | ४।२९।१८।२७ | १०। ५।१३।३० | ४५।३५ |
| बु. ९ | ४।००।४३।४८ | ११। २।२२।२६ | ४। ८। ८।१६ | १।१२। २।१५ | ४।२९।१४।१५ | १०। ५।१०।१९ | ४५।३७ |
| बृ. १० | ४।००।४६।०० | ११। ३।५७।२३ | ४। ८। ४।३१ | १।१२।५६।३१ | ४।२६।१०। ३ | १०। ५। ७। ८ | ४५।३९ |
| शु. ११ | ४।००।५४।१२ | ११। ५।३२।२० | ४। ८।००।४६ | १।१३।५०।४७ | ४।२६। ५।५१ | १०। ५। ३।५७ | ४५।४१ |
| श. १२ | ४।००।५९।२४ | ११।००। ७।१७ | ४। ७।५७। २ | १।१४।४५। ३ | ४।२९। १।३९ | १०। ५।००।४६ | ४५।४३ |
| र. १३ | ४। १। ४।३५ | ११। ८।४२।१४ | ४। ७।५३।१८ | १।१५।३९।१९ | ४।२८।५७।२७ | १०। ४।५७।३५ | ४५।४५ |
| चं. १४ | ४। १। ९।४६ | ११।१०।१७।१० | ४। ७।४९।३४ | १।१६।३३।३५ | ४।२८।५३।१५ | १०। ४।५४।२५ | ४५।४७ |
| मं. ३० | ४। १।१८। ६ | ११।१२। १।५३ | ४। ७।४७। ९ | १।१७।२२।३६ | ४।२८।४९।२३ | १०। ४।५१।१४ | ४५।४९ |

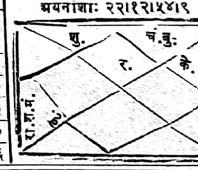
### दैनिकलग्नसारिणीचक्रम् ॥

| दि.ति. | मे. अ. | वृ.अ. | मि.अ. | क.अ. | सि.अ. | क.अ. | तु.अ. | वृ.अ. | ध.अ. | म.अ. | कु.अ. | मी.अ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. १ | ८। ७ | १०। ३ | १२।१६ | १४।३४ | १६।४८ | १९। १ | २१।१७ | २३।३४ | १।४० | ३।२६ | ४।५८ | ६।२६ |
| बु. २ | ८। ३ | ९।५९ | १२।१२ | १४।३० | १६।४४ | १८।५७ | २१।१३ | २३।३० | १।३६ | ३।२२ | ४।५४ | ६।२५ |
| बृ. ३ | ७।५९ | ९।५५ | १२। ८ | १४।२६ | १६।४० | १८।५३ | २१। ९ | २३।२६ | १।३२ | ३।१८ | ४।५० | ६।२१ |
| शु. ४ | ७।५६ | ९।५२ | १२। ५ | १४।२३ | १६।३७ | १८।५० | २१। ६ | २३।२३ | १।२९ | ३।१५ | ४।४७ | ६।१८ |
| श. ५ | ७।५२ | ९।४८ | १२। १ | १४।१९ | १६।३३ | १८।४६ | २१। २ | २३।१९ | १।२५ | ३।११ | ४।४३ | ६।१४ |
| र. ६ | ७।४८ | ९।४४ | ११।५७ | १४।१५ | १६।२९ | १८।४२ | २०।५८ | २३।१५ | १।२१ | ३। ७ | ४।३९ | ६।१० |
| चं. ७ | ७।४४ | ९।४० | ११।५३ | १४।११ | १६।२५ | १८।३८ | २०।५४ | २३।११ | १।१७ | ३। ३ | ४।३५ | ६। ६ |
| मं. ८ | ७।४० | ९।३६ | ११।४९ | १४। ७ | १६।२१ | १८।३४ | २०।५० | २३। ७ | १।१३ | २।५९ | ४।३१ | ६। २ |
| बु. ९ | ७।३७ | ९।३३ | ११।४६ | १४। ४ | १६।१८ | १८।३१ | २०।४७ | २३। ४ | १।१० | २।५६ | ४।२८ | ५।५९ |
| बृ. १० | ७।३३ | ९।२९ | ११।४२ | १४।०० | १६।१४ | १८।२७ | २०।४३ | २३।०० | १। ६ | २।५२ | ४।२४ | ५।५५ |
| शु. ११ | ७।२९ | ९।२५ | ११।३८ | १३।५६ | १६।१० | १८।२३ | २०।३९ | २२।५६ | १। २ | २।४८ | ४।२० | ५।५१ |
| श. १२ | ७।२५ | ९।२१ | ११।३४ | १३।५२ | १६। ६ | १८।१९ | २०।३५ | २२।५२ | ००।५८ | २।४४ | ४।१६ | ५।४७ |
| र. १३ | ७।२१ | ९।१७ | ११।३० | १३।४८ | १६। २ | १८।१५ | २०।३१ | २२।४८ | ००।५४ | २।४० | ४।१२ | ५।४३ |
| चं. १४ | ७।१८ | ९।१४ | ११।२७ | १३।४५ | १५।५९ | १८।१२ | २०।२८ | २२।४५ | ००।५१ | २।३७ | ४। ९ | ५।४० |
| मं. ३० | ७।१४ | ९।१० | ११।२३ | १३।४१ | १५।५५ | १८। ८ | २०।२४ | २२।४१ | ००।४७ | २।३३ | ४। ५ | ५।३६ |

७ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३१।१२
अयनांशाः २२।१२।५३।६




१४ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३१।१६
अयनांशाः २२।१२।५४।९




**अथ विविधविषयाः—वैशाखे प्रातः स्नानमन्त्रः**—वैशाखे सकले मासे मेषसंक्रमणेरवेः। प्रातः सनियमं स्नास्ये प्रीयतां मधुसूदन। मधुहन्तुः प्रसादेन ब्राह्मणानामनुग्रहात्। निर्विघ्नमस्तु मे पुण्यवैशाखस्नानमन्वहम्। माधवेमेषगे भानौ मुरारे मधुसूदन। प्रातः स्नानेन मे देव फलदो भव पापहन्। **प्रातः स्नानस्य विशिष्ट समयः**—उत्तमं तु सनक्षत्रं मध्यमं लुप्ततारकम्। सवितर्युदिते भूप ततो हीनं प्रकीर्त्तितम् ॥ **वैशाखे त्याज्य वस्तूनि**—कांस्यं मांसं मसूरान्नं चणकं कोद्रवन्तथा। शाकं मधु परान्नं च पुनर्भोजनमैथुने। वैशाखे दानवस्तुनि स्कान्दे—प्रपा कार्या च वैशाखे देवे देया गलन्तिका। उपानद्व्यंजनं छत्रं सूक्ष्मवासांसि चन्दनम्। जलपात्राणि देयानि तथापूपगृहाणि च। तिथितत्त्वे—ददाति यो हि मेषादौ सक्तुनम्बुघटान्वितान्। पितॄनुद्दिश्य विप्रेभ्यः सर्वपापैः प्रमुच्यते।

**वातावरणम्** :—पक्षादितः सप्तमीं यावद्वायुवह्नितापादयस्ततः पक्षान्तं यावन्मेघचारवायुखण्डवृष्टयः।

**ग्रहस्थिति** :—पूर्वोदितः कुजो नवम्यां बुधे ३४।२४ यावद्वक्री ततोमार्गी, पूर्वोदितो बुधः, गुरुशनी वक्रिणौ पूर्वोदितौ, मार्गीपश्चिमोदितः शुक्रः।

## वैशाखशुक्लपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८७ साल, दि. १६।४।८० ई० तः ३०।४।८० ई० यावत्, दक्षिणेकालः।
वक्री पूर्वोदितो गुरुः, १३ तः मार्गी पश्चिमोदितः शुक्रः, शुद्धः, वसन्तर्तुः, सौम्यगोलायने।

| दि. | ति. | तिथयः द. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | द. प. | घं.मि. | योगाः द. प. | करणानि द. प. | चन्द्रस्थितिः द. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द. प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. | १ | ३।१७ | दि. ६।५९ | भ. | ५४।३४ | रा. ३।३० | प्री. ४०।४२ | व. ३।१७ | मे. | अहोरात्र | ०१ ३।१९।२८ | ३१।४२ | ५।४० | ६।२० | २७ | २९ | ४ | १६ |
| बृ. | ३ | ५३।४५ | रा. ३।९ | कृ. | ५१।५७ | रा. २।२६ | आ. ३४।१० | तै. २५।५८ | मे. ८।५५ | दि. ९।१३ | ०१ ४।१८। १ | ३१।४६ | ५।३९ | ६।२१ | २८ | १ | ५ | १७ |
| शु. | ४ | ५०।१० | रा. १।४२ | रो. | ५०।११ | रा. १।४२ | सौ. २८।१८ | व. २१।५८ | वृष. | अहोरात्र | ०१ ५।१६।३४ | ३१।५० | ५।३८ | ६।२२ | २९ | २ | ६ | १८ |
| श. | ५ | ४७।३६ | रा. १२।३९ | मृ. | ४९।२८ | रा. १।२४ | शो. २३।१४ | व. १८।५३ | वृ. १६।५० | दि. १।३३ | ०१ ६।१५। ७ | ३१।५४ | ५।३७ | ६।२३ | ३० | ३ | ७ | १९ |
| र. | ६ | ४६।१३ | रा. १२। ६ | आ. | ४९।५३ | रा. १।३४ | अ. ११।११ | को. १६।५५ | मिथुन | अहोरात्र | ०१ ७।१३।४० | ३१।५७ | ५।३७ | ६।२३ | ३१ | ४ | ८ | २० |
| चं. | ७ | ४६।७ | रा. १२। ३ | पुन. | ५१।३४ | रा. २।१४ | सु. १५।४६ | ग. १६।२० | मि. ३६। ९ | रा. ८। ४ | ०१ ८।१२।१३ | ३२।०० | ५।३६ | ६।२४ | १ | ५ | ९ | २१ |
| म | ८ | ४७।२३ | रा. १२।३२ | पु. | ५४।३१ | रा. ३।२३ | धृ. १३।३२ | वि. १६।४५ | कर्क | अहोरात्र | ०१ ९।१०।३१ | ३२। ४ | ५।३५ | ६।२५ | २ | ६ | १० | २२ |
| बु. | ९ | ४९।४६ | रा. १।२८ | आश्ले | ५८।३३ | रा. ४।५९ | शू. १२।२१ | बा. १८।३५ | क. ५८।३३ | रा. ४।५९ | ०११०। ८।४९ | ३२। ८ | ५।३४ | ६।२६ | ३ | ७ | ११ | २३ |
| बृ. | १० | ५३।२३ | रा. २।५५ | म. | ६०।०० | अहोरात्र | ग. १२। १ | तै. १९।१२ | सिंह | अहोरात्र | ०१११। ७। ७ | ३२।१२ | ५।३४ | ६।२६ | ४ | ८ | १२ | २४ |
| शु | ११ | ५७।४९ | रा. ४।४१ | म. | ३।४६ | दि. ६। ३ | वृ. १२।३३ | व. २५।३६ | सिंह | अहोरात्र | ०११२। ५।२५ | ३२।१५ | ५।३३ | ६।२७ | ५ | ९ | १३ | २५ |
| श. | १२ | ६०।०० | अहोरात्र | पूफा. | ९।४४ | दि. ९।२६ | ध्रु. १३।४० | व. ३०।२२ | सिं. २६।२१ | दि. ४। ४ | ०११३। ३।४३ | ३२।१८ | ५।३२ | ६।२८ | ६ | १० | १४ | २६ |
| र. | १२ | २।५४ | दि. ६।४२ | उफा. | १६।१३ | दि. १२।१ | व्या. १५।१९ | वा. २।५४ | कन्या | अहोरात्र | ०११४। २।०० | ३२।२१ | ५।३१ | ६।२८ | ७ | ११ | १५ | २७ |
| चं. | १३ | ८।३ | दि. ८।४४ | ह. | २२।५० | दि. २।३६ | ह १६।४६ | तै. ८। ३ | क. ५५।५६ | रा. ३।५३ | ०११५। ०।१७ | ३२।२४ | ५।३१ | ६।२९ | ८ | १२ | १६ | २८ |
| म | १४ | १२।५९ | दि. १०।४३ | चि. | २९।२ | दि. ५। ८ | व. १८। ८ | व. १२।५९ | तुला | अहोरात्र | ०११५।५८।२० | ३२।२७ | ५।३१ | ६।२९ | ९ | १३ | १७ | २९ |
| बु | १५ | १७।१४ | दि. १२।२४ | स्वा. | ३४।३५ | रा. ७।२० | सि. १८।५८ | व. १७।१४ | तुला | अहोरात्र | ०११६।५६।२३ | ३२।३० | ५।३० | ६।३० | १० | १४ | १८ | ३० |

द्वितीयामानं ५४।५३, चन्द्रदर्शनं मु. १५ फल महार्घम्। शिवाजी जयन्ती।
अक्षय तृतीया गङ्गास्नानदानादिः, त्रेतायुगादिः परशुरामावतारः, पूर्वदिशि यात्रा द्विरागमनञ्च घं २ मि. २६ उ. घं० ३ मि. ९ यावद्रात्रौ। A रेवत्यां बुधः ३३।०
म. २१।५८ उ. ५०।१० या., श्रीगणेश ४ व्रतं, निर्वेधविवाहः द्विरागमनञ्च पञ्चम्यां, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा रोहिण्यान्ततः पश्चिमांविना यात्रोत्तमा मृगशिरसि, पूर्वास्तो बुधः ४३।१, A
आद्यजगद्गुरुशङ्कराचार्य जयन्ती, द. ति. ४७।३६ उपरि। B मि. ३ उ. घं. २ मि. १४ यावद्रात्रौ ततः पूर्वांविना यात्रोत्तमा पुष्ये. भ. ४६।७ उ.
श्रीरामानुजाचार्यजयन्ती, दक्षिणदिशियात्रा द्विरागमनञ्च पुनर्वसौ, द. ति. ४६।१३ या.
जाह्नवी सप्तमी, जह्नुमुनेर्जानुमार्गाद् गङ्गायाःनिसरणम्, गृहप्रवेशः यायिजयदयोगश्च सप्तम्यां, द्विरागमनमष्टम्यां, जलाशयदेवादि प्रतिष्ठामुहूर्त्तः, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. १२ B
उत्तरां विना यात्रोत्तमा पुष्ये, स्थायिजयदयोगऽष्टम्यां, भ. १६।४५ या.
श्रीजानकीनवमी जगज्जनन्याः श्रीसीतायाः प्रादुर्भावदिनम् सीतामह्यां तत्प्रादुर्भावस्थले श्रीजानकीदर्शनम्, मृगशिरसि शुक्रः ९।३७, गं. ४७।३३ उपरि।
निर्वेध विवाहो दिवारात्रौ तडागकूपखननं मघायाम्, गं २।३३ या.। C म. २५।३६ उ. ५७।४६ या.
सर्वेषां मोहिनी ११ व्रतं उपनयनम्पूर्वायामेकादशीव्रतोद्यापनञ्च, तडागकूपखननं, निर्वेधविवाहश्च मघायाम्, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पूर्वफल्गुन्यामेकादश्यां, अश्विन्यां मेषे बुधः ४७।१५, C
श्रीमधुसूदन १२ कुशोदकेनपारणम्, उत्तरदिशियात्रा पूर्वफल्गुन्यां, गृहप्रवेशः उत्तरफल्गुन्याम्। D हस्ते, प्रदोष १३ व्रतम्।
भरण्यां रविः २।४४, षाण्मासिक रविव्रतसमाप्तिः निर्वेधविवाहो दिवारात्रौ, यायिजयदयोगो द्विरागमनञ्च त्रयोदश्यां, जलाशयदेवादिप्रतिष्ठा उत्तरफल्गुन्यां, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा D
नरसिंह १४, नरसिंहावतारः, निर्वेधविवाहः द्विरागमनं गृहप्रवेशः जलाशयदेवादिप्रतिष्ठा यायिजयदयोगः दक्षिणदिशि यात्रा च त्रयोदश्याम्, मार्गीगुरुः ३५।१०।
कच्छपावतारः, पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा दिवारात्रौ, स्थायिजयदयोगश्चतुर्दश्यां, म. १२।५६ उ. ४५।७ या., नैर्ऋत्यामगस्त्यास्तः ४=।५। E उज्जयिन्यां कुम्भपर्वयोगः।
वैशाखी १५ स्नानदानादिः निर्वेधविवाहः द्विरागमनं पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा च स्वात्याम्, गृहारंभः जलाशयदेवादिप्रतिष्ठा च पूर्णिमायां, बौद्धावतारः, बुद्धजयन्ती, E

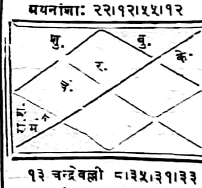
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः. दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि. | ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु | १ | ४। १।२८।२६ | ११।१३।४६।३६ | ४। ७।४४।४५ | ११।१८।११।३७ | ४।२८।४५।३२ | १०। ४।४८। ३ | ४५।५१ |
| बृ | ३ | ४। १।३४।४६ | ११।१५।३१।१९ | ४। ७।४२।२१ | ११।१९।००।३७ | ४।२८।४१।४१ | १०। ४।४४।५२ | ४५।५३ |
| शु | ४ | ४। १।४३। ६ | ११।१७।१६। २ | ४। ७।३९।५७ | ११।१९।४९।३७ | ४।२८।३७।५० | १०। ४।४१।४१ | ४५।५५ |
| श. | ५ | ४। १।५१।२५ | ११।१९।००।५५ | ४। ७।३७।३३ | ११।२०।३८।३७ | ४।२८। ३।५९ | १०। ४।३८।३१ | ४५।५७ |
| र | ६ | ४। १।५९।४४ | ११।२०।४५।२७ | ४। ७।३५। ९ | ११।२१।२७।३७ | ४।२८।३०। ८ | १०। ४।३५।२१ | ४५।५९ |
| चं | ७ | ४। २। ८। ३ | ११।२२।३०। ९ | ४। ७।३२।४५ | ११।२२।१६।३७ | ४।२८।२६।१७ | १०। ४।३२।११ | ४६।०० |
| मं | ८ | ४।२ ।२०।४० | ११।२४।२०।३८ | ४। ७।३०।५५ | ११।२३।००। १ | ४।२८।२३। ४ | १०। ४।२९।०० | ४६। २ |
| बु | ९ | ४। २।३३।१७ | ११।२६।११। ७ | ४। ७।२६।२१ | ११।२३।४३।२५ | ४।२८।१९।५२ | १०। ४।२५।४९ | ४६। ४ |
| बृ | १० | ४। २।४५।५३ | ११।२८। १।२६ | ४। ७।२८।११ | ११।२४।२६।४९ | ४।२८।१६।४० | १०। ४।२२।३८ | ४६। ६ |
| शु | ११ | ४। २।५८।२९ | ११।२९।५१।५५ | ४। ७।२७।२१ | ११।२५।१०।१२ | ४।२८।१३।२८ | १०। ४।१९।२७ | ४६। ८ |
| श. | १२ | ४। ३।११। ५ | ०। १।४२।२४ | ४। ७।२६।४६ | ११।२५।५३।३५ | ४।२८।१०।१६ | १०। ४।१६।१६ | ४६।१० |
| र. | १२ | ४। ३।२३।४१ | ०। ३।३२।५२ | ४। ७।२६।१२ | ११।२६।३६।५८ | ४।२८। ७। ४ | १०। ४।१३। ५ | ४६।११ |
| चं. | १३ | ४। ३।३६।१७ | ०। ५।२३।३० | ४। ७।२६।२८ | ११।२७।२०।२१ | ४।२८। ३।५२ | १०। ४। ९।५५ | ४६।१२ |
| मं. | १४ | ४। ३।५२।४२ | ०। ७।१७। ३ | ४। ७।२६।३४ | ११।२७।५५। ३ | ४।२८। १।४५ | १०। ४। ६।४४ | ४६।१४ |
| बु | १५ | ४। ४। ९। ७ | ०। ९।१०।३६ | ४। ७।२६।४४ | ११।२८।२९।४५ | ४।२७।५८।३८ | १०। ४। ३।३३ | ४६।१६ |

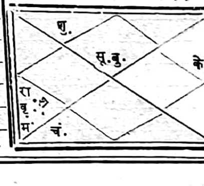
### ॥ दैनिकलग्नसारिणी चक्रम् ॥

| मे. अ. | वृ. अ. | मि. अ. | क. अ. | सिं. अ. | क. अ. | तु. अ. | वृ. अ. | ध. अ. | म. अ. | कु. अ. | मी. अ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७।१० | ९। ६ | ११।१९ | १३।३७ | १५।५१ | १८। ४ | २०।२० | २२।३७ | ०।४३ | २।२९ | ४। १ | ५।३२ |
| ७। ६ | ९। २ | ११।१५ | १३।३३ | १५।४७ | १८।०० | २०।१६ | २२।३३ | ०।३९ | २।२५ | ३।५७ | ५।२८ |
| ७। २ | ८।५८ | ११।११ | १३।२९ | १५।४३ | १७।५६ | २०।१२ | २२।२९ | ०।३५ | २।२१ | ३।५३ | ५।२४ |
| ६।५९ | ८।५५ | ११। ८ | १३।२६ | १५।४० | १७।५३ | २०। ९ | २२।२६ | ०।३२ | २।१८ | ३।५० | ५।२१ |
| ६।५५ | ८।५१ | ११। ४ | १३।२२ | १५।३६ | १७।४९ | २०। ५ | २२।२२ | ०।२८ | २।१४ | ३।४६ | ५।१७ |
| ६।५१ | ८।४७ | ११। ० | १३।१८ | १५।३२ | १७।४५ | २०।१ | २२।१८ | ०।२४ | २।१० | ३।४२ | ५।१३ |
| ६।४८ | ८।४४ | १०।५७ | १३।१५ | १५।२९ | १७।४२ | १९।५८ | २२।१५ | ०।२१ | २। ७ | ३।३९ | ५।१० |
| ६।४४ | ८।४० | १०।५३ | १३।११ | १५।२५ | १७।३८ | १९।५४ | २२।११ | ०।१७ | २। ३ | ३।३५ | ५। ६ |
| ६।४० | ८।३६ | १०।४९ | १३। ७ | १५।२१ | १७।३४ | १९।५० | २२। ७ | ०।१३ | १।५९ | ३।३१ | ५। २ |
| ६।३६ | ८।३२ | १०।४५ | १३। ३ | १५।१७ | १७।३० | १९।४६ | २२। ३ | ०। ९ | १।५५ | ३।२७ | ४।५८ |
| ६।३३ | ८।२९ | १०।४२ | १३।०० | १५।१४ | १७।२७ | १९।४३ | २२। ० | ०। ६ | १।५२ | ३।२४ | ४।५५ |
| ६।२९ | ८।२५ | १०।३८ | १२।५६ | १५।१० | १७।२३ | १९।३९ | २१।५६ | ०। २ | १।४८ | ३।२० | ४।५१ |
| ६।२५ | ८।२१ | १०।३४ | १२।५२ | १५। ६ | १७।१९ | १९।३५ | २१।५२ | २३।५८ | १।४४ | ३।१६ | ४।४७ |
| ६।२१ | ८।१७ | १०।३० | १२।४८ | १५। २ | १७।१५ | १९।३१ | २१।४८ | २३।५४ | १।४० | ३।१२ | ४।४३ |
| ६।१७ | ८।१३ | १०।२६ | १२।४४ | १४।५८ | १७।११ | १९।२७ | २१।४४ | २३।५० | १।३६ | ३। ८ | ४।३९ |

७ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३१।२६
अयनांशा: २२।१२।५५।१२




१३ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३१।३३
अयनांशा: २२।१२।५६।१५




**अथ विविध विषयाः**—वैशाखशुक्ल तृतीयायां परशुरामायार्घ्यदानमन्त्रः—जामदग्न्य महावीर क्षत्रियान्तकर प्रभो। गृहाणार्घ्यं मया दत्तं कृपयापरमेश्वर॥ **मूलवासः**—स्वर्गे शुचिप्रोष्ठपदेषमाघे भूमौ नभःकार्तिकचैत्रपौषे। मूलं ह्यधस्तात्तु तपस्यमार्गवैशाखशुक्रेष्वशुभं च तत्र॥ **अभुक्तमूल विचारः**—अश्विनीमघमूलादौ त्रिवेदनवनाड़िकाः। रेवतीसार्पशक्रान्तेमासरुद्ररसाः क्रमात्। तस्मादेषूत्पन्नानां शान्तिर्विधेया। तत्र मूलोत्पन्नानां विशेषेण यतो हि—मूलाद्यपादजो हन्ति पितरञ्च द्वितीयजः। मातरञ्च तृतीयेऽर्थं शुभदस्तु तुरीयजः॥ सा शान्तिः जन्मानन्तरमग्रिम-मूलादिनक्षत्रेषु कार्या। **मूलवृक्ष विचारः**—मूलं स्तम्भस्त्वचा शाखा पत्रं पुष्पं फलं शिखा। मुनयोऽष्टौ दिशा रुद्राः सूर्याः पंचाब्धयोऽग्नयः। मूले मूल विनाशः स्यात्स्तम्भे वंशविनाशनम्। त्वचि मातुर्भवेत्क्लेशः शाखायां मातुलस्य च। पत्रे राज्यं विजानीयात्पुष्पेमन्त्रिपदंस्मृतम्। फले च विपुला लक्ष्मीः शिखायामल्पजीवितम्॥ **त्रीतर शान्तिरपि विधेया**—तत्र सजातीयापत्यत्रयानन्तरं विजातीयापत्यप्रसवस्त्रीतरः।

**वातावरणम्**—पक्षादितः पञ्चमीं यावन्मेघचाररोगभयतापादयस्ततः रक्षान्तं यावद्वह्निभयमेघखण्डवृष्टयः।

**ग्रहस्थितिः**—मार्गी पूर्वोदितः कुजः, मार्गी बुधश्चतुर्थ्यां शुक्रे ४३।१ यावत्पूर्वोदितस्ततः पूर्वास्तः, पूर्वोदितो गुरुस्त्रयोदश्यां चन्द्रे ३५।१० यावद्वक्रा ततो मार्गी, मार्गी पश्चिमोदितः शुक्रः, वक्री पूर्वोदितः शनिः।

## प्रथमज्येष्ठकृष्णपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८७, साल, दि. १।५।८० ई० तः १४।५।८० ई० यावत्, दक्षिणेकालः, ३० तः पश्चिमेकालः ।
मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पश्चिमोदितः शुक्रः, शुद्धः, वसन्तर्तुः, ३० तः ग्रीष्मर्तुरशुद्धारंभश्च, सौम्यगोलायने ।

| दि.ति. | तिथयः द.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगाः द.प. | करणानि द.प. | चन्द्रस्थितिः द.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | सौ.दि. | चं.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ.। १ | २०।३४ | दि. १।४७ | वि. | ३९। ८ | रा. ९। ८ | व्य.१६। ४ | कौ. २०।३४ | तु. २३।०० | दि. २।४१ | ०।१७।५४।२५ | ३२।३३ | ५।२६ | ६।३१ | ११ | १५ | १९ | १ |
| शु.। २ | २२।४६ | दि. २।३५ | अ. | ४२।३६ | रा. १०।३१ | व. १८।१९ | ग. २२।४६ | वृश्चिक | अहोरात्र | ०।१८।५२।२७ | ३२।३६ | ५।२६ | ६।३१ | १२ | १६ | २० | २ |
| श.। ३ | २३।४२ | दि. २।५७ | ज्ये. | ४४।४५ | रा. ११।३४ | ध. १६।३२ | वि. २३।४२ | वृ. ४४।४५ | रा. ११।३४ | ०।१९।५०।२६ | ३२।३९ | ५।२८ | ६।३२ | १३ | १७ | २१ | ३ |
| र.। ४ | २३।२० | दि. २।४८ | मू. | ४५।३८ | रा. ११।४३ | शि. १३।४८ | वा. २३।२० | धनु | अहोरात्र | ०।२०।४८।३१ | ३२।४२ | ५।२८ | ६।३२ | १४ | १८ | २२ | ४ |
| चं.। ५ | २१।४४ | दि. २। ९ | पूषा. | ४५।२२ | रा. ११।३६ | सि. १०। २ | तै. २१।४४ | धनु | अहोरात्र | ०।२१।४६।३३ | ३२।४४ | ५।२७ | ६।३३ | १५ | १९ | २३ | ५ |
| मं.। ६ | १८।५७ | दि. १। २ | उषा. | ४३।५५ | रा. ११। १ | सा. ५।२१ | व. १८।५७ | मकर | अहोरात्र | ०।२२।४४।२४ | ३२।४७ | ५।२७ | ६।३३ | १६ | २० | २४ | ६ |
| बु.। ७ | १५।१३ | दि. ११।३१ | श्र. | ४१।४३ | रा. १०। ७ | शु. ५३।३९ | व. १५।१३ | मकर | अहोरात्र | ०।२३।४२।१५ | ३२।५० | ५।२६ | ६।३४ | १७ | २१ | २५ | ७ |
| बृ.। ८ | १०।३५ | दि. ९।३९ | ध. | ३८।४० | रा. ८।५३ | ब्र. ४६।५१ | कौ १०।३५ | म. १०।१२ | दि. ९।३० | ०।२४।४०। ६ | ३२।५३ | ५।२५ | ६।३५ | १८ | २२ | २६ | ८ |
| शु.। ९ | ५।२१ | दि. ७।३३ | श. | ३५। ३ | रा. ७।२६ | ऐ. ३९।३५ | ग. ५।२१ | कुम्भ | अहोरात्र | ०।२५।३७।५७ | ३२।५६ | ५।२५ | ६।३५ | १९ | २३ | २७ | ९ |
| श.।११ | ५३।३४ | रा. २।५० | पूभा. | ३१। ३ | दि. ५।४६ | वै. ३२। ६ | व. २६।३५ | कु. १७। ३ | दि. १२।१३ | ०।२६।३५।४८ | ३२।५९ | ५।२४ | ६।३६ | २० | २४ | २८ | १० |
| र.।१२ | ४७।२८ | रा. १२।२३ | उभा. | २६।५४ | दि. ४।१० | वि. २४।२६ | कौ. २०।३१ | मीन | अहोरात्र | ०।२७।३३।३९ | ३३। २ | ५।२४ | ६।३६ | २१ | २५ | २९ | ११ |
| चं.।१३ | ४१।२४ | रा. ९।५७ | रे. | २२।४९ | दि. २।३१ | प्री. १६।४९ | ग. १४।३६ | मी. २२।४९ | दि. २।३१ | ०।२८।३१।३० | ३३। ६ | ५।२३ | ६।३७ | २२ | २६ | ३० | १२ |
| मं.।१४ | ३५।३९ | रा. ७।३८ | अ. | १८।५६ | दि. १२।५६ | आ. ९।२३ | वि. ८।३२ | मेष | अहोरात्र | ०।२९।३६। ९ | ३३।१० | ५।२२ | ६।३८ | २३ | २७ | ३१ | १३ |
| बु.।३० | ३०।२६ | दि. ५।३२ | भ. | १५।३१ | दि. ११।३३ | सौ. २।१८ | च. ३। ३ | मे. २९।५० | दि. ५।१७ | १।००।२६।४८ | ३३।१३ | ५।२१ | ६।३९ | २४ | २८ | १ | १४ |

**द्विरागमनं गृहारंभः** पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा चानुराधायाम्, मई ५ मासारंभः, ज्येष्ठे वृन्ताकं त्यजेत् ।
**द्विरागमनं** उत्तर दिग् यात्रा च तृतीयायामनुराधायां, **गृहारंभः** अनुराधायां, सूर्यवेधादनुराधायां विवाहदिनाभावः, मिथुने शुक्रः ५८।२, भरण्यां बुधः ५६।३१, म. ५३।१४ उ. ।
श्रीगणेश ४ व्रतं, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घ. ११ मि. ३४ यावद्रात्रौ तत उत्तरदिशियात्रा, गं. ३८।४५ उ. ५३।४५ या., म. २३।४२ या. ।
**निर्वेध विवाहः** द्विरागमनञ्च पञ्चम्यां मूले, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पञ्चम्याम् ।
उत्तरदिशि यात्रा पञ्चम्याम्, द. ति. २१।४४ उपरि । **ज्येष्ठे दानवस्तूनि**–उदकुंभं जलं वेनुस्तालवृन्तं सचन्दनम् । त्रिविक्रमस्य प्रीत्यर्थं प्रदद्यात् ज्येष्ठमासि च ।
शुभयोगमानं ५४।३०, उत्तरां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां, म. १८।५७ उ. ४७।५ या., द. ति. १८।५७ यावत् ।
श्रवणायां कुजवेधाद्विवाहदिनाभावः, **निर्वेधविवाहो** धनिष्ठायां, उत्तरांविना यात्रोत्तमा श्रवणायाम् ।
**निर्वेध विवाहः** पूर्वदिशि यात्रा चाष्टम्यां, यायिजयदयोगो नवम्यां धनिष्ठायाम् ।
दशमीमानं ५४।१५, पश्चिमदिशियात्रा पूर्वभाद्रे, भ. ३५।२९ उ. ५६।५६ या. । कृत्तिकायां बुधः ५८।३८ ।
**कृत्तिकायां रविः** ५०।३२, **स्मार्त्तानामपरा ११ व्रतम्**, पश्चिमदिशि यात्रा घं. १२ मि. १३ यावद्दिने ततः पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. ५ मि. ४९ यावद्दिने, यायिजयदयोग उत्तरभाद्रे ।
**वैष्णवानामपरा ११ व्रतं**, तिलेन पारणं, **निर्वेध विवाहः** उत्तरभाद्रे, रेवत्यां शनिवेधाद्विवाहो नेव, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा त्रयोदश्यां, वृषे बुधः ४५।३५ ।
पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा रेवत्यां ततः पूर्वां विना यात्रोत्तमा **निर्वेधविवाहश्च** त्रयोदश्यामश्विन्यां, यायिजयदयोगो रेवत्यां, प्रदोष १३ व्रतं, म. ४१।२४ उ., गं. १०।४९ उ. २५।४९ या. ।
**A मालमासारंभःअशुद्धारंभश्च** ३०।२६ उपरि ।
प्रदोष १४ व्रतं, मासान्तः, भ. ८।३२ यावत् ।
ज्यैष्ठी ३०, **वटसावित्रीव्रतं**, शोभनयोगमानं ५३।२३, **वृषेरविः** १८।३५ मु. ३० फलं साम्यं **विष्णुपदीसंक्रान्ति पुण्यकालः** घं. ९ मि. ३५ उ. घं. ३ मि. ५९ यावद्दिने, A

### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ.। १ | ४। ४।२५।३१ | ०।११। ४। ९ | ४। ७।२६।५९ | १।२६। ४।२७ | ४।२७।५६। १ | १०। ४।१०।२२ | ४६।१८ |
| शु.। २ | ४। ४।४१।५५ | ०।१२।५७।४२ | ४। ७।२७।१७ | १।२९।३९। ८ | ४।२७।५३।२४ | १०। ३।५७।११ | ४६।१९ |
| श.। ३ | ४। ४।५८।१९ | ०।१४।५१।१५ | ४। ७।२७।४४ | २।००।१३।४९ | ४।२७।५०।४७ | १०। ३।५४।०० | ४६।२० |
| र.। ४ | ४। ५।१४।४३ | ०।१६।४४।४८ | ४। ७।२८।१६ | २।००।४८।३० | ४।२७।४८।११ | १०। ३।५०।५० | ४६।२१ |
| चं.। ५ | ४। ५।३१। ७ | ०।१८।३८।२० | ४। ७।२९। ६ | २। १।२३।११ | ४।२७।४५।३५ | १०। ३।४७।४० | ४६।२२ |
| मं.। ६ | ४। ५।५०।३० | ०।२०।३२। ६ | ४। ७।३०।४६ | २। १।४६।२५ | ४।२७।४३।४० | १०। ३।४४।२९ | ४६।२४ |
| बु.। ७ | ४। ६। ९।५३ | ०।२२।२५।५२ | ४। ७।३२।२५ | २। २। ६।३६ | ४।२७।४१।४५ | १०। ३।४१।१८ | ४६।२६ |
| बृ.। ८ | ४। ६।२९।१६ | ०।२४।१९।३८ | ४। ७।३४। ४ | २। २।३२।५३ | ४।२७।३९।५० | १०। ३।३८। ७ | ४६।२८ |
| शु.। ९ | ४। ६।४८।३९ | ०।२६।१३।२४ | ४। ७।३५।४३ | २। २।५६। ७ | ४।२७।३७।५५ | १०। ३।३४।५६ | ४६।३० |
| श.।११ | ४। ७। ८। २ | ०।२८। ७।१० | ४। ७।३७।२२ | २। ३।१९।२१ | ४।२७।३६।०० | १०। ३।३१।४५ | ४६।३१ |
| र.।१२ | ४। ७।२७।२५ | १।००।०१।५६ | ४। ७।३९। १ | २। ३।४२।३४ | ४।२७।३४।०५ | १०। ३।२८।३५ | ४६।३२ |
| चं.।१३ | ४। ७।४६।४८ | १। १।५४।४२ | ४। ७।४०।४० | २। ४। ५।४७ | ४।२७।३२।१० | १०। ३।२५।२५ | ४६।३३ |
| मं.।१४ | ४। ८। ९। १ | १। ३।४६। ७ | ४। ७।४३।५२ | २। ४।२९।४० | ४।२७।३१।०० | १०। ३।२२।१४ | ४६।३५ |
| बु.।३० | ४। ८।३१।१४ | १। ५।३७।३२ | ४। ७।४७। ३ | २। ४।३५।३२ | ४।२७।२९।५० | १०। ३।१९। ३ | ४६।३७ |

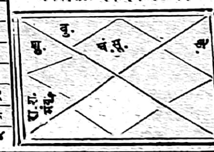
### दैनिक लग्नसारिणी चक्रम्

| दि.ति. | मे.अ. | वृ.अ. | मि.अ. | क.अ. | सिं.अ. | क.अ. | तु.अ. | वृ.अ. | ध.अ. | म.अ. | कु.अ. | मी.अ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ.। १ | ६।१४ | ८।१० | १०।२३ | १२।४१ | १४।५५ | १७। ८ | १९।२४ | २१।४१ | २३।४७ | १।३३ | ३। ५ | ४।३६ |
| शु.। २ | ६।१० | ८। ६ | १०।१९ | १२।३७ | १४।५१ | १७। ४ | १९।२० | २१।३७ | २३।४३ | १।२९ | ३। १ | ४।३२ |
| श.। ३ | ६। ६ | ८। २ | १०।१५ | १२।३३ | १४।४७ | १७।०० | १९।१६ | २१।३३ | २३।३९ | १।२५ | २।५७ | ४।२८ |
| र.। ४ | ६। २ | ७।५८ | १०।११ | १२।२९ | १४।४३ | १६।५६ | १९।१२ | २१।२९ | २३।३५ | १।२१ | २।५३ | ४।२४ |
| चं.। ५ | ५।५८ | ७।५४ | १०। ७ | १२।२५ | १४।३९ | १६।५२ | १९। ८ | २१।२५ | २३।३१ | १।१७ | २।४९ | ४।२० |
| मं.। ६ | ५।५४ | ७।५० | १०। ३ | १२।२१ | १४।३५ | १६।४८ | १९। ४ | २१।२१ | २३।२७ | १।१३ | २।४५ | ४।१६ |
| बु.। ७ | ५।५० | ७।४६ | ९।५९ | १२।१७ | १४।३१ | १६।४४ | १९।०० | २१।१७ | २३।२३ | १। ९ | २।४१ | ४।१२ |
| बृ.। ८ | ५।४६ | ७।४२ | ९।५५ | १२।१३ | १४।२७ | १६।४० | १८।५६ | २१।१३ | २३।१९ | १। ५ | २।३७ | ४। ८ |
| शु.। ९ | ५।४२ | ७।३८ | ९।५१ | १२। ९ | १४।२३ | १६।३६ | १८।५२ | २१। ९ | २३।१५ | १। १ | २।३३ | ४। ४ |
| श.।११ | ५।३८ | ७।३४ | ९।४७ | १२। ५ | १४।१९ | १६।३२ | १८।४८ | २१। ५ | २३।११ | ००।५७ | २।२९ | ४।०० |
| र.।१२ | ५।३४ | ७।३० | ९।४३ | १२। १ | १४।१५ | १६।२८ | १८।४४ | २१। १ | २३। ७ | ००।५३ | २।२५ | ३।५६ |
| चं.।१३ | ५।३० | ७।२६ | ९।३९ | ११।५७ | १४।११ | १६।२४ | १८।४० | २०।५७ | २३। ३ | ००।४९ | २।२१ | ३।५२ |
| मं.।१४ | ५।२६ | ७।२२ | ९।३५ | ११।५३ | १४। ७ | १६।२० | १८।३६ | २०।५३ | २२।५९ | ००।४५ | २।१७ | ३।४८ |
| बु.।३० | ५।२२ | ७।१८ | ९।३१ | ११।४९ | १४। ३ | १६।१६ | १८।३२ | २०।४९ | २२।५५ | ००।४१ | २।१३ | ३।४४ |

५ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३१।४०
अयनांशाः २२।१२।५७।१८




१३ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३१।४७
अयनांशाः २२।१२।५८।२१




**अथविविध विषया :**—अमायां वटसावित्री व्रतम्–अमायाञ्च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती । त्रिरात्रोपोषिता नारी विधानेन प्रपूजयेत् । सावित्रीप्रतिमां कुर्यात्सौवर्णीं वापि मृण्मयीम् । सप्तधान्येन संयुक्तां सावित्रीप्रतिमां शुभाम् । सार्द्धं सत्यवता साध्वीं फल नैवेद्यदीपकैः । सावित्र्याख्यानकंचापि वाचयित्वा द्विजोत्तमैरिति विधिपूर्वकं सम्पूज्य ब्राह्मणाय-दद्यात्तन्मन्त्रः—सावित्रीयं मया दत्ता सहिरण्या महासती । ब्रह्मणः प्रीणनार्थाय ब्राह्मण प्रतिगृह्यताम् । **अथ कतिचिन्नियमा :**—समित्पुष्प कुशादीनि वहतो नाभिवादयेत् । समित्पुष्पकुशादीनि ब्राह्मणः स्वयमाहरेत् । शूद्रानीतैः क्रयक्रीतैः कर्म कुर्वन् पतत्यधः । **अथ सन्तानप्रद सन्तानगोपाल मंत्र :**—देवकीसुत ! गोविन्द ! वासुदेव ! जगत्पते ! देहि मे तनयं कृष्ण ! त्वामहं शरणङ्गतः ॥ इति मंत्रस्य सपाद लक्षसंख्यक जपस्तिलपायसघृतैस्तद्दशांश हवनं, तद्दशांश तर्पणं, तद्दशांश मार्जनं, तद्दशांश ब्राह्मणभोजनञ्च कार्यम् ॥

**वातावरणम् :**—रक्षादितश्चतुर्थी यावद्वह्नितापरोगभयादयस्ततः पक्षान्तं यावन्मेघचार वह्निभयतापादयः ।

**ग्रहस्थितिः**—कुजगुरू मार्गिणौ पूर्वोदितौ, मार्गी पूर्वास्तो बुधः, मार्गी पश्चिमोदितः शुक्रः, वक्री पूर्वोदितः शनिः ।

प्रथमज्येष्ठशुक्लपक्षः (मलमासः) | शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८७ साल, दि. १५।५।८० ई. तः २९।५।८० ई. यावत्, पश्चिमेकालः । मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गीपश्चिमोदितः शुक्रः, ७तः वक्री, अशुद्धः, ग्रीष्मर्तुः, सौम्यगोलायने ।

| दि.ति. | तिथयः द.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगाः द.प. | करणानि द.प. | चन्द्रस्थितिः द.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | म.दि. | क्रो.दि. | ग्र.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. १ | २५।५७ | दि. ३।४४ | कृ. | १२।४६ | दि. १०।२७ | श्र. ४६।४७ | व. २५।५७ | वृष | अहोरात्र | १।१।२४।२६ | ३३।१६ | ५।२१ | ६।३९ | २५ | २९ | २ | १५ |
| शु. २ | २२।१५ | दि. २।१४ | रो. | १०।५३ | दि. ६।४१ | सु. ४४।३५ | कौ. २२।१५ | वृ. ४०।२३ | रा. ६।२९ | १।२।२२।४ | ३३।१९ | ५।२० | ६।४० | २६ | ३० | ३ | १६ |
| श. ३ | १६।३५ | दि. १।१० | मृ. | ६।५२ | दि. ९।१७ | धृ. ४०।१३ | ग. १९।३५ | मिथुन | अहोरात्र | १।३।१९।४२ | ३३।२२ | ५।२० | ६।४० | २७ | १ | ४ | १७ |
| र. ४ | १८। ७ | दि. १२।३४ | आ. | १०। १ | दि. ९।१६ | शू. ३६।५१ | वि. १८।७ | मि० ५६।२ | रा. ३।५० | १।४।१७।२० | ३३।२५ | ५।१९ | ६।४१ | २८ | २ | ५ | १८ |
| चं. ५ | १७।५४ | दि. १२।२८ | पुन. | ११।२३ | दि. ९।५१ | गं. ३४।२८ | वा. १७।२४ | कर्क | अहोरात्र | १।५।१४।५८ | ३३।२८ | ५।१८ | ६।४२ | २९ | ३ | ६ | १९ |
| मं. ६ | १९।०० | दि. १२।५४ | पु. | १४।०३ | दि. १०।५५ | वृ. ३३।९ | तै. १६।०० | कर्क | अहोरात्र | १।६।१२।२५ | ३३।३० | ५।१८ | ६।४२ | ३० | ४ | ७ | २० |
| बु. ७ | २१।२० | दि. १।५० | आश्ले. | १७।५४ | दि. १२।२८ | ध्रु. ३२।४१ | व. २१।२० | क. १७।५४ | दि. १२।२८ | १।७।९।५१ | ३३।३२ | ५।१८ | ६।४२ | ३१ | ५ | ८ | २१ |
| बृ. ८ | २४।४७ | दि. ३।१२ | म. | २२।५३ | दि. २।२६ | व्या. ३३।७ | व. २४।४७ | सिंह | अहोरात्र | १।८।७।१७ | ३३।३४ | ५।१७ | ६।४३ | १ | ६ | ९ | २२ |
| शु. ९ | २९। ७ | दि. ४।५६ | पूफ. | २८।४२ | दि. ४।४६ | ह. ३४।१३ | कौ. २९। ७ | सि. ४५।१९ | रा. ११।२५ | १।९।४।४३ | ३३।३६ | ५।१७ | ६।४३ | २ | ७ | १० | २३ |
| श. १० | ३४। ७ | रा. ६।५५ | उफ. | ३५।०९ | रा. ७।२० | व. ३५।४५ | तै. १।३७ | कन्या | अहोरात्र | १।१०।२।९ | ३३।३८ | ५।१६ | ६।४४ | ३ | ८ | ११ | २४ |
| र. ११ | ३९।१४ | रा. ८।५८ | ह. | ४१।४४ | रा. ९।५८ | सि. ३७।२५ | व. ६।४१ | कन्या | अहोरात्र | १।१०।५९।३५ | ३३।४० | ५।१६ | ६।४४ | ४ | ९ | १२ | २५ |
| चं. १२ | ४४।१० | रा. १०।५६ | चि. | ४८।०५ | रा. १२।३० | व्य. ३८।५४ | व. ११।४२ | कं. १४।५५ | दि. ११।१४ | १।११।५७।१ | ३३।४२ | ५।१६ | ६।४४ | ५ | १० | १३ | २६ |
| मं. १३ | ४८।२२ | रा. १२।३६ | स्वा. | ५३।४७ | रा. २।४६ | व. ३६।५७ | कौ. १६।१६ | तुला | अहोरात्र | १।१२।५४।१७ | ३३।४४ | ५।१५ | ६।४५ | ६ | ११ | १४ | २७ |
| बु. १४ | ५१।३८ | रा. १।५४ | वि. | ५८।३५ | रा. ४।४१ | प. ४०।१७ | ग. २०।०० | तु. ४२।२३ | रा. १०।१२ | १।१३।५१।३२ | ३३।४५ | ५।१५ | ६।४५ | ७ | १२ | १५ | २८ |
| बृ. १५ | ५३।४८ | रा. २।४६ | अनु | ६०।०० | अहोरात्र | शि. ३९।४३ | वि. २२।४३ | वृश्चिक | अहोरात्र | १।१४।४८।४७ | ३३।४६ | ५।१५ | ६।४५ | ८ | १३ | १६ | २९ |

मासादिः ।ज्येष्ठमलमासस्यफलम्—"रोगपीडा भवेज्ज्येष्ठे यज्ञदानादिकं बहु" । मलमासे दानविधिः १७ पृष्ठे विलोक्यः ।

चन्द्रदर्शनं मु ३० फलं साम्यं, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा तृतीयायाम् ।

पूर्वां विना यात्रोत्तमा मृगशिरसि, रोहिण्यां बुधः ००।३७. द. तिः १९।३५ उ., म. ४८।५१ उ. ।

दक्षिणदिशि यात्रा घं. १२ मि. ३४ उ, दिने घं. ३ मि. ५० यावद्रात्रौ तत उत्तरदिशि यात्रा, यायिजयदयोगः पञ्चम्यां, द, ति. १८।७ या., म. १८।७ या. ।

पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा पुनर्वसौ ततः पूर्वां विना यात्रोत्तमा दिवारात्रौ, यायिजयदयोगः पुनर्वसौ ।

।।००।। **मलमासे स्त्रीणां यात्रा निषिद्धा ।**

वक्री शुक्रः १०।८, पश्चिमोदितो बुधः ५७।४४, भ. २१।२० उ, ५३।४ या., गं. ६।५४ उ. २१।५४ या. ।

पूर्वोत्तरयोर्यात्रा घं. २ मि. २६ उ. घं. ३ मि. १२ यावद्दिने ।

पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पूर्वफल्गुन्याम् ।

**रोहिण्यां रविः ४४।२१, गङ्गादशहरा, गङ्गायाः पृथिव्यामवतरणदिनम्,** गङ्गास्नानम्, दक्षिणदिशियात्रा हस्ते, यायिजयदयोगः एकादश्यां, मार्गी शनिः २९।४०, मृगशिरसि बुधः २६।१७ ।

सर्वेषां **पद्मा** ११ व्रतं, यायिजयदयोग एकादश्यां, भ. ६।४१ उ. ३९।१४ या. ।

पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा त्रयोदश्यां, तिलेन पारणम् ।

पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा स्वात्यां, पूर्वफल्गुन्यां कुजः ७।१७ ।

पश्चिमदिशि यात्राऽनुराधायाम्, मिथुने बुधः २५।२४, भ. ५१।३८ उपरि ।

पश्चिमोत्तरयो र्यात्रा पूर्णिमायां, यायिजयदयोगः, भ. २२।४३ यावत्

**मलमासेविशिष्टकर्त्तव्यम्**—मलमासः पुरुषोत्तममासोऽपि उच्यते । अस्मिन् मासे राजगिरौ (पाटलिपुत्र समीपे) वासः परमपुण्यप्रदः । गोरिकानद्यां (नेपालदेशे) स्नानमपि मासेऽस्मिन् महापुण्यदम् ।

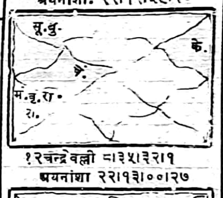
**मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादिस्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च**

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. १ | ४।८।५३।२७ | १।७।२८।५७ | ४।७।५०।१४ | २।४।४७।२४ | ४।२७।२८।४० | १०।३।१५।५२ | ४६।३६ |
| शु. २ | ४।९।११।३९ | १।६।२०।२२ | ४।७।५३।२५ | २।४।५७।१६ | ४।२७।२७।३० | १०।३।१२।४१ | ४६।४१ |
| श. ३ | ४।९।३७।५१ | १।११।११।४७ | ४।७।५६।३६ | २।५।५।८ | ४।२७।२६।२१ | १०।३।६।३० | ४६।४२ |
| र. ४ | ४।१०।०।१३ | १।१३।३।११ | ४।७।५९।४७ | २।५।१२।०० | ४।२७।२५।१२ | १०।३।६।२० | ४६।४३ |
| चं. ५ | ४।१०।२२।१५ | १।१४।५४।३५ | ४।८।२।५८ | २।५।१९।५३ | ४।२७।२४।३ | १०।३।३।१० | ४६।४४ |
| मं. ६ | ४।१०।४६।२४ | १।१६।४०।२३ | ४।८।७।२५ | २।५।१६।५८ | ४।२७।२३।१९ | १०।२।५९।५९ | ४६।४५ |
| बु. ७ | ४।११।१०।३३ | १।१८।२६।११ | ४।८।११।५२ | २।५।१७।२ | ४।२७।२२।४६ | १०।२।५६।४८ | ४६।४६ |
| बृ. ८ | ४।११।३४।४२ | १।२०।११।५९ | ४।८।१६।१९ | २।५।१६।५२ | ४।२७।२२।२२ | १०।२।५३।३७ | ४६।४७ |
| शु. ९ | ४।११।५८।५१ | १।२१।५७।४७ | ४।८।२०।४५ | २।५।८।१० | ४।२७।२२।८ | १०।२।५०।२६ | ४६।४८ |
| श. १० | ४।१२।२३।०० | १।२३।४३।३५ | ४।८।२५।११ | २।४।५४।७ | ४।२७।२२।४ | १०।२।४७।१५ | ४६।४९ |
| र. ११ | ४।१२।४७।८ | १।२५।२९।२२ | ४।८।२९।३७ | २।४।३८।२० | ४।२७।२२।९ | १०।२।४४।४ | ४६।५० |
| चं. १२ | ४।१३।११।१६ | १।२७।१५।९ | ४।८।३४।३ | २।४।२३।२४ | ४।२७।२२।१७ | १०।२।४०।५४ | ४६।५१ |
| मं. १३ | ४।१३।३७।५३ | १।२८।५०।७ | ४।८।३६।१७ | २।३।५६।३४ | ४।२७।२२।२७ | १०।२।३७।४३ | ४६।५२ |
| बु. १४ | ४।१४।४।२९ | २।०।२५।५ | ४।८।४४।३१ | २।३।३५।४५ | ४।२७।२२।३९ | १०।२।३४।३२ | ४६।५३ |
| बृ. १५ | ४।१४।३१।५ | २।१।०।१२ | ४।८।४९।४४ | २।३।११।५६ | ४।२७।२२।५२ | १०।२।३१।२१ | ४६।५४ |

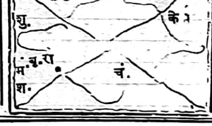
**दैनिकलग्नसारिणीचक्रम्**

| मिश्रमानं | मे. अ. | वृ. अ. | मि. अ. | क. अ. | सि. अ. | क. अ. | तु. अ. | वृ. अ. | ध. अ. | म. अ. | कु. अ. | मी. अ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४६।३६ | ५।१८ | ७।१४ | ९।२७ | ११।४५ | १३।५९ | १६।१२ | १८।२८ | २०।४५ | २२।५१ | ००।३७ | २। ९ | ३।४० |
| ४६।४१ | ५।१४ | ७।१० | ९।२३ | ११।४१ | १३।५५ | १६। ८ | १८।२४ | २०।४१ | २२।४७ | ०।३३ | २। ५ | ३।३६ |
| ४६।४२ | ५।१० | ७। ६ | ९।१९ | ११।३७ | १३।५१ | १६। ४ | १८।२० | २०।३७ | २२।४३ | ०।२९ | २। १ | ३।३२ |
| ४६।४३ | ५। ६ | ७। २ | ९।१५ | ११।३३ | १३।४७ | १६।०० | १८।१६ | २०।३३ | २२।३९ | ०।२५ | १।५७ | ३।२८ |
| ४६।४४ | ५। २ | ६।५८ | ९।११ | ११।२९ | १३।४३ | १५।५६ | १८।१२ | २०।२९ | २२।३५ | ०।२१ | १।५३ | ३।२४ |
| ४६।४५ | ४।५८ | ६।५४ | ९। ७ | ११।२५ | १३।३९ | १५।५२ | १८। ८ | २०।२५ | २२।३१ | ०।१७ | १।४९ | ३।२० |
| ४६।४६ | ४।५४ | ६।५० | ९। ३ | ११।२१ | १३।३५ | १५।४८ | १८। ४ | २०।२१ | २२।२७ | ०।१३ | १।४५ | ३।१६ |
| ४६।४७ | ४।५० | ६।४६ | ८।५९ | ११।१७ | १३।३१ | १५।४४ | १८।०० | २०।१७ | २२।२३ | ००। ९ | १।४१ | ३।१२ |
| ४६।४८ | ४।४६ | ६।४२ | ८।५५ | ११।१३ | १३।२७ | १५।४० | १७।५६ | २०।१३ | २२।१९ | ००। ५ | १।३७ | ३। ८ |
| ४६।४९ | ४।४२ | ६।३८ | ८।५१ | ११। ९ | १३।२३ | १५।३६ | १७।५२ | २०। ९ | २२।१५ | ००। १ | १।३३ | ३। ४ |
| ४६।५० | ४।३८ | ६।३४ | ८।४७ | ११। ५ | १३।१९ | १५।३२ | १७।४८ | २०। ५ | २२।११ | २३।५७ | १।२९ | ३।०० |
| ४६।५१ | ४।३४ | ६।३० | ८।४३ | ११। १ | १३।१५ | १५।२८ | १७।४४ | २०। १ | २२। ७ | २३।५३ | १।२५ | २।५६ |
| ४६।५२ | ४।३० | ६।२६ | ८।३९ | १०।५७ | १३।११ | १५।२४ | १७।४० | १९।५७ | २२। ३ | २३।४९ | १।२१ | २।५२ |
| ४६।५३ | ४।२६ | ६।२२ | ८।३५ | १०।५३ | १३। ७ | १५।२० | १७।३६ | १९।५३ | २१।५९ | २३।४५ | १।१७ | २।४८ |
| ४६।५४ | ४।२२ | ६।१८ | ८।३१ | १०।४९ | १३। ३ | १५।१६ | १७।३२ | १९।४९ | २१।५५ | २३।४१ | १।१३ | २।४४ |

५ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३१।५४
अयनांशाः २२।१२।५६।२४




१२चन्द्रेवल्ली ८।३५।३२।१
अयनांशा २२।१३।००।२७




**अथ विविध विषयाः—मलमासः—** सूर्यसंक्रान्तिरहितश्चान्द्रमासो मलमास उच्यते । गङ्गादशहरा तु तत्रैव "वृषेरवावित्यनेन" । शुद्धज्येष्ठशुक्ले मिथुनादित्यत्वात्तत्र नैवेति ।। **गङ्गादशहरा,** वाराहे-दशमी शुक्लपक्षे तु ज्येष्ठेमासि कुजेऽहनि । अवतीर्णाह्यतः स्वर्गाद्धस्तर्क्षे च सरिद्वरा । हरते दशपापानि तस्माद्दशहरा स्मृता ।। **दशहरायां दशयोगाः, स्कान्दे**—ज्येष्ठेमासि सिते पक्षे दशमी बुधहस्तयोः । व्यतीपातेगरानन्दे कन्याचन्द्रे वृषे रवौ । दशयोगे नरः स्नात्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते । कुजबुधयोरत्रकल्पभेदेन व्यवस्था ज्ञेया । योगाधिक्ये फलाधिक्यादत्रैव योगबाहुल्यं तत्रैवेयं ग्राह्या ।। **दशपापानि**-प्रदत्तानामुपादानं हिंसा चैवाविधानतः । परदारोपसेवा च कायिकं त्रिविधं तथा । पारुष्यमनृतं चैव पैशुन्यं चापि सर्वतः । असम्बद्धप्रलापश्च वाङ्मयं स्याच्चतुर्विधम् । परद्रव्येष्वभिध्यानं मनसानिष्टचिन्तनम् । वितथाभिनिवेशश्च मानसं त्रिविधं स्मृतम् । एतानि दशपापानि हरत्वं मम जाह्नवि । दशपापहरायस्मात्तस्माद्दशहरास्मृता ।

**वातावरणम् :**—पक्षादितस्तृतीयां यावत्तापरोगभयवह्निप्रकोपादयस्ततः पक्षान्तं यावद्वायुखण्डवृष्टिवह्नितापादयः ।

**ग्रहस्थिति :**—कुजगुरुमार्गिणौ पूर्वोदितौ, मार्गी बुधः सप्तम्यां बुधे ५७।४४ यावत्पूर्वस्तिस्ततः पश्चिमोदितः, पश्चिमोदितः शुक्रः सप्तम्यां बुधे १०।८ यावन्मार्गी ततो वक्री, पूर्वोदितः शनिर्दशम्यां शनौ २९।४० यावद्वक्री ततो मार्गी ।

| दि.ति. | तिथयः द. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | द. प. | घं. मि. | योगाः द. प. | करणानि द. प. | चन्द्रस्थितिः द. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादि | दिनमानं द. प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | सौ.दि. | चं.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. १ | ५४।४३ | रा. ३। ८ | अनु. | २।१७ | दि. ६।१० | सि. ३८।१६ | बा. २४।१६ | वृश्चिक | अहोरात्र | १।१५।४६। २ | ३३।४७ | ५।१५ | ६।४५ | ९ | १४ | १७ | ३० |
| श. २ | ५४।१९ | रा. २।५८ | ज्ये. | ४।४४ | दि. ७। ८ | सा. ३५।४७ | तै. २४।३१ | वृ. ०।४४ | दि. ७। ८ | १।१६।४३।१७ | ३३।४८ | ५।१४ | ६।४६ | १० | १५ | १८ | ३१ |
| र. ३ | ५२।४१ | रा. २।१८ | मू. | ५।५० | दि. ७।३४ | शु. ३२।१६ | व. २३।३० | धनु | अहोरात्र | १।१७।४०।३२ | ३३।४९ | ५।१४ | ६।४६ | ११ | १६ | १९ | १ |
| चं. ४ | ४९।५१ | रा. १।१० | पूषा. | ५।४७ | दि. ७।३३ | शु. २८।४९ | व. २१।१९ | ध. २०।३१ | दि. १।२६ | १।१८।३७।४७ | ३३।५० | ५।१४ | ६।४६ | १२ | १७ | २० | २ |
| मं. ५ | ४६। ४ | रा. ११।४० | उषा. | ४।४१ | दि. ७। ६ | ब्र. २२।३० | कौ. १७।५८ | मकर | अहोरात्र | १।१९।३४।५५ | ३३।५२ | ५।१४ | ६।४६ | १३ | १८ | २१ | ३ |
| बु. ६ | ४१।२६ | रा. ९।४७ | श्र. | २।३६ | दि. ६।१५ | ऐ. १६।३१ | ग. १३।४५ | म. ३१। ८ | दि. ५।४० | १।२०।३२। ३ | ३३।५४ | ५।१३ | ६।४७ | १४ | १९ | २२ | ४ |
| बृ. ७ | ३६। ७ | रा. ७।४० | श | ५६। ९ | रा. ३।४१ | वै. ९।४८ | वि. ८।४७ | कुम्भ | अहोरात्र | १।२१।२९।११ | ३३।५६ | ५।१३ | ६।४७ | १५ | २० | २३ | ५ |
| शु. ८ | ३०।१९ | दि. ५।२१ | पूभा. | ५२।१२ | रा. २। ६ | वि. २।४२ | बा. ३।१३ | कु. ३९।४२ | रा. ६। ६ | १।२२।२६।१८ | ३३।५७ | ५।१३ | ६।४७ | १६ | २१ | २४ | ६ |
| श. ९ | २४।१३ | दि. २।५३ | उभा. | ४८। ६ | रा. १२।२६ | आ. ४७।४० | ग. २४।१३ | मीन | अहोरात्र | १।२३।२३।२५ | ३३।५८ | ५।१२ | ६।४८ | १७ | २२ | २५ | ७ |
| र. १० | १८। २ | दि. १२।२५ | रे. | ४३।५६ | रा. १०।४६ | सौ. ४०। ३ | वि. १८। २ | मी. ४३।५६ | रा. १०।४६ | १।२४।२०।३२ | ३३।५९ | ५।१२ | ६।४८ | १८ | २३ | २६ | ८ |
| चं. ११ | ११।५५ | दि. ९।५८ | अ. | ३९।५९ | रा. ९।१२ | शो. ३२।३७ | बा. ११।५५ | मेष | अहोरात्र | १।२५।१७।३९ | ३४।०० | ५।१२ | ६।४८ | १९ | २४ | २७ | ९ |
| मं. १२ | ६।११ | दि. ७।४० | भ. | ३६।२७ | रा. ७।४७ | अ. २५।२६ | तै. ६।११ | मे. ५०।४३ | रा. १।२९ | १।२६।१४।४० | ३४। २ | ५।१२ | ६।४८ | २० | २५ | २८ | १० |
| बु. १३ | ००।५३ | दि. ५।३२ | कृ. | ३३।३१ | दि. ६।३५ | सु. १८।४६ | व. ००।५३ | वृष | अहोरात्र | १।२७।११।४० | ३४। ३ | ५।११ | ६।४९ | २१ | २६ | २९ | ११ |
| बृ. ३० | ५२।३० | रा. २।११ | रो. | ३१।२६ | दि. ५।४५ | धृ. १२।४४ | च. २४।२३ | वृष | अहोरात्र | १।२८। ८।४० | ३४। ४ | ५।११ | ६।४९ | २२ | २९ | ३० | १२ |

## द्वितीयज्येष्ठकृष्णपक्षः (मलमासः)

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८७ साल, दि. ३०।५।८० ई. तः १२।६।८० ई. यावत्, पश्चिमेकालः। मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, वक्री पश्चिमोदितः शुक्रः, ८ तः पश्चिमास्तः, अशुद्धः, ग्रीष्मर्तुः, सौम्यगोलायने ।

उत्तरदिशि यात्रा प्रतिपदि, गं. ५८।४४ उपरि ।

पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. ७ मि. ८ यावद्दिने ततः उत्तरदिशि यात्रा दिवारात्रौ, ग. १३।४४ यावत् ।

पूर्वोत्तरयोर्यात्रातृतीयायां, जून ६ मासारंभः, आर्द्रायां बुधः ३९।३, म. २३।३० उ. ५२।४१ या., द. ति. ५२।४१ उ., क्षीणः शुक्रः २१।११ उपरि । द. ति. ४६।५१ या. ।

उत्तरां विना यात्रा पञ्चम्यां श्रवणायाम् ।

उत्तरां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां ततः पूर्वदिशि यात्रा घं. ५ मि. ४० यावद्दिने ततः पश्चिमदिशि यात्रा घं. ५ मि. ५ यावद्रात्र्यन्तं । धनिष्ठामानं ५७।३, भ. ४१।२६ उ. । भ. ८।४७., वक्रगत्या वृषे शुक्रः ५६।५ ।

प्रीति योगमानं ५२।३५, स्थायिजयदयोगाऽष्टम्याम्, उत्तरदिशियात्रा घं. ६ मि. ६ उपरि रात्रौ, पश्चिमास्तः शुक्रः २१।११ ।

मृगशिरसि रविः ४३।१४, भ. ५१।७ उ., यायिजयदयोगो नवम्याम् ।

पूर्वोत्तरयोर्यात्रा दशम्यां, यायिजयदयोग एकादश्यां, गं. ३१।५६ उ. ४६।५६ या., म. १८।२ या. ।

सर्वेषां परमा ११ व्रतं, यायिजयदयोग एकादश्याम् ।

तिलेन पारणम् ।

चतुर्दशीमानं ५५।२३, म. ००।५३ उ, २८।३६ या., पुनर्वसौ बुधः ३७।३७ ।

मलमासान्तः ५२।३० उपरि, यायिजयदयोगो रोहिण्यां, दक्षिणां विनायात्रा प्रतिपदि ।

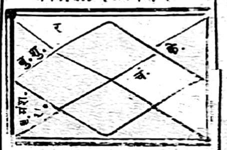
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. १ | ४।१४।५७।४१ | २। ३।३४।५९ | ४। ८।५४।५७ | २। २।४८। ७ | ४।२७।२३। ८ | १०। २।२८।१० | ४६।५५ |
| श. २ | ४।१५।२४।१७ | २। ५। ९।५५ | ४। ९।००।१० | २। २।२४।१८ | ४।२७।२३।३३ | १०। २।२४।५९ | ४६।५५ |
| र. ३ | ४।१५।५०।५३ | २। ६।४४।५३ | ४। ९। ५।२३ | २। २।००।२९ | ४।२७।२४। ५ | १०। २।२१।४९ | ४६।५५ |
| चं. ४ | ४।१६।१७।२९ | २। ८।१९।५० | ४। ९।१०।३६ | २। १।३६।४० | ४।२७।२४।५८ | १०। २।१८।३९ | ४६।५५ |
| मं. ५ | ४।१६।४४।३७ | २। ९।४९।२४ | ४। ९।१७।३६ | २। ०।५९।३१ | ४।२७।२६।१० | १०। २।१५।२८ | ४६।५६ |
| बु. ६ | ४।१७।१३।४४ | २।११। २।५७ | ४। ९।२४।३६ | २। ०।२२।२२ | ४।२७।२७।३० | १०। २।१२।१७ | ४६।५७ |
| बृ. ७ | ४।१७।४१।५१ | २।१२।२४।३० | ४। ९।३१।३६ | १।२९।४५।१३ | ४।२७।२८।५० | १०। २। ९। ६ | ४६।५८ |
| शु. ८ | ४।१८।९ ।५८ | २।१३।४६। ३ | ४। ९।३८।३५ | १।२९। ८। ४ | ४।२७।३०।१० | १०। २। ५।५५ | ४६।५९ |
| श. ९ | ४।१८।३८। ५ | २।१५। ७।३६ | ४। ९।४५।३४ | १।२८।३०।५५ | ४।२७।३१।३१ | १०। २। २।४४ | ४७।०० |
| र. १० | ४।१९।६ ।१२ | २।१६।२९। ९ | ४। ९।५२।३३ | १।२७।५३।४७ | ४।२७।३२।५२ | १०। १।५९।३४ | ४७।०० |
| चं. ११ | ४।१९।३४।१९ | २।१७।५०।४२ | ४। ९।५९।३२ | १।२७।१६।३९ | ४।२७।३४।१३ | १०। १।५६।२४ | ४७।०० |
| मं. १२ | ४।२०।४ ।१४ | २।१८।४७।०० | ४।१०। ७।११ | १।२६।३७। ८ | ४।२७।३६।१० | १०। १।५३।१३ | ४७। १ |
| बु. १३ | ४।२०।३३।४९ | २।१९।४३।४८ | ४।१०।१४।५० | १।२५।५७।३७ | ४।२७।३८। ७ | १०। १।५०। २ | ४७। २ |
| बृ. ३० | ४।२१।३ ।२४ | २।२०।३९।३६ | ४।१०।२२।२९ | १।२५।१८। ६ | ४।२७।४०। ४ | १०। १।४६।५१ | ४७। ३ |

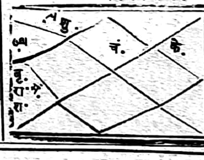
### दैनिकलग्नसारिणीचक्रम् ॥

| दि.ति. | मे. प्र. | वृ.प्र. | मि.प्र. | क.प्र. | सि.प्र. | क.प्र. | तु.प्र. | वृ.प्र. | ध.प्र. | म.प्र. | कु.प्र. | मी.प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. १ | ४।१८ | ६।१४ | ८।२७ | १०।४५ | १२।४९ | १५।१२ | १७।२८ | १९।४५ | २१।५१ | २३।३७ | १। ९ | २।४० |
| श. २ | ४।१४ | ६।१० | ८।२३ | १०।४१ | १२।४५ | १५। ८ | १७।२४ | १९।४१ | २१।४७ | २३।३३ | १। ५ | २।३६ |
| र. ३ | ४।१० | ६। ६ | ८।१९ | १०।३७ | १२।४१ | १५। ४ | १७।२० | १९।३७ | २१।४३ | २३।२९ | १। १ | २।३२ |
| चं. ४ | ४। ६ | ६। २ | ८।१५ | १०।३३ | १२।४७ | १५।०० | १७।१६ | १९।३३ | २१।३९ | २३।२५ | ०।५७ | २।२८ |
| मं. ५ | ४। २ | ५।५८ | ८।११ | १०।२९ | १२।४३ | १४।५६ | १७।१२ | १९।२९ | २१।३५ | २३।२१ | ०।५३ | २।२४ |
| बु. ६ | ३।५८ | ५।५४ | ८। ७ | १०।२५ | १२।३९ | १४।५२ | १७। ८ | १९।२५ | २१।३१ | २३।१७ | ०।४९ | २।२० |
| बृ. ७ | ३।५४ | ५।५० | ८। ३ | १०।२१ | १२।३५ | १४।४८ | १७। ४ | १९।२१ | २१।२७ | २३।१३ | ०।४५ | २।१६ |
| शु. ८ | ३।५० | ५।४६ | ७।५९ | १०।१७ | १२।३१ | १४।४४ | १७।०० | १९।१७ | २१।२३ | २३। ९ | ०।४१ | २।१२ |
| श. ९ | ३।४६ | ५।४२ | ७।५५ | १०।१३ | १२।२७ | १४।४० | १६।५६ | १९।१३ | २१।१९ | २३। ५ | ०।३७ | २। ८ |
| र. १० | ३।४२ | ५।३८ | ७।५१ | १०। ९ | १२।२३ | १४।३६ | १६।५२ | १९। ९ | २१।१५ | २३। १ | ०।३३ | २। ४ |
| चं. ११ | ३।३८ | ५।३४ | ७।४७ | १०। ५ | १२।१९ | १४।३२ | १६।४८ | १९। ५ | २१।११ | २२।५७ | ०।२९ | २।०० |
| मं. १२ | ३।३४ | ५।३० | ७।४३ | १०। १ | १२।१५ | १४।२८ | १६।४४ | १९। १ | २१। ७ | २२।५३ | ०।२५ | १।५६ |
| बु. १३ | ३।३० | ५।२६ | ७।३९ | ९।५७ | १२।११ | १४।२४ | १६।४० | १८।५७ | २१। ३ | २२।४९ | ०।२१ | १।५२ |
| बृ. ३० | ३।२६ | ५।२२ | ७।३५ | ९।५३ | १२। ७ | १४।२० | १६।३६ | १८।५३ | २०।५९ | २२।४५ | ०।१७ | १।४८ |

४ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३२।८
अयनांशाः २२।१३।१।३०




११ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३२।१५
अयनांशाः २२।१३।२।३३




**अथ विविधविषयाः— मलमासेकर्त्तव्यविचारः—बृहस्पतिः**—नित्यनैमित्तिके कुर्यात्प्रयतः सन्मलिम्लुचे । तीर्थस्नानं गजच्छायां प्रेतस्नानं तथैव च । गर्भे वाद्धुषिकृत्ये च मृतानां पिण्डकर्मसु । सपिण्डीकरणे चैव नाधिमासं विदुर्बुधाः । तत्र नित्यं सन्ध्यावन्दनादि, नैमित्तिकं ग्रहशान्त्यादि निमित्तकस्नानादि, तीर्थस्नानं द्वितीयाद्यावृत्ति, गजच्छायेति ग्रहणनिमित्तक श्राद्ध प्रेतस्नानं मरणनिमित्तकस्नानं, गर्भाधानजातकर्मणांप्रयोग मृतनरपिण्डकर्मसपिण्डीकरणानि च मलमासेऽपि कर्त्तव्यानि । तदतिरिक्तानि अग्न्याधान-यज्ञदान-व्रत-वृषोत्सर्ग-चूडाकरणोपनयनवेदारंभ समावर्त्तन-महादान-वापीकूपतडाग देवालयारंभादि कार्याणि त्याज्यानि । अथ-मलमासे दानादि— विष्णुं जिष्णुं महाविष्णुं हरिं कृष्णमधोक्षजम् । केशवं माधवं राममच्युतं पुरुषोत्तमम् । गोविन्दं वामनं श्रीशं श्रीकान्तं विश्वसाक्षिणम् । नारायणं मधुरिपुमनिरुद्धं त्रिविक्रमम् । वासुदेवं जगद्योनिमनन्तं शेषशायिनम् । सङ्कर्षणञ्च प्रद्युम्नं दैत्यारिविश्वतोमुखम् । जनार्दनं धरावासं दामोदरमघार्दनम् । श्रीपतिञ्च त्रयस्त्रिंशदुद्दिश्यप्रतिनामभिः । त्रयस्त्रिंशदपूपानि कांस्यपात्रे निधायच । सघृतं सहिरण्यञ्च ब्राह्मणाय निवेदयेत् ।

**वातावरणम्** :—पक्षादितस्तृतीयां यावद्वह्निवायुतापादयस्ततः पक्षमध्यभागे मेघचारवृष्टी ततः पक्षान्तं यावद्वह्निवायुतापादयः ।

**ग्रहस्थितिः**:— कुजगुरुशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः, मार्गी पश्चिमोदितो बुधः, वक्री शुक्रः अष्टम्यां शुक्रे २१।११ यावत्पश्चिमोदितस्ततः पश्चिमास्तः ।

| वि. | ति. | तिथयः द. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | द. प. | घं.मि. | योगाः द. प. | करणानि द. प. | चन्द्रस्थितिः द. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द. प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | ने. | अं. | मु. | अं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | १ | ४६।४३ | रा. १।४ | मू. | ३०।११ | दि. ५।१५ | शू. ७।२३ | किं.२१। ७ | वृ. ००।४६ | दि. ५।३१ | १।२९। ५।४० | ३४। ५ | ५।११ | ६।४६ | २३ | २८ | ३१ | १३ |
| श. | २ | ४८। ७ | रा. १२।२६ | आ. | ३०। ४ | दि. ५।१३ | ग. २।५३ | बा. १८।५५ | मिथुन | अहोरात्र | २।०।०। २।४० | ३४। ६ | ५।११ | ६।४६ | २४ | २९ | १ | १४ |
| र. | ३ | ४७।४६ | रा. १२।१७ | पुन. | ३१। ६ | दि. ५।३७ | ध्रु. ५६।४६ | तै. १७।५७ | मि. १५।५१ | दि. ११।३१ | २।०।०।५९।४० | ३४। ७ | ५।११ | ६।४९ | २५ | १ | २ | १५ |
| चं. | ४ | ४८।४३ | रा. १२।३९ | पु. | ३३।२९ | दि. ६।३४ | व्या ५५।१५ | व. १८।१५ | कर्क | अहोरात्र | २। १।५६।४० | ३४। ८ | ५।१० | ६।५० | २६ | २ | ३ | १६ |
| मं. | ५ | ५०।५५ | रा. १।३२ | आश्ले. | ३७। ४ | रा. ८।०० | ह ५४।३८ | व. १६।४६ | क. ३७।०४ | रा. ८।०० | २। ०।५३।३५ | ३४। ९ | ५।१० | ६।५० | २७ | ३ | ४ | १७ |
| बु. | ६ | ५४।१४ | रा. २।५२ | म. | ४१।४७ | रा. ९।५३ | व. ५४।४८ | कौ. २२।३५ | सिंह | अहोरात्र | २। ३।५०।३० | ३४।१० | ५।१० | ६।५० | २८ | ४ | ५ | १८ |
| बृ. | ७ | ५८।२८ | रा. ४।३३ | पूफा. | ४७।२४ | रा. १२।१८ | सि. ५५।५८ | ग. २६।२१ | सिंह | अहोरात्र | २। ४।४७।२५ | ३४।११ | ५।१० | ६।५० | २९ | ५ | ६ | १९ |
| शु. | ८ | ६०।०० | अहोरात्र | उफा. | ५३।४० | रा. २।३८ | व्य.५७।२८ | वि. ३०।५६ | सिं. ३।५८ | दि. ६।४५ | २। ५।४४।२० | ३४।१२ | ५।१० | ६।५० | ३० | ६ | ७ | २० |
| श. | ८ | ३।२३ | दि. ६।३० | ह. | ६०।०० | अहोरात्र | व. ५६। ९ | व. ३।२३ | कन्या | अहोरात्र | २। ६।४१।१५ | ३४।१३ | ५। ६ | ६।५१ | ३१ | ७ | ८ | २१ |
| र. | ९ | ८।२४ | दि. ८।३१ | ह. | ०।१६ | दि. ५।१५ | प. ६०।०० | कौ. ८।२४ | क. ३३।२८ | दि. ६।३२ | २। ७।३८।१० | ३४।१४ | ५। ९ | ६।५१ | १ | ८ | ९ | २२ |
| चं. | १० | १३।१७ | दि. १०।२८ | चि. | ६।३९ | दि. ७।४६ | प. ०।४२ | ग. १३।१७ | तुला | अहोरात्र | २। ८।३५। ५ | ३४।१४ | ५। ९ | ६।५१ | २ | ९ | १० | २३ |
| मं. | ११ | १७।३१ | दि. १२। ९ | स्वा. | १२।३० | दि. १०। ९ | शि. १।५२ | वि. १७।३१ | तुला | अहोरात्र | २। ९।३१।५७ | ३४।१३ | ५। ९ | ६।५१ | ३ | १० | ११ | २४ |
| बु. | १२ | २०।५३ | दि. १।३१ | वि. | १७।२९ | दि. १२।१० | सि. २।२२ | बा. २०।५३ | तु. १।१५ | दि. ५।४० | २।१०।२८।४९ | ३४।१२ | ५।१० | ६।५० | ४ | ११ | १२ | २५ |
| बृ. | १३ | २३। ३ | दि. २।२३ | अनु. | २१।२१ | दि. १।४२ | सा. १।५८ | तै. २३। ३ | वृष. | अहोरात्र | २।११।२५।४१ | ३४।११ | ५।१० | ६।५० | ५ | १२ | १३ | २६ |
| शु. | १४ | २३।५९ | दि. २।४६ | ज्ये. | २४। ५ | दि. २।४८ | शु. ०।४६ | व. १३।५९ | वृ. २४। ५ | दि. २।४८ | २।१२।२२।३२ | ३४।१० | ५।१० | ६।५० | ६ | १३ | १४ | २७ |
| श. | १५ | २३।३७ | दि. २।३७ | मू. | २५।३० | दि. ३।२२ | ब्र. ५५।१० | व. २३।३७ | धनु. | अहोरात्र | २।१३।१९।२३ | ३४। ६ | ५।१० | ६।५० | ७ | १४ | १५ | २८ |

## द्वितीयज्येष्ठशुक्लपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८७ माल, दि. १३।६।८० ई० तः २८।६।८० ई० यावत्, पश्चिमेकाला। मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, वक्री पश्चिमास्त शुक्रः, ३ तः पूर्वोदितः,अशुद्धः, ६ तः शुद्धः, ग्रीष्मर्तुः, सौम्यगोलायने।

मासान्ता।
वृद्धियोगमानं ५६।२६, चन्द्रदर्शनं मु ४५ फलं समर्घं, मिथुने रविः ४४।१ मु. ४५ फलं समर्घं षडशीतिसंक्रान्ति पुण्यकालः घं. १२ मि ०० उपरिदिने।
मासादिः, रम्भा तृतीया, पञ्चाग्निव्रतं, वक्रगत्या रोहिण्यां शुक्रः ५१।३४, पूर्वोदितः शुक्रः ५३।६।
भ. १८।१५ उ. ४८।४३ या., श्री गणेश ४ व्रतं, पर्ण ४, उमापूजनम्।
गं २६।४ उ. ४१।४ या.। A पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रादशम्यां, उत्तरफल्गुन्यां कुजः ४६।१४ म. ४५।२४ व., मुण्डनम्।
अरण्यषष्ठी, पूर्वदिशि यात्रा पूर्वफल्गुन्याम्, पुष्टः शुक्रः ५३।६ उ., शुद्धारंभः ५३।६ उपरि।
द. ति. ५८।२८ उ., भ. ५८।२८ उ., निर्वेध विवाहः गृहारंभः गृहप्रवेशस्तडागकूपवापीखननं च सप्तम्यामुत्तरफल्गुन्याम्।
दग्धतिथिः, भ. ३०।५६ या., C मैथिल वैवाहिक समारंभः ( सौराठे सभोलायाञ्च ) मुण्डनं त्रयोदश्यांज्येष्ठायाम्।
आर्द्रायांरविः ४५।४६ स्त्रीस्त्रीयोगः सू. चंयोगः गर्दभवाहनं सौम्यानाड़ी तदधिपति गुरुस्तेन मेघवायुमध्यमवृष्टियोगः, यायिजयदयोगो दक्षिण दिशि यात्रा च नवम्याम्, द. ति. ३।२३ या.।
पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घं. ८ मि. ३१ उ. घं. ६ मि. ३२ यावत्सायं, ततो दक्षिणदिशि यात्रा दिवारात्रौ, उपनयनं निर्वेधविवाहः जलाशयदेवादिप्रतिष्ठा च दशम्याम्, वक्री बुधः २१।५०
उपनयनं जलाशयदेवादि प्रतिष्ठा च, निर्वेध विवाहः गृहप्रवेशश्च दिवारात्रौ, गृहारंभः स्वात्यां, सेतुबन्धरामेश्वरप्रतिष्ठादिनं तत्पूजनं दर्शनञ्च, यायिजयदयोगः स्वात्यां, A
भ. १७।३१ या., सर्वेषां निर्जला ११ व्रतं, यायिजयदयोगोद्वादश्यां, छन्दोगानामुपनयनं स्वात्याम्। ११ व्रतोद्यापनम्। B पश्चिमास्तो बुधः ५८।५८।
श्री विक्रम १२ तिलेनपारणं, प्रदोष १३ व्रतं, शुक्रवेधाद्विवाहो मध्यमोऽनुराधायां, गृहप्रवेशोऽनुराधायां, पश्चिमदिशियात्रा घं. १२ मि. १० उ. घं. १ मि. ३१ यावद्दिने, B
प्रदोष १४ व्रतं, चम्पक १४ प्रदोषे रुद्रपूजनं शुक्र वेधाद्विवाहोमध्यमोऽनुराधायां, गृहप्रवेशः जलाशयदेवाद्विप्रतिष्ठा चानुराधायां, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा यायिजयदयोगश्चत्रयोदश्यां, C
शुक्लयोगमानं ५७।४२, भ. २३।५९ उ. ५३।४८ या., गं. १८।५ उ. ३३।५ या., बुधवेधाद्विवाहो मध्यमो मूले, गृहारंभो मूले, स्यायिजयद्योगश्चतुर्दश्यां, उत्तरदिशि यात्रा D
ज्यैष्ठी १५ स्नानदानादिः, मन्वादिः, गृहारंभः पूर्णिमायां, उत्तरदिशि यात्रा प्रतिपदि। D घं २ मि. ४८ यावद्दिनेततः पूर्वोत्तरयोर्यात्रा दिवारात्रौ।

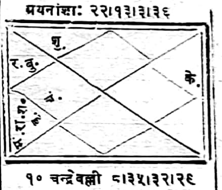
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः. दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| वा. | ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | १ | ४।२१।३३।१९ | २।२१।३५।५४ | ४।१०।३०। ७ | १।२४।३८।३५ | ४।२७।४२। २ | १०। १४३।४० | ४७। ४ |
| श. | २ | ४।२२। ३। ४ | २।२२।३२।११ | ४।१०।३७।४५ | १।२३।५६। ५ | ४।२७।४४।०० | १०। १४०।२९ | ४७। ४ |
| र. | ३ | ४।२२।३२।४८ | २।२३।२८।२८ | ४।१०।४५।२३ | १।२३।१९।३५ | ४।२७।४५।५८ | १०। १३७।१९ | ४७। ४ |
| चं. | ४ | ४।२३। २।३२ | २।२४।२४।४५ | ४।१०।५३। १ | १।२२।४०। ५ | ४।२७।४७।५६ | १०। १३४। ९ | ४७। ४ |
| मं. | ५ | ४।२३।३३।२७ | २।२५।१४।३० | ४।११। १।३० | १।२२। १।५१ | ४।२७।५०।४५ | १०। १३०।५८ | ४७। ५ |
| बु. | ६ | ४।२४। ४।२२ | २।२५।४९।४७ | ४।११। ९।५६ | १।२१।३९।३७ | ४।२७।५३।३४ | १०। १२७।४७ | ४७। ६ |
| बृ. | ७ | ४।२४।३५।१६ | २।२६।१४।४० | ४।११।१८।२८ | १।२१। ६।२३ | ४।२७।५६।२३ | १०। १२४।३६ | ४७। ६ |
| शु. | ८ | ४।२५। ६।१० | २।२६।३४।२८ | ४।११।२६।५७ | १।२०।३६। ९ | ४।२७।५९।११ | १०। १२१।२५ | ४७। ७ |
| श. | ८ | ४।२५।३७। ४ | २।२६।४०।५० | ४।११।३५।२६ | १।२०। ८।५५ | ४।२८। १।५९ | १०। ११८।१४ | ४७। ७ |
| र. | ९ | ४।२६। ७।५८ | २।२६।४४।५५ | ४।११।४३।५४ | १।१९।३८।४१ | ४।२८। ४।४७ | १०। ११५। ४ | ४७। ७ |
| चं. | १० | ४।२६।३८।५२ | २।२६।३९।२४ | ४।११।५२।२२ | १।१९। ८।२६ | ४।२८। ७।३५ | १०। १११।५४ | ४७। ७ |
| मं. | ११ | ४।२७।१०।५७ | २।२६।१८।१५ | ४।१२। १।४९ | १।१८।५६।१४ | ४।२८।११।०० | १०। ११। ८।४३ | ४७। ७ |
| बु. | १२ | ४।२७।४३। २ | २।२६।१३। ८ | ४।१२।११।१६ | १।१८।४४। २ | ४।२८।१४।२५ | १०। ११। ५।३२ | ४७। ७ |
| बृ. | १३ | ४।२८।१५। ७ | २।२५।५३। २ | ४।१२।२०।४३ | १।१८।३१।५० | ४।२८।१७।५० | १०। ११। २।२१ | ४७। ७ |
| शु. | १४ | ४।२८।४७।१२ | २।२५।२८।५५ | ४।१२।३०।३० | १।१८।१९।३८ | ४।२८।२१।१५ | १०। ०।५९।१० | ४७। ६ |
| श. | १५ | ४।२९।१९।१७ | २।२४।५८।४४ | ४।१२।३९।३७ | १।१८। ७।२६ | ४।२८।२४।३९ | १०। ०।५५।५९ | ४७। ५ |

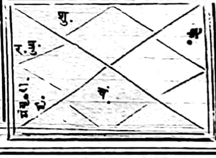
### ॥ दैनिकलग्नसारिणी चक्रम् ॥

| वा. | ति. | मे. प्र. | वृ. प्र. | मि. प्र. | क. प्र. | सिं. प्र. | क. प्र. | तु. प्र. | वृ. प्र. | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी. प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | १ | ३।२२ | ५।१८ | ७।३१ | ९।४९ | १२। ३ | १४।१६ | १६।३२ | १८।४९ | २०।५५ | २२।४१ | ००।१३ | १।४४ |
| श. | २ | ३।१८ | ५।१४ | ७।२७ | ९।४५ | ११।५९ | १४।१२ | १६।२८ | १८।४५ | २०।५१ | २२।३७ | ००। ९ | १।४० |
| र. | ३ | ३।१४ | ५।१० | ७।२३ | ९।४१ | ११।५५ | १४। ८ | १६।२४ | १८।४१ | २०।४७ | २२।३३ | ००। ५ | १।३६ |
| चं. | ४ | ३।१० | ५। ६ | ७।१९ | ९।३७ | ११।५१ | १४। ४ | १६।२० | १८।३७ | २०।४३ | २२।२९ | ००। १ | १।३२ |
| मं. | ५ | ३। ६ | ५। २ | ७।१५ | ९।३३ | ११।४७ | १४।०० | १६।१६ | १८।३३ | २०।३९ | २२।२५ | २३।५७ | १।२८ |
| बु. | ६ | ३। २ | ४।५८ | ७।११ | ९।२९ | ११।४३ | १३।५६ | १६।१२ | १८।२९ | २०।३५ | २२।२१ | २३।५३ | १।२४ |
| बृ. | ७ | २।५८ | ४।५४ | ७। ७ | ९।२५ | ११।३९ | १३।५२ | १६। ८ | १८।२५ | २०।३१ | २२।१७ | २३।४९ | १।२० |
| शु. | ८ | २।५४ | ४।५० | ७। ३ | ९।२१ | ११।३५ | १३।४८ | १६। ४ | १८।२१ | २०।२७ | २२।१३ | २३।४५ | १।१६ |
| श. | ८ | २।५० | ४।४६ | ६।५९ | ९।१७ | ११।३१ | १३।४४ | १६।०० | १८।१७ | २०।२३ | २२। ९ | २३।४१ | १।१२ |
| र. | ९ | २।४६ | ४।४२ | ६।५५ | ९।१३ | ११।२७ | १३।४० | १५।५६ | १८।१३ | २०।१९ | २२। ५ | २३।३७ | १। ८ |
| चं. | १० | २।४२ | ४।३८ | ६।५१ | ९। ९ | ११।२३ | १३।३६ | १५।५२ | १८। ९ | २०।१५ | २२। १ | २३।३३ | १। ४ |
| मं. | ११ | २।३७ | ४।३३ | ६।४६ | ९। ४ | ११।१८ | १३।३१ | १५।४७ | १८। ४ | २०।१० | २१।५६ | २३।२८ | ००।५९ |
| बु. | १२ | २।३३ | ४।२९ | ६।४२ | ९।०० | ११।१४ | १३।२७ | १५।४३ | १८।०० | २०। ६ | २१।५२ | २३।२४ | ००।५५ |
| बृ. | १३ | २।२९ | ४।२५ | ६।३८ | ८।५६ | ११।१० | १३।२३ | १५।३९ | १७।५६ | २०। २ | २१।४८ | २३।२० | ००।५१ |
| शु. | १४ | २।२५ | ४।२१ | ६।३४ | ८।५२ | ११। ६ | १३।१९ | १५।३५ | १७।५२ | १९।५८ | २१।४४ | २३।१६ | ००।४७ |
| श. | १५ | २।२१ | ४।१७ | ६।३० | ८।४८ | ११। २ | १३।१५ | १५।३१ | १७।४८ | १९।५४ | २१।४० | २३।१२ | ००।४३ |

४ चन्द्रेवह्नी ८।३५।३२।२२
अयनांशाः २२।१३।३।३६




१० चन्द्रेवह्नी ८।३५।३२।२६
अयनांशा: २२।१३।४।३६




### अथ विविध विषयाः—अथनवग्रहस्तुतिः—

जवाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
ध्वान्तारिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्॥
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम्।
नमामि शशिनं भक्त्या शंभोर्मुकुटभूषणम्॥
धरणीगर्भसंभूतं विद्युत् कान्तिसमप्रभम्।
कुमार शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्॥
प्रियङ्गुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्॥
देवानाञ्चऋषीनाञ्च गुरुं काञ्चन सन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं गुरुं प्रणमाम्यहम्॥
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानाञ्च परं गुरुम्।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्॥
नीलाञ्जनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम्॥
अर्द्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्॥
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमर्दनम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्॥
इतिव्यासमुखोद्गीतं यः पठेत्सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति॥
नरनारीनृपाणाञ्च भवेद्दुःस्वप्ननाशनम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्॥

वातावरणम्—पक्षादितोनवमीं यावद्वाशुभेघच्छायात्पवृष्टयस्ततः पक्षान्तं यावद्धिमयतापरोगादयः।
ग्रहस्थितिः—कुजगुरुशन्यो मार्गिणः पूर्वोदिताः, बुधः नवम्यां रवौ २१।५० यावन्मार्गी पश्चिमोदितस्ततो द्वादश्यां बुधे ५८।५८ यावद्वक्री पश्चिमोदितस्ततो वक्री पश्चिमास्तः, वक्री शुक्रस्तृतीयायां रवौ ५३।६ यावत्पश्चिमास्तस्ततः पूर्वोदितः।

ॐ श्री नवग्रहार्पणमस्तु।

| दि.ति. | तिथय: द.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगा: द.प. | करणानि द.प. | चन्द्रस्थिति: द.प. | घं.मि | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | सौ.दि. | मं.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| र.। १ | २२। १ | दि. १।५८ | पूषा. | २५।४२ | दि. ३।२७ | ऐ. ५०।५१ | कौ. २२। १ | ध. ४०।२९ | रा. ९।२२ | २।१४।१६।१४ | ३४। ८ | ५।१० | ६।५० | ८ | १५ | १६ | २९ |
| चं.। २ | १९।१३ | दि. १२।५२ | उषा. | २४।४४ | दि. ३। ५ | वै. ४५।४३ | ग. १९।१३ | मकर | अहोरात्र | २।१५।१३। ५ | ३४। ६ | ५।११ | ६।४९ | ९ | १६ | १७ | ३० |
| मं.। ३ | १५।२७ | दि. ११।२२ | श्र. | २२।५० | दि. २।१९ | वि. ३९।५१ | वि. १५।२७ | म. ५१।२८ | रा. ९।४६ | २।१६। ९।५६ | ३४। ४ | ५।११ | ६।४९ | १० | १७ | १८ | १ |
| बु.। ४ | १०।५१ | दि. ९।३१ | ध. | २०। ६ | दि. १।१३ | प्री. ३३।१७ | वा. १०।५१ | कुम्भ | अहोरात्र | २।१७। ६।४७ | ३४। ३ | ५।११ | ६।४९ | ११ | १८ | १९ | २ |
| बृ.। ५ | ५।३४ | दि. ७।२६ | श. | १६।४३ | दि. ११।५३ | आ. २६।१३ | तै. ५।३४ | कुं. ५८।४९ | रा. ४।४४ | २।१८। ३।३८ | ३४। २ | ५।१२ | ६।४८ | १२ | १९ | २० | ३ |
| शु.। ७ | ५३।३८ | रा. २।३९ | पूभा. | १२।५० | दि. १०।२० | सौ. १८।४९ | वि. २६।४१ | मीन | अहोरात्र | २।१९।००।२६ | ३४। १ | ५।१२ | ६।४८ | १३ | २० | २१ | ४ |
| श.। ८ | ४७।२५ | रा. १२।१० | उभा. | ८।४५ | दि. ८।४२ | शो. ११।१३ | वा. २०।३२ | मीन | अहोरात्र | २।१९।५७।१९ | ३४ ।० | ५।१२ | ६।४८ | १४ | २१ | २२ | ५ |
| र.। ९ | ४१।१७ | रा. ९।४३ | रे. | ४।२९ | दि. ७।०० | अ. ३।३४ | तै. १४।२१ | मी. ४।२९ | दि. ७।०० | २।२०।५४। ९ | ३३।५९ | ५।१२ | ६।४८ | १५ | २२ | २३ | ६ |
| चं.।१० | ३५।२७ | रा. ७।२३ | अ. | ५६।५० | रा. ३।५६ | धृ. ४८।४८ | व. ८।२२ | मेष | अहोरात्र | २।२१।५०।५९ | ३३।५८ | ५।१२ | ६।४८ | १६ | २३ | २४ | ७ |
| मं.।११ | ३०। ४ | दि. ५।१५ | कृ. | ५३।४३ | रा. २।४२ | शू. ४२। १ | व. २।४६ | मे. ११। ३ | दि. ९।३८ | २।२२।४७।५२ | ३३।५७ | ५।१३ | ६।४७ | १७ | २४ | २५ | ८ |
| बु.।१२ | २५।२३ | दि. ३।२२ | रो. | ५१।२४ | रा. १।४७ | गं. ३५।५० | तै. २५।२३ | वृष | अहोरात्र | २।२३।४४।४५ | ३३।५६ | ५।१३ | ६।४७ | १८ | २५ | २६ | ९ |
| बृ.।१३ | २१।३१ | दि. १।४९ | मृ. | ४९।५६ | रा. १।११ | वृ. ३०।१९ | व. २१।३१ | वृ. २०।४० | दि. १।२९ | २।२४।४१।३८ | ३३।५५ | ५।१३ | ६।४७ | १९ | २६ | २७ | १० |
| शु.।१४ | १८।३८ | दि. १२।४० | आ. | ४९।३१ | रा. १। १ | ध्रु. २५।३९ | श. १८।३८ | मिथुन | अहोरात्र | २।२५।३८।३१ | ३३।५४ | ५।१३ | ६।४७ | २० | २७ | २८ | ११ |
| श.।३० | १६।५४ | दि. १२।०० | पुन. | ५०।१८ | रा. १।२१ | व्या. २१।५२ | ना. १६।५४ | मि. ३५। ६ | रा. ७।१६ | २।२६।३५।२३ | ३३।५२ | ५।१४ | ६।४६ | २१ | २८ | २९ | १२ |

**आषाढकृष्णपक्षः** | शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८७ साल, दि. २३।६।८० ई० तः १२।७।८० ई० यावत्, पश्चिमेकालः। मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, वक्री पूर्वोदितः शुक्रः, ४ तः मार्गी, शुद्धः, ४ तः अशुद्धः, ग्रीष्मर्तुः, सौम्यगोलायने।

**निर्वंध विवाह** उत्तराषाढे पूर्वोत्तरयोर्यात्रा घं. १ मि. ५८ उ. घं. ३ मि. २७ यावद्दिने। आषाढे विल्वं त्यजेत्।

म. ४७।२० उ., यायिजयदयोग उत्तराषाढे तृतीयायां, पूर्वां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां, **निर्वंधविवाह** उत्तराषाढे, **गुरुवेवाद्विवाहो** मध्यमः श्रवणायां, कन्यायां कुजः ४।३३, A

श्रीगणेश ४ व्रतं, भ. १५।२७ या., जुलाई ७ मासारंभः, स्थायिजयदयोगश्चतुर्थ्यां श्रवणायां, उत्तरां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां ततः पूर्वदिशि यात्रा घं. १ मि. ४६ यावद्रात्रौ ततः B

**निर्वंधविवाहः** गृहारंभश्च पञ्चम्यां धनिष्ठायां, **मैथिलवैवाहिकसभासमाप्तिः**, सिंहराशौ सिंहनवांशगतगुरुदोषादशुद्धारंभः ५१।२९ उ., पश्चिमदिशि यात्रा घं. ९ मि ३१ उ. घं C

षष्ठीमानं ५४।१०, भ. ५९।४४ उपरि। मुण्डनं पञ्चम्याम्। A गृहारंभो दिवारात्रौ। B पश्चिमदिशि यात्रा।

द. ति, ५३।३८ उ०, भ. २६।४१ या.। C १ मि. १३ यावद्दिने, मार्गी शुक्रः ४७।२७ मुण्डनं पञ्चम्याम्, पूर्वफल्गुन्यां गुरुः ५२।४७।

द, ति. ४७।२५ या., **पुनर्वसौ रविः** ४९।५३ पुंस्त्रीयोगः चंचं योगो मण्डूकवाहनं वह्निनाड़ी तदधिपतिः कुजस्तेन वायुवृष्टितापयोगः, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा नवम्यां, वक्रगत्याऽऽर्द्रायां

अश्विनीमानं ५५।२४, सुकर्मायोगमानं ५२।२९, गं. ७।२९ या., यायिजयदयोगो रेवत्यां, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा घं. ९ मि. ४३ उपरि रात्रौ घं, ५ मि. ९ यावद्रात्र्यन्तम्।

म. ८।२२ उ. ३५।२७ या., यायिजयदयोगः एकादश्याम्। D बुधः ५।५६, गं. ५२।२९ उ.।

**सर्वेषां योगिनी** ११ व्रतं, स्थायिजयदयोगो द्वादश्यां, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा रोहिण्याम्।

**यवचूर्णं** पारणं प्रदोष १३ व्रतं, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा द्वादश्याम्।

भ. २१।३१ उ. ५०।५ या., प्रदोष १४ व्रतं, दक्षिणां विना यात्रोत्तमा त्रयोदश्याम्।

॥००॥ E घं १ मि. २१ यावद्रात्रौ ततः पूर्वां विना यात्रोत्तमा पुष्ये।

**आषाढी ३० पार्वणम्**, पूर्वोदितो बुधः ५:५४, यायिजयदयोगः पुनर्वसौ, पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा घं. १२ मि ०० उ. दिने घं. ७ मि. १६ यावद्रात्रौ ततः पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा E

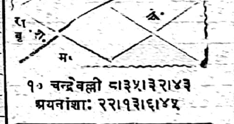
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| र.। १ | ४।२६।५१।५२ | २।२४।२३।२५ | ४।१२।४६। ४ | १।१७।५५।१५ | ४।२८।२८। ३ | १०। ०।५२।४८ | ४७। ४ |
| चं.। २ | ५। ०।२३।२७ | २।२३।४५।११ | ४।१२।५८।३० | १।१७।३३।४८ | ४।२८।३१।२७ | १०। ०।४९।३८ | ४७। ३ |
| मं.। ३ | ५। ०।५६।३८ | २।२२।५९।१७ | ४।१३। ८।५२ | १।१७।२४।४७ | ४।२८।३५।३७ | १०। ०।४६।२७ | ४७। ३ |
| बु.। ४ | ५। १।२९।४६ | २।२२।११।२३ | ४।१३।१९।१४ | १।१७।२०।४७ | ४।२८।३९।४७ | १०। ०।४३।१६ | ४७। ३ |
| बृ.। ५ | ५। २। ३।०० | २।२१।२४।२९ | ४।१३।२९।३६ | १।१७।२४।२३ | ४।२८।४३।५७ | १०। ०।४०। ५ | ४७। ३ |
| शु.। ७ | ५। २।३६।१० | २।२०।३७।३५ | ४।१३।३९।५८ | १।१७।२९।३० | ४।२८।४८। ७ | १०। ०।३६।५४ | ४९। २ |
| श.। ८ | ५। ३। ९।२० | २।१९।५०।४० | ४।१३।५०।२० | १।१७।३८।५० | ४।२८।५२।१७ | १०। ०।३३।४३ | ४७। १ |
| र.। ९ | ५। ३।४२।३० | २।१९। ३।४५ | ४।१४।००।४२ | १।१७।५२।५७ | ४।२८।५६।२७ | १०। ०।३०।२३ | ४७।०० |
| चं.।१० | ५। ४।१५।४० | २।१८।१६।५० | ४।१४।११। ३ | १।१८। ८।४२ | ४।२९।००।३७ | १०। ०।२७।२३ | ४६।५९ |
| मं.।११ | ५। ४।४९।४४ | २।१७।३२।४५ | ४।१४।२१।५२ | १।१८।२५।५१ | ४।२९। ५।११ | १०। ०।२४।१२ | ४६।५६ |
| बु.।१२ | ५। ५।२३।४८ | २।१६।५७।४० | ४।१४।३२।४१ | १।१८।४३।०० | ४।२९। ९।४५ | १०। ०।२१। १ | ४६।५९ |
| बृ.।१३ | ५। ५।५७।५२ | २।१६।३२।३५ | ४।१४।४३।३० | १।१९।०१। ९ | ४।२९।१४।१८ | १०। ०।१७।५० | ४६।५८ |
| शु.।१४ | ५। ६।३१।५६ | २।१६।१२।३० | ४।१४।५४।१९ | १।१९।१७।१८ | ४।२९।१८।५१ | १०। ०।१४।३९ | ४६।५७ |
| श.।३० | ५। ७। ६।०० | २।१५।५७।२५ | ४।१५। ५। ८ | १।१९।३४।२७ | ४।२९।२३।२४ | १०। ०।११।२८ | ४६।५६ |

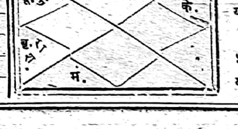
### दैनिक लग्नसारिणी चक्रम्

| मे.अ. | वृ.अ. | मि.अ. | क.अ. | सिं.अ. | क.अ. | तु.अ. | वृ.अ. | ध.अ. | म.अ. | कु.अ. | मी.अ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २।१७ | ४।१३ | ६।२६ | ८।४४ | १०।५८ | १३।११ | १५।२७ | १७।४४ | १९।५० | २१।३६ | २३। ८ | ००।३९ |
| २।१३ | ४। ९ | ६।२२ | ८।४० | १०।५४ | १३। ७ | १५।२३ | १७।४० | १९।४६ | २१।३२ | २३। ४ | ००।३५ |
| २। ९ | ४। ५ | ६।१८ | ८।३६ | १०।५० | १३। ३ | १५।१९ | १७।३६ | १९।४२ | २१।२८ | २३।०० | ००।३१ |
| २। ५ | ४। १ | ६।१४ | ८।३२ | १०।४६ | १२।५९ | १५।१५ | १७।३२ | १९।३८ | २१।२४ | २२।५६ | ००।२७ |
| २। ० | ३।५६ | ६। ९ | ८।२७ | १०।४१ | १२।५४ | १५।१० | १७।२७ | १९।३३ | २१।१९ | २२।५१ | ००।२२ |
| १।५६ | ३।५२ | ६। ५ | ८।२३ | १०।३७ | १२।५० | १५। ६ | १७।२३ | १९।२९ | २१।१५ | २२।४७ | ००।१८ |
| १।५२ | ३।४८ | ६। १ | ८।१९ | १०।३३ | १२।४६ | १५। २ | १७।१९ | १९।२५ | २१।११ | २२।४३ | ००।१४ |
| १।४८ | ३।४४ | ५।५७ | ८।१५ | १०।२९ | १२।४२ | १४।५८ | १७।१५ | १९।२१ | २१। ७ | २२।३९ | ००।१० |
| १।४४ | ३।४० | ५।५३ | ८।११ | १०।२५ | १२।३८ | १४।५४ | १७।११ | १९।१७ | २१। ३ | २२।३५ | ००। ६ |
| १।४० | ३।३६ | ५।४९ | ८। ७ | १०।२१ | १२।३४ | १४।५० | १७। ७ | १९।१३ | २०।५९ | २२।३१ | ००। २ |
| १।३६ | ३।३२ | ५।४५ | ८। ३ | १०।१७ | १२।३० | १४।४६ | १७। ३ | १९। ९ | २०।५५ | २२।२७ | २३।५८ |
| १।३२ | ३।२८ | ५।४१ | ७।५९ | १०।१३ | १२।२६ | १४।४२ | १६।५९ | १९। ५ | २०।५१ | २२।२३ | २३।५४ |
| १।२८ | ३।२४ | ५।३७ | ७।५५ | १०। ९ | १२।२२ | १४।३८ | १६।५५ | १९। १ | २०।४७ | २२।१९ | २३।५० |
| १।२४ | ३।२० | ५।३३ | ७।५१ | १०। ५ | १२।१८ | १४।३४ | १६।५१ | १८।५७ | २०।४३ | २२।१५ | २३।४६ |

२ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३२।३६
अयनांशा: २२।१३।५।४२




१० चन्द्रेवल्ली ८।३५।३२।४३
अयनांशा: २२।१३।६।४५




**अथविविध विषया :— ग्रहावस्थितिवशेन वृष्टिविचारः**—बुधः शुक्रः समीपस्थः करोत्येकार्णवीं महीम्। तयोरन्तर्गतो भानुः समुद्रमपि शोषयेत्। पुरतः पृष्ठतो भानुः शुभार्याद समीपगाः। तदा वृष्टिं प्रकुर्वन्ति न चेत्ते प्रतिलोमगाः। ग्रहाणामुदये चास्ते राश्यन्तरगतेऽयने। संयोगो वापि पक्षान्ते प्रायो वृष्टिः प्रजायते। उदयास्तगतः शुक्रो ववश्च वृष्टिकारकः। चलत्यंगारके वृष्टिः ध्रुवा वृष्टिः शनैश्चरे। वारि पूर्णां महीं कृत्वा पश्चात्संचरते गुरुः। शुक्रे वास्तमितेमन्दे त्रिविधोऽपि प्रजायते। **सूर्यनक्षत्रानि**:— रोहिणीमृगशिरापूर्वोत्तरफल्गुनीहस्तचित्रास्वातीविशाखाऽनुराधाज्येष्ठामूलशतभिषोत्तरभाद्रपदाश्वीति त्रयोदशर्क्षाणि सूर्यनक्षत्राणि शेषाणिचतुर्दशनक्षत्राणि चन्द्रर्क्षाणिज्ञेयानि। **अथैतत्फलम्**—चन्द्रेसूर्यर्क्षगे वृष्टिः सूर्यचन्द्रर्क्षगे सति। उभौचन्द्रर्क्षगौ स्यातां स्वल्पवृष्टिस्तदाभवेत्। तावेवयदि सूर्यर्क्षे तदावृष्टिर्न जायते। **नक्षत्राणां पुरुषादि संज्ञाः**—मूलादीनि चतुर्दशनक्षत्राणि पुरुषसंज्ञकानि, आर्द्रादीनि दशस्त्रीसंज्ञकानि, विशाखादि त्रीणि नपुंसकसंज्ञकानि। तत्र पुंस्त्रीयोगेसुवृष्टिः, स्त्रीस्त्रीयोगे स्वल्पावृष्टिरन्यथा वृष्टेरभावः।

**वातावरणम्** :—पक्षादितोऽष्टमीं यावन्मेघचारवायुमध्यमवृष्टयस्ततः पक्षान्तं यावद्बह्नि भयतापखण्डवृष्टयः।

**ग्रहस्थितिः**—कुजगुरुशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः, वक्री बुधः अमायाञ्छनौ ५।५४ यावत्पश्चिमास्तस्ततः पूर्वोदितः, पूर्वोदितः शुक्रः चतुर्थ्यां बुधे ४७।२७ यावद्वक्री ततोमार्गी।

## आषाढ शुक्लपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८७ साल, दि. १३।७।८० ई. तः २७।७।८० ई. यावत्, पौष्णमेकालः । मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, प्रबुद्धः, हरः शुद्धारंभः ग्रीष्मर्तुः, ... मौम्यगोलायने, ... याम्यायनम् ।

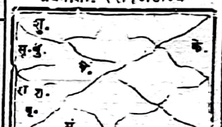
| दि.ति. | तिथयः द.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगाः द.प. | करणानि द.प. | चन्द्रस्थितिः द.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्य राश्यादिः | दिनमान द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | मि.दि. | इ.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| र. १ | १६।२६ | दि. ११।४८ | पु. | ५२।२० | रा. २।१० | ह. १६। ६ | व. १६।२६ | कर्क | अहोरात्र | २।२७।३२।१५ | ३३।५० | ५।१४ | ६।४६ | २२ | २६ | ३० | १३ |
| चं. २ | १७।१५ | दि. १२। ८ | आश्ले. | ५५।३९ | रा. ३।३० | व. १७।२१ | को. १७।१५ | क. ५५।४९ | रा. ३।३० | २।२८।२९। ७ | ३३।४८ | ५।१४ | ६।४६ | २३ | १ | ३१ | १४ |
| मं. ३ | १६।२० | दि. १२।५९ | म | ६०।०० | अहोरात्र | सि. १६।३५ | ग. १९।२० | सिंह | अहोरात्र | २।२९।२६। ४ | ३३।४६ | ५।१५ | ६।४५ | २४ | २ | ३२ | १५ |
| बु. ४ | २२।३३ | दि. २।१६ | म. | ००। ७ | दि. ५।१८ | व्य. १६।४५ | वि. २२।३३ | सिंह | अहोरात्र | ३।०।२३। १ | ३३।४५ | ५।१५ | ६।४५ | २५ | ३ | १ | १६ |
| बृ. ५ | २६।४५ | दि. ३।५७ | पूफ. | ५।२५ | दि. ७।२६ | व. १७।३८ | बा. २६।४५ | सि. २२। ७ | दि. २। ६ | ३। १।१९।५८ | ३३।४४ | ५।१५ | ६।४५ | २६ | ४ | २ | १७ |
| शु. ६ | ३१।३२ | दि. ५।५२ | उफ. | ११।४२ | दि. ६।५६ | प. १९।०० | तै. ३१।३२ | कन्या | अहोरात्र | ३। २।१६।५५ | ३३।४३ | ५।१५ | ६।४५ | २७ | ५ | ३ | १८ |
| श. ७ | ३६।३४ | रा. ७।५४ | ह. | १८।१४ | दि. १२।३४ | शि. २०।४० | ग. ४। ३ | क. ५१।२८ | रा. १।५१ | ३। ३।१३।५१ | ३३।४२ | ५।१६ | ६।४४ | २८ | ६ | ४ | १९ |
| र. ८ | ४१।२८ | रा. ६।५१ | चि. | २४।४१ | दि. ३। ८ | सि. २२।१८ | वि. ६। १ | तुला | अहोरात्र | ३। ४।१०।४७ | ३३।४१ | ५।१६ | ६।४४ | २९ | ७ | ५ | २० |
| चं. ९ | ४५।४४ | रा. ११।३४ | स्वा. | ३०।४४ | दि. ५।३४ | सा. २३।३१ | वा. १३।३६ | तुला | अहोरात्र | ३। ५। ७।४३ | ३३।४० | ५।१६ | ६।४४ | ३० | ८ | ६ | २१ |
| मं. १० | ४६।११ | रा. १२।५६ | वि. | ३५।१६ | रा. ७।३८ | शु. २४।११ | तै. १७।२८ | तु. १९।३८ | वि. १। ७ | ३। ६। ४।४६ | ३३।३८ | ५।१६ | ६।४४ | ३१ | ९ | ७ | २२ |
| बु. ११ | ५१।२५ | रा. १।५१ | अनु. | ४०। २ | रा. ९।१८ | शु. २३।५६ | ब. २०।१८ | वृश्चिक | अहोरात्र | ३। ७। १।४६ | ३३।३६ | ५।१७ | ६।४३ | १ | १० | ८ | २३ |
| बृ. १२ | ५२।३० | रा. २।१७ | ज्ये. | ४३। २ | रा. १०।३० | ब्र. २२।५६ | ब. २१।५८ | वृ. ४३। २ | रा. १०।३० | ३। ७।५८।५२ | ३३।३४ | ५।१७ | ६।४३ | २ | ११ | ९ | २४ |
| शु. १३ | ५२।१५ | रा. २।१२ | मू. | ४४।४३ | रा. ११।११ | ऐ. २०।४५ | को. २२।२३ | धनु. | अहोरात्र | ३। ८।५५।५४ | ३३।३२ | ५।१८ | ६।४२ | ३ | १२ | १० | २५ |
| श. १४ | ५०।४६ | रा. १।३६ | पुषा. | ४५।१२ | रा. ११।२३ | वै. १७।३५ | ग. २१।३१ | धनु. | अहोरात्र | ३। ९।५२।५६ | ३३।३० | ५।१८ | ६।४२ | ४ | १३ | ११ | २६ |
| र. १५ | ४८। ५ | रा. १२।३३ | उषा. | ४४।२६ | रा. ११। ७ | वि. १३।२४ | वि. १९।२६ | ध. ०८।१ | दि. ५।१६ | ३।१०।४६।५८ | ३३।२७ | ५।१९ | ६।४१ | ५ | १४ | १२ | २७ |

चन्द्रदर्शनं मु. ३० फल साम्यं, ग्रीष्मनवरात्रारंभः, श्री दुर्गापूजनोत्सवः, अन्यादिदेवशयनम्, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा द्वितीयायां पुष्ये, करमूलेपूलिकमूल बंधनम् ।
गं. ४४।३९ उ. ५९।३६ या. श्री जगन्नाथरथयात्रा, यायिजयदयोगस्तृतीयायाम् ।
म. ५०।५७ उ., मासान्तः, श्रीगणेश ४ व्रतं, मार्गी बुधः ४०।५४ ।
कर्के रविः २१।५६ मु. ३० फल साम्य, याम्यायनसंक्रान्ति पुण्यकालः घं. ७ मि. ३९ उ. दिने घं. २ मि, ३ या., म. २२।३३ या., धनिष्ठा २ चरणे मकरे केतुराश्लेषा ४ A
द. ति. २६।४५ उ., मासादिः, हस्तेकुजः ४८।१ । A चरणे कर्के च राहुः २३।३९ ।
द. ति. ३१।३२ या., गृहप्रवेशः सप्तम्याम् ।
पुष्येरविः ५३।२५ स्त्रीस्त्रीयोगः सू. चं. योगोर्महिषवाहनं वह्निनाडी तदधिपतिः कुजस्तेन वायुवृष्टितापयोगः, म. ३६।३४ उ., गृहारम्भः सप्तम्यां चित्रायां, गृहप्रवेशः सप्तम्यां. B
भ, ९।१ या., दक्षिणदिशि यात्राष्टम्याम्, कन्यायां शनिः १।४, करमूले पूलिकमूलबंधनम् ।
यायिजयदयोगः स्वात्यां, मृगशिरसि शुक्रः ४।५, सिंहराशौ तन्नवांशगत गुरुदोपसमाप्तिः शुद्धारंभश्च १३।३ उपरि [illegible]
मन्वादिः । B यायिजयदयोगो हस्ते, दक्षिणदिशि यात्रा घं. ७ मि. ५४ उ. घं. १ मि. २१ यावद्रात्रौ तत [illegible]मदक्षिणयोर्यात्रा ।
म. २०।१८ उ. ५१।२५ या. सर्वेषां हरिशयन ११ व्रतं, चातुर्मास्यव्रतसमारंभः गृहारम्भः गृहप्रवेश अनुराधायां, पश्चिमदिशि यात्रा दिवारात्रौ ।
गं. ३७।२ उ. ५२।२ या., वासुदेव १२, यवचूर्णैः पारणं गृहप्रवेशो मूले, पुनर्वसौ बुधः २७।१६, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. १० मि. ३० यावद्रात्रौ, ततः पूर्वोत्तरयोर्यात्रा रात्रौ ।
प्रदोष १३ व्रत, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा दिवारात्रौ, गृहप्रवेशो मूले । C घं. ११ मि. ७ घं १२ मि. ३३ यावद्रात्रौ, यायिजयदयोग उत्तराषाढे, १३८८ सालास्यवर्षारंभः पूर्णान्तात्,
भ. ५०।४६ उ., प्रदोष १४ व्रतं, उत्तरदिशियात्रा पूर्वाषाढे, गृहारंभः उत्तराषाढे । | अद्य सर्वधान्यं तोलयेत्तत्तन्मानं ज्ञात्वा प्रातः पुनरपितोलनं, तत्तस्य धान्यस्य वृद्धिः ह्रासः—
भ. १९।२६ या., आषाढो १५ गुरु १५, गुरुव्यासयोः पूजनं, मन्वादिः, करमूले पुलिकमूलबंधनम् सर्वदेवदेवीशयनं, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा C
—समता च जायते तत्कर्मणैव तस्य तस्य धान्यस्य तद्वर्षे समुत्पत्तौ वृद्धिर्ह्रासः साम्यञ्चावगन्तव्यम् ।

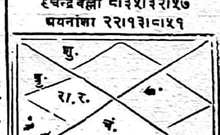
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादिस्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च — दैनिकलग्नसारिणीचक्रम्

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमान | मे.प्र. | वृ.प्र. | मि.प्र. | क.प्र. | सि.प्र. | क.प्र. | तु.प्र. | वृ.प्र. | ध.प्र. | म.प्र. | कु.प्र. | मी.प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| र. १ | ५। ७।४७। ३ | २।१५।४७।२० | ४।१५।१५।५६ | १।१९।५१।३५ | ४।२९।२७।५७ | १०। ०। ८।१८ | ४६।५५ | १।१६ | ३।१५ | ५।२८ | ७।४६ | १०।०० | १२।१३ | १४।२६ | १६।४६ | १८।५२ | २०।३८ | २२।१० | २३।४१ |
| चं. २ | ५। ८।१४। ६ | २।१५।४२।४० | ४।१५।२६।४४ | १।२०। ८।४३ | ४।२९।३२।३० | १०। ०। ५। ८ | ४६।५४ | १।१५ | ३।११ | ५।२४ | ७।४२ | ९।५६ | १२। ९ | १४।२२ | १६।४२ | १८।४८ | २०।३४ | २२। ६ | २३।३७ |
| मं. ३ | ५। ८।४८।५७ | २।१५।३६।१५ | ४।१५।३८। ७ | १।२०।३६।२६ | ४।२९।३७।३९ | १०। ०। १।५७ | ४६।५३ | १।११ | ३। ७ | ५।२० | ७।३८ | ९।५२ | १२। ५ | १४।२१ | १६।३८ | १८।४४ | २०।३० | २२। २ | २३।३३ |
| बु. ४ | ५। ९।२३।४८ | २।१५।५१।३० | ४।१५।४९।३० | १।२१।१०।१५ | ४।२९।४२।४८ | ९।२९।५८।४६ | ४६।५२ | १। ७ | ३। ३ | ५।१६ | ७।३४ | ९।४८ | १२। १ | १४।१७ | १६।३४ | १८।४० | २०।२६ | २१।५८ | २३।२९ |
| बृ. ५ | ५। ९।५८।३९ | २।१६। ७।४४ | ४।१६।००।५३ | १।२१।४१। १ | ४।२९।४७।५७ | ९।२९।५५।३५ | ४६।५१ | १। ३ | २।५९ | ५।१२ | ७।३० | ९।४४ | ११।५७ | १४।१३ | १६।३० | १८।३६ | २०।२२ | २१।५४ | २३।२५ |
| शु. ६ | ५।१०।३३।१० | २।१६।२७।५४ | ४।१६।१२।१६ | १।२२।११।४७ | ४।२९।५३। ६ | ९।२९।५२।२४ | ४६।५० | ००।५९ | २।५५ | ५। ८ | ७।२६ | ९।४० | ११।५३ | १४। ९ | १६।२६ | १८।३२ | २०।१८ | २१।५० | २३।२१ |
| श. ७ | ५।११। ८।२१ | २।१६।५६।१० | ४।१६।२३।३९ | १।२२।४२।३३ | ४।२९।५८।१५ | ९।२९।४९।१३ | ४६।५० | ००।५५ | २।५१ | ५। ४ | ७।२२ | ९।३६ | ११।४९ | १४। ५ | १६।२२ | १८।२८ | २०।१४ | २१।४६ | २३।१७ |
| र. ८ | ५।११।४३।१२ | २।१७।३३।१५ | ४।१६।३५। २ | १।२३।१३।१६ | ५।००। ३।२४ | ९।२९।४६। ३ | ४६।५० | ००।५२ | २।४८ | ५। १ | ७।१९ | ९।३३ | ११।४६ | १४। २ | १६।१९ | १८।२५ | २०।११ | २१।४३ | २३।१४ |
| चं. ९ | ५।१२।१८। ३ | २।१८।११।११ | ४।१६।४६।२४ | १।२३।४४। ५ | ५।००। ८।३३ | ९।२९।४२।५३ | ४६।५० | ००।४८ | २।४४ | ४।५७ | ७।१५ | ९।२९ | ११।४२ | १३।५८ | १६।१५ | १८।२१ | २०। ७ | २१।३९ | २३।१० |
| मं. १० | ५।१२।५३।४७ | २।१९।१०।२२ | ४।१६।५८।२० | १।२४।२३।४८ | ५।००।१४।२७ | ९।२९।३९।४२ | ४६।४९ | ००।४४ | २।४० | ४।५३ | ७।११ | ९।२५ | ११।३८ | १३।५४ | १६।११ | १८।१७ | २०। ३ | २१।३५ | २३। ६ |
| बु. ११ | ५।१३।२९।३० | २।२०। ९।३३ | ४।१७।१०।१६ | १।२५। ३।३१ | ५।००।२०।२१ | ९।२९।३६।३१ | ४६।४८ | ००।४० | २।३६ | ४।४९ | ७। ७ | ९।२१ | ११।३४ | १३।५० | १६। ७ | १८।१३ | १९।५९ | २१।३१ | २३। २ |
| बृ. १२ | ५।१४। ५।१३ | २।२१। ८।४४ | ४।१७।२२।१२ | १।२५।४३।१४ | ५।००।२६।१४ | ९।२९।३३।२० | ४६।४७ | ००।३६ | २।३२ | ४।४५ | ७। ३ | ९।१७ | ११।३० | १३।४६ | १६। ३ | १८। ९ | १९।५५ | २१।२७ | २२।५८ |
| शु. १३ | ५।१४।४०।५६ | २।२२। ७।५५ | ४।१७।३४। ८ | १।२६।२२।५७ | ५।००।३२। ७ | ९।२९।३०। ९ | ४६।४६ | ००।३२ | २।२८ | ४।४१ | ६।५९ | ९।१३ | ११।२६ | १३।४२ | १५।५९ | १८। ५ | १९।५१ | २१।२३ | २२।५४ |
| श. १४ | ५।१५।१६।३९ | २।२३। ७। ६ | ४।१७।४६। ४ | १।२७। २।४० | ५।००।३८।०० | ९।२९।२६।५८ | ४६।४५ | ००।२८ | २।२४ | ४।३७ | ६।५५ | ९। ९ | ११।२२ | १३।३८ | १५।५५ | १८। १ | १९।४७ | २१।१९ | २२।५० |
| र. १५ | ५।१५।५२।२२ | २।२४। ६।१७ | ४।१७।५८।०० | १।२७।४२।२३ | ५।००।४३।५३ | ९।२९।२३।४७ | ४६।४४ | ००।२४ | २।२० | ४।३३ | ६।५१ | ९। ५ | ११।१८ | १३।३४ | १५।५१ | १७।५७ | १९।४३ | २१।१५ | २२।४६ |

२ चन्द्रे वल्लो ८।३५।३२।५०
अयनांशाः २२।१३।७।४८




९ चन्द्रे वल्लो ८।३५।३२।५७
अयनांशा २२।१३।८।५१




अथ विविध विषयाः—अथाषाढे शकुन विचारः—आषाढ कृष्णाष्टम्यां चन्द्रोदये मेघे वृष्टिस्तामा सुभिक्षञ्चान्यथा दुर्भिक्षम् । तथैव कृष्णनवम्यां मेघेविद्युति सत्यां सुवृष्टिः । आषाढ शुक्लस्य द्वितीयायां नवम्याञ्च शुभग्रहवारो वृष्टिकारकः समर्घकारकश्च पूर्णिमायामाषाढे पूर्वाषाढे सति सुभिक्षं, प्रजापीडा चोत्तराषाढ इति । आषाढ शुक्लपक्षे द्वितीयायां जगन्नाथ रथयात्रा-तद्दिने रथस्य रामावलोकिनो विपन्न जायते । पूर्णिमायां वायुपरीक्षणम्—तत्र पूर्वपश्चिमवायुकोणोत्तरेशान वायौ धान्योत्पत्तिः, सुवृष्टिः, प्रजासुखञ्च जायते । इतरवायौ भीतिः दुर्भिक्षादिकञ्चेति । आषाढशुक्लपक्षे रविवासरे करमूले पुलिकमूल बंधनमंत्रः—शुचिसित दिनकरवारे करमूले बद्ध पुलिकमूलस्य । नागारोरव नागाः प्रयान्ति किल दूरतस्तस्य । एव कृते सर्पभयं न जायते । अथार्द्रास्थे सूर्ये पायसभोजनमहत्वम् आर्द्रायाः प्रथमे पादे क्षीरमश्नातियो नरः । अपि रापयुतस्तस्य तक्षकः किं करिष्यति । क्षीरमत्र पायसम् ।

वातावरणम् :—पक्षादितः सप्तमीं यावद्वायुखण्डवृष्टितापादयस्ततः पक्षान्तं यावद्वायुनाघाभ्रच्छायादयः ।

ग्रहस्थिति :—कुजगुरुशुक्रशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः, पूर्वोदितो बुधस्तृतीयायाकुजे ४०।५४ यावद्वक्री ततो मार्गी ।

## श्रावणकृष्णपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन १३८८ साल, दि. २८।७।८० ई. ता १०।८।८० ई. यावत्, पश्चिमेकालः।
मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गीपूर्वोदितः शुक्रः, शुद्धः, वर्षर्तुः, सौम्यगोलः याम्यायनम्।

| दि.ति. | तिथयः घ.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | घ.प. | घं.मि. | योगाः घ.प. | करणानि घ.प. | चन्द्रस्थितिः घ.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादि | दिनमान घ.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. १ | ४४।२३ | रा. ११। ४ | श्र. | ४२।४५ | रा. १०।२५ | प्री. ८।२३ | बा. १६।१४ | मकर | अहोरात्र | ३।११।४७।०० | ३३।२४ | ५।१९ | ६।४१ | ६ | १५ | १३ | २८ |
| मं. २ | ३९।५१ | रा. ९।१६ | ध. | ४०।१० | रा. ९।२४ | आ. २।३६ | तै. १२। ७ | म. ११।२८ | दि. ६।५५ | ३।१२।४४।१० | ३३।२१ | ५।२० | ६।४० | ७ | १६ | १४ | २९ |
| बु. ३ | ३४।३६ | रा. ७।१० | श. | ३६।५४ | रा. ८। ६ | शा. ४१। ७ | व. ७।१४ | कुम्भ | अहोरात्र | ३।१३।४१।२० | ३३।१८ | ५।२० | ६।४० | ८ | १७ | १५ | ३० |
| बृ. ४ | २८।४८ | दि. ४।५२ | पूभा. | ३३। ७ | दि. ६।३६ | ध. ४१।४४ | ब. १।४२ | कु. १९। ४ | दि. १२।५६ | ३।१४।३८।३० | ३३।१५ | ५।२१ | ६।३९ | ९ | १८ | १६ | ३१ |
| शु. ५ | २२।४३ | दि. २।२७ | उभा. | २९।०० | दि. ४।५८ | सु. ३४।१० | तै. २२।४३ | मीन | अहोरात्र | ३।१५।३५।४० | ३३।१२ | ५।२२ | ६।३८ | १० | १९ | १७ | १ |
| श. ६ | १६।२८ | दि. ११।५७ | रे. | २४।४६ | दि. ३।१६ | धृ. २६।२५ | ब. १६।२८ | मी. २४।४६ | दि. ३।१६ | ३।१६।३२।५० | ३३। ९ | ५।२२ | ६।३८ | ११ | २० | १८ | २ |
| र. ७ | १०।२३ | दि. ९।३२ | अ | २०।४१ | दि. १।३६ | शू. १८।५२ | ब. १०।२३ | मेष | अहोरात्र | ३।१७।३०।०० | ३३। ६ | ५।२३ | ६।३७ | १२ | २१ | १९ | ३ |
| चं. ८ | ४।३० | दि. ७।१२ | भ. | १६।५६ | दि. १२।१० | गं. ११।३४ | कौ. ४।३० | मे. ३१। ७ | दि. ५।५१ | ३।१८।२७।१० | ३३। ३ | ५।२४ | ६।३६ | १३ | २२ | २० | ४ |
| मं. १० | ५४।२३ | रा. ३। ९ | कृ. | १३।४१ | दि. १०।५२ | वृ. ४।३८ | ब. २६।४६ | वृष | अहोरात्र | ३।१९।२४।३० | ३२।५८ | ५।२४ | ६।३६ | १४ | २३ | २१ | ५ |
| बु. ११ | ५०।२९ | रा. १।३७ | रो. | ११। ८ | दि. ९।५२ | व्या. ५२।३३ | व. २२।२६ | वृ. ४०।२६ | रा. ६।३१ | ३।२०।२१।४६ | ३२।५५ | ५।२५ | ६।३५ | १५ | २४ | २२ | ६ |
| बृ. १२ | ४७।३४ | रा. १२।२८ | मृ. | ६।२४ | दि. ९।१२ | ह. ४७।४२ | कौ. १९। २ | मिथुन | अहोरात्र | ३।२१।१९। ८ | ३२।५२ | ५।२६ | ६।३४ | १६ | २५ | २३ | ७ |
| शु. १३ | ४५।४७ | रा. ११।४५ | आ. | ८।४३ | दि. ८।५५ | व. ४३।४२ | ग. १६।४१ | मि. ५४। ६ | रा. ३। ४ | ३।२२।१६।२७ | ३२।४९ | ५।२६ | ६।३४ | १७ | २६ | २४ | ८ |
| श. १४ | ४५।१२ | रा. ११।३२ | पुन. | ९।१३ | दि. ९। ८ | सि. ४०।४१ | वि. १५।३० | कर्क | अहोरात्र | ३।२३।१३।४६ | ३२।४६ | ५।२७ | ६।३३ | १८ | २७ | २५ | ९ |
| र. ३० | ४५।५६ | रा. ११।४६ | पु. | १०।५८ | दि ९।५० | व्य. ३८।४२ | च. १५।३४ | कर्क | अहोरात्र | ३।२४।११। ५ | ३२।४३ | ५।२७ | ६।३३ | १९ | २८ | २६ | १० |

**सोमवासरव्रतं**, पूर्वां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां, गृहारंभो द्वितीयायाम् श्रावणेवर्जयेच्छाकम्। सौभाग्ययोगमान ५३।३१, **अशून्यशयनव्रतं**, मद्यपर्यङ्के सलक्ष्मीक विष्णोः पूजनादक्षयदाम्पत्य सुखाप्तिः, पूर्वदिशि यात्रा घं. ९ मि. ५५ यावद्दिने ततः पश्चिमदिशि A म. ७।१४ उ. ३४।३६ या., श्रीगणेश ४ व्रतं गृहारंभः तृतीयायां, मिथुने शुक्रः ५५।५२। A यात्रा घं. ९ मि. २४ यावद्रात्रौ। यायिजयदयोगउत्तरभाद्रे. पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. ४ मि.५२ उ. घं ६ मि. ३६ यावद्दिने।

**मौनापञ्चमी**, श्रीमनसादेव्युत्थापनम् द. ति० २२।४३ उ०, कर्के बुधः ३८।५५, अगस्त ८ मासारंभः।

**आश्लेषायां रविः** ५४।१ पु स्त्रीयोगश्चचंयोगो जम्बूकवाहनं वातानाड़ी तदधिपती रविस्तेन वायुताप खण्डवृष्टियोगः, यायिजयदयोगः सप्तम्यां, द. ति. १६।२८ या., B यायिजयदयोगः सप्तम्यां, पश्चिमां विना यात्राऽश्विन्यां, पुष्ये बुधः ५४।६। B गं १२।४६ उ. २७।४६ या., म. १६।२८ उ. ४३।२३ या.।

नवमीमानं ५४।३६, प्रथमदिनकृत्यं **मन्वादिः**, **सोमवासरव्रतं** यायिजयदयोगो नवम्यांभरण्याम्।

ध्रुवयोगमानं ५३।३६, म. २६।४६ उ. ५४।२३ या.।

**सर्वेषां कामदा ११ व्रतं** पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घं ९ मि. ५२ यावद्दिने ततः उत्तरां विना यात्रोत्तमा मृगशिरसि।

दूर्वादलेन पारणं, दक्षिणां विना यात्रा मृगशिरसि।

प्रदोष १३ व्रतं, दक्षिणदिशि यात्रा घं. ८ मि. ५५ उ. दिने घं. ३ मि. ४ यावद्रात्रौ ततः उत्तरदिशि यात्रा, म. ४५।४७ उ०, आर्द्रायां शुक्रः १६।५०।

प्रदोष १४ व्रत, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. ६ मि. ८ यावद्दिने ततः पूर्वां विना यात्रोत्तमा चतुर्दश्यां, चित्रायां कुजः १।२५, म. १५।३० या.

श्रावणी ३० पार्वणम, **मन्वादिः**, यायिजयदयोगः आश्लेषायाम्।

### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. १ | ५।१९।२८। ५ | ३।२५। ५।२८ | ४।१८। ६।५५ | ५।२८।२२। ५ | ५। ०।४९।४६ | ९।२९।२०।३७ | ४६।४२ |
| मं. २ | ५।१७। ४।३९ | ३।२६।२७।१२ | ४।१८।२२। ९ | १।२६। ८।३८ | ५। ०।५६।१७ | ६।२९।१७।२६ | ४६।४० |
| बु. ३ | ५।१७।४९।१३ | ३।२७।४८।५६ | ४।१८।३४।२३ | १।२९।५५।११ | ५। १। २।४८ | ६।२९।१४।१५ | ४६।३८ |
| बृ. ४ | ६।१८।१७।४६ | ३।२९।१०।४० | ४।१८।४६।३७ | २।००।४९।४३ | ५। १। ९।१९ | ६।२९।११। ४ | ४६।३६ |
| शु. ५ | ५।१८।५४।१९ | ३। १।३२।२४ | ४।१८।५८।५१ | २। १।२८।१५ | ५। १।१५।४९ | ६।२८। ७।५३ | ४६।३४ |
| श. ६ | ५।१९।३०।५२ | ३। १।५४। ७ | ४।१९।११। ५ | २। २।१४।४७ | ५। १।२२।१९ | ९।२८। ४।४२ | ४६।३३ |
| र. ७ | ५।२०। ७।२५ | ३। ३।१५।५० | ४।१९।२३।१९ | २। ३। १।१९ | ५। १।२८।४९ | ९।२९। १।३२ | ४६।३२ |
| चं. ८ | ५।२०।४३।५८ | ३। ४।३७।३३ | ४।१९।३५।३२ | २। ३।४७।५१ | ५। १।३५।१९ | ९।२८।५८।२२ | ४६।३१ |
| मं. १० | ५।२१।२०।५७ | ३। ६।१२।४५ | ४।१९।४६।४६ | २। ४।३६।४० | ५। १।४१।४६ | ६।२८।५५।११ | ४६।२९ |
| बु. ११ | ५।२१।५७।५६ | ३। ७।४७।५७ | ४।१९।५८।०० | २। ५।३९।२६ | ५। १।४८।१३ | ६।२८।५२।०० | ४६।२७ |
| बृ. १२ | ५।२२।३४।५५ | ३। ९।२३। ९ | ४।२०। ६।१४ | २। ६।२३।१८ | ५। १।५४।४० | ६।२८।४८।४६ | ४६।२५ |
| शु. १३ | ५।२३।११।५४ | ३।१०।५८।२१ | ४।२०।२०।२८ | २। ७।१५। ७ | ५। २। १। ७ | ६।२८।४५।३८ | ४६।२३ |
| श. १४ | ५।२३।४८।५२ | ३।१२।३३।३२ | ४।२०।३१।४२ | २। ८। ६।५६ | ५। २। ७।३४ | ९।२८।४२।२७ | ४६।२२ |
| र. ३० | ५।२४।२५।५० | ३।१४। ८।४३ | ४।२०।४२।५५ | २। ८।५८।४४ | ५। २।१४। १ | ९।२८।३९।१७ | ४६।२१ |

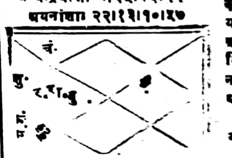
### दैनिकलग्नसारिणीचक्रम् ॥

| मे. प्र. | वृ.प्र. | मि.प्र. | क.प्र. | सि.प्र. | क.प्र. | तु.प्र. | वृ.प्र. | ध.प्र. | म.प्र. | कु.प्र. | मी.प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ००।२० | २।१६ | ४।२९ | ६।४७ | ९। १ | ११।१४ | १३।३० | १५।४७ | १७।५३ | १९।३६ | २१।११ | २२।४२ |
| ००।१६ | २।१२ | ४।२५ | ६।४३ | ८।५७ | ११।१० | १३।२६ | १५।४३ | १७।४६ | १९।३५ | २१। ७ | २२।३८ |
| ००।१२ | २। ८ | ४।२१ | ६।३९ | ८।५३ | ११। ६ | १३।२२ | १५।३९ | १७।४५ | १९।३१ | २१। ३ | २२।३४ |
| ००।१६ | २। ५ | ४।१८ | ६।३६ | ८।५० | ११। ३ | १३।१९ | १५।३६ | १७।४२ | १९।२८ | २१।०० | २२।३१ |
| ००। ५ | २। १ | ४।१४ | ६।३२ | ८।४६ | १०।५९ | १३।१५ | १५।३२ | १७।३८ | १९।२४ | २०।५६ | २२।२७ |
| ००। १ | १।५७ | ४।१० | ६।२८ | ८।४२ | १०।५५ | १३।११ | १५।२८ | १७।३४ | १९।२० | २०।५२ | २२।२३ |
| २३।५७ | १।५३ | ४। ६ | ६।२४ | ८।३८ | १०।५१ | १३। ७ | १५।२४ | १७।३० | १९।१६ | २०।४८ | २२।१९ |
| २३।५३ | १।४९ | ४। २ | ६।२० | ८।३४ | १०।४७ | १३। ३ | १५।२० | १७।२६ | १९।१२ | २०।४४ | २२।१५ |
| २३।४९ | १।४५ | ३।५८ | ६।१६ | ८।३० | १०।४३ | १२।५९ | १५।१६ | १७।२२ | १९। ८ | २०।४० | २२।११ |
| २३।४६ | १।४२ | ३।५५ | ६।१३ | ८।२७ | १०।४० | १२।५६ | १५।१३ | १७।१९ | १९। ५ | २०।३७ | २२। ८ |
| २३।४२ | १।३८ | ३।५१ | ६। ९ | ८।२३ | १०।३६ | १२।५२ | १५। ९ | १७।१५ | १९। १ | २०।३३ | २२। ४ |
| २३।३८ | १।३४ | ३।४७ | ६। ५ | ८।१९ | १०।३२ | १२।४८ | १५। ५ | १७।११ | १८।५७ | २०।२९ | २२।०० |
| २३।३४ | १।३० | ३।४३ | ६। १ | ८।१५ | १०।२८ | १२।४४ | १५। १ | १७। ७ | १८।५३ | २०।२५ | २१।५६ |
| २३।३० | १।२६ | ३।३९ | ५।५७ | ८।११ | १०।२४ | १२।४० | १४।५७ | १७। ३ | १८।४९ | २०।२१ | २१।५२ |

१ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३३।४
अयनांशाः २२।१३।९।५४




८ चन्द्रेवल्ली ८।१५।३३।११
अयनांशाः २२।१३।१०।२७




अथ विविध विषयाः—श्रावणकृष्णपञ्चम्यां मनसादेव्या उत्थापनं पूजनञ्च कार्यम्। अथ सोमवासरव्रतम्—सोमवारे व्रतं कार्यं श्रावणे वै यथाविधिः। शक्तावुपोषणं कार्यमथवा निशिभोजनम्। प्रदक्षिणविधिः—एका चण्ड्यां रवौ सप्त त्रिर्दद्याच्च विनायके। चत्वारि केशवे दद्यात् शिवस्यार्द्ध—प्रदक्षिणा। आसन्नप्रसवा नारी जलपूर्णघटं यथा। उद्वहन्ती शनैर्याति तथा कुर्यात्प्रदक्षिणम्। अथ मांसाभक्षणफलम्महाभारते—मासि मास्यश्वमेधेन यो यजेत्तु शतं समाः। न खादति च यो मांसं सममेतद्युधिष्ठिर। यस्तु वर्षशतं पूर्णं तपस्तप्येत्सुदारुणम्। यश्च वै वर्जयेन्मांसं समौ तौ न च संशयः। कस्यापिकृतव्रतस्योद्यापनावश्यकता, नन्दिपुराणे—कुर्यादुद्यापनं तस्य समाप्तौ यदुदीरितम्। उद्यापनं विना यत्तुतद्व्रतं निष्फलं भवेत्। अथ श्रेष्ठव्रतानि—ब्रह्मचर्यं तथा शौचं सत्यमामिषवर्जनम्। व्रतेष्वेतानि चत्वारि वरिष्ठानीति निश्चयः। अथ-वृक्षरोपणमन्त्रः—वसुधेति च शीतेति पुण्यदेति धरेति च। नमस्ते सुभगे देवि द्रुमोऽयं वर्धतामिति। अथ दन्तधावन मन्त्रः—आयुर्बलं यशोवर्च्चः प्रजापशुवसूनि च। ब्रह्मप्रज्ञां च मेधाञ्च त्वन्नो धेहि वनस्पते।

वातावरणम्—पक्षादितः पञ्चमीं यावन्मेघचारखण्डवृष्टिवायवस्ततो द्वादशीं यावत्तापाभ्रच्छाये ततः पक्षान्तं यावद्वायुवृष्टिमेघादयः।

ग्रहस्थितिः—कुजबुधगुरुशुक्रशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः।

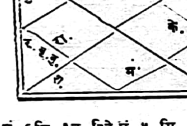
## श्रावणशुक्लपक्षः

शक: १९०२, सवत् २०३७, सन् १३८८ साल, दि. १९।८।८० ई० तः २६।८।८० ई० यावत्, पश्चिमकालः, ५ तः उत्तरेकालः।
मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, शुद्धः, ३ तः अशुद्धः, वर्षर्तुः, सौम्यगोलः, याम्यायनम्।

| वा. | ति. | तिथयः द. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | द. प. | घं.मि. | योगाः द. प. | करणानि द. प. | चन्द्रस्थितिः द. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्या राश्यादि | दिनमान द. प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. | १ | ४८। १ | रा. १२।४० | आश्ले. | १३।५८ | दि. ११। ३ | व. ३७।४५ | कि. १६।५६ | क. १३।५८ | दि. १।१३ | ३।२५। ८।२४ | ३२।४० | ५।२८ | ६।३२ | २० | २९ | २७ | ११ |
| मं. | २ | ५१।११ | रा. १ ।५७ | म. | १८। ७ | दि. १२।४४ | प. ३७।३८ | बा. १६।३६ | सिंह | महोरात्र | ३।२६। ५।५५ | ३२।३७ | ५।२९ | ६।३१ | २१ | ३० | २८ | १२ |
| बु. | ३ | ५५।१६ | रा. ३।३७ | पूफा. | २३।२१ | दि. २।४९ | शि. ३८।२२ | तै. २३।१५ | सि. ३६।५१ | रा. ९।२५ | ३।२७। ३।२६ | ३२।३४ | ५।२९ | ६।३१ | २२ | १ | २९ | १३ |
| बृ. | ४ | ६०।०० | महोरात्र | उफा. | २९।२० | दि. ५।१४ | सि. ३९।३७ | व. ४१।२७ | कन्या | महोरात्र | ३।२८।००।५७ | ३२।३१ | ५।३० | ६।३० | २३ | २ | ३० | १४ |
| शु. | ४ | ००। ६ | दि. ५।३२ | ह. | ३५।४८ | रा. ७।४९ | सा. ४१।१३ | व. ००। ६ | कन्या | महोरात्र | ३।२८।५८।२८ | ३२।२८ | ५।३० | ६।३० | २४ | ३ | ३१ | १५ |
| श. | ५ | ५ ।१४ | दि. ७।३७ | चि. | ४२।१८ | रा. १०।२६ | शु. ४२।४८ | ग. ५।१४ | क. ९।३ | दि. ६।८ | ३।२९।५५।५९ | ३२।२५ | ५।३१ | ६।२९ | २५ | ४ | ३२ | १६ |
| र. | ६ | १०। ९ | दि. ९।३६ | स्वा. | ४८।२४ | रा. १२।५४ | शु. ४४। ४ | तै. १०। ९ | तुला | महोरात्र | ४।००।५३।३० | ३२।२२ | ५।३२ | ६।२८ | २६ | ५ | १ | १७ |
| चं. | ७ | १४।३१ | दि. ११।२० | वि. | ५३।४९ | रा. ३।४ | व. ४४।५१ | व. १४।३१ | तु. ३७।२८ | रा. ८।३१ | ४। १।५१।०० | ३२।२० | ५।३२ | ६।२८ | २७ | ६ | २ | १८ |
| मं. | ८ | १८। ४ | दि. १२।४७ | अनु. | ५८।१३ | रा. ४।५० | ऐ. ४४।४२ | व. १८। ४ | वृश्चिक | महोरात्र | ४। २।४८।४२ | ३२।१७ | ५।३३ | ६।२७ | २८ | ७ | ३ | १९ |
| बु. | ९ | २०।२६ | दि. १।४३ | ज्ये. | ६०।०० | महोरात्र | वं. ४३।४५ | कौ. २०।२६ | वृश्चिक | महोरात्र | ४। ३।४६।२४ | ३२।१४ | ५।३३ | ६।२७ | २९ | ८ | ४ | २० |
| बृ. | १० | २१।२७ | दि. २।१३ | ज्ये. | १।२८ | दि. ६। ६ | वि. ४१।४४ | ग. २१।३७ | वृ. १।२८ | दि. ६।९ | ४। ४।४४। ६ | ३२।११ | ५।३४ | ६।२६ | ३० | ९ | ५ | २१ |
| शु. | ११ | २१।२९ | दि. २।१० | मू. | ३।२६ | दि. ६।५६ | प्री. ३८।४२ | वि. २१।२६ | धनु. | महोरात्र | ४। ५।४१।४८ | ३२। ८ | ५।३४ | ६।२६ | ३१ | १० | ६ | २२ |
| श. | १२ | २०। ८ | दि. १।३८ | पूषा. | ४।१० | दि. ७।१५ | आ. ३४।४२ | बा. २०। ८ | ध. १९।३ | दि. १।१२ | ४। ६।३६।३० | ३२। ४ | ५।३५ | ६।२५ | १ | ११ | ७ | २३ |
| र. | १३ | १७।३४ | दि. १२।३८ | उषा. | ३।४१ | दि. ७। ४ | सौ. २६।४९ | तै. १७।३४ | मकर | महोरात्र | ४। ७।३७।१२ | ३२।०० | ५।३६ | ६।२४ | २ | १२ | ८ | २४ |
| चं. | १४ | १३।५९ | दि. ११।१३ | श्र. | २।१० | दि. ६।२९ | शो. २४। ५ | व. १३।५९ | म. ३०।५९ | दि. ६।१ | ४। ८।३४।५३ | ३१।५६ | ५।३७ | ६।२३ | ३ | १३ | ९ | २५ |
| मं | १५ | ९।३२ | दि. ९।२७ | ध. | ५६।३८ | रा. ४।१७ | अ. १७।४२ | व. ६।३२ | कुम्भ | महोरात्र | ४। ९।३२।४८ | ३१।५२ | ५।३८ | ६।२२ | ४ | १४ | १० | २६ |

ग. २१५८ उ० १७।५८ या. सोमवासर व्रतं, यायिजयदयोग आश्लेषायाम्।
चन्द्रदर्शनं मु. ३० फलं साम्य, पूर्वदिश यात्रा पूर्वफल्गुन्यां, आश्लेषायां बुधः २०।३९।
मधुश्रावणीव्रतं, श्रीगौरीव्रतञ्च, चौथो गुरुः २६।३९ उ०, अशुद्धारंभः २६।३१ उपरि।
भ. २७।४३ उ०, श्रीगणेश ४ व्रतम्।
भ, ००।६ या., त्रयस्त्रिंशत्तमो भारतीय स्वतन्त्रता दिवसः, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा पञ्चम्यां, गृहप्रवेशश्चित्रायां, पूर्वास्तो बुधः १।४५। ऋग्वेदिनामुपाकर्म पञ्चम्याम्।
मघायां सिंहे रविः ५०।३४ स्त्रियोर्योगः सूचयागो मूषकवाहनं वातानाडी तदधिपतिः सूर्यस्तेन वायुमघखण्डवृष्टियोगः, मु. १५ फलं महार्घं A
विष्णुपदी सङ्क्रान्ति पुण्यकालः घं. १२ मि ०० यावद्दिने। A नागपञ्चमी शंखनामा नागराजःसितवर्णः नागकूपयात्रा तक्षकपूजा च,–
भ. १४।३१ उ. ४६।१८ या., सोमवासरव्रतं, मासादिः, तुलसिदासजयन्ती। – कल्पयवतारः द्वारमुयतो गोमयलिखिता नागा मित्यादी
पश्चिमदक्षिण यात्रा विवारात्री, तुलायां कुजः ३६।२८। – पूज्याः, द. ति. ५।१४उ. ५०।३४ या; मासान्तः।
द. ति. २०।३६ उ., भं. ५५।२८ उ., मघायां सिंहे बुधः १।३७।
द. ति. २१।३७ या., भ. ५१।३३ उ., ग. १०।२८ या., पूर्वोत्तरयोर्यात्रैकादश्याम्।
भ. २१।२९ या., सर्वेषां पुत्रदा ११ व्रतं, भगवद्दोलोत्सवारंभः, स्यायिजयदयोगो द्वादश्यां, पूर्वोत्तरयोर्यात्रैकादश्यां, पुनर्वसौ शुक्रः २८।४१।
श्रीधर १२. दूर्वादलेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, यायिजयदयोगस्त्रयोदश्यां, उत्तरदिशि यात्रा पूर्वाषाढे।
प्रदोष १४ व्रतं, यायिजयदयोग उत्तराषाढे, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां त्रयोदश्याम्। B ३२ यावद्रात्री।
प्रतिष्ठामानं ५७।३८, भ. १३।५९ उ. ४१।४६ या., सोमवासरव्रतं दक्षिणस्यामगस्त्योदयः ११।३०, यायिजयदयोगः पूर्णिमायां, पश्चिमदिशि यात्रा घं. ६मि. १उ. दिने घं. ५ मि. B
श्रावणी १५, रक्षिकावन्धनं, संस्कृतदिवसमहोत्सवः, भगवद्दोलोत्सवान्तः, हयग्रीवोत्पत्तिः, वर्षामङ्गलमहोत्सवः, वाजसनेयिनामृषितर्पणम् ' यजुर्वेदिनामुपाकर्म।

१४ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३३।३२
अयनांशाः २२।१३।१४।६



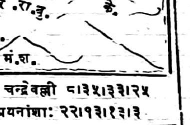

### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| वा. | ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. | १ | -५।२५। २।४८ | ३।१५।४३।५४ | ४।२०।५४। ८ | २। ९।५०।३२ | ५। २।२०।२८ | ६।२८।३६। ७ | ४६।२० |
| मं. | २ | ५।२५।४०।४१ | ३।१७।२७। ९ | ४।२१। ८।३१ | २।१०।४६।४५ | ५। २।२७।१२ | ६।२८।३२।५६ | ४६।१८ |
| बु. | ३ | ५।२६।१८।३४ | ३।१९।१०।२४ | ४।२१।२२।५४ | २।११।४२।५८ | ५। २।३३।५६ | ९।२८।२९।४५ | ४६।१६ |
| बृ. | ४ | ५।२६।५८।२७ | ३।२०।५३।३९ | ४।२१।३७।१७ | २।१२।३९।११ | ५। २।४०।४० | ९।२८।२६।३४ | ४६।१४ |
| शु. | ४ | ५।२७।३४।१९ | ३।२२।३६।५४ | ४।२१।५१।४० | २।१३।३५।२४ | ५। २।४७।२४ | ६।२८।२३।२३ | ४६।१३ |
| श. | ५ | ५।२८।१२।११ | ३।२४।२०। ८ | ४।२२। ६। २ | २।१४।३१।३७ | ५। २।५४। ८ | ९।२८।२०।१२ | ४६।१२ |
| र | ६ | ५।२८।५०।३० | ३।२६। ३।२२ | ४।२२।२०।२४ | २।१५।२७।४९ | ५। ३।००।५१ | ६।२८।१७। २ | ४६।११ |
| चं. | ७ | ५।२९।२७।५५ | ३।२७।४६।३६ | ४।२२।३४।४६ | २।१६।२४। १ | ५। ३। ७।३४ | ६।२८।१३।५२ | ४६।१० |
| मं. | ८ | ६।००। ६।१७ | ३।२९।३३।५६ | ४।२२।४७।४२ | २।१७।२३।१४ | ५। ३।१४।२३ | ६।२८।१०।४१ | ४६। ८ |
| बु. | ९ | ६।००।४४।३८ | ४। १।२१।१६ | ४।२३।००।३८ | २।१८।२२।२७ | ५। ३।२१।१२ | ९।२८। ७।३० | ४६। ६ |
| बृ. | १० | ६। १।२२।५६ | ४। ३। ८।३६ | ४।२३।१३।३४ | २।१९।२१।४० | ५। ३।२८। १ | ९।२८। ४।१९ | ४६। ४ |
| शु. | ११ | ६। २। १।२० | ४। ४।५५।५५ | ४।२३।२६।२९ | २।२०।२०।५३ | ५। ३।३४।५० | ९।२८। १। ८ | ४६। २ |
| श. | १२ | ६। २।३९।४१ | ४। ६।४३।१४ | ४।२३।३९।२४ | २।२१।२०। ६ | ५। ३।४१।३९ | ६।२७।५७।५७ | ४६।०० |
| र. | १३ | ६। ३।१८। २ | ४। ८।३०।३३ | ४।२३।५२।१९ | २।२२।१९।१९ | ५। ३।४८।२७ | ९।२७।५४।४६ | ४५।५९ |
| चं. | १४ | ६। ३।५६।२३ | ४।१०।१७।५२ | ४।२४। ५।१४ | २।२३।१८।३२ | ५। ३।५५।१५ | ६।२७।५१।३६ | ४५।५८ |
| मं. | १५ | ६। ४।३४।१७ | ४।१२। ६।४५ | ४।२४।१८।२८ | २।२४।२०।१५ | ५। ४। २।२७ | ९।२७।४८।२५ | ४५।५६ |

### ॥ दैनिकलग्नसारिणी चक्रम् ॥

| मे. प्र. | वृ. प्र. | मि. प्र. | क. प्र. | सिं. प्र. | क. प्र. | तु. प्र. | वृ. प्र. | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी. प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २३।२६ | १।२२ | ३।३५ | ५।५३ | ८। ७ | १०।२० | १२।३६ | १४।५३ | १६।५६ | १८।४५ | २०।१७ | २१।४८ |
| २३।२३ | १।१९ | ३।३२ | ५।५० | ८। ४ | १०।१७ | १२।३३ | १४।५० | १६।५६ | १८।४२ | २०।१४ | २१।४५ |
| २३।१९ | १।१५ | ३।२८ | ५।४६ | ८।०० | १०।१३ | १२।२९ | १४।४६ | १६।५२ | १८।३८ | २०।१० | २१।४१ |
| २३।१५ | १।११ | ३।२४ | ५।४२ | ७।५६ | १०। ९ | १२।२५ | १४।४२ | १६।४८ | १८।३४ | २०। ६ | २१।३७ |
| २३।११ | १। ७ | ३।२० | ५।३८ | ७।५२ | १०। ५ | १२।२१ | १४।३८ | १६।४४ | १८।३० | २०। २ | २१।३३ |
| २३। ७ | १। ३ | ३।१६ | ५।३४ | ७।४८ | १०। १ | १२।१७ | १४।३४ | १६।४० | १८।२६ | १९।५८ | २१।२९ |
| २३। ३ | ००।५९ | ३।१२ | ५।३० | ७।४४ | ९।५७ | १२।१३ | १४।३० | १६।३६ | १८।२२ | १९।५४ | २१।२५ |
| २३।०० | ००।५६ | ३। ९ | ५।२७ | ७।४१ | ९।५४ | १२।१० | १४।२७ | १६।३३ | १८।१९ | १९।५१ | २१।२२ |
| २२।५६ | ००।५२ | ३। ५ | ५।२३ | ७।३७ | ९।५० | १२। ६ | १४।२३ | १६।२९ | १८।१५ | १९।४७ | २१।१८ |
| २२।५२ | ००।४८ | ३। १ | ५।१९ | ७।३३ | ९।४६ | १२। २ | १४।१९ | १६।२५ | १८।११ | १९।४३ | २१।१४ |
| २२।४९ | ००।४५ | २।५८ | ५।१६ | ७।३० | ९।४३ | ११।५९ | १४।१६ | १६।२२ | १८। ८ | १९।४० | २१।११ |
| २२।४५ | ००।४१ | २।५४ | ५।१२ | ७।२६ | ९।३९ | ११।५५ | १४।१२ | १६।१८ | १८। ४ | १९।३६ | २१। ७ |
| २२।४१ | ००।३७ | २।५० | ५। ८ | ७।२२ | ९।३५ | ११।५१ | १४। ८ | १६।१४ | १८।०० | १९।३२ | २१। ३ |
| २२।३८ | ००।३४ | २।४७ | ५। ५ | ७।१९ | ९।३२ | ११।४८ | १४। ५ | १६।११ | १७।५७ | १९।२९ | २१।०० |
| २२।३४ | ००।३० | २।४३ | ५। १ | ७।१५ | ९।२८ | ११।४४ | १४। १ | १६। ७ | १७।५३ | १९।२५ | २०।५६ |
| २२।३० | ००।२६ | २।३९ | ४।५७ | ७।११ | ९।२४ | ११।४० | १३।५७ | १६। ३ | १७।४९ | १९।२१ | २०।५२ |

१ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३३। १८
अयनांशाः २२।१३।१२।००




७ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३३।२५
अयनांशाः २२।१३।१३।३




**अथ विविध विषयाः**—पञ्चम्यांनागपूजनं—श्रावणेमासिपञ्चम्यां कृष्णपक्षेऽपदा सिते। द्वारस्योभयतोलेख्या गोमयेन विषोल्वणाः। पूजयेद्विधिवद्वीर दधिदूर्वाङ्कुरैः कुशैः। गन्धपुष्पोपहारैश्च ब्राह्मणानाञ्च तर्पणैः। ये त्वस्यां पूजयन्तीह नागान्भक्तिपुरस्सराः। न तेषां सर्पतो वीर भयं भवति कुत्रचित्। अत्र पञ्चम्यां तिक्ताम्लरससेवनं पुष्टिकरम्। अथात्र शकुनावलोकनम्—श्रावणशुक्लपञ्चम्यां दक्षिणपश्चिमवायो दुर्भिक्षमन्यथा सुभिक्षम्। श्रावणशुक्लसप्तम्यां शकुनम्—नभसि शुक्लदलेऽचल संख्यके रवितिथावुदयो रविचन्द्रयोः। भवति चेज्जलदैरिह संवृता वसुमती जलदा बहुतोयदाः। पूर्णिमायां रक्षासूत्रबन्धनमन्त्रः—येन बद्धो वली राजा दानवेन्द्रो महावलः :तेन त्वां प्रतिवध्नामि रक्षे मा चल माचल। अथग्रहयोगेनवृष्टिविचारः—बुधशुक्रमहीसूनुगुरवश्चैकराशिगाः। निःसंशयं तदाकाले जायते वृष्टिरुत्तमा। समागमे ज्ञसितयोस्तथा च गुरुशुक्रयोः। तथैव जीवबुधयोर्वृष्टिः स्यान्नात्र संशयः। यदा भवन्ति सूर्यस्य ग्रहाः पृष्ठावलम्बिनः। पुरतो वा यदा यान्ति तदा त्वेकार्णवा मही।

वातावरणम्ः—पक्षादितश्चतुर्थी यावद्वायुर्वृष्टि मेघादयस्तत एकादशी यावत्तापाभ्रच्छायादयस्ततः पक्षान्तंयावद्वायुमेघचारवृष्टयः।

ग्रहस्थितिः—कुजगुरुशुक्रशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः, मार्गी बुधश्चतुर्थ्यां शुक्रे १।४५ यावत्पूर्वोदितस्ततः पूर्वास्तः।

## भाद्रकृष्णपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८, साल, दि. २७।८।८० ई० तः ९।९।८० ई० यावत्, उत्तरेकालः।
मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, केतः पश्चिमास्तः, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, पशुद्धः, वर्षर्तुः, सौम्यगोल:याम्यायनम्।

| दि.ति. | तिथयः द.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगाः द.प. | करणानि द.प. | चन्द्रस्थितिः द.प. | घं.मि | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु.। १ | ४।२२ | दि. ७।२३ | पूभा. | ५२।५७ | रा. २।४९ | सु. १०।४४ | कौ. ४।२२ | कु. ३८।५३ | रा. ९।११ | ४।१०।३०।४३ | ३१।४८ | ५।३८ | ६।२२ | ५ | १५ | ११ | २७ |
| बृ.। ३ | ५२।३८ | रा. २।४२ | उभा. | ४८।५४ | रा. १।१३ | धृ. ३।२० | व. २५।४० | मीन | अहोरात्र | ४।११।२८।३८ | ३१।४४ | ५।३९ | ६।२१ | ६ | १६ | १२ | २८ |
| शु.। ४ | ४६।२५ | रा. १२।१४ | रे. | ४४।४० | रा. ११।३२ | गं. ४७।५९ | व. १६।३२ | मी. ४४।४० | रा. ११।३२ | ४।१२।२६।३३ | ३१।४० | ५।४० | ६।२० | ७ | १७ | १३ | २९ |
| श.। ५ | ४०।२१ | रा. ९।४९ | अ. | ४०।३३ | रा. ९।५४ | वृ. ४०।२० | कौ. १३।२३ | मेष | अहोरात्र | ४।१३।२४।२८ | ३१।३६ | ५।४१ | ६।१९ | ८ | १८ | १४ | ३० |
| र.। ६ | ३४।३१ | रा. ७।२९ | भ. | ३६।३८ | रा. ८।२० | ध्रु. ३२।५० | ग. ७।२६ | मे. ५०।४६ | रा. १।५६ | ४।१४।२२।२३ | ३१।३३ | ५।४१ | ६।१९ | ९ | १९ | १५ | ३१ |
| चं.। ७ | २८। ८ | दि. ५।२१ | कृ. | ३३।११ | रा. ६।५८ | व्या. २५।४४ | वि. १।५० | वृष | अहोरात्र | ४।१५।२०।१८ | ३१।३० | ५।४२ | ६।१८ | १० | २० | १६ | १ |
| मं.। ८ | २४।२५ | दि. ३।२६ | रो. | ३०।२६ | दि. ५।५४ | ह. १९।१२ | कौ. २४।२५ | वृ. ५९।३० | रा. ५।३१ | ४।१६।१८।२७ | ३१।२६ | ५।४३ | ६।१७ | ११ | २१ | १७ | २ |
| बु.। ९ | २०।३० | दि. १।५६ | मृ. | २८।३३ | दि. ५। ९ | व. १३।१९ | ग. २०।३० | मिथुन | अहोरात्र | ४।१७।१६।३६ | ३१।२२ | ५।४४ | ६।१६ | १२ | २२ | १८ | ३ |
| बृ.।१० | १७।३४ | दि. १२।४६ | आ. | २७।३४ | दि. ४।४६ | सि. ८।१३ | वि. १७।३४ | मिथुन | अहोरात्र | ४।१८।१४।४५ | ३१।१८ | ५।४४ | ६।१६ | १३ | २३ | १९ | ४ |
| शु.।११ | १५।४६ | दि. १२। ३ | पुन. | २७।४४ | दि. ४।५१ | व्य. ४। ६ | वा. १५।४६ | मि. १२।४२ | दि. १०।५८ | ४।१९।१२।५४ | ३१।१४ | ५।४५ | ६।१५ | १४ | २४ | २० | ५ |
| श.।१२ | १५। ९ | दि. १२।५० | पु. | २९। ३ | दि. ५।२६ | व. ०।४० | तै. १५। ९ | कर्क | अहोरात्र | ४।२०।११। ३ | ३१।१० | ५।४६ | ६।१४ | १५ | २५ | २१ | ६ |
| र.।१३ | १५।५३ | दि. १२। ८ | आश्ले | ३१।४९ | रा. ६।३१ | शि. ५७। १ | व. १५।५३ | क. ३१।४९ | रा. ६।३१ | ४।२१। ९।१२ | ३१। ६ | ५।४७ | ६।१३ | १६ | २६ | २२ | ७ |
| चं.।१४ | १७।५८ | दि. १२।५९ | म. | ३५।४२ | रा. ८। ५ | सि. ५६।४८ | श. १७।१८ | सिंह | अहोरात्र | ४।२२। ७।२० | ३१। २ | ५।४८ | ६।१२ | १७ | २७ | २३ | ८ |
| मं.।३० | २१। ६ | दि. २।१४ | पूफ. | ४०।४१ | रा. १०। ४ | सा. ५७।१८ | ना. २१। ६ | सि. ५७। ८ | रा. ४।३९ | ४।२३। ५।४४ | ३०।५८ | ५।४८ | ६।१२ | १८ | २८ | २४ | ९ |

द्वितीयाक्षयदं ५४।१९, श्रीदुर्गारथयात्रा, पश्चिमदिशियात्रापूर्वभाद्रे, पूर्वफल्गुन्यां बुधः २१।३१, दधि भाद्रपदे त्यजेत्।
शूलयोगदं ५२।२५, कज्जली ३, विशालाक्षी ३, गोपूजा ३, यायिजयदयोगस्तृतीयायां, दक्षिणां विना यात्रोत्तमा रेवत्याम्। म. २५।४० उ. ५२।३८ या., पश्चिमास्तोगुरुः २६।३९।
बहुला ४, श्रीगणेश ४ व्रतं, गं. ३२।४० उ. ४७।४० या., पूर्वोत्तरयोर्यात्रा घं. ११ मि. ३२ यावद्रात्रौ ततः पश्चिमां विना यात्रा।
पूर्वफल्गुन्यां रविः ४१।१२ पुंस्त्रीयोगः सूर्ययोगः अश्ववाहनं चण्डानाड़ी तदधिपतिः शनिस्तेन वायुवृष्टिमेघच्छायायोगाः, वेला ५, स्वात्यांकुजः ००।४०, पूर्वां विना यात्रोत्तमा A
हलषष्ठी व्रतं, पुत्र थिमिरस्य व्रतारंभो विधेयः, म. ३४।३१ उ. A घं. ९ मि. ४९ उ. घं. ९ मि. ५४ यावद्रात्रौ।
सितम्बर १ मासारंभः, म. १।५० या., मोहरात्रिनिशीथे श्रीशक्ति पूजनम्, श्रीकृष्णजयन्तीव्रतम्। यायिजयदयोगो दक्षिणदिशि यात्रा च रोहिण्यां, कर्के शुक्रः १७।१, B
कृष्णावतारः, श्री कृष्णाष्टमीव्रतम्, दक्षिणपूर्वं यात्रा रोहिण्यां ततः उत्तरां विना यात्रोत्तमा मृगशिरसि। B पश्चिमास्तः शनिः ११।५६।
द. ति. २०।३० उ, म. ४९।२ उ., उत्तरफल्गुन्यां बुधः ४७।४८
द. ति. १७।३४ या., म., १७।३४ या. यायिजयदयोगः पश्चिमदिशि यात्रा च पुनर्वसौ, पुष्ये शुक्रः २४।५७।
सर्वेषां जया ११ व्रतम्, स्थायिजयदयोगः पुष्ये, कन्यायां बुधः ३७।१९, दक्षिणदिशि यात्रा घं. १० मि. ५० यावद्दिने तत उत्तरदिशि यात्रा घं १२ मि ३ यावद्दिने।
परिघयोगमानं ५७।४३, कुष्माण्डेनपारणं, प्रदोष १३ व्रतं, पूर्वां विना यात्रा पुष्ये, यायिजयदयोग आश्लेषायां, उत्तरफल्गुन्यां गुरुः ३३।१०।
प्रदोष १४ व्रतं, दुर्भर १४ श्रीभैरवपूजनम्, द्वापरादिः, यायिजयदयोग आश्लेषायाम्, म. १५।५३ उ. ४६।५६ या.,गं २०।४९ उ. ३५।४९ या.।
सोमवत्यमा व्रतं घं. १२ मि. ५९ उपरिदिने।
भाद्री अमा पार्वणम्, दुर्भर ३०, कुशो ३०, कुशोत्पाटनम्।

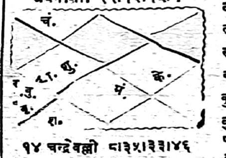
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु.। १ | ६। ५।१४।११ | ४।१३।५५।३८ | ४।२४।३१।४२ | २।२५।२७।५९ | ५। ४। ६।३९ | ९।२७।४५।१४ | ४५।५४ |
| बृ.। ३ | ६। ५।५३। ५ | ४।१५।४४।३० | ४।२४।४४।५६ | २।२६।२३।४३ | ५। ४।१६।५१ | ९।२७।४२। ३ | ४५।५२ |
| शु.। ४ | ६। ६।३१।५९ | ४।१७।३३।२२ | ४।२४।५८।१० | २।२७।२५।२६ | ५। ४।२४। ३ | ९।२७।३८।५२ | ४५।५० |
| श.। ५ | ६। ७।१०।५२ | ४।१९।२२।१४ | ४।२५।११।२३ | २।२८।२७। ९ | ५। ४।३१।१५ | ९।२७।३५।४१ | ४५।४८ |
| र.। ६ | ६। ७।४९।४५ | ४।२१।११। ६ | ४।२५।२४।३६ | २।२९।२८।५२ | ५। ४।३८।२६ | ९।२७।३२।३१ | ४५।४६ |
| चं.। ७ | ६। ८।२८।३८ | ४।२२।५९।५८ | ४।२५।३७।४९ | ३। ०।३०।३५ | ५। ४।४५।३७ | ९।२७।२९।२१ | ४५।४५ |
| मं.। ८ | ६। ९। ८।११ | ४।२४।४७। ९ | ४।२५।५१। १ | ३। १।३४।३६ | ५। ४।५३।१६ | ९।२७।२६।१० | ४५।४३ |
| बु.। ९ | ६। ९।४७।४३ | ४।२६।३४।२० | ४।२६। ४।१३ | ३। २।३८।३६ | ५। ५। ०।४५ | ९।२७।२२।५९ | ४५।४१ |
| बृ.।१० | ६।१०।२७।१५ | ४।२८।२१।३१ | ४।२६।१७।२५ | ३। ३।४२।३६ | ५। ५। ८।३४ | ९।२७।१९।४८ | ४५।३९ |
| शु.।११ | ६।११। ६।४७ | ५।००। ८।४२ | ४।२६।३०।३७ | ३। ४।४६।३६ | ५। ५।१६।१३ | ९।२७।१६।३७ | ४५।३७ |
| श.।१२ | ६।११।४६।१९ | ५। १।५५।५३ | ४।२६।४३।४९ | ३। ५।५०।३६ | ५। ५।२३।५२ | ९।२७।१३।२६ | ४५।३५ |
| र.।१३ | ६।१२।२५।५१ | ५। ३।४३। ४ | ४।२६।५७।०० | ३। ६।५४।३६ | ५। ५।३१।३१ | ९।२७।१०।१६ | ४५।३३ |
| चं.।१४ | ६।१३। ५।२३ | ५। ५।३०।१४ | ४।२७।१०।११ | ३। ७।५८।३६ | ५। ५।३९। ९ | ९।२७। ७। ६ | ४५।३१ |
| मं.।३० | ६।१३।४४।२१ | ५। ७।१३।३५ | ४।२७।२३।१६ | ३। ९। ४। १ | ५। ५।४६।४८ | ९।२७। ३।५५ | ४५।२९ |

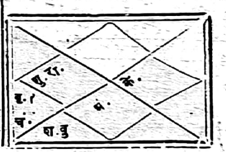
### दैनिक लग्नसारिणी चक्रम्

| दि.ति. | मे. प्र. | वृ. प्र. | मि. प्र. | क. प्र. | सि. प्र. | क. प्र. | तु. प्र. | वृ. प्र. | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी. प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु.। १ | २२।२७ | ००।२३ | २।३६ | ४।५४ | ७। ८ | ९।२१ | ११।३७ | १३।५४ | १६।०० | १७।४६ | १९।१८ | २०।४९ |
| बृ.। ३ | २२।२३ | ०।१९ | २।३३ | ४।५० | ७। ४ | ९।१७ | ११।३३ | १३।५० | १५।५६ | १७।४२ | १९।१४ | २०।४५ |
| शु.। ४ | २२।२० | ०।१६ | २।२९ | ४।४७ | ७। १ | ९।१४ | ११।३० | १३।४७ | १५।५३ | १७।३९ | १९।११ | २०।४२ |
| श.। ५ | २२।१६ | ०।१२ | २।२५ | ४।४३ | ६।५७ | ९।१० | ११।२६ | १३।४३ | १५।४९ | १७।३५ | १९। ७ | २०।३८ |
| र.। ६ | २२।१२ | ०। ८ | २।२१ | ४।३९ | ६।५३ | ९। ६ | ११।२२ | १३।३९ | १५।४५ | १७।३१ | १९। ३ | २०।३४ |
| चं.। ७ | २२। ९ | ०। ५ | २।१८ | ४।३६ | ६।५० | ९। ३ | ११।१९ | १३।३६ | १५।४२ | १७।२८ | १९।०० | २०।३१ |
| मं.। ८ | २२। ५ | ००। १ | २।१४ | ४।३२ | ६।४६ | ८।५९ | ११।१५ | १३।३२ | १५।३८ | १७।२४ | १८।५६ | २०।२७ |
| बु.। ९ | २२। १ | २३।५७ | २।१० | ४।२८ | ६।४२ | ८।५५ | ११।११ | १३।२८ | १५।३४ | १७।२० | १८।५२ | २०।२३ |
| बृ.।१० | २१।५८ | २३।५४ | २। ७ | ४।२५ | ६।३९ | ८।५२ | ११। ८ | १३।२५ | १५।३१ | १७।१७ | १८।४९ | २०।२० |
| शु.।११ | २१।५४ | २३।५० | २। ३ | ४।२१ | ६।३५ | ८।४८ | ११। ४ | १३।२१ | १५।२७ | १७।१३ | १८।४५ | २०।१६ |
| श.।१२ | २१।५० | २३।४६ | १।५९ | ४।१७ | ६।३१ | ८।४४ | ११।०० | १३।१७ | १५।२३ | १७। ९ | १८।४१ | २०।१२ |
| र.।१३ | २१।४७ | २३।४३ | १।५६ | ४।१४ | ६।२८ | ८।४१ | १०।५७ | १३।१४ | १५।२० | १७। ६ | १८।३८ | २०। ९ |
| चं.।१४ | २१।४३ | २३।३९ | १।५२ | ४।१० | ६।२४ | ८।३७ | १०।५३ | १३।१० | १५।१६ | १७। २ | १८।३४ | २०। ५ |
| मं.।३० | २१।३९ | २३।३५ | १।४८ | ४। ६ | ६।२० | ८।३३ | १०।४९ | १३। ६ | १५।१२ | १६।५८ | १८।३० | २०। १ |

७ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३३।३९
अयनांशा: २२।१३।१५।१९



१४ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३३।४६
अयनांशा: २२।१३।१६।१२



**अथ विविध विषया :**—भाद्रकृष्णाष्टम्यां श्रीकृष्णाष्टमीव्रतम्। निशीथव्यापिन्यां जयन्तीव्रतं प्रातश्च कृष्णाष्टमीव्रतम्। व्रतमिदं त्रिजन्मपापनाशकम्। तस्मादिदं व्रतं सर्वैरवश्यमेव कार्यमिति। भाद्रामायां कुशोत्पाटनमन्त्रः—विरञ्चिना सहोत्पन्न परमेष्ठिनिसर्गज! नुद सर्वाणि पापानि दर्भ स्वस्तिकरो भव। कुशाग्रे वसते रुद्रः कुश मध्ये तु केशवः। कुशमूले वसेद्ब्रह्मा कुशान्मे देहि मेदिनि। कुशोसि कुशपुत्रोसि ब्रह्मणा निर्मितः पुरा। देवपितृहितार्थाय कुशमुत्पाटयाम्यहम्। अथवर्ज्य-कुशाः—चितिदर्भाः पथिदर्भा ये दर्भा यज्ञभूमिषु। स्तरणासनपिण्डेषु षट्कुशान् परिवर्जयेत्। श्राद्धे निषिद्धवस्तूनि, मात्स्ये—कुष्माण्ड महिषीक्षीरं विल्वपत्रम-गद्विजाः। श्राद्धकाले समुत्पन्ने पितरो यान्त्यनाश्रिताः। श्राद्धे प्रशस्तवस्तूनि—उच्छिष्टं शिवनिर्माल्यं वान्तं च मृतकर्पटम्। श्राद्धे सप्तपवित्राणि दौहित्रः कुतुपस्तिला: महिष्यादि प्रसवदोषः—माघे बुधे च महिषी श्रावणे वड़वा दिवा। सिंहे गावः प्रसूयन्ते स्वामिनो मृत्युदायिकाः।

**वातावरणम् :**—पक्षादितस्तृतीयां यावद्वायुवृष्टिमेघचारादयस्ततो नवमीं यावद्वायुतापखण्डवृष्टयस्ततः पक्षान्तं यावद्वृष्टियोगः।

**ग्रहस्थिति :**—कुजशुक्रौ मार्गिणौ पूर्वोदितौ, मार्गी पूर्वास्तोबुधः, मार्गी गुरुस्तृतीयायाङ्गुरौ २६।३९ यावत्पूर्वोदितस्ततः पश्चिमास्तः, मार्गी शनि सप्तम्यां चन्द्रे ११।५६ यावत्पूर्वोदितस्ततः पश्चिमास्तः।

| दि.ति. | तिथय: घ.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | घ.प. | घं.मि. | योगा: घ.प. | करणानि घ.प. | चन्द्रस्थिति: घ.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्य: राश्यादि | दिनमान घ.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. १ | २५।१८ | दि. ३।५६ | उफा. | ४६।३० | रा. १२।२५ | शु. ५८।२३ | ब. २५।१८ | कन्या | अहोरात्र | ४।२४। ४।८ | ३०।५४ | ५।४९ | ६।११ | १६ | २९ | २० | १० |
| शु. २ | ३०। ८ | दि. ५।५३ | ह. | ५२।५८ | रा. २।५६ | शु. ५६।५२ | कौ. ३०। ८ | कन्या | अहोरात्र | ४।२५। २।३२ | ३०।५० | ५।५० | ६।१० | २० | ३० | २६ | ११ |
| श. ३ | ३५।२० | दि. ७।५९ | चि | ५६।२५ | रा. ५।३७ | ब्र. ६०।०० | तै. २।४४ | क. २६। ९ | दि. ४।१६ | ४।२६।००।५६ | ३०।४६ | ५।५१ | ६। ९ | २१ | १ | २७ | १२ |
| श. ४ | ४०।२० | दि. १०।०० | स्वा. | ६०।०० | अहोरात्र | ब्र. १।२३ | ब. ७।५० | तुला | अहोरात्र | ४।२६।५९।२० | ३०।४२ | ५।५२ | ६। ८ | २२ | २ | २८ | १३ |
| र. ५ | ४४।४८ | दि. ११।४७ | स्वा. | ४।३६ | दि. ८। ८ | ऐ. २।४१ | ब. १२।३४ | तु. ४५।५१ | रा. ३।४८ | ४।२७।५७।४४ | ३०।३८ | ५।५२ | ६। ८ | २३ | ३ | २९ | १४ |
| चं. ६ | ४८।२८ | दि. १।१६ | वि. | ११।१४ | दि. १०।२३ | वं. ३।२७ | कौ. १६।३८ | वृश्चिक | अहोरात्र | ४।२८।५६। ७ | ३०।३६ | ५।५३ | ६। ७ | २४ | ४ | ३० | १५ |
| मं. ७ | ५०।५६ | दि. २।१६ | अनु. | १५।५२ | दि. १२।१५ | वि. ३।२८ | ग. १९।४२ | वृश्चिक | अहोरात्र | ४।२९।५४।४६ | ३०।३२ | ५।५४ | ६। ६ | २५ | ५ | ३१ | १६ |
| बु. ८ | ५२।१७ | दि. २।४८ | ज्ये. | १९।२८ | दि. १।४० | प्री. २।३८ | वि. २१।३७ | वृ. १९।२४ | दि. १।४० | ५।००।४३।२५ | ३०।२८ | ५।५४ | ६। ६ | २६ | ६ | १ | १७ |
| बृ. ९ | ५२।१६ | दि. २।४२ | मू | २१।४१ | दि. २।३५ | आ. ००।४८ | बा. २२।१७ | धनु | अहोरात्र | ५। १।५२। ४ | ३०।२४ | ५।५५ | ६। ५ | २७ | ७ | २ | १८ |
| शु. १० | ४९। १ | दि. २।२० | पूषा. | २२।३९ | दि. ३।०० | आ. ५८। ८ | तै. २१।३९ | ध. ३७।३६ | रा. ८।५८ | ५। २।५०।४३ | ३०।२० | ५।५६ | ६। ४ | २८ | ८ | ३ | १९ |
| श. ११ | ४८।३३ | दि. १।२२ | उषा. | २२।२६ | दि. २।४५ | स. ४९।२३ | व. १९।४७ | मकर | अहोरात्र | ५। ३।४६।२२ | ३०।१६ | ५।५७ | ६। ३ | २९ | ९ | ४ | २० |
| र. १२ | ४५। ० | दि. ११।५९ | श्र. | २१। ७ | दि. २।२५ | सु. ४३।४६ | ब. १६।४८ | म. ५०। ३ | रा. ११।५६ | ५। ४।४८। १ | ३०।१२ | ५।५८ | ६। २ | ३० | १० | ५ | २१ |
| चं. १३ | ४०।४० | दि. १०।१५ | ध | १८।५० | दि. १।३४ | धृ. ३७।३० | कौ. १२।५२ | कुम्भ | अहोरात्र | ५। ५।४६।३९ | ३०। ८ | ५।५८ | ६। २ | ३१ | ११ | ६ | २२ |
| मं. १४ | ३५।३९ | दि. ८।१५ | श | १५।५० | दि. १२।२२ | शू. ३०।३६ | ग. ८।११ | कु. ५८।१५ | रा. ५।१७ | ५। ६।४५।३४ | ३०। ४ | ५।५९ | ६। १ | १ | १२ | ७ | २३ |
| बु. १५ | ३०। २ | दि. ६। १ | पूभा. | १२।२१ | दि. १०।५६ | गं. २३।१४ | वि. २।५१ | मीन | अहोरात्र | ५। ७।४४।२९ | ३०।०० | ६।०० | ६।०० | २ | १३ | ८ | २४ |

## भाद्रशुक्लपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ साल, ता. १०।९।८० ई. ता २४।९।८० ई. यावत्, उत्तरेकालः।
मार्गी पश्चिमास्तो गुरुः, मार्गीपूर्वोदितः शुक्रः, अमुदः, वर्षर्तुः, ७ तः शरदर्तुः सौम्यगोलः, याम्यायनम्।



पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा हस्ते।

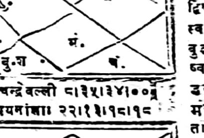
चन्द्रदर्शनं मु३०फलं साम्यं हस्ते बुधः १९।१७, पूर्वदिशि यात्रा दिवारात्रौ। सामवेदिनामुपाकर्म।

पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घं.४ मि. १९ यावद्दिने ततो दक्षिणदिशि यात्रा, मन्वादिः, छन्दोगानामृषितर्पणम्, हरितालिका२ (तीज) व्रतमुमामहेश्वरपूजनं प्रदोषे, जागरणं रात्रौ, विसर्ज– C
उत्तरफल्गुन्यां रविः२५।४६ स्त्रीयोगः सूर्ययोगश्चागवाहनं वातानाडी तदधिपतिः सूर्यस्तेन खण्डवृष्टिवायुमेघच्छायायोगाः, श्रीगणेश४व्रतं, चतुर्थीचन्द्रपूजनं पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा,D
नागमंत्र ऋषिमंत्र५, मध्याह्ने सप्तर्षिपूजनं, यायिजयदयोगोदक्षिणदिशियात्रा च स्वात्याम्। C नञ्च प्रभाते, वराहावतारः।
लोलार्कषष्ठी पर्यटः६, काश्यां सूर्यकुण्डेस्नानं कर्त्तिकेयदर्शनञ्च, लोलार्के षष्ठ्यां भास्करपूजनपूर्वक पञ्चगव्यप्राशनं सर्वपापप्रणाशकम्, दक्षिणोत्तरयोर्यात्रा घं. १० मि. २३ उ. दिने A
कन्यायां रविः ५०।४७ मु. १५ फलं महार्घं, सन्तान ७ राधाव्रतं, आश्लेषायां शुक्रः ४२।४१, पश्चिमोदितो बुधः ३।१८, द. ति. ५०।५६ उ., म. ५०।५६ उ., मासान्तः।
षडशीति संक्रान्ति पुण्यकालः घं १२ यावद्दिने, दूर्वाष्टमी, महालक्ष्मीकुण्डेस्नानम्, अद्यारम्य षोडशदिनं यावन्महालक्ष्मीव्रतं कार्यं, घं, १३।२४ उ. २८।२४ या., म.२१।३७ या. E
मासादिः, सौभाग्योमानं ५७।१०। D चतुर्थ्यां म. ७।५० उ. ४०।२० या.।
पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पूर्वाषाढे, विशाखायां कुजः ६।२, चित्रायां बुधः १०।४२। A घं.१ मि.१६ यावद्रात्रौ।
म. १६।४७उ.४८।३३या., सर्वेषां पार्श्वपरिवर्त्तन ११ व्रतम्, यायिजयदयोग उत्तराषाढे, पूर्वा बिना. यात्रोत्तमा श्रवणायाम्। E द.ति.५२।१७ या., विश्वकर्मपूजनम्।
वामनावतारः, श्रीवामन १२, कुष्माण्डेन पारणम्, इन्द्रोत्थापनं तत्पूजनोत्सवारंभश्च, कन्यायां गुरुः ४३।३०, गुर्वादित्यारंभा ४०।३०उ., पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घं.११ मि. ५६उ. घं.१ F
प्रदोष ११ व्रतं, यायिजयदयोगः पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा च धनिष्ठायाम्। F मि. ५६ यावद्रात्रौ।
म.३५।३६उ., अनन्त१४ व्रतं पूजनञ्च, तुलायां बुधः ३३।४०, पश्चिमदिशियात्रा घं.१२ मि.२२ उपरि दिवारात्रौ, स्यायिजयदयोगश्चदुर्दश्यां पूर्वभाद्रे।
भाद्री१५ अगस्त्यार्घदानम्, पश्चिमादिशियात्रा पूर्वभाद्रे, म.२।५१ यावत्।

### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च — दैनिकलग्नसारिणीचक्रम् ॥

| दि.ति. | मंगल: | बुध: | गुरु: | शुक्र: | शनि: | केतु: | मिश्रमानं | मे.प. | वृ.प. | मि.प. | क.प. | सि.प. | क.प. | तु.प. | वृ.प. | ध.प. | म.प. | कु.प. | मी.प. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. १ | ६।१४।२५।१६ | ५। ८।५६।५६ | ४।२७।३६।२१ | ३।१०। ९।२६ | ५। ५।५४।२७ | ९।२७।००।४४ | ४५।२७ | २१।३६ | २३।३२ | १।४५ | ४। ३ | ६।१७ | ८।३० | १०।४६ | १३। ३ | १५। ९ | १६।५५ | १८।२७ | १९।५८ |
| शु. २ | ६।१५। ५।१७ | ५।१०।४०।१७ | ४।२७।४९।२६ | ३।११।१४।५१ | ५। ६। २। ६ | ९।२६।५७।३३ | ४५।२५ | २१।३२ | २३।२८ | १।४१ | ३।५९ | ६।१३ | ८।२६ | १०।४२ | १२।५९ | १५। ५ | १६।५१ | १८।२३ | १९।५४ |
| श. ३ | ६।१५।४५।१५ | ५।१२।२३।३८ | ४।२८। २।३१ | ३।१२।२०।१६ | ५। ६। ९।४५ | ९।२६।५४।२२ | ४५।२३ | २१।२८ | २३।२४ | १।३७ | ३।५६ | ६। ९ | ८।२२ | १०।३८ | १२।५५ | १५। १ | १६।४७ | १८।१९ | १९।५० |
| श. ४ | ६।१६।२५।१३ | ५।१४। ६।५९ | ४।२८।१५।३६ | ३।१३।२५।४१ | ५। ६।१७।२४ | ९।२६।५१।११ | ४५।२१ | २१।२५ | २३।२१ | १।३४ | ३।५२ | ६। ६ | ८।१९ | १०।३५ | १२।५२ | १४।५८ | १६।४४ | १८।१६ | १९।४७ |
| र. ५ | ६।१७। ५।१० | ५।१५।५०।१६ | ४।२८।२८।४१ | ३।१४।३१। ६ | ५। ६।२५। ३ | ९।२६।४८। १ | ४५।१९ | २१।२२ | २३।१८ | १।३१ | ३।४९ | ६। ३ | ८।१६ | १०।३२ | १२।४९ | १४।५५ | १६।४१ | १८।१३ | १९।४४ |
| चं. ६ | ६।१७।४५। ७ | ५।१७।३३।३६ | ४।२८।४१।४६ | ३।१५।३६।३० | ५। ६।३२।४२ | ९।२६।४४।५१ | ४५।१८ | २१।१९ | २३।१५ | १।२८ | ३।४६ | ६।०० | ८।१३ | १०।२९ | १२।४६ | १४।५२ | १६।३८ | १८।१० | १९।४१ |
| मं. ७ | ६।१८।२५।३८ | ५।१९।१६।५६ | ४।२८।५४।५२ | ३।१६।४३।२१ | ५। ६।४०।१३ | ९।२६।४१।४० | ४५।१६ | २१।१६ | २३।१२ | १।२५ | ३।४३ | ५।५७ | ८।१० | १०।२६ | १२।४३ | १४।४९ | १६।३५ | १८। ७ | १९।३८ |
| बु. ८ | ६।१९। ६। ९ | ५।२०।४६।१३ | ४।२९। ७।५८ | ३।१७।५०।१२ | ५। ६।४७।४४ | ९।२६।३८।२९ | ४५।१४ | २१।१३ | २३। ९ | १।२२ | ३।४० | ५।५४ | ८। ७ | १०।२३ | १२।४० | १४।४६ | १६।३२ | १८। ४ | १९।३५ |
| बृ. ९ | ६।१९।४६।४० | ५।२२।२२।३० | ४।२९।२१। ४ | ३।१८।५७। ३ | ५। ६।५५।१४ | ९।२६।३५।१८ | ४५।१२ | २१। ९ | २३। ५ | १।१८ | ३।३६ | ५।५० | ८। ३ | १०।१९ | १२।३६ | १४।४२ | १६।२८ | १८।०० | १९।३१ |
| शु. १० | ६।२०।२७।११ | ५।२३।५८।४७ | ४।२९।३४।१० | ३।२०। ३।५४ | ५। ७। २।४४ | ९।२६।३२। ७ | ४५।१० | २१। ५ | २३। १ | १।१४ | ३।३२ | ५।४६ | ७।५९ | १०।१५ | १२।३२ | १४।३८ | १६।२४ | १७।५६ | १९।२७ |
| श. ११ | ६।२१। ७।४२ | ५।२५।३५। ४ | ४।२९।४७।१६ | ३।२१।१०।४५ | ५। ७।१०।१४ | ९।२६।२८।५६ | ४५। ८ | २१। २ | २२।५८ | १।११ | ३।२९ | ५।४३ | ७।५६ | १०।१२ | १२।२९ | १४।३५ | १६।२१ | १७।५३ | १९।२४ |
| र. १२ | ६।२१।४८।१३ | ५।२७।११।२१ | ५।००।००।२१ | ३।२२।१७।३५ | ५। ७।१७।४४ | ९।२६।२५।४६ | ४५। ६ | २०।५८ | २२।५४ | १। ७ | ३।२५ | ५।३९ | ७।५२ | १०। ८ | १२।२५ | १४।३१ | १६।१७ | १७।४९ | १९।२० |
| चं. १३ | ६।२२।२८।४४ | ५।२८।४७।३७ | ५।००।१३।२६ | ३।२३।२४।२५ | ५। ७।२५।१४ | ९।२६।२२।३६ | ४५। ४ | २०।५४ | २२।५० | १। ३ | ३।२१ | ५।३५ | ७।४८ | १०। ४ | १२।२१ | १४।२७ | १६।१३ | १७।४५ | १९।१६ |
| मं. १४ | ६।२३। ९।१५ | ६।००।१०।१६ | ५।००।२६।४५ | ३।२४।२२।४५ | ५। ७।३२।४५ | ९।२६।१९।२५ | ४५। २ | २०।५० | २२।४६ | ००।५९ | ३।१७ | ५।३१ | ७।४४ | १०।०० | १२।१७ | १४।२३ | १६। ९ | १७।४१ | १९।१२ |
| बु. १५ | ६।२३।५०।५४ | ६। १।३२।५५ | ५।००।४०। ३ | ३।२५।४१। १ | ५। ७।४०।१५ | ९।२६।१६।१४ | ४५।०० | २०।४७ | २२।४३ | ००।५६ | ३।१४ | ५।२८ | ७।४१ | ९।५७ | १२।१४ | १४।२० | १६। ६ | १७।३८ | १९। ९ |

६ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३३।४१
अयनांशा: २२।१३।१७।१५




१३ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३४।००
अयनांशा: २२।१३।१८।१८




अथ विविध विषयाः—चतुर्थ्यां सरोहिणीकचन्द्रपूजनं कुर्यात्फलादिकं गृहीत्वा चन्द्रञ्च पश्येत्तन्मन्त्रः—सिंहः प्रसेनमवधीत् सिंहो जाम्बवता हतः। सुकुमारक ! मा रोदीस्तव ह्येष स्यमन्तकः। प्रार्थनामन्त्रश्च—दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम्। नमामि शशिनं भक्त्या शम्भोर्मुकुटभूषणम्। एकादश्यां विष्णोः पार्श्वपरिवर्त्तनमन्त्राः—प्राप्ते भाद्रपदेमासि एकादश्यां सितेऽहनि। कटिदानं भवेद्विष्णोर्महद् पूजा प्रवर्तते। वासुदेव जगन्नाथ प्राप्तेयं द्वादशी तव। पार्श्वं संपरिवर्त्तस्व सुखं स्वपिहि माधव। त्वयिमुप्ते जगन्नाथ जगत्सुप्तं भवेदिदम्। विबुद्धे त्वयि बुद्धचे। जगत्सुप्तं चराचरम्। देवदेव जगन्नाथ योगिगम्य निरञ्जन। कटिदानं कुरुष्वाद्य मासि-भाद्रपदे शुभे। अनन्तधारणमंत्रः—अनन्तसंसारमहासमुद्रे मग्नं समभ्युद्धर वासुदेव। अनन्तरूपे विनियोजयस्व ह्यनन्तरूपाय नमोनमस्ते॥ अगस्त्यार्घदानमंत्राः—कुम्भयोनि समुत्पन्न मुनीनां मुनिसत्तम। उदयन्ते लङ्काद्वारे अर्घोऽयं प्रतिगृह्यताम्। शंखं पुष्पं फलं तोयं रत्नानि विविधानि च। उदयन्ते लङ्काद्वारे अर्घोऽयं प्रतिगृह्यताम्। काशपुष्प प्रतीकाश वह्नि मारुतसंभव। उदयन्ते लङ्काद्वारे अर्घोऽयं प्रतिगृह्यताम्। प्रार्थना—वातापी भक्षितो येन वातापीच महाबलः। समुद्रः शोषितो येन समेऽगस्त्यः प्रसीदतु।

वातावरणम्-पक्षादितोनवमीं यावद्वायुतापखण्डवृष्टयस्ततः पक्षान्तं यावदवृष्टियोगः।

प्रहस्थितिः—कुजशुक्रौ मार्गिणौ पूर्वोदितौ, मार्गीबुधः सप्तम्यां कुजे ३।१८ यावत्पूर्वास्तस्ततः पश्चिमोदितः, गुरुशनी मार्गिणौ पश्चिमास्तौ।

| वि.ति. | तिथय: द.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगा: द.प. | करणानि द.प. | चन्द्रस्थिति: द.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्य: राश्यादि: | दिनमान द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | म.दि. | सौ.दि. | प्र.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. १ | २४। ५ | दि. ३।३६ | उभा. | ८।२३ | दि. ९।२२ | वृ. १५।३६ | को.२४। ५ | मीन | अहोरात्र | ५। ८।४३।२४ | २९।५६ | ६। १ | ५।५९ | ३ | १४ | ९ | २५ |
| शु. २ | १७।५८ | दि. १२।५१ | रे. | ४। ९ | दि. ७।४२ | ध्रु. ७।४६ | ग. १७।५८ | मी. ४। ७ | दि. ७।४२ | ५। ९।४२।१६ | २९।५२ | ६। २ | ५।५८ | ४ | १५ | १० | २६ |
| श. ३ | ११।५५ | दि. १०।४८ | अ. | ००। २ | दि. ६। ३ | व्या. ००। ६ | वि. ११।५५ | मेष | अहोरात्र | ५।१०।४१।१४ | २९।४८ | ६। २ | ५।५८ | ५ | १६ | ११ | २७ |
| र. ४ | ६।१० | दि ८।३१ | कृ. | ५२।३२ | रा. ३। ४ | ह. ४५।१६ | वा. ६।१० | मे. ९।२६ | दि. ६।४९ | ५।११।४०। ८ | २९।४४ | ६। ३ | ५।५७ | ६ | १७ | १२ | २८ |
| चं. ५ | ००।४९ | दि. ६।२४ | रो. | ४९।३५ | रा. १।५४ | सि. ३८।२९ | तै. ००।४९ | वृष | अहोरात्र | ५।१२।३९। २ | २९।४० | ६। ४ | ५।५६ | ७ | १८ | १३ | २९ |
| मं. ७ | ५२।१६ | रा. २।५६ | मृ. | ४७।३३ | रा. १। ६ | व्य. ३८।२३ | वि. २४।१६ | वृ. १८।२४ | दि. १।३१ | ५।१३।३८।१३ | २९।३६ | ६। ५ | ५।५५ | ८ | १९ | १४ | ३० |
| बु. ८ | ४९।२४ | रा. १।५२ | आ. | ४६।१६ | रा. १२।३८ | व. २६।५८ | वा. २०।५० | मिथुन | अहोरात्र | ५।१४।३७।२४ | २९।३२ | ६। ६ | ५।५४ | ९ | २० | १५ | १ |
| बृ. ९ | ४७।३८ | रा. १। ६ | पुन. | ४६।१२ | रा. १२।३५ | प. २२।२४ | तै. १८।३१ | मि. ३१।३४ | रा. ६।३६ | ५।१५।३६।३४ | २९।२८ | ६। ६ | ५।५४ | १० | २१ | १६ | २ |
| शु. १० | ४७। ५ | रा. १२।५७ | पु. | ४७।१५ | रा. १। १ | शि. १८।४७ | व. १७।२२ | कर्क | अहोरात्र | ५।१६।३५।४४ | २९।२४ | ६। ७ | ५।५३ | ११ | २२ | १७ | ३ |
| श. ११ | ४७।५१ | रा. १।१६ | आश्ले. | ४९।३९ | रा. २।०० | सि.१६।११ | व. १७।२८ | क. ४९।३६ | रा. २।०० | ५।१७।३४।५४ | २९।२० | ६। ८ | ५।५२ | १२ | २३ | १८ | ४ |
| र. १२ | ४९।५८ | रा. २। ८ | म. | ५३।१७ | रा. ३।२८ | सा. १४।३७ | को. १८।५५ | सिंह | अहोरात्र | ५।१८।३४। ४ | २९।१६ | ६। ९ | ५।५१ | १३ | २४ | १९ | ५ |
| चं. १३ | ५३।१२ | रा. ३।२७ | पूफ. | ५८।०० | रा. ५।२२ | शु. १३।५५ | ग. २१।३५ | सिंह | अहोरात्र | ५।१९।३३।१४ | २९।१२ | ६।१० | ५।५० | १४ | २५ | २० | ६ |
| मं. १४ | ५७।२८ | रा. ५। ९ | उफ. | ६०।०० | अहोरात्र | शु. १४। ८ | वि. २५।२० | सि. १४।२५ | दि.११।५६ | ५।२०।३२।४१ | २९। ८ | ६।१० | ५।५० | १५ | २६ | २१ | ७ |
| बु. ३० | ६०।०० | अहो. रात्र | उफ. | ३।३८ | दि. ७।३८ | ब्र. १५। २ | च. २९।५५ | कन्या | अहोरात्र | ५।२१।३२। ७ | २९। ४ | ६।११ | ५।४९ | १६ | २७ | २२ | ८ |
| बृ. ३० | २।२२ | दि. ७। ९ | ह. | ६।५३ | दि. १०। ९ | ऐ. १६।१६ | ना. २।२२ | क. ४।१९ | रा. ११।२८ | ५।२२।३१।३३ | २९।०० | ६।१२ | ५।४८ | १७ | २८ | २३ | ९ |

## आश्विनकृष्णपक्ष:

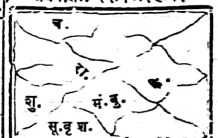
शक: १९०२, सवत् २०३७, स। १३८८ साल दि. २५।९।८० ई. तः ९।१०।८० ई. यावत्, उत्तरेकाल: ।
मार्गी पूर्वास्तो गुरु:, ४ तः पूर्वोदितः मार्गी पूर्वोदित: शुक्र:, अशुद्ध:, शरदृतु:, सौम्यगोल:, याम्यायनम्

पितृपक्षारंभ:, दक्षिणां विना यात्रा रेवत्यां, यायिजयदयोग: प्रतिपदि, गं. ५२।६ उ०, दुग्धं त्यजेदाश्विने ।
गं. ७।६ या, भ. ४४।५६ उ., पश्चिमांविना यात्रा तृतीयायां, भूगस्यां गैरिकायाञ्च स्नानमाश्विने पुण्यप्रदम् ।
भरणीमानं ५५।२, हर्षणमानं ५२।२६, हस्तरवि: ३।१२, पुंस्त्रीयोग: मूवंयोगो गर्दभवाहनं चण्डानाड़ी तदधिपति: शनिस्तेन वायुवृष्टियोग:, भ. ११।५५ या, दायिजयदयोगस्तृतीयायाA
A भरण्याम् ।
वसुन्धरा ५, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रारोहिण्यां, पूर्वोदितो गुरु: ००।४४, मघायां सिंहे शुक्र: ३३।६,स्वात्यां बुध: २३।२७, इन्द्रविसर्जनम् ।
षष्ठीमानं ५५।२०, भ. ५६।६ उ., कपिला ६, चन्द्र ६, यायिजयदयोग: पञ्चम्यां, दक्षिणदिशि यात्रा रोहिण्यां ततः पूर्वां विना यात्रोत्तमा मृगशिरसि ।
भ. २४।१६ या, उत्तरांविना यात्रोत्तमा मृगशिरसि । स्त्रीणां राज्यन्ते विशिष्टभोजनं ( अोठगन ) नंव ।
महालक्ष्मीव्रतं, जीमूतवाहन ( जितिया ) व्रतं जीवत्पुत्रिकाव्रतञ्च, शाकाष्टका, अक्टुबर १० मासारंभ: ।
महालक्ष्मी-जीमूतवाहन-जीवत्पुत्रिकाव्रतपारणम्, मातृनवमी, अन्वष्टकाश्राद्ध, यायिजयदयोग: पुनर्वसौ, दक्षिणां विना यात्रोत्तमा दशम्यां, गान्धिजयन्ती ।
भ. १७।२२ उ. ४७।५ या., वृश्चिके कुज: ४२।५९, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा पुष्ये ।
गं. ३८।३९ उ. ५३।३९ या., सर्वेषामिन्दिरा ११ व्रतं, यायिजयदयोग एकादश्याम् ।
गुडेन पारणम्, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पूर्वफल्गुन्याम् ।
भ. ५३।१२ उ., प्रदोष १३ व्रतं, उत्तरदिशि यात्रा त्रयोदश्याम् ।
भ. २५।२० या., प्रदोष १४ व्रतं, शस्त्रादिहतजनश्राद्धम् ।
आश्विनी अमा पार्वणम्, महालया ३०, अनुराधायां कुज: २९।५६ ।
यायिजयदयोगो हस्ते, आश्विनी ३०, पूर्वदिशि यात्रा घं. ७ मि. ९ उ. दिने घं. ११ मि. २८ यावद्रात्री ततः पश्चिमदिशि यात्रा ।

### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादिस्पष्टग्रहा:, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च — दैनिकलग्नसारिणीचक्रम्

| द.ति. | मंगल: | बुध: | गुरु: | शुक्र: | शनि: | केतु: | मिश्रमानं | मे. प्र. | वृ. प्र. | मि. प्र. | क. प्र. | सि. प्र. | क. प्र. | तु. प्र. | वृ. प्र. | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी. प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. १ | ६।२४।३१।५९ | ६। २।५५।३४ | ५।००।५३।२१ | ३।२६।४९।१६ | ५। ७।४७।४५ | ६।२६।१३। ३ | ४४।५८ | २०।४३ | २२।३९ | ०।५२ | ३।१० | ५।२४ | ७।३७ | ६।५३ | १२।१० | १४।१६ | १६। २ | १७।३४ | १९। ५ |
| शु. २ | ६।२५।१३। १ | ६।१८।१८।१३ | ५। १। ६।३९ | ३।२७।५७।३७ | ५। ७।५५।१५ | ९।२६। ६।५२ | ४४।५६ | २०।३९ | २२।३५ | ०।४८ | ३। ६ | ५।२० | ७।३३ | ६।४९ | १२। ६ | १४।१२ | १५।५८ | १७।३० | १९। १ |
| श. ३ | ६।२५।५४। ७ | ६। ५।४०।५२ | ५। १।१९।५७ | ३।२९। ५।५५ | ५। ८। २।४५ | ९।२६। ६।४१ | ४४।५४ | २०।३६ | २२।३२ | ०।४५ | ३। ३ | ५।१७ | ७।३० | ६।४६ | १२। ३ | १४। ९ | १५।५५ | १७।२७ | १८।५८ |
| र. ४ | ६।२६।३५।११ | ६। ७। ३।११ | ५। १।३३।१५ | ४।००।१४।१३ | ५। ८।१०।१५ | ६।२६। ३।३० | ४४।५२ | २०।३२ | २२।२८ | ०।४१ | २।५९ | ५।१३ | ७।२६ | ६।४२ | ११।५९ | १४। ५ | १५।५१ | १७।२३ | १८।५४ |
| चं. ५ | ६।२७।१६।१५ | ६। ८।२६।१० | ५। १।४६।३३ | ४। १।२२।३० | ५। ८।१७।४५ | ९।२६।००।२० | ४४।५० | २०।२८ | २२।२४ | ०।३७ | २।५५ | ५। ९ | ७।२२ | ६।३८ | ११।५५ | १४। १ | १५।४७ | १७।१९ | १८।५० |
| मं. ७ | ६।२७।५७।४४ | ६। ९।३०।२३ | ५। १।५९।३० | ४। २।३१।२८ | ५। ८।२५।२४ | ६।२५।५७। ९ | ४४।४८ | २०।२५ | २२।२१ | ०।३४ | २।५२ | ५। ६ | ७।१९ | ६।३५ | ११।५२ | १३।५८ | १५।४४ | १७।१६ | १८।४७ |
| बु. ८ | ६।२८।३९।१३ | ६।१०।३४।३६ | ५। २।१२।२७ | ४। ३।४०।२६ | ५। ८।३३। ३ | ६।२५।५३।५८ | ४४।४६ | २०।२१ | २२।१७ | ०।३० | २।४८ | ५। २ | ७।१५ | ६।३१ | ११।४८ | १३।५४ | १५।४० | १७।१२ | १८।४३ |
| बृ. ९ | ६।२९।२०।४२ | ६।११।३८।४९ | ५। २।२५।२४ | ४। ४।४९।२४ | ५। ८।४०।४२ | ९।२५।५०।४७ | ४४।४४ | २०।१७ | २२।१३ | ०।२६ | २।४४ | ४।५८ | ७।११ | ६।२७ | ११।४४ | १३।५० | १५।३६ | १७। ८ | १८।३९ |
| शु. १० | ७।००। २।११ | ६।१२।४३। २ | ५। २।३८।२१ | ४। ५।५८।२१ | ५। ८।४८।२१ | ६।२५।४७।३६ | ४४।४२ | २०।१४ | २२।१० | ०।२३ | २।४१ | ४।५५ | ७। ८ | ६।२४ | ११।४१ | १३।४७ | १५।३३ | १७। ५ | १८।३६ |
| श. ११ | ७।००।४३।३९ | ६।१३।४७।१५ | ५। २।५१।१७ | ४। ७। ७।१८ | ५। ८।५६।०० | ६।२५।४४।२५ | ४४।४० | २०।१० | २२। ६ | ०।१९ | २।३७ | ४।५१ | ७। ४ | ६।२० | ११।३७ | १३।४३ | १५।२९ | १७। १ | १८।३२ |
| र. १२ | ७। १।२५। ७ | ६।१४।५१।२७ | ५। ३। ४।१३ | ४। ८।१६।१५ | ५। ९। ३।३८ | ६।२५।४१।१५ | ४४।३८ | २०। ६ | २२। २ | ०।१५ | २।३३ | ४।४७ | ७।०० | ६।१६ | ११।३३ | १३।३९ | १५।२५ | १६।५७ | १८।२८ |
| चं. १३ | ७। २। ६।३५ | ६।१५।५५।३९ | ५। ३।१७। ९ | ४। ९।२५।१२ | ५। ९।११।१६ | ६।२५।३८। ५ | ४४।३६ | २०। ३ | २१।५९ | ०।१२ | २।३० | ४।४४ | ६।५७ | ६।१३ | ११।३० | १३।३६ | १५।२२ | १६।५४ | १८।२५ |
| मं. १४ | ७। २।४८।४५ | ६।१६।५४।४५ | ५। ३।३०। २ | ४।१०।३५। ८ | ५। ९।१८।५६ | ६।२५।३४।५४ | ४४।३४ | १९।५९ | २१।५५ | ०। ८ | २।२६ | ४।४० | ६।५३ | ९। ९ | ११।२६ | १३।३२ | १५।१८ | १६।५० | १८।२१ |
| बु. ३० | ७। ३।३०।५५ | ६।१७।४४।५० | ५। ३।४२।५५ | ४।११।४५। ४ | ५। ९।२६।३६ | ६।२५।३१।४३ | ४४।३२ | १९।५५ | २१।५१ | ०। ४ | २।२२ | ४।३६ | ६।४९ | ६। ५ | ११।२२ | १३।२८ | १५।१४ | १६।४६ | १८।१७ |
| बृ. ३० | ७। ४।१३। ५ | ६।१८।२४।५२ | ५। ३।५५।४८ | ४।१२।५५।०० | ५। ९।३४।१५ | ६।२५।२८।३२ | ४४।३० | १९।५२ | २१।४८ | ०। १ | २।१९ | ४।३३ | ६।४६ | ९। २ | ११।१९ | १३।२५ | १५।११ | १६।४३ | १८।१४ |

५ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३४।७
अयनांशा: २२।१३।१६।२१




१३चन्द्रेवल्ली ८।३५।३४।१४
अयनांशा: २२।१३।२०।२४




अथ विविध विषया:—आश्विनकृष्णपक्षे प्रतिदिनं श्राद्धं कुर्यादिति प्रथम: कल्प:, पञ्चमीमारभ्यामां यावदिति द्वितीय: कल्प:, अष्टमीमारभ्यामां यावदिति तृतीय: कल्प:, दशमीमारभ्यामां यावदिति चतुर्थ: कल्पस्तदभावे एकस्मिन्नपि दिने श्राद्धं कर्त्तव्यमेव । हेमाद्रौ—आषाढ्यां पञ्चमे पक्षे कन्यासंस्थेदिवाकरे । यो वै श्राद्धं नर: कुर्यादेकस्मिन्नपि वासरे । तस्य सम्वत्सरं यावत्संतृप्ता; पितरो ध्रुवम् । श्राद्धकाल:—पूर्वाह्णे मातृकं श्राद्धमपराह्णे तु पैतृकम् । एकोद्दिष्टन्तुमध्याह्णे प्रातर्वृद्धिनिमित्तकम् । जीमूतवाहनव्रतं, भविष्ये—इषे मासयसिते पक्षे चाष्टमी या तिथिर्भवेत् । पुत्र सोभाग्यदा स्त्रीणां ख्याता सा जीवपुत्रिका । शालिवाहनराजस्य पुत्रोजीमूतवाहन: । तस्यां पूज्य: सनारीभि: पुत्रसौभाग्यलिप्सया । हस्तार्के खञ्जनदर्शनमन्त्र:—नीलग्रीवस्वरूपेण सर्वकामफलप्रद । पृथिव्यामवतीर्णोऽसि खञ्जरीट नमोऽस्तुते । तद्दर्शनाकाशपूर्वपश्चिमोत्तरवायव्यदिक्षु शुभमन्यदिक्ष्वशुभम् । पुनश्च—अब्जेषु गोषु गजवाजिमहोरगेषु राज्यप्रद: कुशलद: शुचिशाद्वलेषु । भस्मास्थिकेशतुषलोमनखेषु दृष्टो दु:खं ददाति बहुश: खलु खञ्जरीट: ।

वातावरणम्—पक्षादित: सप्तमीं यावद्वायुतापखण्डवृष्टयस्तत: पक्षान्तं यावद्वायुमेघवारमध्यमवृष्टय: ।

ग्रहस्थिति:—कुजशुक्रौ मार्गिणौ पूर्वोदितौ, मार्गीपश्चिमोदितो बुध:, मार्गीगुरुश्चतुर्थ्यां रवौ ००।४४ यावत्पश्चिमास्तस्तत: पूर्वोदित:, मार्गीपश्चिमास्त:शनि: ।

## आश्विनशुक्लपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७ सन् १३८८ साल, दि. १०।१०।८० ई० तः २३।१०।८० ई० यावत्, उत्तरेकालः। मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, अशुद्ध., ८तः शुद्धः शरदर्तुः, सौम्यगोलः, ८तः याम्यगोलः, याम्यायनम्।

| दि.ति. | तिथयः द. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | द. प. | घं. मि. | योगाः द. प. | करणानि द. प. | चन्द्रस्थितिः द. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द. प. | सू. उ. घं. मि. | सू. अ. घं. मि. | रा. दि. | मु. दि. | सौ. दि. | चं. दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु.। १ | ७।३६ | दि. ६।१७ | चि. | १६।२५ | दि. १२।४७ | वै. १७।५० | व. ७।३९ | तुला | अहोरात्र | ५।२३।३०।५९ | २८।५६ | ६।१३ | ५।४७ | १८ | २६ | २४ | १० |
| श.। २ | १२।४५ | दि. ११।२० | स्वा. | २२।४५ | दि. ३।२० | वि. १८।५६ | कौ १२।४५ | तुला | अहोरात्र | ५।२४।३०।२५ | २८।५२ | ६।१४ | ५।४६ | १९ | १ | २५ | ११ |
| र.। ३ | १७।२० | दि. १।१० | वि. | २८।३१ | दि. ५।३८ | प्री. १९।४७ | ग. १७।२० | तु. ३२। ५ | दि. १२। ४ | ५।२५।२९।५१ | २८।४९ | ६।१४ | ५।४६ | २० | २ | २६ | १२ |
| चं.। ४ | २९। ५ | दि. ७।४१ | अनु | ३३।३७ | रा. ७।३८ | आ. १९।५८ | वि. २९। ५ | वृश्चिक | अहोरात्र | ५।२६।२९।१७ | २८।४६ | ६।१५ | ५।४५ | २१ | ३ | २७ | १३ |
| मं.। ५ | २३।४० | दि. ३।४४ | ज्ये. | ३७।१५ | रा. ९।१० | सौ. १९।१६ | बा. २३।४० | वृ. ३७।१५ | रा. ९।१० | ५।२७।२८।५९ | २८।४२ | ६।१६ | ५।४४ | २२ | ४ | २८ | १४ |
| बु.। ६ | २५। ६ | दि. ४।१८ | मू. | ३९।५२ | रा. १०।१३ | शो. १७।४१ | तै. २५। ६ | धनु | अहोरात्र | ५।२८।२८।४१ | २८।३८ | ६।१६ | ५।४४ | २३ | ५ | २९ | १५ |
| बृ.। ७ | २५।१० | दि. ४।२१ | पूषा. | ४१।११ | रा. १०।४५ | अ. १५। ६ | व. २५।१० | ध. ५६।१३ | रा. ४।४६ | ५।२९।२८।२३ | २८।३४ | ६।१७ | ५।४३ | २४ | ६ | ३० | १६ |
| शु.। ८ | २४। १ | दि. ३।५४ | उषा. | ४१।१८ | रा. १०।४६ | सु. ११।२६ | व २४। १ | मकर | अहोरात्र | ६।०।२८। ५ | २८।३० | ६।१८ | ५।४२ | २५ | ७ | १ | १७ |
| श.। ९ | २१।३८ | दि. २।५८ | श्र. | ४०।१४ | रा. १०।२५ | धृ. ६।५४ | कौ. २१।३८ | मकर | अहोरात्र | ६। १।२७।४७ | २८।२६ | ६।१९ | ५।४१ | २६ | ८ | २ | १८ |
| र.।१० | १८।१२ | दि. १।३७ | ध. | ३८।१६ | रा. ९।४० | शू. १।२९ | ग. १८।१२ | म. ९।१७ | दि. १०। ३ | ६। २।२७।२८ | २८।२२ | ६।२० | ५।४० | २७ | ९ | ३ | १९ |
| चं.।११ | १३।५६ | दि. ११।५४ | श. | ३५।३० | रा. ८।३२ | वृ. ४८।३४ | वि. १३।५६ | कुम्भ | अहोरात्र | ६। ३।२७। ९ | २८।१८ | ६।२० | ५।४० | २८ | १० | ४ | २० |
| मं.।१२ | ८।५४ | दि. ९।५५ | पूभा. | ३२। ४ | रा. ७।३१ | ध्रु. ४१।१६ | बा. ८।५४ | कु. १७।५६ | दि. १।३१ | ६। ४।२७। ७ | २८।१४ | ६।२१ | ५।३९ | २९ | ११ | ५ | २१ |
| बु.।१३ | ३।२३ | दि. ७।४३ | उभा. | २८। ८ | दि. ५।३७ | व्या. ३३।४० | तै. ३।२३ | मीन | अहोरात्र | ६। ५।२७। ५ | २८।१० | ६।२२ | ५।३८ | ३० | १२ | ६ | २२ |
| बृ.।१५ | ५१।२८ | रा. २।५८ | रे. | २३।५७ | दि. ३।५८ | ह. २५।५४ | वि. २४।२९ | मी. २३।५७ | दि. ३।५८ | ६। ६।२७। २ | २८। ६ | ६।२३ | ५।३७ | १ | १३ | ७ | २३ |

**शारद नवरात्रारंभः**, कलशस्थापनं, दोलारुढाया देव्याफलमशोभनम्, श्रीदुर्गोत्सवः, दक्षिणदिशि यात्रा प्रतिपदि, पूर्वफल्गुन्यां शुक्रः ५।११, चन्द्रदर्शनं मु. १५ फलं महार्घं, **चित्रायां** A
**रेमन्तपूजनं**, यायिजयदयोगस्तृतीयायां स्वात्यां, पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा स्वात्याम्। *२४।२९ या. गं.११।५७ उ. २६।५७ या. **स्वात्याम् रविः** ५७।२३ पुंस्त्रीयोगः सूचंयोगः **शिखिवाहनं**‡
श्रीगणेश ४ व्रतं, भ. ४६।१२ उपरि। A **रविः** ३३।४३ स्त्रीस्त्रीयोगः सूसूयोगो जम्बूकवाहनं वातानाड़ी तदधिपती रविस्तेन वायुमध्यम **वृष्टिमेघच्छायायोगः**।
भ. २१।५ या., यायिजयदयोगः पञ्चम्यामनुराधायां, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा पञ्चम्यां, हस्ते शनिः, ६।४० पूर्वोदितः शनिः ७।४०, **पुष्टोगुरुः** ००।४४ उ.।
गं. ३१।१५ उ. ४६।१५ या., उपाङ्गललिताव्रतं, पश्चिमदिशियात्रा पञ्चम्यां, विशाखायां बुधः २३।१३। ‡ वातानाड़ी तदधिपतिः सूर्यस्तेन **वायुखण्डवृष्टिमेघच्छायायोगः**।
**गजपूजाविल्वाभिमन्त्रणञ्च, सरस्वत्या** आवाहनम्, पूर्वदिशि यात्रा दिवारात्रौ, सन्धियोगः षष्ठ्याम्, वक्री बुधः ४६।२५। E घं.७ मि. ११ यावद्रात्रौ।
द. ति. २५।१० उ., मासान्तः, भ. २५।१० उ. ५४।३५ या., **पत्रिका प्रवेशः महारात्रिर्निशापूजा च**। अन्नपूर्णा परिक्रमाष्टम्याम्।
**महाष्टमीव्रतं**, अन्नपूर्णापरिक्रमा, द. ति. १६।२६ या., **गुर्वादित्यनिवृत्तिः शुद्धारंभश्च** १६।२६ उ., **तुलायां रविः** १६।२६ मु. ४५ फलं समर्घं **धान्यविपुवसंक्रान्तिपुण्यकालो** B
**महानवमीव्रतं**तत्कृत्यञ्च, **त्रिशूलिनी पूजा, सरस्वत्या** विसर्जनम्, **मन्वादिः** वक्रगत्यास्वात्यां **बुधः** ४७।१२, मासादिः। B दिवा घं० १२ मि. ५४ उ. घं. ५ मि. ४२ या C
**विजया १०. अपराजिता पूजा यात्रा च, देवीविसर्जनम्, महिषारुढाया** देव्याः फलं रुजकरम्, पश्चिमास्तो बुधः १६।५६, पूर्वदिशि यात्रा घं. १० मि. ३ यावद्दिने, यायिजयदयोग D
सर्वेषां **पाशाङ्कुशा** ११ व्रतं, **गृहारंभगृहप्रवेशौ** घं. ११ मि. ५४ यावद्दिने, भ. १३।५६ या., द. ति. १३।५६ उ.। D एकादश्यां धनिष्ठायां भ. ४६।४ उ., गण्डयोगदं ५३।५२।
पद्मनाभ १२, गुड़ेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, उत्तरफल्गुन्यां शुक्रः २४।५२, द.ति. ८।५४ या., पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा घं. ६ मि. ५५ उ. घं. ? मि. ३१ यावद्दिने ततः पश्चिमदिशियात्रा E
चतुर्दशीमानं ५४।६, भ. ५७।२९ उ. प्रदोष १४ व्रतं, पूर्वपश्चिमयोर्यात्रा घं. ५ मि. २१ उ. राज्यन्ते, **गृहारम्भः गृहप्रवेशश्च** त्रयोदश्याम्। C **आकाशदीपदानारम्भः**।
आश्विनी १५, **कौमुदी महोत्सवः, कोजागरा**, प्रदोषे घं. ७ मि. १३ यावद्रात्रौ **श्रीलक्ष्मीपूजनं**, दक्षिणांविनायात्रोत्तमा **गृहारम्भश्च** पूर्णिमायां, यायिजयदयोगोरेवत्यां, भ. *

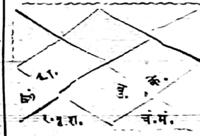
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु.। १ | ७। ४।५५।१४ | ६।१८।५९।५६ | ५। ४। ८।४१ | ४।१४। ४।५६ | ५। ९।४९।५४ | ९।२५।२५।२१ | ४४।२८ |
| श.। २ | ७। ५।३७।२३ | ६।१९।२०।५९ | ५। ४।२१।३४ | ४।१५।१४।५२ | ५। ९।४६।३३ | ९।२५।२२।१० | ४४।२६ |
| र.। ३ | ७। ६।१९।३२ | ६।१६।३६।५८ | ५। ४।३४।२७ | ४।१६।२४।४८ | ५। ९।५७।१२ | ९।२५।१९।०० | ४४।२४ |
| चं.। ४ | ७। ७। १।४१ | ६।१६।४६।१५ | ५। ४।४७।१८ | ४।१७।३४।४४ | ५।१०। ४।५१ | ९।२५।१५।५० | ४४।२३ |
| मं.। ५ | ७। ७।४४।११ | ६।२०। २।११ | ५। ४।५९।५५ | ४।१८।४५।४२ | ५।१०।११।५४ | ९।२५।१२।३९ | ४४।२१ |
| बु.। ६ | ७। ८।२६।४० | ६।२०।१०। ६ | ५। ५।१२।३२ | ४।१९।५६।४० | ५।१०।१८।५७ | ९।२५। ९।२८ | ४४।१९ |
| बृ.। ७ | ७। ९। ९। ९ | ६।२०। २।५७ | ५। ५।२५। ९ | ४।२१। ७।३८ | ५।१०।२६।०० | ९।२५। ६।१७ | ४४।१७ |
| शु.। ८ | ७। ९।५१।३८ | ६।१९।५२।५० | ५। ५।३७।४६ | ४।२२।१८।३६ | ५।१०।३३। २ | ९।२५। ३। ६ | ४४।१५ |
| श.। ९ | ७।१०।३४। ७ | ६।१९।३७।४३ | ५। ५।५०।२३ | ४।२३।२९।३४ | ५।१०।४०। ४ | ९।२४।५९।५५ | ४४।१३ |
| र.।१० | ७।११।१६।३६ | ६।१९।१८।३४ | ५। ६। ३।५९ | ४।२४।४०।३२ | ५।१०।४७। ६ | ९।२४।५६।४५ | ४४।११ |
| चं.।११ | ७।११।५९। ५ | ६।१८।५४।२३ | ५। ६।१५।३५ | ४।२५।५१।३० | ५।१०।५४। ८ | ९।२४।५३।३४ | ४४। ९ |
| मं.।१२ | ७।१२।४१।५६ | ६।१८।१०।४६ | ५। ६।२७।४७ | ४।२७। २।३३ | ५।११।००।५९ | ९।२४।५०।२४ | ४४। ७ |
| बु.।१३ | ७।१३।२४।४७ | ६।१७।२७।१५ | ५। ६।३९।५६ | ४।२८।१३।३६ | ५।११। ७।५० | ९।२४।४७।१३ | ४४। ५ |
| बृ.।१५ | ७।१४। ७।३८ | ६।१६।४३।४१ | ५। ६।५२।११ | ४।२९।२४।३९ | ५।११।१४।४१ | ९।२४।४४। २ | ४४। ३ |

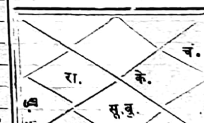
### दैनिक लग्नसारिणी चक्रम्

| दि.ति. | मे. प्र. | वृ. प्र. | मि. प्र. | क. प्र. | सिं. प्र. | क. प्र. | तु. प्र. | वृ. प्र. | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी. प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु.। १ | १९।४८ | २१।४४ | २३।५७ | २।१५ | ४।२९ | ६।४२ | ८।५८ | ११।१५ | १३।२१ | १५। ७ | १६।३६ | १८।१० |
| श.। २ | १९।४४ | २१।४० | २३।५३ | २।११ | ४।२५ | ६।३८ | ८।५४ | ११।११ | १३।१७ | १५। ३ | १६।३५ | १८। ६ |
| र.। ३ | १९।४१ | २१।३७ | २३।५० | २। ८ | ४।२२ | ६।३५ | ८।५१ | ११। ८ | १३।१४ | १५।०० | १६।३२ | १८। ३ |
| चं.। ४ | १९।३८ | २१।३४ | २३।४७ | २। ५ | ४।१९ | ६।३२ | ८।४८ | ११। ५ | १३।११ | १४।५७ | १६।२९ | १८।०० |
| मं.। ५ | १९।३४ | २१।३० | २३।४३ | २। १ | ४।१५ | ६।२८ | ८।४४ | ११। १ | १३। ७ | १४।५३ | १६।२५ | १७।५६ |
| बु.। ६ | १९।३१ | २१।२७ | २३।४० | १।५८ | ४।१२ | ६।२५ | ८।४१ | १०।५८ | १३। ४ | १४।५० | १६।२२ | १७।५३ |
| बृ.। ७ | १९।२८ | २१।२४ | २३।३७ | १।५५ | ४। ९ | ६।२२ | ८।३८ | १०।५५ | १३। १ | १४।४७ | १६।१९ | १७।५० |
| शु.। ८ | १९।२५ | २१।२१ | २३।३४ | १।५२ | ४। ६ | ६।१९ | ८।३५ | १०।५२ | १२।५८ | १४।४४ | १६।१६ | १७।४७ |
| श.। ९ | १९।२१ | २१।१७ | २३।३० | १।४८ | ४। २ | ६।१५ | ८।३१ | १०।४८ | १२।५४ | १४।४० | १६।१२ | १७।४३ |
| र.।१० | १९।१७ | २१।१३ | २३।२६ | १।४४ | ३।५८ | ६।११ | ८।२७ | १०।४४ | १२।५० | १४।३६ | १६। ८ | १७।३९ |
| चं.।११ | १९।१३ | २१। ९ | २३।२२ | १।४० | ३।५४ | ६। ७ | ८।२३ | १०।४० | १२।४६ | १४।३२ | १६। ४ | १७।३५ |
| मं.।१२ | १९। ९ | २१। ५ | २३।१८ | १।३६ | ३।५० | ६। ३ | ८।१९ | १०।३६ | १२।४२ | १४।२८ | १६।०० | १७।३१ |
| बु.।१३ | १९। ५ | २१। १ | २३।१४ | १।३२ | ३।४६ | ५।५९ | ८।१५ | १०।३२ | १२।३८ | १४।२४ | १५।५६ | १७।२७ |
| बृ.।१५ | १९। १ | २०।५७ | २३।१० | १।२८ | ३।४२ | ५।५५ | ८।११ | १०।२८ | १२।३४ | १४।२० | १५।५२ | १७।२३ |

४ चन्द्रवल्ली ८।३५।३४।२१
अयनांशा: २२।१३।२१।२७




११ चन्द्रवल्ली ८।३५।३४।२८
अयनांशा: २२।१३।२२।३०




**अथ विविध विषयाः**—प्रतिपदि कलशस्थापनन्ततो देवीपूजनपूर्वकं नवदिनं यावच्छसतीस्तोत्रादिपाठश्च। तत्र **दुर्गाऽऽगमन-यानविचारः**—शशिसूर्ये गजारुढा शनिभौमे तुरंगमे। गुरौशुक्रे च दोलायां बुधे नौका प्रकीर्त्तिता। तत्फलञ्च—गजे च जलदादेवी छत्रभङ्गस्तुरंगमे। नौकायां सर्वसिद्धिः स्याद्दोलायां मरणं ध्रुवम्।

**अथ विजयदशम्यां देव्याः गमन-यानफलम्**—शशि सूर्यदिने यदि सा विजया महिषागमने रुजशोककरा। शनिभौमदिने यदि सा विजया चरणायुधयानकरी विकला। बुधशुक्रदिने यदि सा विजया गजवाहनगा शुभवृष्टिकरा। सुरराजगुरौ यदि सा विजया नरवाहनगा शुभसौख्यकरा। **अथ दुर्गापाठ महत्त्वम्**—यथाश्वमेधः क्रतुराड् देवानाञ्च यथा हरिः। स्तवानामपि सर्वेषां तथा सप्तशतीस्तवः। चण्ड्याः शतावृत्तिपाठात् सर्वाः सिद्ध्यन्ति सिद्धयः। **विल्वपत्रत्रोटनमन्त्रः**—अमृतोद्भव श्रीवृक्षशङ्करस्य सदाप्रिय। क्षमस्व शिवपूजार्थं तव पत्रं चिनोम्यहम्। **तुलसीपत्रत्रोटनमन्त्रः**-तुलस्यमृत जन्मा त्वं केशवस्य सदा प्रिया। क्षमस्व हरिपूजार्थं तवपत्रं चिनोम्यहम्।

**वातावरणम्**-पक्षादितः षष्ठीं यावत्खण्डवृष्टिताम्रच्छायादयस्ततः पक्षान्तं यावद्वायुखण्डवृष्टिमेघचारादयः।

**ग्रहस्थितिः**-कुजगुरुशुक्राः मार्गिणः पूर्वोदिताः, बुधः षष्ठ्यां बुधे ४६।२५ यावन्मार्गो पश्चिमोदितस्ततो दशम्यां सूर्ये १६।५६ यावद्वक्रीपश्चिमोदितस्ततो वक्री पश्चिमास्तः, मार्गी शनिश्चतुर्थ्यां चन्द्रे ७।४० यावत्पश्चिमास्तस्ततः पूर्वोदितः।

| वि.ति. | | तिथयः घ. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | घ. प. | घं.मि. | योगाः घ. प. | करणानि घ. प. | चन्द्रस्थितिः घ. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादि | दिनमान घ. प. | सू.उ. घं.मि | सू.अ. घं.मि. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | १ | ४५।३१ | रा. १२।३६ | अ. | १९।४४ | दि. २।१८ | व. १८। २ | बा. १८।३० | मेष | अहोरात्र | ६। ७।२६।५९ | २८। २ | ६।२४ | ५।३६ | २ | १४ | ८ | २४ |
| श. | २ | ३९।४६ | रा. १०।२० | भ. | १५।४१ | दि. १२।४० | सि. १०।१९ | तै. १२।४० | मे. २६।४५ | रा. ६।१८ | ६। ८।२६।५६ | २७।५८ | ६।२४ | ५।३६ | ३ | १५ | ९ | २५ |
| र. | | ३४।३३ | रा. ८।१४ | कृ. | १२। १ | दि. ११।१३ | व्य. २।५२ | ब. ७।११ | वृष | अहोरात्र | ६। ९।२६।५३ | २७।५५ | ६।२५ | ५।३५ | ४ | १६ | १० | २६ |
| च. | ४ | २९।५८ | रा. ६।२५ | रो. | ८।५४ | दि. १०।०० | प. ४३।३० | ब. २।१६ | वृ. ३७।४६ | रा. ९।३२ | ६।१०।२६।५० | २७।५२ | ६।२६ | ५।३४ | ५ | १७ | ११ | २७ |
| मं. | ५ | २६।१२ | दि. ४।५५ | मृ. | ६।३८ | दि. ९। ५ | शि. ४३।४८ | तै. २६।१२ | मिथुन | अहोरात्र | ६।११।२७। ३ | २७।४८ | ६।२६ | ५।३४ | ६ | १८ | १२ | २८ |
| बु. | ६ | २३।२५ | दि. ३।४९ | आ. | ५। ६ | दि. ८।२९ | सि. ३८।५५ | व. २३।२५ | मि. ४९।४१ | रा. २।२३ | ६।१२।२७।१५ | २७।४५ | ६।२७ | ५।३३ | ७ | १९ | १३ | २९ |
| बृ. | ७ | २१।४६ | दि. ३।१८ | पुन. | ४।४३ | दि. ८।२१ | सा. ३४।५५ | व. २१।४६ | कर्क | अहोरात्र | ६।१३।२७।२७ | २७।४२ | ६।२८ | ५।३२ | ८ | २० | १४ | ३० |
| शु. | ८ | २१।१६ | दि. ३।०० | पु. | ५।३१ | दि. ८।४० | शु. ३१।५६ | को. २१।१६ | कर्क | अहोरात्र | ६।१४।२७।३९ | २७।३९ | ६।२८ | ५।३२ | ९ | २१ | १५ | ३१ |
| श. | ९ | २२।१२ | दि. ३।२२ | आश्ले. | ७।३३ | दि. ९।३० | शु. २९।५७ | ग. २२।१२ | क. ७।३३ | दि. ९।३० | ६।१५।२७।५१ | २७।३६ | ६।२९ | ५।३१ | १० | २२ | १६ | १ |
| र. | १० | २४।२५ | दि. ४।१५ | म. | १०।५५ | दि. १०।५१ | ब्र. २८।५८ | वि. २४।२५ | सिंह | अहोरात्र | ६।१६।२८। ३ | २७।३३ | ६।२९ | ५।३१ | ११ | २३ | १७ | २ |
| च. | ११ | २७।४३ | रा. ५।३५ | पूफ. | १५।१९ | दि. १२।३८ | ऐ. २८।४६ | बा. २७।४३ | सिं. ३१।४१ | रा. ७।१० | ६।१७।२८।१५ | २७।३० | ६।३० | ५।३० | १२ | २४ | १८ | ३ |
| मं. | १२ | ३२। ३ | रा. ७।२० | उफ. | २०।४७ | दि. २।५० | वै. २६।२१ | तै. ३२। ३ | कन्या | अहोरात्र | ६।१८।२८।१९ | २७।२६ | ६।३१ | ५।२९ | १३ | २५ | १९ | ४ |
| बु. | १३ | ३७। ५ | रा. ९।२२ | ह. | २६।५३ | दि. ५।१७ | वि. ३०।२६ | ग. ४।३४ | कन्या | अहोरात्र | ६।१९।२९। ३ | २७।२२ | ६।३२ | ५।२८ | १४ | २६ | २० | ५ |
| बृ. | १४ | ४२।२५ | रा. ११।३० | चि. | ३३।२५ | रा. ७।५४ | प्री. ३१।४७ | वि. ९।४५ | कं. ००। ९ | दि. ६।३६ | ६।२०।२९।२७ | २७।१८ | ६।३२ | ५।२८ | १५ | २७ | २१ | ६ |
| शु. | ३० | ४७।३५ | रा. १।३५ | स्वा. | ३९।५२ | रा. १०।३० | आ. ३३। ४ | च. १५।०० | तुला | अहोरात्र | ६।२१।२९।५१ | २७।१५ | ६।३३ | ५।२७ | १६ | २८ | २२ | ७ |

**कार्तिककृष्णपक्षः** | शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ साल, दि. २८।१०।८० ई० तः ७।११।८० ई० यावत्, उत्तरकालः । मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, शुक्रः, शरदृतुः, याम्यगोलायने ।

पश्चिमां विना यात्राऽश्विन्यां, कन्यायां शुक्रः १६।४८ । कार्तिके द्विदलं त्यजेत् । A माघरोपणं खलस्थापनं च पुनर्वसो, धान्यच्छेदनमार्द्रायाम् ।
॥००॥ कार्तिके गण्डकी-यमुना-गङ्गास्नानं वा महापुण्यप्रदम् ।
वरीयानयोगमानं ५३।१, भ. ७।११ उ. ३४।३३ या., यायिजयदयोगः पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा च तृतीयायां रोहिण्याम् । धान्यच्छेदनं कृत्तिकायाम् ।
दशमहुली ४, श्रीगणेश ४ व्रत, गृहारंभः पूर्वां विना यात्रोत्तमा च पञ्चम्यां, ज्येष्ठायां कुजः १७।४ ।
C शूर्पवादन पुरःसरं दारिद्र्यनिस्सारणञ्च, मार्गी बुधः ५१।३१ ।
उत्तरां विना यात्रोत्तमा मृगशिरसि ।
म. २३।२५ उ. ५२।४५ या. अशोकचन्दनषष्ठी, पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा घं. ८ मि. २१ उ. दिने घं. २ मि. २३ यावद्रात्रौ ततः पश्चिमदिशियात्रा । सन्धियोग आर्द्रायाम् । A
यायिजयदयोगः पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा च पुनर्वसौ, दक्षिणां विना यात्रोत्तमा पुष्ये । खलस्थापनं मेधिरोपणंधान्यच्छेदनञ्च पुष्ये ।
गं. ५६।३३ उ, कालाष्टमी, राधा ८ राधाकुण्ड स्नानं, स्थायिजयदयोगः पश्चिमां विना यात्रोत्तमा च पुष्ये, कन्यायां मध्यमो गुरुः ५४।२१ तत एवाष्टमी भावाल्यो मध्यमगुरु B
गं. ११।३३ या., भ. ५३।१९ उ, यायिजयदयोग आश्लेषायां, हस्ते शुक्रः ३७।७, नवम्बर ११ मासारम्भः । B संवत्सरारंभः । धान्यच्छेदनमश्लेषायाम् ।
म. २४।२५ या., पूर्वोत्तरयोर्यात्रा घं. १० मि. ५१ उ. घं. ४ मि. १५ यावद्दिने । धान्यच्छेदनं मघायाम् ।
द. ति. २७।४३ उ., सर्वेषां रंभा ११ व्रतं, यायिजयदयोग एकादश्यामुत्तरफल्गुन्याम् । धान्यच्छेदनमुत्तरफल्गुन्यामेकादश्याम् ।
द. ति. ३२।३ या., गोवत्स १२, बिल्वपत्रेण तुलसीपत्रेण वा पारणम्, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा त्रयोदश्यां, पूर्वोदितो बुधः १९।४५ ।
भ. ३७।५ उ., धन्वन्तरि (धनतेरस) जयन्ती, प्रदोष १३ व्रतम् । खलस्थापनं मेधिरोपणं धान्यच्छेदनञ्च त्रयोदश्याम् ।
श्रीहनुमज्जयन्ती, हनुमद्ध्वजारोपणं तत्पूजनोत्सवश्च, प्रदोष १४ व्रतं, शस्त्रहतजनश्राद्धम्, भ. ९।४५ या., विशाखायां रविः १४।४० ।
कार्तिकी ३० पार्वणम्, दीपावली, सुखरात्रिः, कालरात्रिः, प्रदोषे घं. ७ मि. ३ यावद्रात्रौ श्रीलक्ष्मीपूजनमुल्काभ्रमणं पितृविसर्जनञ्च, निशीथे श्रीश्यामापूजनम्, रात्रिशेषे C

## मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| वा. | ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | १ | ७।१४।५०।२६ | ६।१६।००।७ | ५। ७। ४।२२ | ५।००।३५।४२ | ५।११।२१।३२ | ६।२४।४०।५१ | ४४।१ |
| श. | २ | ७।१५।३३।२० | ६।१५।१६।३३ | ५। ७।१६।३४ | ५। १४।६।४५ | ५।११।२८।२३ | ६।२४।३७।४० | ४३।५९ |
| र. | ३ | ७।१६।१६।११ | ६।१४।३२।५९ | ५। ७।२८।४६ | ५। २५।७।४८ | ५।११।३५।१३ | ९।२४।३४।२९ | ४३।५७ |
| च. | ४ | ७।१६।५९।२ | ६।१३।४९।२५ | ५। ७।४०।५७ | ५। ४। ८।५१ | ५।११।४२। ३ | ९।२४।३१।१९ | ४३।५६ |
| मं. | ५ | ७।१७।४२।३० | ६।१३।८ ।४० | ५। ७।५२।५६ | ५। ५२०।५७ | ५।११।४८।४६ | ६।२४।२८।८ | ४३।५४ |
| बु. | ६ | ७।१८।२५।५८ | ६।१२।२७।५५ | ५। ८। ४।५५ | ५। ६।३३। ३ | ५।११।५५।२९ | ९।२४।२४।५७ | ४३।५२ |
| बृ. | ७ | ७।१६।६।२६ | ६।११।४७।१० | ५। ८।१६।५४ | ५। ७।४५। ९ | ५।१२। २।११ | ६।२४।२१।४६ | ४३।५० |
| शु. | ८ | ७।१६।५२।५३ | ६।११।६ ।२५ | ५। ८।२८।५२ | ५। ८।५७।१४ | ५।१२। ८।४३ | ६।२४।१८।३५ | ४३।४८ |
| श. | ९ | ७।२०।३६।२० | ६।१०।२५।४० | ५। ८।४०।५० | ५।१०। ९।१६ | ५।१२।१५।३५ | ६।२४।१५।२४ | ४३।४७ |
| र. | १० | ७।२१।१९।४७ | ६। ६।४४।५५ | ५। ८।५२।४८ | ५।११।२१।२४ | ५।१२।२२।१७ | ९।२४।१२।१४ | ४३।४६ |
| च. | ११ | ७।२२। ३।१५ | ६। ६। ४।१० | ५। ६। ४।४६ | ५।१२।३३।२६ | ५।१२।२८।५६ | ९।२४।९ ।४ | ४३।४५ |
| मं. | १२ | ७।२२।४७। २ | ६। ८।३४। ६ | ५। ६।१६।१४ | ५।१३।४६। ६ | ५।१२।३५।२० | ६।२४।५।५३ | ४३।४३ |
| बु. | १३ | ७।२३।३०।५० | ६। ८।१४। ६ | ५। ६।२७।४१ | ५।१४।५८।४३ | ५।१२।४१।४१ | ६।२४। २।४२ | ४३।४१ |
| बृ. | १४ | ७।२४।१४।३८ | ६। ७।५६। ९ | ५। ६।३९।१८ | ५।१६।११।२० | ५।१२।४८। २ | ६।२३।५९।३१ | ४३।३९ |
| शु. | ३० | ७।२४।५८।२६ | ६। ७।४६। ६ | ५। ६।५०।३५ | ५।१७।२३।५७ | ५।१२।५४।२३ | ६।२३।५६।२० | ४३।३७ |

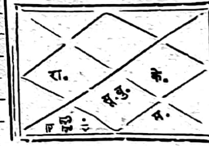
## ॥ दैनिकलग्नसारिणी चक्रम् ॥

| मे. प. | वृ. प. | मि. प. | क. प. | सिं. प. | क. प. | तु. प. | वृ. प. | ध. प. | म. प. | कु. प. | मी. प |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १८।५७ | २०।५३ | २३। ६ | १।२४ | ३।३८ | ५।५१ | ८। ७ | १०।२४ | १२।३० | १४।१६ | १५।४८ | १७।१९ |
| १८।५३ | २०।४९ | २३। २ | १।२० | ३।३४ | ५।४७ | ८। ३ | १०।२० | १२।२६ | १४।१२ | १५।४४ | १७।१५ |
| १८।४९ | २०।४५ | २२।५८ | १।१६ | ३।३० | ५।४३ | ७।५९ | १०।१६ | १२।२२ | १४। ८ | १५।४० | १७।११ |
| १८।४५ | २०।४१ | २२।५४ | १।१२ | ३।२६ | ५।३९ | ७।५५ | १०।१२ | १२।१८ | १४। ४ | १५।३६ | १७। ७ |
| १८।४१ | २०।३७ | २२।५० | १। ८ | ३।२२ | ५।३५ | ७।५१ | १०। ८ | १२।१४ | १४।०० | १५।३२ | १७। ३ |
| १८।३७ | २०।३३ | २२।४६ | १। ४ | ३।१८ | ५।३१ | ७।४७ | १०। ४ | १२।१० | १३।५६ | १५।२८ | १६।५९ |
| १८।३३ | २०।२९ | २२।४२ | १।०० | ३।१४ | ५।२७ | ७।४३ | १०।०० | १२। ६ | १३।५२ | १५।२४ | १६।५५ |
| १८।२९ | २०।२५ | २२।३८ | ००।५६ | ३।१० | ५।२३ | ७।३९ | ९।५६ | १२। २ | १३।४८ | १५।२० | १६।५१ |
| १८।२५ | २०।२१ | २२।३४ | ००।५२ | ३। ६ | ५।१९ | ७।३५ | ९।५२ | ११।५८ | १३।४४ | १५।१६ | १६।४७ |
| १८।२१ | २०।१७ | २२।३० | ००।४८ | ३। २ | ५।१५ | ७।३१ | ९।४८ | ११।५४ | १३।४० | १५।१२ | १६।४३ |
| १८।१७ | २०।१३ | २२।२६ | ००।४४ | २।५८ | ५।११ | ७।२७ | ९।४४ | ११।५० | १३।३६ | १५। ८ | १६।३९ |
| १८।१३ | २०। ९ | २२।२२ | ००।४० | २।५४ | ५। ७ | ७।२३ | ९।४० | ११।४६ | १३।३२ | १५। ४ | १६।३५ |
| १८। ९ | २०। ५ | २२।१८ | ००।३६ | २।५० | ५। ३ | ७।१९ | ९।३६ | ११।४२ | १३।२८ | १५।०० | १६।३१ |
| १८। ५ | २०। १ | २२।१४ | ००।३२ | २।४६ | ४।५९ | ७।१५ | ९।३२ | ११।३८ | १३।२४ | १४।५६ | १६।२७ |
| १८। १ | १९।५८ | २२।११ | ००।२९ | २।४३ | ४।५६ | ७।१२ | ९।२९ | ११।३५ | १३।२१ | १४।५३ | १६।२४ |

४ चन्द्रवल्ली ८।३५।३४। ३५
अयनांशाः २२।१३।२३।३३




११ चन्द्रवल्ली ८।३५।३४।४२
अयनांशाः २२।१३।२४।३६




अथ विविध विषयाः—कार्तिके सकलं मासं प्रातःस्नायी जितेन्द्रियः। जपन् हविष्यभुक्शान्तः सर्वपापैः प्रमुच्यते । कार्तिके प्रातःस्नानमन्त्रः—कार्तिकेऽहं करिष्यामि प्रातःस्नानं जनार्दन । प्रीत्यर्थं तव देवेश दामोदर रमाप्रिय । ध्यात्वाहं त्वाञ्च देवेश जलेऽस्मिन् स्नातुमुद्यतः । तव प्रसादात्पापम्मे दामोदर विनश्यतु । इति पठित्वा मौनः सन् स्नायात् । धात्री माहात्म्यम्—धात्रीच्छायां समाश्रित्य भुङ्क्ते योऽन्न हि मानवः । ब्राह्मणान् भोजयित्वा तु वार्षिकं किल्बिषं हरेत् । धात्रीफल विलिप्ताङ्गो धात्रीफलविभूषितः । धात्रीफलकृताहारो नरो नारायणो भवेत् । तस्मात्कार्तिके मासि धात्रीतले जपहोमपूजनब्राह्मणभोजनादिकं महाफलदम् । तुला संक्रमे आकाश-दीपदानमाहात्म्यम्—तुलायांतिलतैलेन सायंकाले समागते । आकाशदीपं योददा-न्मासमेकं हरिं प्रति । महतीं श्रियमवाप्नोति रूपसौभाग्यसम्पदः । दीपदान मंत्रः-दामोदराय नभसि तुलायां लोलया सह । प्रदीपं ते प्रयच्छामि नमोऽनन्तायवेधसे ।

वातावरणम्:—पक्षादितः पञ्चमीं यावत्साधारणवायुतापाभ्रच्छायादयस्ततः पक्षान्तं यावत्खण्डवृष्टिमेघच्छायावायवः ।

ग्रहस्थितिः—कुजगुरुशुक्रशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः, बुधो द्वादश्यां कुजे११।४५ यावद्वक्री पश्चिमास्तस्ततः प्रमायां शुक्रे५१।१५ यावद्वक्री पूर्वोदितस्ततो मार्गी पूर्वोदितः ।

**कार्तिकशुक्लपक्षः** | शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ साल दि. ८।११।८० ई. तः २२।११।८० ई. यावत्, उत्तरेकालः, ९ तः पूर्वकालः। मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, बुधः, शरदृतुः, ६ तः हेमन्तर्तुः साम्यगोलायने।

| दि.ति. | तिथयः घ.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | घ.प. | घं.मि. | योगाः घ.प. | करणानि घ.प. | चन्द्रस्थितिः घ.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं घ.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि | मु.दि | सौ.दि | अं.दि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | ५२।१४ | रा. ३।२८ | वि. | ४५।५८ | रा. १२।५७ | सौ. ३४।०० | कि.१६।५५ | तु. २६।२७ | रा. ६।२१ | ६।२२।३०।१५ | २७।१२ | ६।३४ | ५।२६ | १७ | २९ | २३ | ८ |
| र. २ | ५६। ४ | रा. ५।०० | अनु. | ५०।५८ | रा. २।५७ | शो. ३४।२३ | वा.२४। ९ | वृश्चिक | अहोरात्र | ६।२३।३०।३८ | २७। ९ | ६।३४ | ५।२६ | १८ | ३० | २४ | ९ |
| चं. ३ | ५८।४२ | रा. ६। ४ | ज्ये | ५५।०० | रा. ४।३५ | अ. ३३।५४ | तै. २७।२३ | वृ. ५५।०० | रा. ४।३५ | ६।२४।३१। १ | २७। ६ | ६।३५ | ५।२५ | १९ | १ | २५ | १० |
| मं. ४ | ६०।०० | अहोरात्र | मू. | ५७।५६ | रा. ५।४६ | सु. ३२।३६ | व. २९।२७ | धनु | अहोरात्र | ६।२५।३१।३९ | २७। २ | ६।३६ | ५।२४ | २० | २ | २६ | ११ |
| बु. ४ | ००।११ | दि. ६।४० | पूषा. | ५९।२५ | रा. ६।२६ | धृ. ३०।१५ | वि.००।११ | धनु | अहोरात्र | ६।२६।३२।१७ | २६।५९ | ६।३६ | ५।२४ | २१ | ३ | २७ | १२ |
| बृ. ५ | ००।१८ | दि. ६।४४ | उषा. | ६०।०० | अहोरात्र | शू. २६।५४ | बा. ००।१८ | ध. १४।४२ | दि. १२।३० | ६।२७।३२।५५ | २६।५६ | ६।३७ | ५।२३ | २२ | ४ | २८ | १३ |
| शु. ७ | ५६।११ | रा. ५।२१ | उषा | ००। ७ | दि. ६।३७ | गं. २२।३५ | ग. २८। २ | मकर | अहोरात्र | ६।२८।३३।३३ | २६।५३ | ६।३७ | ५।२३ | २३ | ५ | २९ | १४ |
| श. ८ | ५३।२८ | रा. ४। १ | ध. | ५७।२५ | रा. ५।३६ | वृ. १७।२४ | वि. २५।१० | म. [illegible] | रा. ५।४५ | ६।२९।३४।११ | २६।५० | ६।३८ | ५।२२ | २४ | ६ | ३० | १५ |
| र. ९ | ४९।१४ | रा. २।२१ | श. | ५४।४७ | रा. ४।३४ | ध्रु. ११।२६ | बा. २१।२१ | कुम्भ | अहोरात्र | ७।००।३४।४९ | २६।४७ | ६।३९ | ५।२१ | २५ | ७ | १ | १६ |
| चं. १० | ४४।१७ | रा. १२।२२ | पूभा. | ५१।२९ | रा. ३।१५ | व्या. ४।४७ | तै. १६।४६ | कु. ३७।१९ | रा. ९।३५ | ७। १।३५।२७ | २६।४४ | ६।३९ | ५।२१ | २६ | ८ | २ | १७ |
| मं. ११ | ३८।४७ | रा. १०।११ | उभा. | ४७।४१ | रा. १।४४ | ह. ५०। २ | व. ११।३२ | मीन | अहोरात्र | ७। २।३६।१७ | २६।४० | ६।४० | ५।२० | २७ | ९ | ३ | १८ |
| बु. १२ | ३२।५६ | रा. ७।५३ | रे. | ४३।३४ | रा. १२। ७ | सि. ४२।१५ | व. ५।५३ | मी. ४३।३४ | रा. १२। ७ | ७। ३।३७। ६ | २६।३७ | ६।४१ | ५।१९ | २८ | १० | ४ | १९ |
| बृ. १३ | २६।५७ | रा. ५।२८ | अ | ३९।१९ | रा. १०।२५ | व्य. ३४।१८ | तै. २६।५७ | मेष | अहोरात्र | ७। ४।३७।५५ | २६।३४ | ६।४१ | ५।१९ | २९ | ११ | ५ | २० |
| शु. १४ | २१। ५ | दि. ३। ८ | भ. | ३५।१३ | रा. ८।४७ | व. २६।३२ | व. २१। ५ | मे. ४९।१७ | रा. २।२५ | ७। ५।३८।४४ | २६।३१ | ६।४२ | ५।१८ | ३० | १२ | ६ | २१ |
| श. १५ | १५।३० | दि. १२।५४ | कृ. | ३१।२७ | रा. ७।१७ | प. १८।५७ | व. १५।३० | वृष | अहोरात्र | ७। ६।३९।३३ | २६।२८ | ६।४२ | ५।१८ | १ | १३ | ७ | २२ |

वलुघादि देवोत्थापनम्, हस्ते गुरुः २६।५६, **गोक्रीडा**, वृषभे **औषधिदानं**, गोपूजा नैव पापाहृत्वाद्विशाखानक्षत्रत्वाच्च, **श्रीगोवर्द्धनपूजनोत्सवः, अन्नकूटः**, द्यूतक्रीडा, A
**चन्द्रदर्शनं** मु. ३० फलं साम्यं, **भ्रातृद्वितीया, यमद्वितीया, चित्रगुप्तपूजा, यमुनास्नानं**, उत्तरदिशियात्रा दिवारात्रौ। A **महाकविकालिदासजयन्ती**, पश्चिमोत्तरयोर्यात्राऽनुराधायाम्।
ग. ४९।०० उ., पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. ४ मि. ३५ यावद्रात्रौ तत उत्तरदिशियात्रा घं. ६ मि. ४ यावद्रात्र्यन्तम्, **धान्यच्छेदनं** कणमर्दनञ्च। ‡ मूलेधनुषिकुजः ३३।३७।
भ.-२९।२७ उ. गं. ४।०० या., **श्रीगणेश ४ व्रतं**, पश्चिमदिशि यात्रा दिवारात्रौ। B भ. ५६।५१ उ., **गृहप्रवेशः** सप्तम्यां खलस्थापनं धान्यच्छेदनं मेधिरोपणं कणमर्दनञ्च. ‡
भ. ००।११ या., पूर्वदिशि यात्रा पञ्चम्यां पूर्वाषाढे, **गृहप्रवेश** उत्तराषाढे चित्रायां शुक्रः ३७।३५, **धान्यच्छेदनं** पञ्चम्याम्।
षष्ठीमानं ५८।५४, **प्रतीहारषष्ठीव्रतं, सायंकालिकार्घदानं**, यायिजयदयोगः **गृहप्रवेशश्च** पञ्चम्याम्। धान्यच्छेदनम्। × गं. ३१।३४ उ. ४६।३४ या., **निर्बन्धविवाहः** गृहप्रवेशश्च m
श्रवणामानं ५९।११, **प्रातःकालिकार्घदानं पारणञ्च, जगद्धात्री पूजारंभः, सामामूर्त्तिनिर्माणं** पूजनञ्च प्रतिदिनं, पश्चिमां विना यात्राऽष्टम्यां श्रवणायां, **नेहरूजयन्ती**, B
भ. २५।१० या., यमदंष्ट्रारंभः, **गोपाष्टमी, गोपूजनोत्सवः**, मासान्तः। **कार्तिकव्रतोद्यापनं तुलसीव्रतोद्यापनञ्च**। m दिवारात्रौ, पूर्वपश्चिमयोर्यात्रा रेवत्यां, **द्विरागमनं** द्वादश्याम्।
**अक्षयनवमी गङ्गास्नानदानादि, सत्ययुगादि, वृश्चिके रविः** ८।५६ मु. १५ फल महार्घ **विष्णुपदी संक्रान्तिपुण्यकालः** घं. ७ मि. ३ उ. घं. १ मि. २७ यावद्दिने, द. ति. ४६।१४उ.–
हर्षणयोगमानं ५२।४९, **जगद्धात्री विसर्जनं**, द. ति. ४४।१७ या. मासादिः। –मथुराऽयोध्यापरिक्रमा, **विष्णुत्रिरात्रव्रतारंभः** अद्यारभ्य द्वादशीं यावद्विष्णुप्रतिमां सम्पूज्य तद्दानम्।
भ. १३।३२ उ. ३८।४७ या., **सर्वेषां देवोत्थान** ११ व्रतं, **भीष्मपञ्चकव्रतारंभः, चातुर्मास्यव्रतान्तः**, पूर्वपश्चिमयोर्यात्रा रेवत्यां, तुलायां शुक्रः ६।१९, **११ व्रतोद्यापनम्**।
**अनुराधायां रविः** २६।४४, **हरिवासरयोगः**, श्रीदामोदर १२ मन्वादिः, प्रदोष १३ व्रतं **तुलसीविवाहः**, गृहारंभः घं. ५ मि, २३ उ. घं. १२ मि. ७ यावद्रात्रौ, ×
विल्वपत्रेण तुलसीपत्रेण वा पारणं, **श्रीवैकुण्ठ** १४ व्रतं, **श्रीविश्वनाथ** प्रतिष्ठादिनम्, **विद्यापति स्मृतिदिनं, निर्बन्धविवाहः द्विरागमनं** दक्षिणां विना यात्रोत्तमा च त्रयोदश्याम् D
भ. २१।५ उ. ४८।१८ या, **सामाविसर्जनम्**। D खलस्थापनं मेधिरोपणं धान्यच्छेदनञ्च। **मुण्डनं** त्रयोदश्याम्। * यायिजयदयोगः दक्षिणदिशियात्रा च रोहिण्याम्, **गुरुनानक** जयन्ती।
**कार्तिकी १५, मन्वादिः, कौशिकी स्नानं, हरिहरक्षेत्रस्नानं हरिहरनाथदर्शनञ्च**, भीष्मपञ्चकव्रतसमाप्तिः, **सर्वदेवदेव्युत्थापनम्**, कृत्तिकायुता १५ स्नानादावतिपुण्यदा, *

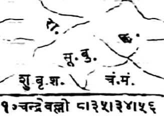
## मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादिस्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | ७।२५।४२।१४ | ६। ८। १।१० | ५।१०। २। २ | ५।१८।३६।३४ | ५।१३।००।४४ | ९।२३।५३। ९ | ४३।३५ |
| र. २ | ७।२६।२६। १ | ६। ८।१६।११ | ५।१०।१३।२९ | ५।१९।४६।११ | ५।१३। ७। ५ | ९।२३।४९।५९ | ४३।३४ |
| चं. ३ | ७।२७। ९।४८ | ६। ८।३५।१२ | ५।१०।२४।५६ | ५।२१। १।४८ | ५।१३।१३।२५ | ९।२३।४६।४९ | ४३।३३ |
| मं. ४ | ७।२७।५४। ६ | ६। ९।१३।०० | ५।१०।३५।४४ | ५।२२।१४।४१ | ५।१३।१९।५० | ९।२३।४३।३८ | ४३।३१ |
| बु. ४ | ७।२८।३८।२९ | ६। ९।५०।४८ | ५।१०।४६।३२ | ५।२३।२७।३४ | ५।१३।२६।१५ | ९।२३।४०।२७ | ४३।२९ |
| बृ. ५ | ७।२९।२२।४६ | ६।१०।२८।३५ | ५।१०।५७।२० | ५।२४।४०।२७ | ५।१३।३२।३९ | ९।२३।३७।१६ | ४३।२७ |
| शु. ७ | ८। ०। ७। ६ | ६।११। ६।२२ | ५।११। ८। ७ | ५।२५।५३।१९ | ५।१३।३९। ३ | ९।२३।३४। ५ | ४३।२५ |
| श. ८ | ८। ०।५१।२९ | ६।११।४४। ९ | ५।११।१८।५४ | ५।२७। ६।११ | ५।१३।४५।२७ | ९।२३।३०।५४ | ४३।२४ |
| र. ९ | ८। १।३५।४९ | ६।१२।२१।५६ | ५।११।२९।४१ | ५।२८।१९। ३ | ५।१३।५१।५१ | ९।२३।२७।४४ | ४३।२३ |
| चं. १० | ८। २।२०। ९ | ६।१२।५९।४३ | ५।११।४०।२८ | ५।२९।३१।५५ | ५।१३।५८।१५ | ९।२३।२४।३४ | ४३।२२ |
| मं. ११ | ८। ३। ४।४६ | ६।१४। ५।५३ | ५।११।५०।४३ | ६।००।४४।३१ | ५।१४। ३।४४ | ९।२३।२१।२३ | ४३।२० |
| बु. १२ | ८। ३।४९।२३ | ६।१५।१२। ३ | ५।१२।००।५८ | ६। १।५९। ७ | ५।१४। ९।१३ | ९।२३।१८।१२ | ४३।१८ |
| बृ. १३ | ८। ४।३४।०० | ६।१६।१८।१३ | ५।१२।११।१३ | ६। ३।१२।४३ | ५।१४।१४।४२ | ९।२३।१५। १ | ४३।१६ |
| शु. १४ | ८। ५।१८।३७ | ६।१७।२४।२३ | ५।१२।२१।२७ | ६। ४।२६।१९ | ५।१४।२०।११ | ९।२३।११।५० | ४३।१४ |
| श. १५ | ८। ६। ३।१४ | ६।१८।३०।३३ | ५।१२।३१।४१ | ६। ५।३९।५३ | ५।१४।२५।३९ | ९।२३। ८।३९ | ४३।१३ |

## दैनिकलग्नसारिणीचक्रम्

| दि.ति. | मे.प्र. | वृ.प्र. | मि.प्र. | क.प्र. | सि.प्र. | क.प्र. | तु.प्र. | वृ.प्र. | ध.प्र. | म.प्र. | कु.प्र. | मी.प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | १७।५८ | १९।५४ | २२। ७ | ००।२५ | २।३९ | ४।५२ | ७। ८ | ९।२५ | ११।३१ | १३।१७ | १४।४९ | १६।२० |
| र. २ | १७।५४ | १९।५० | २२। ३ | ००।२१ | २।३५ | ४।४८ | ७। ४ | ९।२१ | ११।२७ | १३।१३ | १४।४५ | १६।१६ |
| चं. ३ | १७।५० | १९।४६ | २१।५९ | ००।१७ | २।३१ | ४।४४ | ७।०० | ९।१७ | ११।२३ | १३। ९ | १४।४१ | १६।१२ |
| मं. ४ | १७।४६ | १९।४२ | २१।५५ | ००।१३ | २।२७ | ४।४० | ६।५६ | ९।१३ | ११।१९ | १३। ५ | १४।३७ | १६। ८ |
| बु. ४ | १७।४२ | १९।३८ | २१।५१ | ००। ९ | २।२३ | ४।३६ | ६।५२ | ९। ९ | ११।१५ | १३। १ | १४।३३ | १६। ४ |
| बृ. ५ | १७।३८ | १९।३४ | २१।४७ | ००। ५ | २।१९ | ४।३२ | ६।४८ | ९। ५ | ११।११ | १२।५७ | १४।२९ | १६।०० |
| शु. ७ | १७।३५ | १९।३१ | २१।४४ | ००। २ | २।१६ | ४।२९ | ६।४५ | ९। २ | ११। ८ | १२।५४ | १४।२६ | १५।५७ |
| श. ८ | १७।३२ | १९।२८ | २१।४१ | २३।५९ | २।१३ | ४।२६ | ६।४२ | ८।५९ | ११। ५ | १२।५१ | १४।२३ | १५।५४ |
| र. ९ | १७।२८ | १९।२४ | २१।३७ | २३।५५ | २। ९ | ४।२२ | ६।३८ | ८।५५ | ११। १ | १२।४७ | १४।१९ | १५।५० |
| चं. १० | १७।२४ | १९।२० | २१।३३ | २३।५१ | २। ५ | ४।१८ | ६।३४ | ८।५१ | १०।५७ | १२।४३ | १४।१५ | १५।४६ |
| मं. ११ | १७।२० | १९।१६ | २१।२९ | २३।४७ | २। १ | ४।१४ | ६।३० | ८।४७ | १०।५३ | १२।३९ | १४।११ | १५।४२ |
| बु. १२ | १७।१६ | १९।१२ | २१।२५ | २३।४३ | १।५७ | ४।१० | ६।२६ | ८।४३ | १०।४९ | १२।३५ | १४। ७ | १५।३८ |
| बृ. १३ | १७।११ | १९। ७ | २१।२० | २३।३[illegible] | १।५२ | ४। ५ | ६।२१ | ८।३८ | १०।४४ | १२।३० | १४। २ | १५।३३ |
| शु. १४ | १७। ७ | १९। ३ | २१।१६ | २३।३४ | १।४८ | ४। १ | ६।१७ | ८।३४ | १०।४० | १२।२६ | १३।५८ | १५।२९ |
| श. १५ | १७। ३ | १८।५९ | २१।१२ | २३।३० | १।४४ | ३।५७ | ६।१३ | ८।३० | १०।३६ | १२।२२ | १३।५४ | १५।२५ |

३ चन्द्रेवल्लो ८।२५।२४।४९
अयनांशाः २२।१३।२५।३९




१०चन्द्रेवल्लो ८।२५।२४।५६
अयनांशाः २२।१३।२६।४२




**अथ विविध विषयाः**—कार्तिक शुक्ल प्रतिपदि प्रातर्गोवर्द्धनपूजा कार्या। गोमयेन **गोवर्द्धनमूर्तिं** निर्माय पीतपुष्पाक्षतादिभिः पूजयेत् गाश्च पूजयेत्। तत्र **गोवर्द्धनपूजनमन्त्रः**—गोवर्द्धनधराधारगोकुलत्राणकारक। कृष्णबाहुकृतच्छाय गवां कोटिप्रदो भव। **गोपूजामन्त्रश्च** लक्ष्मीर्या लोकपालानां धेनुरूपेण संस्थिता। घृतं वहति यज्ञार्थं सा मे पापं व्यपोहतु। अग्रतः सन्तु मे गावो गावो मे सन्तु पृष्ठतः। गावो मे हृदये सन्तु गवां मध्ये वसाम्यहम्। **भ्रातृद्वितीयायां भगिन्या पठनीयो मन्त्रः**—भ्रातस्तवानुजाताऽहं भुङ्क्ष्व भक्तमिदं शुभम्। प्रीतये यमराजस्य यमुनाया विशेषतः। कनिष्ठ भ्रातरि सति भ्रातस्तवाग्र जाताऽहमिति। **एकादश्यां विष्णूत्थापनमन्त्रः**—ब्रह्मेन्द्ररुद्रैरभिवन्द्यमानो भवानृषिर्वन्दित वन्दनीयः। प्राप्ता तवेयं किल कौमुदाख्या जागृष्व जागृष्व च लोकनाथ। मेघागता निर्मल पूर्णचन्द्र शारद्यपुष्पाणि मनःहराणि। अहं ददानीति च पुण्यहेतोर्जागृष्व जागृष्व च लोकनाथ। उत्तिष्ठोत्तिष्ठ गोविन्द त्यजनिद्रां जगत्पते। त्वया चोत्थीय मानेन प्रोत्थितं भुवनत्रयम्।

**हरिवासरयोगः**—प्राभाकासितपक्षे मैत्रश्रवणारेवती। द्वादशीबुधवारेण हरेर्वासर उच्यते।

**वातावरणम्**—पक्षादितश्चतुर्थी यावन्मेघच्छाया वायुतापादयस्ततः एकादशीं यावन्मेघच्छायाशीतरोगादयस्ततः पक्षान्तं यावत्तापवायू।

**ग्रहस्थितिः**—कुजबुधगुरुशुक्रशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः।

| दि.ति. | तिथयः घ.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | घ.प. | घं.मि. | योगाः घ.प. | करणानि घ.प. | चन्द्रस्थितिः घ.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादि | दिनमानं घ.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | सौ.दि. | चं.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| र. १ | १०।२२ | दि. १०।५२ | रो. | २८।११ | रा. ५।५९ | शि. ११।४४ | कौ. १०।२२ | वृ. ५६।५५ | रा. ५।२९ | ७। ७।४०।२२ | २६।२५ | ६।४३ | ५।१७ | २ | १४ | ८ | २३ |
| चं. २ | ५।५१ | दि. ६। ४ | मृ. | २५।३९ | दि. ५।०० | सि. ५। ६ | ग. ५।५१ | मिथुन | अहोरात्र | ७। ८।४१।११ | २६।२२ | ६।४४ | ५।१६ | ३ | १५ | ९ | २४ |
| मं. ३ | २।१२ | दि. ७।३७ | आ. | २३।५७ | दि. ४।१६ | शु. ५३।५३ | वि. २।१२ | मिथुन | अहोरात्र | ७। ९।४२।१२ | २६।२० | ६।४४ | ५।१६ | ४ | १६ | १० | २५ |
| बु. ५ | ५८।०० | रा. ५।५६ | पुन. | २३।१६ | दि. ४। २ | शु. ४६।१३ | कौ २८।४६ | मि. ८।२७ | दि. १०। ७ | ७।१०।४३।१३ | २६।१९ | ६।४४ | ५।१६ | ५ | १७ | ११ | २६ |
| बृ. ६ | ५७।४१ | रा. ५।४८ | पु | २३।४७ | दि. ४।१५ | ब्र. ४६।११ | ग. २७।५१ | कर्क | अहोरात्र | ७।११।४४।१४ | २६।१८ | ६।४४ | ५।१६ | ६ | १८ | १२ | २७ |
| शु. ७ | ५८।४३ | रा. ६।१४ | आश्ले. | २५।३१ | दि. ४।५७ | ऐ. ४३।४७ | वि. २८।१२ | क. २५।३१ | दि. ४।५७ | ७।१२।४५।१५ | २६।१७ | ६।४५ | ५।१५ | ७ | १९ | १३ | २८ |
| श. ८ | ६०।०० | अहोरात्र | म. | २८।३४ | रा. ६।११ | वै. ४२।२५ | वा. २९।५४ | सिंह | अहोरात्र | ७।१३।४६।१५ | २६।१६ | ६।४५ | ५।१५ | ८ | २० | १४ | २९ |
| र. ८ | १। ४ | दि. ७।११ | पूफ. | ३२।४३ | रा. ७।५० | वि. ४१।४२ | कौ. १। ४ | सि. ४९। २ | रा. २।२२ | ७।१४।४७।१५ | २६।१५ | ६।४५ | ५।१५ | ९ | २१ | १५ | ३० |
| च. ९ | ४।३२ | दि. ८।३४ | उफ. | ३७।५७ | रा. ६।५६ | प्री. ४२।१४ | ग. ४।३२ | कन्या | अहोरात्र | ७।१५।४८।१५ | २६।१४ | ६।४५ | ५।१५ | १० | २२ | १६ | १ |
| मं. १० | ८।५६ | दि. १०।२० | ह. | ४३।५५ | रा. १२।२० | आ. ४३। ९ | वि. ८।५६ | कन्या | अहोरात्र | ७।१६।४९।२३ | २६।१२ | ६।४६ | ५।१४ | ११ | २३ | १७ | २ |
| बु. ११ | १४। ३ | दि. १२।२३ | चि. | ५०।२३ | रा. २।५५ | सौ. ४४।२३ | बा. १४। ३ | क. १७। ९ | दि. १।३८ | ८।१७।५०।३८ | २६।१० | ६।४६ | ५।१४ | १२ | २४ | १८ | ३ |
| बृ. १२ | १९।२९ | दि. २।३४ | स्वा. | ५६।५१ | रा. ५।३० | शो. ४५।४४ | तै. १९।२९ | तुला | अहोरात्र | ७।१८।५१।३९ | २६। ८ | ६।४६ | ५।१४ | १३ | २५ | १९ | ४ |
| शु. १३ | २४।४४ | दि. ४।४१ | वि. | ६०।०० | अहोरात्र | अ. ४६।४९ | व. २४।४४ | तु. ४६।२४ | रा. १।२१ | ७।१९।५२।४० | २६। ७ | ६।४७ | ५।१३ | १४ | २६ | २० | ५ |
| श. १४ | २९।२६ | रा. ६।३३ | वि. | २।५६ | दि. ७।५७ | सु. ४७।२२ | श. २९।२६ | वृश्चिक | अहोरात्र | ७।२०।५३।५५ | २६। ६ | ६।४७ | ५।१३ | १५ | २७ | २१ | ६ |
| र. ३० | ३३।१५ | रा. ८। ५ | अनु. | ८।१९ | दि. १०। ७ | धृ. ४७।१३ | चं. १।२१ | वृश्चिक | अहोरात्र | ७।२१।५५। ३ | २६। ५ | ६।४७ | ५।१३ | १६ | २८ | २२ | ७ |

## अग्रहायणकृष्णपक्षः

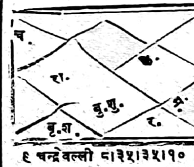
शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ साल, दि. २३।११।८० ई. ता ७।१२।८० ई. यावत्, पूर्वकालः ।
मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गीपूर्वोदितः शुक्रः, शुद्धः, हेमन्तर्तुः, याम्यगोलायने ।

निर्बंधविवाहो दिवारात्रौ, यायिजयदयोगः प्रतिपदि, द्विरागमनं द्वितीयायां, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घं. १० मि. १२ उ. दिने घ. ५ मि. ५६ सायं यावत् ततः पश्चिमां विना A
निर्बंधविवाहो मुण्डनं गृहारंभश्च मृगशिरसि, द्विरागमनं पूर्वां विना यात्रोत्तमा च तृतीयायां मृगशिरसि, साध्ययोगमानं ५४।००, भ. ३४।१ उ., विशाखायां बुधः ६।३५ B
चतुर्थीमानं ५७।२०, भ. २।१२ या., पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा पुनर्वसौ । दुग्धायां बिल्ववत्यां वा स्नानं पुण्यप्रद मार्गे । A यात्रोत्तमा मृगशिरसि, स्वात्यां शुक्रः ३०।५८ ।
बौद्धपञ्चमी, श्रीमनसादेवीशयनं, द्विरागमनं पञ्चम्यां, गृहारंभः पुनर्वसौ, पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा घं. १० मि. ७ यावद्दिने ततः पश्चिमदिशि यात्रा पुनर्वसौ तत उत्तरां विना D
भ. ५७।४१ उ. । B नवान्नपार्वणम् । ( शुक्लपक्षे नवान्न मुहूर्ताभावः )
D यात्रोत्तमा पुष्ये । नवान्नपार्वणम्, मुण्डनम् ।
भ. २८।१२ या., गं. १४।३१ उ. २९।३१ या., उपग्रहवेधाद्विवाहो मध्यमो मघायाम् ।
यमदंष्ट्रानिवृत्तिः, श्रीकालभैरवाष्टमीव्रतं, उत्तरदिशियात्रा पूर्वफल्गुन्यां, कामेश्वर सिंह–जयन्ती ।
अन्वष्टका ६, यायिजयदयोग उत्तरफल्गुन्यां, पूर्वोत्तरयोर्यात्राद्दम्याम् ।
द. ति. ४।३२ उ., भ. ३६।४४ उ., दिसम्बर १२ मासारंभः, यायिजयदयोगो नवम्यां, वृश्चिके बुधः २६।२१ ।
द. ति. ८।५६ या., भ. ८।५६ या., ज्येष्ठायां रविः ३३।५८, पूर्वाषाढे कुजः २५।५२ ।
श्रीगुह्येश्वरी यात्रा, सर्वेषामुत्पन्ना ११ व्रत, निर्बंधविवाहो दिवारात्रौ, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घ. १ मि. ३८ यावद्दिने ततः पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा दिवारात्रौ, C
गोमूत्रेण पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, निर्बंध विवाहः पश्चिमदिशि यात्रा च स्वात्यां, यायिजयदयोगस्त्रयोदश्यां स्वात्यां, विशाखायां शुक्रः २२।१६ ।
भ. २४।४४ उ. ५७।५ या., प्रदोष १४ व्रत, स्यायिजयदयोगश्चतुर्दश्यांम् । C अनुराधायां बुधः ३६।८, राजेन्द्र जयन्ती ।
पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा चतुर्दश्यामनुराधायाम् ।
मार्गी ३० पार्वणम्, यायिजयदयोगोऽनुराधायां, पूर्वास्तो बुधः १८।२ ।

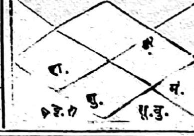
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च — दैनिकलग्नसारिणीचक्रम् ॥

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं | मे.प्र. | वृ.प्र. | मि.प्र. | क.प्र. | सि.प्र. | क.प्र. | तु.प्र. | वृ.प्र. | ध.प्र. | म.प्र. | कु.प्र. | मी.प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| र. १ | ८। ६।४७।५१ | ६।१९।३६।४३ | ५।१२।४१।५५ | ६। ६।५३।२८ | ५।१४।११। ७ | ९।२३। ५।२८ | ४३।१२ | १६।५९ | १८।५५ | २१। ८ | २३।२६ | १।४० | ३।५३ | ६। ९ | ८।२६ | १०।३२ | १२।१८ | १३।५० | १५।२१ |
| चं. २ | ८। ७।३२।२७ | ६।२०।४२।५२ | ५।१२।५२। ९ | ६। ८। ७। ३ | ५।१४।३६।३५ | ६।२३। २।१८ | ४३।११ | १६।५५ | १८।५१ | २१। ४ | २३।२२ | १।३६ | ३।४९ | ६। ५ | ८।२२ | १०।२८ | १२।१४ | १३।४६ | १५।१७ |
| मं. ३ | ८। ८।१७।३२ | ६।२२। ६। ९ | ५।१३। १।४१ | ६। ९।२०।[illegible] | ५।१४।४९।३८ | ६।२२।५६। ७ | ४३।११ | १६।५० | १८।४६ | २०।५९ | २३।१७ | १।३१ | ३।४४ | ६।०० | ८।१७ | १०।२३ | १२। ९ | १३।४१ | १५।१२ |
| बु. ५ | ८। ९। २।३७ | ६।२३।२९।२६ | ५।१३।११।१३ | ६।१०।३४।१७ | ५।१४।४६।४१ | ६।२२।५५।५६ | ४३।११ | १६।४६ | १८।४२ | २०।५५ | २३।१३ | १।२७ | ३।४० | ५।५६ | ८।१३ | १०।१९ | १२। ५ | १३।३७ | १५। ८ |
| बृ. ६ | ८। ९।४७।४२ | ६।२४।५२।४३ | ५।१३।२०।४५ | ६।११।४७।५४ | ५।१४।५९।४४ | ६।२२।५२।४५ | ४३।११ | १६।४२ | १८।३८ | २०।५१ | २३। ९ | १।२३ | ३।३६ | ५।५२ | ८। ९ | १०।१५ | १२। १ | १३।३३ | १५। ४ |
| शु. ७ | ८।१०।३२।४६ | ६।२६।१६।०० | ५।१३।३०।१७ | ६।१३। १।३० | ५।१४।५६।४७ | ६।२२।४९।३४ | ४३।१० | १६।३८ | १८।३४ | २०।४७ | २३। ५ | १।१९ | ३।३२ | ५।४८ | ८। ५ | १०।११ | ११।५७ | १३।२९ | १५।०० |
| श. ८ | ८।११।१७।५० | ६।२७।३६।१७ | ५।१३।३९।४९ | ६।१४।१५। ६ | ५।१५। २।५० | ६।२२।४६।२३ | ४३। ९ | १६।३३ | १८।२९ | २०।४२ | २३।०० | १।१४ | ३।२७ | ५।४३ | ८।०० | १०। ६ | ११।५२ | १३।२४ | १४।५५ |
| र. ८ | ८।१२। २।५४ | ६।२९। २।३४ | ५।१३।४९।२० | ६।१५।२८।४२ | ५।१५। ६।५२ | ६।२२।४३।१३ | ४३। ८ | १६।२९ | १८।२५ | २०।३८ | २२।५६ | १।१० | ३।२३ | ५।३९ | ७।५६ | १०। २ | ११।४८ | १३।२० | १४।५१ |
| चं. ९ | ८।१२।४७।५८ | ७।००।२५।५० | ५।१३।५८।५१ | ६।१६।४२।१८ | ५।१५।११।५४ | ६।२२।४०। ३ | ४३। ७ | १६।२५ | १८।२१ | २०।३४ | २२।५२ | १। ६ | ३।१९ | ५।३५ | ७।५२ | ९।५८ | ११।४४ | १३।१६ | १४।४७ |
| मं. १० | ८।१३।३३।२२ | ७। २।००।२१ | ५।१४। ७।२७ | ६।१७।५६।३२ | ५।१५।१६।२३ | ६।२२।३६।५२ | ४३। ६ | १६।२० | १८।१६ | २०।२९ | २२।४७ | १। १ | ३।१४ | ५।३० | ७।४७ | ९।५३ | ११।३९ | १३।११ | १४।४२ |
| बु. ११ | ८।१४।१८।४६ | ७। ३।३४।५२ | ५।१४।१६। ३ | ६।१६।१०।४६ | ५।१५।२०।५२ | ६।२२।३३।४१ | ४३। ५ | १६।१६ | १८।१२ | २०।२५ | २२।४३ | ०।५७ | ३।१० | ५।२६ | ७।४३ | ९।४९ | ११।३५ | १३। ७ | १४।३८ |
| बृ. १२ | ८।१५। ४। ९ | ७। ५। ६।२३ | ५।१४।२२।३९ | ६।२०।२५।०० | ५।१५।२५।२१ | ६।२२।३०।३० | ४३। ४ | १६।१२ | १८। ८ | २०।२१ | २२।३९ | ०।५३ | ३। ६ | ५।२२ | ७।३९ | ९।४५ | ११।३१ | १३। ३ | १४।३४ |
| शु. १३ | ८।१५।४९।३२ | ७। ६।४३।५४ | ५।१४।३३।१५ | ६।२१।३९।१४ | ५।१५।२९।५० | ६।२२।२७।१९ | ४३। ३ | १६। ८ | १८। ४ | २०।१७ | २२।३५ | ०।४९ | ३। २ | ५।१८ | ७।३५ | ९।४१ | ११।२७ | १२।५९ | १४।३० |
| श. १४ | ८।१६।३४।५५ | ७। ८।१८।२४ | ५।१४।४१।५१ | ६।२२।५३।२८ | ५।१५।३४।१९ | ६।२२।२४। ८ | ४३। २ | १६। ३ | १७।५९ | २०।१२ | २२।३० | ०।४४ | २।५७ | ५।१३ | ७।३० | ९।३६ | ११।२२ | १२।५४ | १४।२५ |
| र. ३० | ८।१७।२०।१८ | ७। ९।५२।५४ | ५।१४।५०।२७ | ६।२४। ७।४१ | ५।१५।३८।४८ | ६।२२।२०।५८ | ४३। २ | १५।५९ | १७।५५ | २०। ८ | २२।२६ | ०।४० | २।५३ | ५। ९ | ७।२६ | ९।३२ | ११।१८ | १२।५० | १४।२१ |

२ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३५।३
अयनांशाः २२।१३।२७।४५




६ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३५।१०
अयनांशाः २२।१३।२८।४८




अथ विविध विषयाः—मार्गकृष्णाष्टम्यां श्रीकालभैरवोत्पत्तिदिनमतएव तद्दिनेतत्पूजनमुपवासश्च कार्यः । पञ्चोपचारपूजा—गन्धः पुष्पञ्च धूपञ्च दीपो नैवेद्यमेव च । पञ्चोपचाराः कथिता देवानां प्रीतिहेतवः । षोडशोपचारपूजा—आसनं स्वागतंचार्घ्यं पाद्यमाचमनं तथा । मधुपर्काचमनस्नानवसनाभरणानि च । गन्धपुष्पधूपदीपनैवेद्यं चन्दनं तथा । पञ्चगव्यं—गोमूत्रं गोमयं क्षीरं दधिसर्पिः कुशोदकम् । पञ्चगव्यमिदं प्रोक्तं महापातक नाशनम् । पञ्चामृतं—शर्करामधुदुग्धं च घृत दधि समांशकम् । पञ्चामृतमिदं प्रोक्तं देहशुद्धौ विधीयते । पञ्चरत्नानि—वज्रमौक्तिकवैदूर्यपुष्परागेन्द्रनीलकम् । पञ्चरत्नमिदं प्रोक्तं मन्त्रैः कुम्भेषु निक्षिपेत । सप्तमृत्तिका—गजाश्वरथवल्मीकसंगमाद्ध्रद गोकुलात् । राजद्वारप्रवेशाच्च मृदमानीय निक्षिपेत् । पञ्चपल्लवाः—अश्वत्थोदुम्बरप्लक्षचूतन्यग्रोधपल्लवाः । पञ्चपल्लव इत्युक्तः सर्वकर्मसु शोभनः । सप्तधान्यानि—यवगोधूमधान्यानि तिलाः कंकुस्तथैव च । श्यामकं चणकं चैव सप्तधान्यमुदाहृतम् । सर्वौषधिः—मुरामांसी वचा कुष्ठं शैलेयं रजनीद्वयम् । शुण्ठी चम्पकमुस्तञ्च सर्वौषधिगणः स्मृतः ।

वातावरणम्—पक्षादितो दशमीं यावन्मेघचारशीतवायवस्ततः पक्षान्तं यावद्वायुशीतवह्नि रोगादयः ।

ग्रहस्थितिः—कुजगुरुशुक्रशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः, मार्गीबुधः अमायां रवौ १८:२ यावत्पूर्वोदितस्ततः पूर्वास्तः ।

## अग्रहायणशुक्लपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ साल, दि. ८।१२।८० ई० तः २१।१२।८० ई० यावत्, पूर्वकालः।
मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, बुध., ८तः अशुद्धः हैमन्तर्तुः, याम्यगोलायने।

| दि.ति. | तिथयः द. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | द. प. | घं. मि. | योगाः द. प. | करणानि द. प. | चन्द्रस्थितिः द. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्या राश्यादि | दिनमान द. प. | सू. उ. घं. मि. | सू. अ. घं. मि. | रा. दि. | मु. दि. | सौ. दि. | अं. दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं.। १ | ३५।५३ | रा. ६।८ | ज्ये. | १२।४२ | दि. ११।५२ | शू. ४६।१० | कि. ४।३४ | वृ. १२।४२ | दि. ११।५२ | ७।२२।५६।८१ | २६।४ | ६।४७ | ५।१३ | १७ | २९ | २३ | ८ |
| म.। २ | ३७।२२ | रा. ६।४५ | मू. | १५।५७ | दि. १।११ | गं. ४४। ८ | बा. ६।३८ | धनु | अहोरात्र | ७।२३।५७।२७ | २६।२ | ६।४८ | ५।१२ | १८ | ३० | २४ | ९ |
| बु.। ३ | ३७।२६ | रा. ६।४८ | पूषा. | १७।५३ | दि. १।५७ | वृ. ४१। ७ | तै. ७।२६ | ध. ३३।४ | रा. ८।२ | ७।२४।५८।४३ | २६।०० | ६।४८ | ५।१२ | १९ | १ | २५ | १० |
| वृ.। ४ | ३६।२३ | रा. ६।२१ | उषा. | १८।३४ | वि. २।१४ | ध्रु. ३७। ५ | व. ६।५६ | मकर | अहोरात्र | ७।२५।५९।५९ | २५।५८ | ६।४८ | ५।१२ | २० | २ | २६ | ११ |
| शु.। ५ | ३४।२ | रा. ८।२६ | श्र. | १८।४ | दि. २।३ | व्या. ३२। ९ | व. ५।१३ | म. ४७।१८ | रा. १।४४ | ७।२७।१।१५ | २५।५७ | ६।४९ | ५।११ | २१ | ३ | २७ | १२ |
| श.। ६ | ३०।४१ | रा. ७।५ | ध. | १६।३१ | दि. १।२५ | ह. २६।२३ | कौ. २।२२ | कुंभ | अहोरात्र | ७।२८।२।३१ | २५।५६ | ६।४९ | ५।११ | २२ | ४ | २८ | १३ |
| र.। ७ | २६।२८ | रा. ५।२४ | श. | १४।९ | दि. १२।२९ | व. १९।५६ | व. २६।२८ | कुं. ५६।४५ | रा. ५।३१ | ७।२९।३।४७ | २५।५५ | ६।४९ | ५।११ | २३ | ५ | २९ | १४ |
| च.। ८ | २१।३२ | दि. ३।२६ | पूभा. | १०।५७ | दि. ११।१२ | सि. १३।५५ | व. २१।३२ | मीन | अहोरात्र | ८।०।५।२ | २५।५४ | ६।४९ | ५।११ | २४ | ६ | १ | १५ |
| मं.। ९ | १६।४ | दि. १।१६ | उभा. | ७।१८ | वि. ६।४५ | व्य. ५।२४ | कौ. १६।४ | मीन | अहोरात्र | ८।१।६।२३ | २५।५२ | ६।५० | ५।१० | २५ | ७ | २ | १६ |
| बु.।१० | १०।१९ | दि. १०।५८ | रे. | ३।१६ | दि. ८।८ | प. ४९।४३ | ग. १०।१९ | मी. ३।१६ | दि. ८।८ | ८।२।७।४४ | २५।५० | ६।५० | ५।१० | २६ | ८ | ३ | १७ |
| वृ.।११ | ४।२२ | दि. ८।३५ | भ. | ५४।५९ | रा. ४।५० | शि. ४९।५२ | वि. ४।२२ | मेष | अहोरात्र | ८।३।९।५ | २५।४८ | ६।५० | ५।१० | २७ | ९ | ४ | १८ |
| शु.।१३ | ५३।०० | रा. ४।३ | कृ. | ५१।६ | रा. ३।१७ | सि. ३४।७ | कौ. २५।४७ | मे. ९।१ | दि. १०।२७ | ८।४।१०।२६ | २५।४७ | ६।५१ | ५।९ | २८ | १० | ५ | १९ |
| श.।१४ | ४७।५७ | रा. २।२ | रो. | ४७।४३ | रा. १।५६ | सा. २६।४५ | ग. २०।२९ | वृष | अहोरात्र | ८।५।११।४७ | २५।४६ | ६।५१ | ५।९ | २९ | ११ | ६ | २० |
| र.।१५ | ४३।३३ | रा. १२।१६ | मृ. | ४५।१ | रा. १२।५१ | शु. १९।५१ | वि. १५।४५ | वृ. १६।२२ | दि. १।२४ | ८।६।१३। ८ | २५।४५ | ६।५१ | ५।९ | ३० | १२ | ७ | २१ |

गं. ६।४२ उ. २१।४२ या. हरिशोव्रतं, द्विरागमनं प्रतिपन्मूले. **निर्वेधविवाहो मूले**, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. ११ मि. ५२ यावद्दिने तत उत्तरदिशियात्रा प्रतिपदि।

चन्द्रदर्शनं मु. ३० फल साम्यं, पूर्वदिशियात्रा दिवारात्रौ।

**निर्वेधविवाहस्तृतीयायामुत्तराषाढे।**

श्रीगणेश ४ व्रतं, **निर्वेधविवाहो द्विरागमनं** दक्षिणां विना यात्रोत्तमा च पञ्चम्यां, ज्येष्ठायां बुधः ५२।४५, भ. ६।१६ उ. ३६।२३ या.।

**विवाहपञ्चमी, श्रीरामजानकीविवाहोत्सवः, जनकपुरे श्रीरामजानकीदर्शनं, निर्वेधविवाहः** श्रवणायां, उपग्रहवेधाद्विवाहो मध्यमो धनिष्ठायां, **द्विरागमनं** दिवारात्रौ, **गृहप्रवेशः** C

**स्कन्दषष्ठीव्रतं**, चम्पा ६, पश्चिमदिशियात्रा धनिष्ठायां, **गृहप्रवेशः** शतभिषा।

भ. २६।२८ उ. ५४।०० या., मासान्तः **षाण्मासिकरविव्रतारंभः।**

**मूले धनुषि रविः** ३८।२ मु. ४५ फलं समर्घं षडशीतिसंक्रान्तिपुण्यकालः घं १२ मि. ०० उपरि दिने, अनुराधायां शुक्रः ८।१३, **अशुद्धारंभः** ३८।२ उपरि।

वरीयानयोग दं. ५२।१४, मासादिः, गं. ५१।१६ उ.। C पञ्चम्यां धनिष्ठायां, **मुण्डनं**, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां ततः पूर्वदिशियात्रा घं. १ मि. ४४ यावद्रात्रौ, D

अश्विनीमानं ५५।४९, भ. ३७।२१ उ., गं. ६।१६ या, पूर्वपश्चिमयोर्यात्रा रेवत्यां ततः उत्तरां विना यात्रोत्तमा घं. ६ मि. २८ यावद्राम्यन्तम्।

द्वादशीमानं ५४।१२, भ. ४।२२ या., सर्वेषां **मोक्षदा ११ व्रतं**, श्रीकेशव १२, यायिजयदयोग एकादश्यां, **गीताजयन्ती।** D वृश्चिके शुक्रः २६।१।

गोमूत्रेणपारणं, प्रदोष १३ व्रतं, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा रोहिण्यां, उत्तराषाढे कुजः ५३।५८, मूले धनुषि बुधः ३७।४१।

भ. ४७।५७ उ., प्रदोष १४ व्रतं, दक्षिणदिशि यात्रा घं. १ मि ५६ यावद्रात्रौ ततः पूर्वां विना यात्रोत्तमा घं. २ मि. २ यावद्रात्रौ।

भ. १५।४५ या., मार्गी १५, क्षेत्रस्नानं, **दत्तात्रेयावतारः**, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा मृगशिरसि।

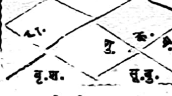
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं.। १ | ८।१८ ५।४१ | ७।११।२७।२४ | ५।१४।५६। ३ | ६।२५।२१।५४ | ५।१५।४३।१७ | ९।२२।१७।४८ | ४३। २ |
| मं.। २ | ८।१८।५१।२५ | ७।१३। ८।४३ | ५।१५। ६।४३ | ६।२६।३८।१९ | ५।१५।४७।१७ | ९।२२।१४।३७ | ४३। १ |
| बु.। ३ | ८।१९।३७। ९ | ७।१४।५८। २ | ५।१५।१४।२३ | ६।२७।५०।४४ | ५।१५।५१।१६ | ९।२२।११।२६ | ४३।०० |
| वृ.। ४ | ८।२०।२२।५३ | ७।१६।३१।२० | ५।१५।२२। ३ | ६।२९। ५। ८ | ५।१५।५५।१५ | ९।२२। ८।१५ | ४२।५९ |
| शु.। ५ | ८।२१। ८।३७ | ७।१८।१२।३८ | ५।१५।२९।४३ | ७।००।१९।३२ | ५।१५।५९।१४ | ९।२२। ५। ४ | ४२।५८ |
| श.। ६ | ८।२१।५४।२१ | ७।१९।५३।५६ | ५।१५।३७।२३ | ७। १।३३।५६ | ५।१६। ३।१३ | ९।२२। १।५३ | ४२।५७ |
| र.। ७ | ८।२२।४०। ५ | ७।२१।३५।१४ | ५।१५।४५। ३ | ७। २।४८।२० | ५।१६। ७।१२ | ९।२१।५८।४३ | ४२।५७ |
| चं.। ८ | ८।२३।२५।४९ | ७।२३।१६।३२ | ५।१५।५२।४२ | ७। ४। २।४४ | ५।१६।११।११ | ९।२१।५५।३३ | ४२।५७ |
| मं.। ९ | ८।२४।११।५४ | ७।२५।००।५४ | ५।१५।५९।४३ | ७। ५।१७।२५ | ५।१६।१४।२७ | ९।२१।५२।२२ | ४२।५६ |
| बु.।१० | ८।२४।५७।५६ | ७।२६।४५।१५ | ५।१६। ६।४४ | ७।६ ।३२। ६ | ५।१६।१७।४३ | ९।२१।४९।११ | ४२।५५ |
| वृ.।११ | ८।२५।४४। ४ | ७।२८।२९।३६ | ५।१६।१३।४५ | ७। ७।४६।४७ | ५।१६।२०।५८ | ९।२१।४६।०० | ४२।५४ |
| शु.।१३ | ८।२६।३०। ९ | ८।००।१३।५७ | ५।१६।२०।४६ | ७। ९। १।२७ | ५।१६।२४।१३ | ९।२१।४२।४९ | ४२।५३ |
| श.।१४ | ८।२७।१६।१४ | ८। १।५८।१८ | ५।१६।२७।४७ | ७।१०।१६। ७ | ५।१६।२७।२८ | ९।२१।३९।३८ | ४२।५२ |
| र.।१५ | ८।२८। २।१८ | ८। ३।४२।३९ | ५।१६।३४।४८ | ७।११।३०।४७ | ५।१६।३०।४३ | ९।२१।३६।२८ | ४२।५२ |

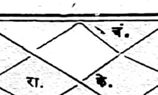
### दैनिक लग्नसारिणी चक्रम्

| मे. प्र. | वृ. प्र. | मि. प्र. | क. प्र. | सिं. प्र. | क. प्र. | तु. प्र. | वृ. प्र. | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी. प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १५।५५ | १७।५१ | २०। ४ | २२।२२ | ०।३६ | २।४९ | ५। ५ | ७।२२ | ९।२८ | ११।१४ | १२।४६ | १४।१७ |
| १५।५१ | १७।४७ | २०।०० | २२।१८ | ०।३२ | २।४५ | ५। १ | ७।१८ | ९।२४ | ११।१० | १२।४२ | १४।१४ |
| १५।४६ | १७।४२ | १९।५५ | २२।१३ | ०।२७ | २।४० | ४।५६ | ७।१३ | ९।१९ | ११। ५ | १२।३७ | १४। ८ |
| १५।४२ | १७।३८ | १९।५१ | २२। ९ | ०।२३ | २।३६ | ४।५२ | ७। ९ | ९।१५ | ११। १ | १२।३३ | १४। ४ |
| १५।३८ | १७।३४ | १९।४७ | २२। ५ | ०।१९ | २।३२ | ४।४८ | ७। ५ | ९।११ | १०।५७ | १२।२९ | १४।०० |
| १५।३४ | १७।३० | १९।४३ | २२। १ | ०।१५ | २।२८ | ४।४४ | ७। १ | ९। ७ | १०।५३ | १२।२५ | १३।५६ |
| १५।३० | १७।२६ | १९।३९ | २१।५७ | ०।११ | २।२४ | ४।४० | ६।५७ | ९। ३ | १०।४९ | १२।२१ | १३।५२ |
| १५।२५ | १७।२१ | १९।३४ | २१।५२ | ०। ६ | २।१९ | ४।३५ | ६।५२ | ८।५८ | १०।४४ | १२।१६ | १३।४७ |
| १५।२१ | १७।१७ | १९।३० | २१।४८ | ०। २ | २।१५ | ४।३१ | ६।४८ | ८।५४ | १०।४० | १२।१२ | १३।४३ |
| १५।१७ | १७।१३ | १९।२६ | २१।४४ | २३।५८ | २।११ | ४।२७ | ६।४४ | ८।५० | १०।३६ | १२। ८ | १३।३९ |
| १५।१२ | १७। ८ | १९।२१ | २१।३९ | २३।५३ | २। ६ | ४।२२ | ६।३९ | ८।४५ | १०।३१ | १२। ३ | १३।३४ |
| १५। ८ | १७। ४ | १९।१७ | २१।३५ | २३।४९ | २। २ | ४।१८ | ६।३५ | ८।४१ | १०।२७ | ११।५९ | १३।३० |
| १५। ३ | १६।५९ | १९।१२ | २१।३० | २३।४४ | १।५७ | ४।१३ | ६।३० | ८।३६ | १०।२२ | ११।५४ | १३।२५ |
| १४।५९ | १६।५५ | १९। ८ | २१।२६ | २३।४० | १।५३ | ४। ९ | ६।२६ | ८।३२ | १०।१८ | ११।५० | १३।२१ |

१ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३५।१७
अयनांशाः २२।१३।१९।५१




८ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३५।२४
अयनांशाः २२।१३।३०।५४




**अथ विविध विषयाः—रविवासरे त्याज्यवस्तूनि**—क्षौरं तैलं जलं चोष्णमामिषं निशिभोजनम् रतिं स्नानञ्च मध्याह्ने रवौसत्तविवर्जयेत्। **मार्गादि मासे रविव्रतभक्ष्याणि**—पत्रत्वितं तुलस्यास्त्रिपलमथ घृतं मार्गशीर्षादिभक्ष्यं। मुष्टीनांत्रिस्तिलानां त्रिपलदधि तथा दुग्धकं गोमयञ्च। त्रित्वं तोयाञ्जलीनां त्रिमरीचकमथो त्रिः पलाः शक्तवः स्युः। गोमूत्रं शर्करा सद्धविरिति विधिना भानुवारे क्रमेण। **रात्रौ लग्नज्ञानम्**—ध्रुवम्परितोरक्तवर्णा शूलिनी श्वेतवर्णा चंकाऽन्यातारा मेषान्मीनं यावद् भ्रमति। तत्र ध्रुवात्पश्चिमे मेषवृषौ वायुकोणे मिथुनं, उत्तरस्यां कर्कसिंहौ, ईशाने कन्या पूर्वस्यां तुलवृश्चिकौ, अग्निकोणे धनुः, दक्षिणस्यां मकर कुम्भौ, नैऋत्याञ्च मीनराशिर्वर्तते। यदा यत्र रक्तवर्णशूलिनी तारका तदेव लग्नं तदानीमिति। **चन्द्रोदयास्तसाधनम्**—तिथिगुणितं रजनीपरिमाणं यमरहितं सहितं सितपक्षे। बाणशशाङ्कविभाजितलब्धं भवति विधूदयमस्तमयञ्च। यथा—अग्रहायणशुक्ल तृतीयायां रात्रिमानम् ३४।०० तदोक्त प्रकारेण (३४।००) ३=१०२।००, १०२।००+२।०० =१०४।०० ॥ १०४।००÷१५=६।५६ दण्डात्मकं फलम्। सूर्यास्तात्परं फलतुल्यकालानन्तरं चन्द्रास्तमानमर्थात् सूर्यास्तमाने (५।१२) फलस्य घंटात्मकमान (२।४६) योजनेन ७।५८ चन्द्रास्तमानं लब्धमिति। एवमेव कृष्णपक्षे चन्द्रोदयमानं स्थूलदिशेति।

**वातावरणम्**—पक्षादितो नवमीं यावद्वायुहिमप्रकोपाभ्रच्छायादयस्ततः पक्षान्तं यावत्सामान्यसमयः।

**ग्रहस्थितिः**—कुजगुरुशुक्रशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः, मार्गीपूर्वास्तो बुधः।

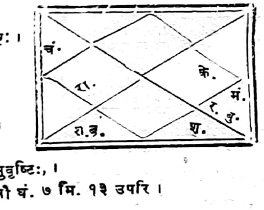
## पौषकृष्णपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ साल, दि. २२।१२।८० ई० तः ६।१।८१ ई० या., पूर्वकालः। मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, अगुद्धः, हेमन्तर्तुः, याम्यगोलायने।

द. ति. ४०।०० उ.। इच्छावत्यां स्नानं पौषे पुण्यप्रदम्। पौषस्य पश्चिमवायुरल्पान्नोत्पादकः।
द. ति. ३७।२७ या., पश्चिमदक्षिणयात्रा घं. ९ मि. ५० उ. घं. ११ मि. ४५ यावद्रात्रौ तत उत्तरां विना यात्रोत्तमा पुष्ये।
वैधृतियोगमानं ५६।१५, भ. ६।४५ उ. ३६।२ या., मकरे कुजः १७।७।
गं. ३२।५९ उ. ४७।५९ या., श्री गणेश ४ व्रतम्, ज्येष्ठायां शुक्रः ५१।३६।
पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पूर्वफल्गुन्याम्। शकुनम्—पौषादितो मासचतुष्टयेषु यस्यान्तिथौ तोयधरो हिमयः। तत्सप्तमेमासि तिथौ च तस्यां वृष्टिः ‡
भ. ३९।३० उ., उत्तरदिशि यात्रा पूर्वफल्गुन्यां, पूर्वाषाढे बुधः १०।१५।
पूर्वाषाढे रविः ४०।१५, भ. ११।१८ या., यायिजयदयोगः सप्तम्यां, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा हस्ते। शकुनम्—सप्तम्यामत्रे सत्यार्द्रायां श्रावण्यान्च सुवृष्टिः।
अपूपाष्टका, दक्षिणदिशि यात्राष्टम्याम्।
अन्वष्टका ६, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घं. ८ मि. ४४ यावद्रात्रौ तत। पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा नवम्याम्।
भ. २५।३४ उ. ५८।१७ या., पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा दिवारात्रौ।
यायिजयदयोग। पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा च स्वात्यां, जनवरी १९८१ ई० प्रारंभः
सर्वेषां सफला ११ व्रतं, स्थायिजयदयोगो द्वादश्यां विशाखायाम्।
गोमयेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतं। यायिजयदयोगस्त्रयोदश्यामनुराधायां, पश्चिमोत्तरयोर्यात्राऽनुराधायाम् शकुनम्—त्रयोदश्यां मेघे सति श्रावणे सुवृष्टिः,।
भ. ११।५६ उ. ४३।१४ या., गं. २५।३ उ. ४०।३ या., प्रदोष १४ व्रतं, उत्तरदिशियात्रा त्रयोदश्यां, उत्तराषाढे बुधः १।३७, दशतारकारंभो रात्रौ घं. ७ मि. १३ उपरि।
सोमवत्यमा व्रतं घं. १२ मि. ३६ उपरि दिने, ३० पार्वणम्, मूलेधनुषिशुक्रः २८।५४, मकरे बुधः ५४।५०।
पौषी ३०, श्रावणायां कुजः ११।७।

‡ प्रवाच्या नियमेन विज्ञैः।

१ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३५।३१
अयनांशाः २२।१३।३१।५७




| वि. | ति. | तिथयः द. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | द. प. | घं. मि. | योगाः द. प. | करणानि द. प. | चन्द्रस्थितिः द. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमान द. प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | अं.ता. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. | १ | ४०।०० | रा. १०।५१ | आ. | ४३।१२ | रा. १२। ८ | शु. १३।३६ | बा. ११।५७ | मिथुन | अहोरात्र | ८। ७।१४।२९ | २ ।४४ | ६।५१ | ५। ९ | १ | १३ | ८ | २२ |
| मं. | २ | ३७।२७ | रा. ९।५० | पुन. | ४२।१५ | रा. ११।४५ | ब्र. ८। ५ | तै. ८।४४ | मि.२७।३० | रा. ५।५१ | ८। ८।१५।५४ | २५।४५ | ६।५१ | ५। ६ | २ | १४ | ९ | २३ |
| बु. | ३ | ३६। २ | रा. ६।१६ | पु. | ४२।२९ | रा. ११।५१ | ऐ. ३।२३ | व. ६।४५ | कर्क | अहोरात्र | ८। ९।१७।१९ | २५।४६ | ६।५१ | ५। ९ | ३ | १५ | १० | २४ |
| बृ. | ४ | ३५।५३ | रा. ९।१२ | आश्ले. | ४३।५९ | रा. १२।२७ | वि. ५६।५४ | व. ५।५८ | क. ४३।५९ | रा. १२।२७ | ८।१०।१८।४४ | २५।४७ | ६।५१ | ५। ९ | ४ | १६ | ११ | २५ |
| शु. | ५ | ३७। ३ | रा. ९।३६ | म. | ४६।४३ | रा. १।३१ | प्री. ५५।१३ | कौ. ६।२८ | सिंह | अहोरात्र | ८।११।२०। ९ | २५।४८ | ६।५० | ५।१० | ५ | १७ | १२ | २६ |
| श. | ६ | ३९।३० | रा. १०।३८ | पूफ. | ५०।३८ | रा. ३। ५ | आ. ५४।२२ | ग. ८।१७ | सिंह | अहोरात्र | ८।१२।२१।३३ | २५।४९ | ६।५० | ५।१० | ६ | १८ | १३ | २७ |
| र. | ७ | ४३। ६ | रा.१२। ४ | उफ. | ५५।४३ | रा. ५। ७ | सौ. ५४।२५ | वि. ११।१८ | सिं. ६।५४ | दि. ९।३६ | ८।१३।२२।५७ | २५।५० | ६।५० | ५।१० | ७ | १९ | १४ | २८ |
| चं. | ८ | ४७।३६ | रा. १।५४ | ह | ६०।०० | अहोरात्र | शो. ५५। ९ | बा. १५।२३ | कन्या | अहोरात्र | ८।१४।२४।२१ | २५।५२ | ६।५० | ५।१० | ८ | २० | १५ | २९ |
| मं. | ९ | ५२।५१ | रा. ३।५७ | ह. | १।३५ | दि. ७।२७ | अ. ५६।२० | तै. २०।१५ | क. ३४।४७ | रा. ८।४४ | ८।१५।२५।४८ | २५।५४ | ६।४९ | ५।११ | ९ | २१ | १६ | ३० |
| बु. | १० | ५८।१७ | रा. ६। ८ | चि. | ७।५९ | दि. १०। १ | सु. ५७।४० | व. २५।३४ | तुला | अहोरात्र | ८।१६।२७।१४ | २५।५६ | ६।४९ | ५।११ | १० | २२ | १७ | ३१ |
| बृ. | ११ | ६०।०० | अहोरात्र | स्वा. | १४।३३ | दि. १२।३७ | धृ. ५८।५२ | व. ३०।५५ | तुला | अहोरात्र | ८।१७।२८।४० | २५।५८ | ६।४८ | ५।१२ | ११ | २३ | १८ | १ |
| शु. | ११ | ३।३३ | दि. ८।१३ | वि. | २०।४७ | दि. ३। ७ | शू. ५९।३९ | बा. ३।३३ | तु. ४।१४ | दि. ८।३० | ८।१८।३०। ६ | २५।५९ | ६।४८ | ५।१२ | १२ | २४ | १९ | २ |
| श. | १२ | ८।११ | दि.१०। ४ | अनु | २६।२५ | रा. ५।२२ | गं. ५६।४६ | तै. ८।११ | वृश्चिक | अहोरात्र | ८।१९।३१।३२ | २६।०० | ६।४८ | ५।१२ | १३ | २५ | २० | ३ |
| र. | १३ | ११।५८ | दि.११।३४ | ज्ये. | ३१। ३ | रा. ७।१३ | वृ. ५८।५८ | व. ११।५६ | वृ. ३१। ३ | रा. ७।१३ | ८।२०।३२।५८ | २६। १ | ६।४८ | ५।१२ | १४ | २६ | २१ | ४ |
| चं. | १४ | १४।३१ | दि.१२।३६ | मू. | ३४।३६ | रा. ८।३८ | ध्रु. ५७।१९ | श. १४।३१ | धनु | अहोरात्र | ८।२१।३४।२४ | २६। २ | ६।४८ | ५।१२ | १५ | २७ | २२ | ५ |
| मं. | ३० | १५।५४ | दि. १। ९ | पूषा. | ३६।५४ | रा. ९।३३ | व्या.५४।४० | ना. १५।५४ | ध. ५२। ६ | रा. ३।३९ | ८।२२।३५।४८ | २६। ४ | ६।४७ | ५।१३ | १६ | २८ | २३ | ६ |

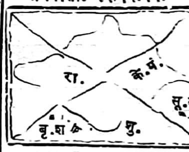
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि. | ति | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. | १ | ८।२८।४८।२२ | ८। ५।२७।०० | ५।१६।४१।४६ | ७।१२।४५।२७ | ५।१६।३३।५८ | ६।२१।३३।१८ | ४२।५२ |
| मं. | २ | ८।२६।३४।४० | ८। ७।११।५८ | ५।१६।४७। ८ | ७।१४।००।३४ | ५।१६।३६।३७ | ६।२१।३०।१७ | ४२।५२ |
| बु. | ३ | ६।००।२०।५८ | ८। ८।५६।५६ | ५।१६।५२।५७ | ७।१५।१५।४१ | ५।१६।३९।१६ | ९।२१।२६।५६ | ४२।५२ |
| बृ. | ४ | ९। १। ७।१६ | ८।१०।४१।५४ | ५।१६।५७।४६ | ७।१६।३०।४८ | ५।१६।४१।५५ | ९।२१।२३।४५ | ४२।५२ |
| शु. | ५ | ९। १।५३।३४ | ८।१२।२६।५२ | ५।१७। ३। ५ | ७।१७।४५।५५ | ५।१६।४४।३३ | ६।२१।२०।३४ | ४२।५३ |
| श. | ६ | ९। २।३९।५२ | ८।१४।११।५० | ५।१७। ८।२३ | ७।१९। १। २ | ५।१६।४७।११ | ९।२१।१७।२३ | ४२।५४ |
| र. | ७ | ९। ३।२६।१० | ८।१५।५२।४८ | ५।१७।१३।४१ | ७।२०।१६। ८ | ५।१६।४९।४६ | ६।२१।१४।१२ | ४२।५५ |
| चं. | ८ | ९। ४।१२।२८ | ८।१७।४१।४५ | ५।१७।१८।५६ | ७।२१।३१।१४ | ५।१६।५२।२७ | ६।२१।११। २ | ४२।५६ |
| मं. | ९ | ९। ४।५६। ३ | ८।१६।२४।१३ | ५।१७।२३।२६ | ७।२२।४६।२७ | ५।१६।५४।२३ | ६।२१। ७।५१ | ४२।५७ |
| बु. | १० | ९। ५।४५।३८ | ८।२१। ६।४१ | ५।१७।२७।५२ | ७।२४। १।४० | ५।१६।५६।१९ | ९।२१। ४।४० | ४२।५८ |
| बृ. | ११ | ९। ६।३२।१३ | ८।२२।४९। ९ | ५।१७।३२।१८ | ७।२५।१६।५२ | ५।१६।५८।१५ | ९।२१। १।२९ | ४२।५९ |
| शु. | ११ | ९। ७।१८।४७ | ८।२४।३१।३७ | ५।१७।३६।४४ | ७।२६।३२। ४ | ५।१७।००।११ | ६।२०।५८।१८ | ४३।०० |
| श. | १२ | ९। ८। ५।२१ | ८।२६।१४। ५ | ५।१७।४१।१० | ७।२७।४७।१६ | ५।१७। २। ७ | ६।२०।५५। ७ | ४३। १ |
| र. | १३ | ९। ८।५१।५५ | ८।२७।५६।३३ | ५।१७।४५।३६ | ७।२६। २।२८ | ५।१७। ४। ३ | ६।२०।५१।५७ | ४३। १ |
| चं. | १४ | ९। ६।३८।२९ | ८।२६।३६। १ | ५।१७।५०। २ | ८।००।१७।४० | ५।१७। ५।५६ | ६।२०।४८।४७ | ४३। १ |
| मं. | ३० | ९।१०।२५।१६ | ६। १।१६। ८ | ५।१७।५३।३० | ८। १।३३। ४ | ५।१७। ७। ७ | ९।२०।४५।३६ | ४३। २ |

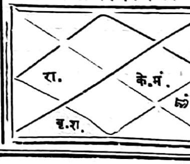
### ॥ दैनिकलग्नसारिणी चक्रम् ॥

| मे. प्र. | वृ. प्र. | मि. प्र. | क. प्र. | सिं. प्र. | क. प्र. | तु. प्र. | वृ. प्र. | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी. प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २४।५४ | १६।५० | १९। ३ | २१।२१ | २३।३५ | १।४८ | ४। ४ | ६।२१ | ८।२७ | १०।१३ | ११।४५ | १३।१६ |
| १४।५० | १६।४६ | १८।५९ | २१।१७ | २३।३१ | १।४४ | ४।०० | ६।१७ | ८।२३ | १०। ९ | ११।४१ | १३।१२ |
| १४।४५ | १६।४१ | १८।५४ | २१।१२ | २३।२६ | १।३९ | ३।५५ | ६।१२ | ८।१८ | १०। ४ | ११।३६ | १३। ७ |
| १४।४१ | १६।३७ | १८।५० | २१। ८ | २३।२२ | १।३५ | ३।५१ | ६। ८ | ८।१४ | १०।०० | ११।३२ | १३। ३ |
| १४।३६ | १६।३२ | १८।४५ | २१। ३ | २३।१७ | १।३० | ३।४६ | ६। ३ | ८। ९ | ९।५५ | ११।२७ | १२।५८ |
| १४।३१ | १६।२७ | १८।४० | २०।५८ | २३।१२ | १।२५ | ३।४१ | ५।५८ | ८। ४ | ९।५० | ११।२२ | १२।५३ |
| १४।२६ | १६।२२ | १८।३५ | २०।५३ | २३। ७ | १।२० | ३।३६ | ५।५३ | ७।५६ | ६।४५ | ११।१७ | १२।४८ |
| १४।२१ | १६।१७ | १८।३० | २०।४८ | २३। २ | १।१५ | ३।३१ | ५।४८ | ७।५४ | ९।४० | ११।१२ | १२।४३ |
| १४।१७ | १६।१३ | १८।२६ | २०।४४ | २२।५८ | १।११ | ३।२७ | ५।४४ | ७।५० | ६।३६ | ११। ८ | १२।३९ |
| १४।१२ | १६। ८ | १८।२१ | २०।३९ | २२।५३ | १। ६ | ३।२२ | ५।३९ | ७।४५ | ६।३१ | ११। ४ | १२।३४ |
| १४। ८ | १६। ४ | १८।१७ | २०।३५ | २२।४९ | १। २ | ३।१८ | ५।३५ | ७।४१ | ९।२७ | १०।५६ | १२।३० |
| १४। ३ | १५।५९ | १८।१२ | २०।३० | २२।४४ | ००।५७ | ३।१३ | ५।३० | ७।३६ | ९।२२ | १०।५४ | १२।२५ |
| १३।५९ | १५।५५ | १८। ८ | २०।२६ | २२।४० | ००।५३ | ३। ६ | ५।२६ | ७।३२ | ६।१८ | १०।५० | १२।२१ |
| १३।५४ | १५।५० | १८। ३ | २०।२१ | २२।३५ | ००।४८ | ३। ४ | ५।२१ | ७।२७ | ९।१३ | १०।४५ | १२।१६ |
| १३।५० | १५।४६ | १७।५९ | २०।१७ | २२।३१ | ००।४४ | ३।०० | ५।१७ | ७।२३ | ९। ६ | १०।४१ | १२।१२ |
| १३।४५ | १५।४१ | १७।५४ | २०।१२ | २२।२६ | ००।३६ | २।५५ | ५।१२ | ७।१८ | ६। ४ | १०।३६ | १२। ७ |

८ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३५।३८
अयनांशाः २२।१३।३३।००




१४ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३५।४५
अयनांशाः २२।१३।३४।३०




**अथ विविध विषयाः—दशतारकविचारः**—पौषे मूलभरण्यन्तं चन्द्रचारेण गर्भंति। आर्द्रादितो विशाखान्तं सूर्यचारेण वर्षति। एवं चैत्रे तथा ज्येष्ठे शुक्लपक्षेप्रयत्नतः। आर्द्रादिदशताराणांज्ञात्वा गर्भं वदेत्फलम्। **तत्र गर्भपुष्टिविचारः**—वाताभ्रगर्जत्तड़ितोदकानि हिमप्रपातःकरकावघातः। अकालसन्ध्यापरिवेषनञ्च नवप्रकारैः प्रभवन्ति गर्भाः। तत्र पुष्टे गर्भे सुवृष्टिः समे मध्यमावृष्टिर्नोने चाल्पा वृष्टिरिति। **गोचरशनिविचारः**—द्विजन्मनिपञ्चमसप्तमगाश्चतुराष्टकद्वादशधर्मयुताः धन्वान्यहिरण्यविनाशकरा रविराहुशनैश्चरभूमिसुताः। तत्र **शनेर्विशेषः**—यदि स्वजन्मराशितः शनिराशिसंचारकाले चन्द्रो निम्नलिखितस्थानेषु भवेत्तदातस्य निम्नलिखितानि पादानि भवेयुः—जन्माङ्करुद्रेषु सुवर्णपादं द्विपञ्चनन्दैः रजतस्यपादम्। त्रिसप्तदिक् ताम्रपदं वदन्ति वेदाष्टचार्केष्विह लोहपादम्। तत्फलम्—लोहे वित्त विनाशः स्यात् सर्वसौख्यञ्च काञ्चने। ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं राजते भवेत्। अनिष्टफलदायकशनेर्जपः कार्यः, लोहवारणञ्च कार्यम्, शनावश्वत्थमूले जलादिभिः पूजनं शनिस्तवश्च पठितव्यः। **शनिस्तवः**—नमस्ते कोणसंस्थाय पिङ्गलाक्षाय ते नमः। नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो। नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चान्तकाय च। नमस्ते मन्दसंज्ञाय शनैचर नमोऽस्तुते। प्रसादङ्कुरु देवेश दीनस्यप्रणतस्य मे।

**वातावरणम्**—पक्षादितो नवमीं यावन्मेघचाररोगभयशीतादयस्ततः पक्षान्तं यावत्खण्डवृष्टिवायुशीतमेघचारादयः।

**ग्रहस्थितिः**—कुजगुरुशुक्रशनयो मार्गिणः पूर्वोदिताः, मार्गी पूर्वास्तो बुधः।

## पौषशुक्लपक्षः

शका १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ साल, दि. ७।१।८१ ई. ता २०।१।८१ ई. यावत्, पूर्वकालः।
मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, मार्गीपूर्वोदितः शुक्रः, अशुद्धः, ८ तः शुद्धः, हेमन्तर्तुः, याम्यगोलायने, ८ तः शिशिरर्तुः सौम्यायनञ्च।

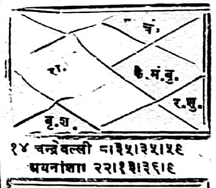
| दि.ति. | तिथयः द.प. | तिथयः घं.मि. | नक्षत्राणि | नक्षत्राणि द.प. | नक्षत्राणि घं.मि. | योगाः द.प. | करणानि द.प. | चन्द्रस्थितिः द.प. | चन्द्रस्थितिः घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादि | दिनमानं द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | सौ.दि. | चं.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. १ | १५।५६ | दि. ९। ६ | उषा. | ३७।५३ | रा. ९।५६ | ह. ५०।५९ | व. १५।५६ | मकर | अहोरात्र | ८।२३।३७।१२ | २६। ६ | ६।४७ | ५।१३ | १७ | २९ | २४ | ६ |
| बृ. २ | १४।४३ | दि. १२।३९ | श्र. | ३७।४१ | रा. ९।५० | व. ४६।२० | कौ. १४।४३ | मकर | अहोरात्र | ८।२४।३८।३६ | २६। ८ | ६।४६ | ५।१४ | १८ | १ | २५ | ८ |
| शु. ३ | १२।१८ | दि. ११।४१ | ध. | ३६।२३ | रा. ९।१६ | सि. ४०।५१ | ग. १२।१८ | म. ७। २ | दि. ९।३५ | ८।२५।४०।०० | २६। ९ | ६।४६ | ५।१४ | १९ | २ | २६ | ९ |
| श. ४ | ८।५३ | दि. १०।१९ | श. | ३४।१५ | रा. ८।२८ | व्य. ३४।४१ | वि. ८।५३ | कुंभ | अहोरात्र | ८।२६।४१।२४ | २६।१० | ६।४६ | ५।१४ | २० | ३ | २७ | १० |
| र. ५ | ४।३६ | दि. ८।३६ | पूभा. | ३१।१४ | रा. ७।१६ | व. २७।५० | बा. ४।३६ | कुं १७।०० | दि. १।३४ | ८।२७।४२।४८ | २६।११ | ६।४६ | ५।१४ | २१ | ४ | २८ | ११ |
| चं. ७ | ५४।११ | रा. ४।२६ | उभा. | २७।४२ | रा. ५।५१ | प. २०।२८ | ग. २६।२५ | मीन | अहोरात्र | ८।२८।४४।११ | २६।१२ | ६।४६ | ५।१४ | २२ | ५ | २९ | १२ |
| मं. ८ | ४८।२३ | रा. २। ६ | रे. | २३।४३ | दि. ४।१४ | शि. १२।४६ | वि. २१।१७ | मी. २३।४३ | दि. ४।१४ | ८।२९।४५।३२ | २६।१४ | ६।४५ | ५।१५ | २३ | ६ | ३० | १३ |
| बु. ९ | ४२।३० | रा. ११।४५ | अ. | १९।३४ | दि. २।३५ | सि. ४।५८ | बा. १५।२७ | मेष | अहोरात्र | ९।०।४६।५२ | २६।१६ | ६।४५ | ५।१५ | २४ | ७ | १ | १४ |
| बृ. १० | ३६।४२ | रा. ९।२५ | भ. | १५।२७ | दि. १२।५५ | शु. ४९।१६ | तै. ९।३६ | मे. २९।२८ | रा. ६।३३ | ९। १।४८।१२ | २६।१८ | ६।४४ | ५।१६ | २५ | ८ | २ | १५ |
| शु. ११ | ३१।१४ | रा. ७।१४ | कृ. | ११।३२ | दि. ११।२१ | शु. ४१।४६ | व. ३।५८ | वृष | अहोरात्र | ९। २।४९।३२ | २६।१९ | ६।४४ | ५।१६ | २६ | ९ | ३ | १६ |
| श. १२ | २६।१४ | दि. ५।१४ | रो. | ८।०० | दि. ९।५६ | ब्र. ३४।४२ | बा. २६।१४ | वृ. ३६।३४ | रा. ९।२२ | ९। ३।५०।५२ | २६।२० | ६।४४ | ५।१६ | २७ | १० | ४ | १७ |
| र. १३ | २१।५५ | दि. ३।३० | मृ. | ५। ८ | दि. ८।४७ | ऐ. २८।१६ | तै. २१।५५ | मिथुन | अहोरात्र | ९। ४।५२।१२ | २६।२१ | ६।४४ | ५।१६ | २८ | ११ | ५ | १८ |
| चं. १४ | १८।२८ | दि. २। ७ | आ. | ३।१० | दि. ८।०० | वै. २२।२९ | व. १८।२८ | मि. ४७।१९ | रा. १।४० | ९। ५।५३।३२ | २६।२२ | ६।४४ | ५।१६ | २९ | १२ | ६ | १९ |
| मं. १५ | १६।०० | दि. १। ७ | पुन. | २। १ | दि. ७।३१ | वि. १७।३२ | व. १६।०० | कर्क | अहोरात्र | ९। ६।५४।४७ | २६।२४ | ६।४३ | ५।१७ | ३० | १३ | ७ | २० |

द. ति. १५।५६ उ., चन्द्रदर्शनं मु. ४५ फलं समर्घं, पश्चिमोदितो बुधः ३४।२।
द. ति. १४।४३ या., यायिजयदयोगो धनिष्ठायां, दक्षिणां विना यात्रोत्तमा घं. १२ मि. ३९ उ. दिने घं. ९ मि. ५० यावद्रात्रौ ततः पूर्वदिशि यात्रा।
भ. ४०।३६ उ., श्रीगणेश ४ व्रतं, पूर्वदिशि यात्रा घं. ९ मि. ३५ यावद्दिने।
उत्तराषाढे रविः ४१।४१, भ. ८।५३ यावत्। A रोहिण्यामेकादश्याम्, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घं. ११ मि. २१ उ. दिने घं. ७ मि. १४ यावद्रात्रौ।
षष्ठीमानं ५४।३, पश्चिमास्तः कुजः ३५।२९।
भ. ५४।११ उ., यायिजयदयोगः सप्तम्यां, पश्चिमोत्तरयोर्यात्राऽष्टम्याम्, श्रवणायां बुधः ५।४०।
मकरे रविः ५७।१४ मु. ३० फलं साम्यं, भ. २१।१७ या., गं. ११।४३ उ. २६।४३ या., मासान्तः, सौम्यायनारंभः शुद्धारंभश्च ५७।१४ उपरि।
साध्ययोगमानं ५२।४ सौम्यायन संक्रान्ति पुण्यकालः घं. १२ मि. ० यावद्दिने, दशतारकान्तो दिवा घं. २ मि. ३५ उपरि।
मासादिः, कर्म १०, विश्वकर्म पूजा। मकरस्थेसूर्ये प्रतिसूर्यवासरं शिवपूजनं प्रशस्तं सर्वाभीष्टप्रदञ्च।
द. ति. ३१।१४ उ., भ. ३।५८ उ. ३१।१४ या., मन्वादिः, सर्वेषां पुत्रदा ११ व्रतं, निर्वेधविवाहो रोहिण्यामेकादश्यां, पूर्वाषाढे शुक्रः ४।५०, तडागकूपवापीखननं A
द. ति. २६।१४ या., श्रीनारायण १२ गोमयेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, पूर्वां विना यात्रोत्तमा त्रयोदश्याम्।
प्रदोष १४ व्रतं, पश्चिमां विना यात्रोत्तमा जलाशयदेवादिप्रतिष्ठा च मृगशिरसि, सूर्यवेधान्मृगशिरसि विवाहर्दिनं नैव।
भ. १८।२८ उ. ४७।१४ या., यायिजयदयोगः पूर्णिमायां, पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा घं २ मि. ७ उ. दिने घं. १ मि. ४० यावद्रात्रौ ततः पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा।
पौषी १५, कौशिकीस्नानम्, वक्री शनिः ४५।३९, पश्चिमदिशि यात्रा पुनर्वसौ तत उत्तरेतरदिग्यात्रा घं. १ मि. ७ यावद्दिने। कौशिकीस्नानमन्त्रः—गाधिराजसुते ! देवि ! विश्वामित्रमुनेः स्वसः। ऋचीक भार्ये सत्तोये पापम्मे हर कौशिकि !

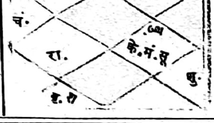
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च — दैनिकलग्नसारिणीचक्रम् ॥

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं | मे.प्र. | वृ.प्र. | मि.प्र. | क.प्र. | सिं.प्र. | क.प्र. | तु.प्र. | वृ.प्र. | ध.प्र. | म.प्र. | कु.प्र. | मी.प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. १ | ९।११।१२। २ | ९। २।५३।१५ | ५।१७।५९।५८ | ८। २।४८।२७ | ५।१७। ८।१५ | ९।२०।४२।२५ | ४३। ३ | १३।४१ | १५।३७ | १७।५० | २०। ८ | २२।२२ | ००।३५ | २।५१ | ५। ८ | ७।१४ | ९।०० | १०।३२ | १२। ३ |
| बृ. २ | ९।११।५८।४८ | ९। ४।३०।२२ | ५।१८।००।२५ | ८। ४। ३।५० | ५।१७। ९।२३ | ९।२०।३९।१४ | ४३। ४ | १३।३७ | १५।३३ | १७।४६ | २०। ४ | २२।१८ | ००।३१ | २।४७ | ५। ४ | ७।१० | ८।५६ | १०।२८ | ११।५९ |
| शु. ३ | ९।१२।४५।३४ | ९। ६। ७।२९ | ५।१८। ३।५२ | ८। ५।१९।१३ | ५।१७।१०।३१ | ९।२०।३६। ३ | ४३। ५ | १३।३३ | १५।२९ | १७।४२ | २०।०० | २२।१४ | ००।२७ | २।४३ | ५।०० | ७। ६ | ८।५२ | १०।२४ | ११।५५ |
| श. ४ | ९।१३।३२।३० | ९। ७।४४।३५ | ५।१८। ७।१९ | ८। ६।३४।३६ | ५।१७।११।३९ | ९।२०।३२।५२ | ४३। ६ | १३।२९ | १५।२५ | १७।३८ | १९।५६ | २२।१० | ००।२३ | २।३९ | ४।५६ | ७। २ | ८।४८ | १०।२० | ११।५१ |
| र. ५ | ९।१४।१९। ६ | ९। ९।२१।४१ | ५।१८।१०।४६ | ८। ७।४९।५९ | ५।१७।१२।४६ | ९।२०।२९।४२ | ४३। ६ | १३।२४ | १५।२० | १७।३३ | १९।५१ | २२। ५ | ००।१८ | २।३४ | ४।५१ | ६।५७ | ८।४३ | १०।१५ | ११।४६ |
| चं. ७ | ९।१५। ५।५२ | ९।१०।५८।४७ | ५।१८।१४।१३ | ८। ९। ५।२२ | ५।१७।१३।५३ | ९।२०।२६।३२ | ४३। ६ | १३।२० | १५।१६ | १७।२९ | १९।४७ | २२। १ | ००।१४ | २।३० | ४।४७ | ६।५३ | ८।३९ | १०।११ | ११।४२ |
| मं. ८ | ९।१५।५३।०० | ९।१२।२६। ४ | ५।१८।१५।५७ | ८।१०।२०।४८ | ५।१७।१४।२३ | ९।२०।२३।२१ | ४३। ७ | १३।१६ | १५।१२ | १७।२५ | १९।४३ | २१।५७ | ००।१० | २।२६ | ४।४३ | ६।४९ | ८।३५ | १०। ७ | ११।३८ |
| बु. ९ | ९।१६।४०। ८ | ९।१३।५३।२१ | ५।१८।१७।४१ | ८।११।३६।१४ | ५।१७।१४।४२ | ९।२०।२०।१० | ४३। ८ | १३।११ | १५। ७ | १७।२० | १९।३८ | २१।५२ | ००। ५ | २।२१ | ४।३८ | ६।४४ | ८।३० | १०। २ | ११।३३ |
| बृ. १० | ९।१७।२७।१६ | ९।१५।२०।३७ | ५।१८।१९।२५ | ८।१२।५१।४० | ५।१७।१४।५२ | ९।२०।१६।५९ | ४३। ९ | १३। ७ | १५। ३ | १७।१६ | १९।३४ | २१।४८ | ००। १ | २।१७ | ४।३४ | ६।४० | ८।२६ | ९।५८ | ११।२९ |
| शु. ११ | ९।१८।१४।२३ | ९।१६।४७।५३ | ५।१८।२१। ८ | ८।१४। ७। ६ | ५।१७।१४।५९ | ९।२०।१३।४८ | ४३।१० | १३। ३ | १४।५९ | १७।१२ | १९।३० | २१।४४ | २३।५७ | २।१३ | ४।३० | ६।३६ | ८।२२ | ९।५४ | ११।२५ |
| श. १२ | ९।१९। १।३० | ९।१८।१५। ९ | ५।१८।२२।५१ | ८।१५।२२।३२ | ५।१७।१५। ४ | ९।२०।१०।३७ | ४३।११ | १२।५८ | १४।५४ | १७। ७ | १९।२५ | २१।३९ | २३।५२ | २। ८ | ४।२५ | ६।३१ | ८।१७ | ९।४९ | ११।२० |
| र. १३ | ९।१९।४८।३७ | ९।१९।४२।२५ | ५।१८।२४।३४ | ८।१६।३७।५८ | ५।१७।१५। ८ | ९।२०। ७।२७ | ४३।११ | १२।५४ | १४।५० | १७। ३ | १९।२१ | २१।३५ | २३।४८ | २। ४ | ४।२१ | ६।२७ | ८।१३ | ९।४५ | ११।१६ |
| चं. १४ | ९।२०।३५।४४ | ९।२१। ९।४१ | ५।१८।२६।१७ | ८।१७।५३।२३ | ५।१७।१५।११ | ९।२०। ४।१७ | ४३।११ | १२।५० | १४।४६ | १६।५९ | १९।१७ | २१।३१ | २३।४४ | २।०० | ४।१७ | ६।२३ | ८। ९ | ९।४१ | ११।१२ |
| मं. १५ | ९।२१।२२।५० | ९।२२।२०।३० | ५।१८।२६।४९ | ८।१९। ९। ३ | ५।१७।१५।१२ | ९।२०। १। ६ | ४३।१३ | १२।४६ | १४।४२ | १६।५५ | १९।१३ | २१।२७ | २३।४० | १।५६ | ४।१३ | ६।१९ | ८। ५ | ९।३७ | ११। ८ |

७ चन्द्रेवल्सौ ८।३५।३५।५२
अयनांशाः २२।१३।३५।६




१४ चन्द्रेवल्सौ ८।३५।३५।५६
अयनांशाः २२।१३।३६।९




**अथ विविध विषयाः**—**वैष्णवानामेकादशीव्रतनिर्णयः**—दशमीपञ्चपञ्चाशत घटिका चेत्प्रदृश्यते। तर्हि चैकादशी त्याज्या द्वादशीं समुपोषयेत्। दशमीपलमात्रेण त्याज्या चैकादशी तिथिः। मदिराविन्दुपातेन त्याज्यो गङ्गाघटो यथा। नारद **पुराणे**—क्षयेवाप्ययवावृद्धौ सम्प्राप्ते वा दिनत्रये। उपोष्या द्वादशी तत्र त्रयोदश्यान्तु पारणम्। **कौर्मे**—तिथिक्षये तु सम्प्राप्ते उपोष्या द्वादशी भवेत्। दशमीशेषसंयुक्ता न कुर्वीत कदाचन। **भविष्ये**—दशमीशेषसंयुक्तो यदि स्यादरुणोदयः। वैष्णवेन न कर्त्तव्यं तद्दिनैकादशी व्रतम्। अरुणोदयवेधस्तु वैष्णवेषु प्रकीर्त्तितः। **अरुणोदयकालो-ब्रह्मवैवर्त्ते**—चतस्रो घटिकाः प्रातररुणोदय उच्यते। यतीनां स्नानकालोऽयं गङ्गाम्भः सदृशंफलम्। **अथैकादश्यांत्याज्यवस्तूनि**—कांस्यं मासं मसूरान्नं चणकं कोद्रवंतथा। शाकं मधुपरान्नञ्च पुनर्भोजनमैथुनम्। **केषामन्नंपरान्नंनेत्यत्राह**—गुर्वन्नं मातुलान्नं च श्वशुरान्नन्तथैव च। पितुः पौत्रस्य चैवान्नं न परान्नमिति स्मृतिः।

**वातावरणम्**—पक्षादितः सप्तमीं यावत्खण्डवृष्टिमेघचारशीतादयस्ततः पक्षान्तं यावद्धिमवाताभ्रच्छायादयः।

**ग्रहस्थितिः**—मार्गी कुजः पञ्चम्यां सूर्ये ३५।२९ यावत्पूर्वोदितस्ततः पश्चिमास्तः, मार्गो बुधः प्रतिपद्बुधे ३४।२ यावत्पूर्वास्तस्ततः पश्चिमोदितः, गुरुशुक्रौ मार्गिणौ पूर्वोदितौ, पूर्वोदितः शनिः पूर्णिमायां कुजे ४५।३९ यावन्मार्गीततो वक्री।

## माघकृष्णपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन १३८८ साल दि. २१।१।८१ ई. तः ४।२।८१ ई. या, पूर्वकालः।
मार्गी पूर्वोदितो गुरुः, ७ तः वक्री, मार्गी पूर्वोदितः शुक्रः, शुद्धः, ७ तः अशुद्धः, शिशिरर्तुः सौम्यगोलः, सौम्यायनम्।

| वि.ति. | तिथयः द.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | द.प. | घं.मि. | योगाः द.प | करणानि द.प. | चन्द्रस्थितिः द.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं द.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | सौ.दि. | मं.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. १ | १४।४४ | दि. १२।१७ | पु. | १।५६ | दि. ७।३१ | प्री. १३।२६ | कौ.१४।४४ | कर्क | अहोरात्र | ९। ७।५६। २ | २६।२६ | ६।४३ | ५।१७ | १ | १४ | ८ | २१ |
| बृ. २ | १४।४४ | दि. १२।३६ | आश्ले. | ३।१० | दि. ७।५८ | आ. १०।२६ | ग. १४।४४ | क. ३।१० | दि. ७।५८ | ९। ८।५७।१७ | २६।२८ | ६।४२ | ५।१८ | २ | १५ | ९ | २२ |
| शु. ३ | १६। ३ | दि. १। ७ | म | ५।३८ | दि. ८।५७ | सौ. ८।२२ | वि. १६। ३ | सिंह | अहोरात्र | ९। ९।५८।३१ | २६।३१ | ६।४२ | ५।१८ | ३ | १६ | १० | २३ |
| श. ४ | १८।३७ | दि. २। ८ | पूफ | ६।२१ | दि. १०।२५ | शो. ७।१९ | बा. १८।३७ | सिं. २५।३३ | दि. ४।५४ | ९।१०।५९।४५ | २६।३४ | ६।४१ | ५।१९ | ४ | १७ | ११ | २४ |
| र. ५ | २२।२० | दि. ३।३१ | उफ. | १४।१० | दि. १२।२१ | अ. ७। ८ | तै. २२।२० | कन्या | अहोरात्र | ९।१२। ०।५९ | २६।३७ | ६।४१ | ५।१९ | ५ | १८ | १२ | २५ |
| सो. ६ | २६।५७ | रा. ५।२७ | ह. | १९।५५ | दि. २।३८ | सु. ७।४४ | व. २६।५७ | क. ५३। ५ | रा. ३।५४ | ९।१३। २।१३ | २६।४० | ६।४० | ५।२० | ६ | १९ | १३ | २६ |
| मं. ७ | ३२। ७ | रा. ७।३२ | चि | २६।१५ | दि. ५। २ | धृ. ८।४७ | ब. ३२।१२ | तुला | अहोरात्र | ९।१४। ३।२० | २६।४४ | ६।३९ | ५।२१ | ७ | २० | १४ | २७ |
| बु. ८ | ३७।३९ | रा. ९।४२ | स्वा. | ३२।४८ | रा. ७।४५ | शू. १०।१० | बा. ४।५६ | तुला | अहोरात्र | ९।१५। ४।२७ | २६।४८ | ६।३८ | ५।२२ | ८ | २१ | १५ | २८ |
| बृ. ९ | ४२।५२ | रा. ११।४७ | वि. | ३९।१० | रा. १०।१८ | गं. ११।२९ | तै. १०।१६ | तु. २२।३५ | दि. ३।४० | ९।१६। ५।३४ | २६।५२ | ६।३८ | ५।२२ | ९ | २२ | १६ | २९ |
| शु. १० | ४७।२७ | रा १।३६ | अनु. | ४४।५८ | रा. १२।३६ | वृ. १२।२६ | व. १५।१० | वृश्चिक | अहोरात्र | ९।१७। ६।४१ | २६।५५ | ६।३७ | ५।२३ | १० | २३ | १७ | ३० |
| श. ११ | ५१। ५ | रा. ३। २ | ज्ये. | ४९।५१ | रा. २।३२ | ध्रु. १२।५० | व. १९।१६ | वृ. ४९।५१ | रा. २।३२ | ९।१८। ७।४८ | २६।५८ | ६।३६ | ५।२४ | ११ | २४ | १८ | ३१ |
| र. १२ | ५३।३६ | रा. ४। २ | मू. | ५३।४० | रा. ४। ४ | व्या.१२।२४ | कौ. २२।२१ | धनु | अहोरात्र | ९।१९। ८।५४ | २७। १ | ६।३६ | ५।२४ | १२ | २५ | १९ | १ |
| सो. १३ | ५४।४९ | रा. ४।३१ | पूषा | ५६।१४ | रा. ५। ५ | ह. ११। ९ | ग. २४।१३ | धनु | अहोरात्र | ९।२०।१०।०० | २७। ४ | ६।३५ | ५।२५ | १३ | २६ | २० | २ |
| मं. १४ | ५४।४२ | रा. ४।२७ | उषा. | ५७।३० | रा. ५।३४ | व. ८।५१ | वि. २४।५४ | ध. ११।३३ | दि. ११।११ | ९।२१।११।०।५९ | २७। ८ | ६।३४ | ५।२६ | १४ | २७ | २१ | ३ |
| बु. ३० | ५३।२० | रा ३।५४ | श्र. | ५७।३६ | रा. ५।२६ | सि. ५।३३ | च. २।१ १ | मकर | अहोरात्र | ९।२२।११।१५८ | २७।११ | ६।३४ | ५।२६ | १५ | २८ | २२ | ४ |

गं. ५२।१० उ., लक्ष्मणसंवत् ८७२ प्रारंभः, उत्तरां विना यात्रोत्तमा पुष्ये, धनिष्ठायां बुधः २१।५६। माघे **कमलास्नानं** महापुण्यप्रदम्।
भ. ४५।२४ उ., गं. ७।१० या., मघायां मंगलवेधाद्विवाहदिनं नेव, **माघे प्रयागतीर्थस्नानं गङ्गास्नानं** वा महापुण्यप्रदम्।
**श्रवणायां रविः** ४४।३८, भ. १६।३ या., श्रीगणेश ४ व्रतं, **श्रीगणेशोत्पत्तिः, सुभाषचन्द्र जयन्ती,** स्थायिजयदयोगश्चतुर्थ्यां, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पूर्वफल्गुन्यां, धनिष्ठायां कुजः १४।५०।
उत्तरदिशियात्रा पूर्वफल्गुन्यां, यायिजयदयोगः पञ्चम्याम्। **माघे** तिलकम्बलादिवस्त्रसुवर्णधेनुप्रभृतिदानानिस्वर्गदानि।
यायिजयदयोगः पञ्चम्यां, **निर्वेधविवाहो** दिवारात्रौ, पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा घं. १२ मि. २१ उ. घं. ३ मि. ३७ यावद्दिने।
भ. २६।५७ उ. ५९।३५ या., **गणतन्त्रदिवसः, निर्वेधविवाहो**, दिवारात्रौ, **कामेश्वरसिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय**–प्रतिष्ठादिनम्, दक्षिणदिशियात्राषष्ठ्यां C
C उत्तराषाढेशुक्रः ४०।५७।
पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा दिवारात्रौ, कुम्भे बुधः १९।८, **वक्रीगुरुः** ४१।३७, **अशुद्धारंभः** ४१।३७ उपरि।
शाकाष्टका। A **सृष्टिभोग्याब्दाः** २३४७०५८९१९, **क्षीण शुक्रः** ४३।२९ उ., उत्तरां विना यात्रोत्तमा घं. ३ मि. ५४ उ. घं. ५ मि. ३६ यावद्रात्रौ ततः पूर्वदिशियात्रा।
**अन्वष्टका** ९, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा दशम्यां, मकरे शुक्रः २०।३४।
भ. १५।१० उ. ४७।२७ या., उत्तरदिशियात्रा दिवारात्रौ।
द. ति. ५१।५ उ., गं ४३।५१ उ. ५८।५१ या., सर्वेषां **षट्तिला** ११ व्रतं, कुम्भेकुजः ३९।३, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. २ मि. ३२ यावद्रात्रौ ततः उत्तरदिशियात्रा घं.३ मि.२ यावद्रात्रौ।
द. ति. ५३।३६ या., गोदुग्धेनपारणम्, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा त्रयोदश्यां, फरवरी २ मासारम्भः।
भ ५४।४९ उ. प्रदोष १३ व्रतं, उत्तरदिशियात्रा त्रयोदश्याम्।
**नरकनिवारण** १४ व्रतं प्रदोषः घं. ७ मि. २ यावद्रात्रौ, अद्यव्रतपूर्वकं **प्रदोषे शिवपूजनं** तत्कथाश्रवणञ्च सहस्राश्वमेधसमफलदं शिवलोकप्रदञ्च।
माघी ३० पार्वणम्, **मौनी** ३० स्नानदानादिः, कलियुगादिः, **कलिगतायुः** ५०८१ वर्षाणि, कलिभोग्यायुः ४२६९१९ वर्षाणि, **सृष्टिगताब्दाः** १९७२९४९०८१ A

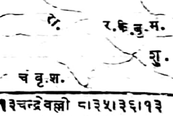
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादिस्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| वि.ति. | मंगल | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. १ | ९।२२। ९।५६ | ९।२३।३१।१८ | ५।१८।२७।२१ | ८।२०।२४।४३ | ५।१७।१५। ७ | ९।१९।५७।५५ | ४३।१५ |
| बृ. २ | ९।२२।५७। २ | ९।२४।४२। ६ | ५।१८।२७।५३ | ८।२१।४०।२३ | ५।१७।१४।५६ | ९।१९।५४।४४ | ४३।१६ |
| शु. ३ | ९।२३।४४। ८ | ९।२५।५२।५४ | ५।१८।२८।२४ | ८।२२।५६। २ | ५।१७।१४।३१ | ९।१९।५१।३३ | ४३।१७ |
| श. ४ | ९।२४।३१।१४ | ९।२७। ३।४२ | ५।१८।२८।५५ | ८।२४।११।४१ | ५।१७।१३।५६ | ९।१९।४८।२२ | ४३।१८ |
| र. ५ | ९।२५।१८।२० | ९।२८।१४।३० | ५।१८।२९।२६ | ८।२५।२७।२० | ५।१७।१३। ६ | ९।१९।४५।११ | ४३।१९ |
| सो. ६ | ९।२६। ५।२६ | ९।२९।२५।१८ | ५।१८।२९।५६ | ८।२६।४२।५९ | ५।१७।१२।१० | ९।१९।४२। १ | ४३।२० |
| मं. ७ | ९।२६।५२।४६ | १०।००। ८।५८ | ५।१८।३०।१७ | ८।२७।५८।२९ | ५।१७।१०।५० | ९।१९।३८।५० | ४३।२२ |
| बु. ८ | ९।२७।४०। ६ | १०।००।५२।३८ | ५।१८।२९।५० | ८।२९।१३।५८ | ५।१७। ९।३० | ९।१९।३५।३९ | ४३।२४ |
| बृ. ९ | ९।२८।२७।२५ | १०। १।३६।१८ | ५।१८।२८।५५ | ९।००।२९।२७ | ५।१७। ८।१० | ९।१९।३२।२८ | ४३।२६ |
| शु. १० | ९।२९।१४।४४ | १०। २।१९।५८ | ५।१८।२७।४५ | ९। १।४४।५६ | ५।१७। ६।५० | ९।१९।२९।१७ | ४३।२८ |
| श. ११ | १०।००। २। ३ | १०। ३। ३।३७ | ५।१८।२६।३५ | ९। ३।००।२५ | ५।१७। ५।३१ | ९।१९।२६। ६ | ४३।३० |
| र. १२ | १०।००।४९।२२ | १०। ३।४७।१६ | ५।१८।२५।२३ | ९। ४।१५।५४ | ५।१७। ४।१२ | ९।१९।२२।५६ | ४३।३१ |
| सो. १३ | १०। १।३६।४१ | १०। ४।३०।५५ | ५।१८।२४। ९ | ९। ५।३१।२३ | ५।१७। २।५३ | ९।१९।१९।४६ | ४३।३२ |
| मं. १४ | १०। २।२४। ६ | १०। ५। ५।५४ | ५।१८।२१।५२ | ९। ६।४७।०० | ५।१७।००।४८ | ९।१९।१६।३५ | ४३।३४ |
| बु. ३० | १०। ३।११।३० | १०। ५।३०।५३ | ५।१८।२१।३५ | ९। ८। २।३६ | ५।१६।५८।४३ | ९।१९।१३।२४ | ४३।३६ |

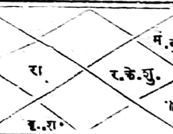
### दैनिकलग्नसारिणीचक्रम्

| वि.ति. | मे. अ. | वृ. अ. | मि. अ. | क. अ. | सि. अ. | क. अ. | तु. अ. | वृ. अ. | ध. अ. | म. अ. | कु. अ. | मी.अ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. १ | १२।४२ | १४।३८ | १६।५१ | १९। ९ | २१।२३ | २३।३६ | १।५२ | ४। ६ | ६।१५ | ८। १ | ९।३३ | ११। ४ |
| बृ. २ | १२।३८ | १४।३४ | १६।४७ | १९। ५ | २१।१९ | २३।३२ | १।४८ | ४। ५ | ६।११ | ७।५७ | ९।२९ | ११।०० |
| शु. ३ | १२।३४ | १४।३० | १६।४३ | १९। १ | २१।१५ | २३।२८ | १।४४ | ४। १ | ६। ७ | ७।५३ | ९।२५ | १०।५६ |
| श. ४ | १२।३० | १४।२६ | १६।३९ | १८।५७ | २१।११ | २३।२४ | १।४० | ३।५७ | ६। ३ | ७।४९ | ९।२१ | १०।५२ |
| र. ५ | १२।२६ | १४।२२ | १६।३५ | १८।५३ | २१। ७ | २३।२० | १।३६ | ३।५३ | ५।५९ | ७।४५ | ९।१७ | १०।४८ |
| सो. ६ | १२।२१ | १४।१७ | १६।३० | १८।४८ | २१। २ | २३।१५ | १।३१ | ३।४८ | ५।५४ | ७।४० | ९।१२ | १०।४३ |
| मं. ७ | १२।१७ | १४।१३ | १६।२६ | १८।४४ | २०।५८ | २३।११ | १।२७ | ३।४४ | ५।५० | ७।३६ | ९। ८ | १०।३९ |
| बु. ८ | १२।१३ | १४। ९ | १६।२२ | १८।४० | २०।५४ | २३। ७ | १।२३ | ३।४० | ५।४६ | ७।३२ | ९। ४ | १०।३५ |
| बृ. ९ | १२। ९ | १४। ५ | १६।१८ | १८।३६ | २०।५० | २३। ३ | १।१९ | ३।३६ | ५।४२ | ७।२८ | ९।०० | १०।३१ |
| शु. १० | १२। ५ | १४। १ | १६।१४ | १८।३२ | २०।४६ | २२।५९ | १।१५ | ३।३२ | ५।३८ | ७।२४ | ८।५६ | १०।२७ |
| श. ११ | १२। १ | १३।५७ | १६।१० | १८।२८ | २०।४२ | २२।५५ | १।११ | ३।२८ | ५।३४ | ७।२० | ८।५२ | १०।२३ |
| र. १२ | ११।५७ | १३।५३ | १६। ६ | १८।२४ | २०।३८ | २२।५१ | १। ७ | ३।२४ | ५।३० | ७।१६ | ८।४८ | १०।१९ |
| सो. १३ | ११।५३ | १३।४९ | १६। २ | १८।२० | २०।३४ | २२।४७ | १। ३ | ३।२० | ५।२६ | ७।१२ | ८।४४ | १०।१५ |
| मं. १४ | ११।४९ | १३।४५ | १५।५८ | १८।१६ | २०।३० | २२।४३ | ०।५९ | ३।१६ | ५।२२ | ७। ८ | ८।४० | १०।११ |
| बु. ३० | ११।४५ | १३।४१ | १५।५४ | १८।१२ | २०।२६ | २२।३९ | ०।५५ | ३।१२ | ५।१८ | ७। ४ | ८।३६ | १०। ७ |

६ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३६।६
अयनांशाः २२।१३।३७।१२




१३चन्द्रेवल्ली ८।३५।३६।१३
अयनांशाः २२।१३।३८।१५




**अथ विविध विषयाः—माघे प्रातःस्नानफलम्**—यो माघमास्युषसि सूर्यकरान्विताभ्रे स्नानं समाचरति चारुनदी प्रवाहे। उद्धृत्यसप्तपुरुषान् पितृमातृवंश्यान् स्वर्गं प्रयात्यमरदेहवरो नरोऽसौ। **मकरार्के प्रातःस्नानमन्त्राः**—मकरस्थेरवौ माघे गोविन्दाच्युत माधव। प्रातः स्नानेन मे देव यथोक्तफलदो भव। दुःखदारिद्र्य नाशाय श्रीविष्णोस्तोषनाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशनम्। **माघे कुत्रापि स्नानफलम्**—स्वर्गलोके चिरंवासो येषां मनसि वर्त्तते। यत्र क्वापि जले तैस्तु स्नातव्य मृगभास्करे। **चतुर्थ्यां गणेशोत्पत्तिः**—सर्वदेवमयः साक्षात्सर्वमङ्गलकारकः। माघकृष्णचतुर्थ्यान्तु प्रादुर्भूतो गणाधिपः। तत्र गणेशमूर्तिनिर्माय यथोपचारैः सम्पूज्य रात्रौ व्रतपूर्वकं जागरणं कृत्वा प्रातर्ब्राह्मणान्भोजयेत्। मोदकादिकं च दद्यात्। **चतुर्दश्यांनरकनिवारणचतुर्दशीव्रतम्**—चतुर्दशी समं नास्ति व्रतंपापक्षयापहम्। यत्कृत्वा सर्वपापेभ्यो मुच्यते नात्र संशयः। अश्वमेधसहस्राणि वाजपेय शतानि च। प्राप्नोति तत्फलं सर्वं नात्र कार्या विचारणा।

**वातावरणम्**—पक्षादितः षष्ठीयावच्छीतवातादयस्ततोद्वादशीयावन्मेघचारोवायुश्च ततः पक्षान्त यावद्धिममेघवातादयः।

**ग्रहस्थितिः**—मार्गीपश्चिमास्तःकुजः, मार्गीपश्चिमोदितोबुधः, पूर्वोदितोगुरुः सप्तम्यां कुजे ४१।३७ यावन्मार्गी ततो वक्री, मार्गीपूर्वोदितः शुक्रः, वक्रीपूर्वोदितः शनिः।

## फाल्गुनकृष्णपक्षः

शकः १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ माल, वि. १९।२।८१ ई० तः ६।३।८१ ई० या. दक्षिणेकाला: ।
वक्री पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वास्तः शुक्रः, प्रशुद्धः, शिशिरर्तुः, याम्यगोलः, सौम्यायनम् ।

| दि. | ति. | तिथयः घ. प. | घं. मि. | नक्षत्राणि | घ. प. | घं.मि. | योगाः घ. प. | करणानि घ. प. | चन्द्रस्थितिः घ. प. | घं. मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमानं घ. प. | सू. उ. घं.मि | सू. अ. घं.मि. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | १ | ५४।३६ | रा. ४।१४ | म. | २४।५७ | दि. ४।२३ | म. २३।०० | वा. २३।५४ | सिंह | अहोरात्र | १०। ७।२४। ४ | २८। २ | ६।२४ | ५।३६ | ३० | १३ | ८ | १९ |
| शु. | २ | ५७।१२ | रा. ५।१६ | पूफ. | २८।२६ | रा. ५।४५ | सु. २१।४३ | तै. २५।५४ | सि.४४।३५ | रा. १२।१३ | १०। ८।२४।४० | २८। ५ | ६।२३ | ५।३७ | १ | १४ | ९ | २० |
| श. | ३ | ६०।०० | अहोरात्र | उफ. | ३३।०० | रा. ७।३४ | धृ. २१।१७ | व. २९। ५ | कन्या | अहोरात्र | १०। ९।२५।१५ | २८। ८ | ६।२२ | ५।३८ | २ | १५ | १० | २१ |
| र. | ३ | ००।५८ | दि. ६।४५ | ह. | ३८।३३ | रा. ९।४७ | शू. २१।४५ | वि ००।५८ | कन्या | अहोरात्र | १०।१०।२५।५० | २८।११ | ६।२२ | ५।३८ | ३ | १६ | ११ | २२ |
| चं. | ४ | ५।३७ | दि. ८।३६ | चि. | ४४।४८ | रा १२।१६ | गं. २२।४६ | वा. ५।३७ | कं. ११।४१ | दि. ११। १ | १०।११।२६।२५ | २८।१४ | ६।२१ | ५।३९ | ४ | १७ | १२ | २३ |
| मं. | ५ | १०।४८ | दि.१०।३९ | स्वा. | ५१।२२ | रा. २।५३ | वृ. २४। ६ | तै. १०।४८ | तुला | अहोरात्र | १०।१२।२६।४८ | २८।१८ | ६।२० | ५।४० | ५ | १८ | १३ | २४ |
| बु. | ६ | १६।१६ | दि.१२।५० | वि. | ५७।५१ | रा. ५।२८ | ध्रु २५।३३ | व. १६।१६ | तु. ४१।१३ | रा. १०।४९ | १०।१३।२७।१० | २८।२२ | ६।२० | ५।४० | ६ | १९ | १४ | २५ |
| बृ. | ७ | २१।२२ | दि. २।५२ | अनु | ६०।०० | अहोरात्र | व्या २६।४४ | व. २१।२२ | वृश्चिक | अहोरात्र | १०।१४।२७।३२ | २८।२६ | ६।१९ | ५।४१ | ७ | २० | १५ | २६ |
| शु. | ८ | २५।५१ | दि. ४।३८ | अनु. | ३।४४ | दि. ७।४८ | ह. २७।२५ | कौ. २५।११ | वृश्चिक | अहोरात्र | १०।१५।२७।५४ | २८।३० | ६।१८ | ५।४२ | ८ | २१ | १६ | २७ |
| श. | ९ | २९।३२ | रा. ६। ६ | ज्ये. | ८।५५ | दि ९।५१ | व. २७।२१ | ग. २९।३२ | वृ. ८।५५ | दि. ९।५१ | १०।१६।२८।१६ | २८।३४ | ६।१७ | ५।४३ | ९ | २२ | १७ | २८ |
| र. | १० | ३१।४५ | रा. ६।५८ | मू. | १२।५७ | दि. ११।२७ | सि २६।२५ | व. ००।३९ | धनु | अहोरात्र | १०।१७।२८।३८ | २८।३८ | ६।१६ | ५।४४ | १० | २३ | १८ | १ |
| चं. | ११ | ३२।५० | रा. ७।२४ | पूषा. | १५।४९ | दि. १२।३६ | व्य. २४।२८ | व. २।१८ | ध. ३१।१३ | रा. ६।४५ | १०।१८।२९।०० | २८।४२ | ६।१६ | ५।४४ | ११ | २४ | १९ | २ |
| मं. | १२ | ३२।३४ | रा. ७।१७ | उषा | १७।२५ | रा. १।१३ | व. २१।३२ | कौ. २।४२ | मकर | अहोरात्र | १०।१९।२९। ९ | २८।४६ | ६।१५ | ५।४५ | १२ | २५ | २० | ३ |
| बु. | १३ | ३१। २ | रा. ६।३९ | श्र. | १७।४८ | रा. १।२१ | प. १७।३५ | ग. १।४८ | म. ४७।२४ | रा. १।१२ | १०।२०।२९।१८ | २८।५० | ६।१४ | ५।४६ | १३ | २६ | २१ | ४ |
| बृ. | १४ | २८।२३ | दि. ५।३४ | ध. | १७।०० | रा. १। १ | शि. १२।४४ | श. २८।२३ | कुम्भ | अहोरात्र | १०।२१।२९।२७ | २८।५४ | ६।१३ | ५।४७ | १४ | २७ | २२ | ५ |
| शु. | ३० | २४।४३ | दि. ४। ५ | श. | १५।१३ | रा. १२।१७ | सि. ७। ४ | ना. २४।४३ | कु. ५८।५८ | रा. ५।४७ | १०।२२।२९।३६ | २८।५८ | ६।१२ | ५।४८ | १५ | २८ | २३ | ६ |

शतभिषायां रविः ००।१६, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा पूर्वफल्गुन्यां, पूर्वास्तः शुक्रः ४३।२९, फाल्गुने **वाग्मती** स्नानमतीवपुण्यप्रदम् । **शुक्रास्तजन्याशुद्धारंभः** ४३।२९ उ. ।
प्रथमाब्दीय **द्विरागमनं** तृतीयायां, गृहारंभ उत्तरफल्गुन्याम् ।
भ. २६।५ उ., यायिजयदयोगः, दक्षिणदिशियात्रा हस्ते, गृहारंभो दिवारात्री, वक्रगत्या श्रवणायां बुधः ३६।४२ ।
द. ति. ०८।५८ उ , भ. ००।५८ या., श्रीगणेश व्रतं, यायिजयदयोगः पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा प्रथमाब्दीय **द्विरागमनञ्च** तृतीयायां, कुम्भे शुक्रः ११।३९ ।
द. ति. ५।३७ या., यायिजयदयोगः स्वात्यां, गृहारंभः पञ्चम्याम् चित्रायां, प्रथमाब्दीय **द्विरागमनं मुण्डनं** च पञ्चम्याम्, दक्षिणदिशियात्रा घं. ८मि. ३९ उ. घं. ११ मि. १ यावद्दिनेA
पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा पञ्चम्यां, **गुरुवक्रदोषसमाप्तिः** ४१।३७ उ. । A ततः पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा दिवारात्री ।
भ. १६।१६ उ. ४८।४९ या., पश्चिमदिशि यात्राऽनुराधायाम् ।
पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा दिवारात्री, यायिजयदयोगः सप्तम्यां, पूर्वभाद्रे कुजः ४।४८, पूर्वोदितो बुधः ६।७ ।
शाकाष्टका, स्थायिजयदयोगो ज्येष्ठायामष्टम्यां, उत्तरदिशि यात्रा दिवारात्री, शतभिषायां शुक्रः २६।३७ ।
गं. २।५५ उ. १७।५५ या , अन्वष्टका ९, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. ९ मि. ५१ यावद्दिने ततः उत्तरदिशि यात्रा घं. ६ मि. ६ यावद्रात्री ।
मार्चन्ते मासारंभ,, भ. ००।३९ उ. ३१।४५ या., पूर्वोत्तरयोर्यात्रा दशम्यां मार्गी बुधः ४०।२१ ।
सर्वेषां विजया ११ व्रतं, यायिजयदयोग उत्तराषाढैकादश्याम् ।
गोदन्ना पारणम्, उत्तरां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां, स्थायिजयदयोगः श्रवणायामुत्तराषाढे ।
**पूर्वभाद्रे रविः** १४।५२, भ. ३१।२ उ. ५९।४२ या., **श्रीशिवरात्रि व्रतं** नक्तव्रतञ्च, **श्रीशिवपार्वती** विवाहोत्सवः, **श्रीवैद्यनाथप्रतिष्ठादिनं** तत्पूजनोत्सवञ्च, **श्रीसिंहेश्वरनाथ** B
श्रीशिवदर्शनम् । B पूजनं, महाकविकालिदास स्मृतिदिनम् ।
फाल्गुनी ३०, गोसहस्त्रिका ३०, मन्वादिः, दक्षिणदिशि यात्रा घं. ४ मि. ५ उ. दिने घं. ५ मि. ४७ यावद्रात्री ततः उत्तरदिशि यात्रा ।

### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि. | ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | १ | १०।१५। २।२१ | ९।२८।३३।३८ | ५।१७।२८।५० | ९।२६।५४।३१ | ५।१६।२०। १ | ९।१८।२५।४३ | ४४। २ |
| शु. | २ | १०।१५।४९।३९ | ९।२७।४८।२० | ५।१७।२४। ९ | ९।२८। ९।५४ | ५।१६।१६।४२ | ९।१८।२२।३२ | ४४। ३ |
| श. | ३ | १०।१६।१६।५७ | ९।२७। ३। २ | ५।१७।१९।२८ | ९।२९।२५।१७ | ५।१६।१३।२१ | ९।१८।१९।२१ | ४४। ५ |
| र. | ३ | १०।१७।२४।१५ | ९।२६।१७।४४ | ५।१७।१४।४७ | १०।००।४०।४० | ५।१६।१०।०० | ९।१८।१६।१० | ४४। ६ |
| चं. | ४ | १०।१८।११।३३ | ९।२५।३२।२६ | ५।१७।१०। ७ | १०। १।५६। ३ | ५।१६। ६।३९ | ९।१८।१३।०० | ४४। ७ |
| मं. | ५ | १०।१८।५८।४९ | ९।२५। २।३२ | ५।१७। ४।१८ | १०। ३।११।२६ | ५।१६। ३।४९ | ९।१८। ९।४९ | ४४। ९ |
| बु. | ६ | १०।१९।४६। ५ | ९।२४।३८।३९ | ५।१६।५९।२९ | १०। ४।२६।५५ | ५।१५।५८।५६ | ९।१८। ६।३८ | ४४।११ |
| बृ. | ७ | १०।२०।३३।२१ | ९।२४।२१।४५ | ५।१६।५२।४० | १०। ५।४२।२१ | ५।१५।५५। ९ | ९।१८। ३।२७ | ४४।१३ |
| शु. | ८ | १०।२१।२०।३७ | ९।२४। ९।५० | ५।१६।४६।५१ | १०। ६।५७।४६ | ५।१५।५१।१९ | ९।१८।००।१६ | ४४।१५ |
| श. | ९ | १०।२२। ७।५२ | ९।२३।५९।५५ | ५।१६।४१। २ | १०। ८।१३।११ | ५।१५।४७।३० | ९।१७।५७। ५ | ४४।१७ |
| र. | १० | १०।२२।५५। ७ | ९।२३।५३।५९ | ५।१६।३५।१३ | १०। ९।२८।३६ | ५।१५।४३।४१ | ९।१७।५३।५५ | ४४।१९ |
| चं. | ११ | १०।२३।४२।२२ | ९।२४। ६।२३ | ५।१६।२९।२४ | १०।१०।४४। १ | ५।१५।३९।५२ | ९।१७।५०।४५ | ४४।२१ |
| मं. | १२ | १०।२४।२९।३८ | ९।२४।३७।२० | ५।१६।२३।३७ | १०।११।५९। ६ | ५।१५।३५।३१ | ९।१७।४७।३४ | ४४।२३ |
| बु. | १३ | १०।२५।१६।५४ | ९।२५। ८।१७ | ५।१६।१५।४९ | १०।१३।१४।१६ | ५।१५।३१।१० | ९।१७।४४।२३ | ४४।२५ |
| बृ. | १४ | १०।२६। ३।४० | ९।२५।३९।१४ | ५।१६। ९। १ | १०।१४।२९।२३ | ५।१५।२६।४९ | ९।१७।४१।१२ | ४४।२७ |
| शु. | ३० | १०।२६।५०।४५ | ९।२६।१०।११ | ५।१६। २।१३ | १०।१५।४४।३० | ५।१५।२२।२८ | ९।१७।३८। १ | ४४।२९ |

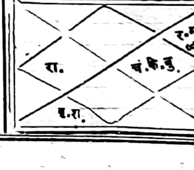
### ॥ दैनिकलग्नसारिणी चक्रम् ॥

| मे. प्र. | वृ. प्र. | मि. प्र. | क. प्र. | सि. प्र. | क. प्र. | तु. प्र | वृ. प्र | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी प्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०।४४ | १२।४० | १४।५३ | १७।११ | १९।२५ | २१।३८ | २३।५४ | २।११ | ४।१७ | ६। ३ | ७।३५ | ९। ६ |
| १०।४० | १२।३६ | १४।४९ | १७। ७ | १९।२१ | २१।३४ | २३।५० | २। ७ | ४।१३ | ५।५९ | ७।३१ | ९। २ |
| १०।३६ | १२।३२ | १४।४५ | १७। ३ | १९।१७ | २१।३० | २३।४६ | २। ३ | ४। ९ | ५।५५ | ७।२७ | ८।५८ |
| १०।३२ | १२।२८ | १४।४१ | १६।५९ | १९।१३ | २१।२६ | २३।४२ | १।५९ | ४। ५ | ५।५१ | ७।२३ | ८।५४ |
| १०।२८ | १२।२४ | १४।३७ | १६।५५ | १९। ९ | २१।२२ | २३।३८ | १।५५ | ४। १ | ५।४७ | ७।१९ | ८।५० |
| १०।२५ | १२।२१ | १४।३४ | १६।५२ | १९। ६ | २१।१९ | २३।३५ | १।५२ | ३।५८ | ५।४४ | ७।१६ | ८।४७ |
| १०।२१ | १२।१७ | १४।३० | १६।४८ | १९। २ | २१।१५ | २३।३१ | १।४८ | ३।५४ | ५।४० | ७।१२ | ८।४३ |
| १०।१७ | १२।१३ | १४।२६ | १६।४४ | १८।५८ | २१।११ | २३।२७ | १।४४ | ३।५० | ५।३६ | ७। ८ | ८।३९ |
| १०।१३ | १२। ९ | १४।२२ | १६।४० | १८।५४ | २१। ७ | २३।२३ | १।४० | ३।४६ | ५।३२ | ७। ४ | ८।३५ |
| १०। ९ | १२। ५ | १४।१८ | १६।३६ | १८।५० | २१। ३ | २३।१९ | १।३६ | ३।४२ | ५।२८ | ७।०० | ८।३१ |
| १०। ५ | १२। १ | १४।१४ | १६।३२ | १८।४६ | २०।५९ | २३।१५ | १।३२ | ३।३८ | ५।२४ | ६।५६ | ८।२७ |
| १०। २ | ११।५८ | १४।११ | १६।२९ | १८।४३ | २०।५६ | २३।१२ | १।२९ | ३।३५ | ५।२१ | ६।५३ | ८।२४ |
| ९।५८ | ११।५४ | १४। ७ | १६।२५ | १८।३९ | २०।५२ | २३। ८ | १।२५ | ३।३१ | ५।१७ | ६।४९ | ८।२० |
| ९।५४ | ११।५० | १४। ३ | १६।२१ | १८।३५ | २०।४८ | २३। ४ | १।२१ | ३।२७ | ५।१३ | ६।४५ | ८।१६ |
| ९।५० | ११।४६ | १३।५९ | १६।१७ | १८।३१ | २०।४४ | २३।०० | १।१७ | ३।२३ | ५। ९ | ६।४१ | ८।१२ |
| ९।४६ | ११।४२ | १३।५५ | १६।१३ | १८।२७ | २०।४० | २२।५६ | १।१३ | ३।१९ | ५। ५ | ६।३७ | ८। ८ |

४ चन्द्रवल्ली ८।३५।३६।३४
अयनांशाः २२।१३।४१।८४




११ चन्द्रवल्ली ८।३५।३६।४१
अयनांशाः २२।१३।४२।२७




अथ विविध विषयाः—फाल्गुनकृष्णचतुर्दश्यां शिवरात्रिव्रतं तन्माहात्म्यञ्च, ब्रह्माद्रिखण्डे—माघफाल्गुनयोमंध्ये कृष्णा या च चतुर्दशी । दत्ते शिवः फल यस्मात्तेन सर्वसुरासुरैः । शिवरात्रिरिति ख्याता मत्कलेव पृथक् स्थिता । तथा च-उपवासं करिष्यन्ति जागरणेन समन्वितम् । यथोक्तशास्त्रमार्गेण तेषां मोक्षो न संशयः । गङ्गास्नानमन्त्रः—ब्रह्मस्वरूपे हे गङ्गे ! स्नानमाचर्यते मया । त्वदीये निर्मले तोये यथोक्तफलदा भव । गङ्गासागरसङ्गमस्नानमन्त्रः—त्वं देव सरितां नाथ त्वं देवि सरितां वरे । उभयोः सङ्गमे स्नात्वा मुञ्चामि दुरितानिवै । समुद्रस्नानमन्त्रः—त्वमग्निर्द्विपदां नाथ रेतोधाः कामदीपन । प्रधानः सर्वभूतानां जीवनां प्रभुरव्ययः अमृतस्यारणिस्त्वं हि देवयोनिरपां पते । वृजिनं हर मे सर्वं तीर्थराज नमोऽस्तुते ।

वातावरणम्—पक्षादितस्तृतीयां यावन्मेघवातादयस्ततो दशमीं यावत्तापादयस्ततः पक्षान्तं यावन्मेघचारादयः ।

ग्रहस्थितिः—मार्गी पश्चिमास्तः कुजः, बुधः सप्तम्यां गुरो ६।७ यावद्वक्री पश्चिमास्तस्ततो दशम्यां रवौ ४०।२१ यावद्वक्री पूर्वोदितस्ततो मार्गी पूर्वोदितः, गुरुशनी वक्रिणौ पूर्वोदितौ, मार्गीशुक्रः प्रतिपद् गुरौ ४३।२९ यावत्पूर्वोदितस्ततः पूर्वास्तः ।

## फाल्गुनशुक्लपक्ष:

शका १९०२, संवत् २०३७, सन् १३८८ साल, दि. ७।३।८१ ई. ता २०।३।८१ ई. या. दक्षिणेकाल: ।
वक्री पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वास्तः शुक्रः, अशुद्धः, शिशिरर्तुः, ६ तः वसन्तर्तुः याम्यगोलः, सौम्यायनम् ।

| हि.ति. | तिथय: घ.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | घ.प. | घं.मि. | योगा: घ.प. | करणानि घ.प. | चन्द्रस्थिति: घ.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्य: राश्यादि | दिनमानं घ.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि. | मु.दि. | सौ.दि. | अं.दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | २०।१३ | दि. २।१७ | पूभा. | १३।३३ | दि. ११।३७ | सा. ००।४२ | व. २०।१३ | मीन | अहोरात्र | १०।२३।२९।४५ | २९। २ | ६।१२ | ५।४८ | १६ | २९ | २४ | ७ |
| र. २ | १५। ६ | दि. १२।१६ | उभा. | ६।१६ | दि. ९।५३ | शु. ४६।२१ | को. १५। ६ | मीन | अहोरात्र | १०।२४।२९।५४ | २९। ६ | ६।११ | ५।४९ | १७ | ३० | २५ | ८ |
| चं. ३ | ९।२४ | दि. ९।५६ | रे. | ५।२९ | दि. ८।२२ | ब्र. ३८।४१ | ग. ९।२४ | मी. ५।२९ | दि. ८।२२ | १०।२५।३०। ३ | २९।१० | ६।१० | ५।५० | १८ | १ | २६ | ९ |
| मं. ४ | ३।३० | दि. ७।३३ | अ. | १।२६ | दि. ६।४३ | ऐ. ३०।५३ | वि. ३।३० | मेष | अहोरात्र | १०।२६।२९।५८ | २९।१४ | ६। ९ | ५।५१ | १९ | २ | २७ | १० |
| बु. ६ | ५१।४१ | रा. २।४८ | कृ. | ५३।१३ | रा. ३।२५ | वै. २३।१० | को. २५।३० | मे. ११।१४ | दि. १०।३८ | १०।२७।२९।५२ | २९।१८ | ६। ८ | ५।५२ | २० | ३ | २८ | ११ |
| बृ. ७ | ४६।१० | रा. १२।३६ | रो. | ४९।३३ | रा. १।५७ | वि. १५।३५ | ग. १८।५६ | वृष | अहोरात्र | १०।२८।२९।४६ | २९।२२ | ६। ८ | ५।५२ | २१ | ४ | २९ | १२ |
| शु. ८ | ४१। ६ | रा. १०।२७ | मृ. | ४६।२१ | रा. १२।३९ | प्री. ८।२१ | वि. १३।४० | वृ. १७।५७ | दि. १।१८ | १०।२९।२९।४० | २९।२६ | ६। ७ | ५।५३ | २२ | ५ | ३० | १३ |
| श. ९ | ३८। ६ | रा. ९।२० | आ. | ४४। १ | रा. ११।४२ | आ. १।३७ | बा. ६।३८ | मिथुन | अहोरात्र | ११।००।२९।३४ | २९।३० | ६। ६ | ५।५४ | २३ | ६ | १ | १४ |
| र. १० | ३३।३२ | रा. ७।३० | पुन. | ४२।२७ | रा. ११। ४ | शो. ५०।१२ | तै. ५।४९ | मि. २७।५१ | दि. ५।१३ | ११। १।२९।२८ | २९।३४ | ६। ५ | ५।५५ | २४ | ७ | २ | १५ |
| चं. ११ | ३१।१० | रा. ६।३२ | पु. | ४१।५६ | रा. १०।५० | अ. ४५।४० | व. २।२१ | कर्क | अहोरात्र | ११। २।२९।२२ | २९।३८ | ६। ४ | ५।५६ | २५ | ८ | ३ | १६ |
| मं. १२ | ३०। २ | रा. ६। ५ | आश्ले. | ४२।३१ | रा. ११। ४ | सु. ४२। ८ | व. ००।३६ | क. ४२।३१ | रा. ११। ४ | ११। ३।२९। १ | २९।४२ | ६। ४ | ५।५६ | २६ | ९ | ४ | १७ |
| बु. १३ | ३०। ६ | रा. ६। ५ | म. | ४४।३४ | रा. ११।५३ | धृ. ३६।३५ | को. ००। ४ | सिंह | अहोरात्र | ११। ४।२८।४० | २९।४६ | ६। ३ | ५।५७ | २७ | १० | ५ | १८ |
| बृ. १४ | ३१।३० | रा. ६।३८ | पूफ. | ४७।४६ | रा. १। ८ | शू. ३८। ६ | ग. ००।४८ | सिंह | अहोरात्र | ११। ५।२८।१९ | २९।५० | ६। २ | ५।५८ | २८ | ११ | ६ | १९ |
| शु. १५ | ३४। ४ | रा. ७।३६ | उफ. | ५२। ७ | रा. २।५२ | गं. ३७।२७ | वि. २।४७ | सि. ३।५१ | दि. ७।३३ | ११। ६।२७।५८ | २९।५४ | ६। १ | ५।५९ | २९ | १२ | ७ | २० |

शुभयोगमानं ५३:३, कल्याणेश्वरतो जनकपुरस्यपरिक्रमारंभ:, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा पूर्वभाद्रे, यायिजयदयोगः प्रतिपद्युत्तरभाद्रे ।
गं. ५३।२९ उ., चन्द्रदर्शन मु. ३० फलं साम्यं पूर्वोत्तरयोर्यात्रा रेवत्यां, प्रथमाब्दीय **द्विरागमनं** दिवारात्रौ, धनिष्ठायां बुधः २८।३७ ।
द. ति. ६।२४ उ., भ. ३६।२७ उ., गं. ८।२९ या., यायिजयदयोगो रेवत्यां, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा रेवत्यां ततः पूर्वां विना यात्रोत्तमा घं. ६ मि. २४ यावद्दिने, प्रथमाब्दीय C
पञ्चमीमानं ५४।२, भरणीमानं ५५।४८, द. ति. ३।३० या., भ. ३।३० या., मीने कुजः ४६।२३, पूर्वभाद्रे शुक्रः ८।३६ । C **द्विरागमनं मुण्डनञ्च** तृतीयायाम् ।
गृहप्रवेश: पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा प्रथमाब्दीय **द्विरागमनं** च रोहिण्याम् ।
भ. ४६।१० उ., **गृहप्रवेशो** यायिजयदयोगश्च सप्तम्यां, प्रथमाब्दीय **द्विरागमनं** दिवारात्रौ, पूर्वदिग्यात्रा रोहिण्यान्ततः दक्षिणां विना यात्रोत्तमा मृगशिरसि ।
भ. १३।४० या., मासान्त: ।
सौभाग्ययोगमानं ५३।५६, **मीनेरविः** १४।४७ मु. १५ फलं महार्घं **षडशीतिसंक्रान्तिपुण्यकालो** घं १२ मि. १ उ. दिने घं. ५ मि. ५४ या., उत्तरभाद्रे कुजः ५९।४६ ।
मासादि: ७ ।
भ. २।२१ उ. ३१।१० या., **सर्वेषामामलकी ११** व्रतं, **श्रीविश्वनाथश्रृङ्गारदिनम्** ।
**उत्तरभाद्रे रविः** ३५।४१, गं. ३१।३१ उ. ४६।३१ या., श्रीगोविन्द १२ गोदध्ना पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, शतभिषायां बुधः ५६।११ ।
मीने शुक्रः ७।४४ । A पूर्वदक्षिणयोर्यात्रा हस्ते, उत्तरभाद्रे शुक्रः ४६।५७ ।
भ. ३१।३० उ., भस्मक्रीड़ा १४ व्रतं प्रदोषः घं. ७ मि. ३४ यावद्रात्रौ, पूर्वोत्तरयोर्यात्रा घं. ६ मि. ३८ उ. घं. १ मि. ८ यावद्रात्रौ ।
भ. २।४७ या., फाल्गुनी १५, **सिन्दूरक्रीड़ा, मन्वादि:, होलिकादाह:** सायं घं. ७ मि. ३९ यावद्रात्रौ, **जनकपुरस्य परिक्रमा समाप्ति:, जनकपुरेऽन्तर्गृहीय परिक्रमा, A**

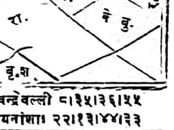
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादि स्पष्टग्रहा:, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| हि.ति. | मंगल: | बुध: | गुरु: | शुक्र: | शनि: | केतु: | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | १०।२७।३७।५९ | ९।२६।४१। ८ | ५।१५।५५।२६ | १०।१६।५९।३७ | ५।१५।१८। ७ | ९।१७।३४।५० | ४४।३१ |
| र. २ | १०।२८।२४।५५ | ९।२७।१२। ५ | ५।१५।४८।३९ | १०।१८।१४।४४ | ५।१५।१३।४६ | ६।१७।३१।४० | ४४।३३ |
| चं. ३ | १०।२९।११।०० | ९।२७।४३। १ | ५।१५।४१।५२ | १०।१९।२९।५१ | ५।१५। ९।२६ | ६।१७।२८।३० | ४४।३५ |
| मं. ४ | १०।२९।५८।५५ | ९।२८।४६।२५ | ५।१५।३४।२९ | १०।२०।४५। २ | ५।१५। ४।४८ | ६।१७।२५।१९ | ४४।३७ |
| बु. ६ | ११। ०।४५।५० | ९।२९।४९।४९ | ५।१५।२७। ६ | १०।२२।००।१३ | ५।१५।००।१० | ६।१७।२२। ८ | ४४।३९ |
| बृ. ७ | ११। १।३२।४५ | १०।००।५३।१३ | ५।१५।१९।४३ | १०।२३।१५।२४ | ५।१४।५५।३२ | ९।१७।१८।५७ | ४४।४१ |
| शु. ८ | ११। २।१९।४० | १०। १।५६।३७ | ५।१५।१२।२० | १०।२४।३०।३५ | ५।१४।५०।५४ | ९।१७।१५।४६ | ४४।४३ |
| श. ९ | ११। ३। ६।३५ | १०। ३।००। १ | ५।१५। ४।५७ | १०।२५।४५।४६ | ५।१४।४६।१६ | ९।१७।१२।३५ | ४४।४५ |
| र. १० | ११। ३।५३।३० | १०। ४। ३।२५ | ५।१४।५७।३४ | १०।२७।००।५६ | ५।१४।४१।३८ | ६।१७। ९।२५ | ४४।४७ |
| चं. ११ | ११। ४।४०।२५ | १०। ५। ६।४९ | ५।१४।५०।१२ | १०।२८।१६। ६ | ५।१४।३७।०० | ६।१७। ६।१५ | ४४।४९ |
| मं. १२ | ११। ५।२७।१४ | १०। ६।३१।३३ | ५।१४।४२।३३ | १०।२९।३१। ८ | ५।१४।३२। ५ | ६।१७। ३। ४ | ४४।५१ |
| बु. १३ | ११। ६।१४। ३ | १०। ७।५६।१७ | ५।१४।३४।५४ | ११।००।४६।१० | ५।१४।२७।१० | ६।१६।५६।५३ | ४४।५३ |
| बृ. १४ | ११। ७।००।५२ | १०। ९।२१।०० | ५।१४।२७।१५ | ११। २। १।१२ | ५।१४।२२।१५ | ९।१६।५६।४२ | ४४।५५ |
| शु. १५ | ११। ७।४७।४० | १०।१०।४५।४३ | ५।१४।१९।३६ | ११। ३।१६।१४ | ५।१४।१७।२० | ९।१६।५३।३१ | ४४।५७ |

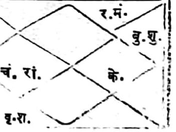
### दैनिकलग्नसारिणीचक्रम् ॥

| हि.ति. | मे. प्र. | वृ.प्र. | मि.प्र. | क.प्र. | सिं.प्र. | क.प्र. | तु. प्र. | वृ. प्र. | ध. प्र. | म. प्र. | कु. प्र. | मी. प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | ६।४२ | ११।३८ | १३।५१ | १६। ९ | १८।२३ | २०।३६ | २२।५२ | १। ९ | ३।१५ | ५। १ | ६।३३ | ८। ४ |
| र. २ | ९।३९ | ११।३५ | १३।४८ | १६। ६ | १८।२० | २०।३३ | २२।४६ | १। ६ | ३।१२ | ४।५८ | ६।३० | ८। १ |
| चं. ३ | ६।३५ | ११।३१ | १३।४४ | १६। २ | १८।१६ | २०।२९ | २२।४५ | १। २ | ३। ८ | ४।५४ | ६।२६ | ७।५७ |
| मं. ४ | ९।३१ | ११।२७ | १३।४० | १५।५८ | १८।१२ | २०।२५ | २२।४१ | ००।५८ | ३। ४ | ४।५० | ६।२२ | ७।५३ |
| बु. ६ | ६।२७ | ११।२३ | १३।३६ | १५।५४ | १८। ८ | २०।२१ | २२।३७ | ००।५४ | ३।०० | ४।४६ | ६।१८ | ७।४९ |
| बृ. ७ | ६।२३ | ११।१९ | १३।३२ | १५।५० | १८। ४ | २०।१७ | २२।३३ | ००।५० | २।५६ | ४।४२ | ६।१४ | ७।४५ |
| शु. ८ | ९।१६ | ११।१५ | १३।२८ | १५।४६ | १८।०० | २०।१३ | २२।२६ | ००।४६ | २।५२ | ४।३८ | ६।१० | ७।४१ |
| श. ९ | ६।१६ | ११।१२ | १३।२५ | १५।४३ | १७।५७ | २०।१० | २२।२६ | ००।४३ | २।४९ | ४।३५ | ६। ७ | ७।३८ |
| र. १० | ६।१२ | ११। ८ | १३।२१ | १५।३९ | १७।५३ | २०। ६ | २२।२२ | ००।३९ | २।४५ | ४।३१ | ६। ३ | ६।३४ |
| चं. ११ | ९। ८ | ११। ४ | १३।१७ | १५।३५ | १७।४९ | २०। २ | २२।१८ | ००।३५ | २।४१ | ४।२७ | ५।५९ | ७।३० |
| मं. १२ | ६। ४ | ११।०० | १३।१३ | १५।३१ | १७।४५ | १९।५८ | २२।१४ | ००।३१ | २।३७ | ४।२३ | ५।५५ | ७।२६ |
| बु. १३ | ६।०० | १०।५६ | १३। ९ | १५।२७ | १७।४१ | १९।५४ | २२।१० | ००।२७ | २।३३ | ४।१९ | ५।५१ | ७।२२ |
| बृ. १४ | ८।५६ | १०।५२ | १३। ५ | १५।२३ | १७।३७ | १९।५० | २२। ६ | ००।२३ | २।२९ | ४।१५ | ५।४७ | ७।१८ |
| शु. १५ | ८।५२ | १०।४८ | १३। १ | १५।१९ | १७।३३ | १९।४६ | [illegible] | ००।१९ | २।२५ | ४।११ | ५।४३ | ७।१४ |

३ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३६।४८
अयनांशा: २२।१३।४३।३०




११ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३६।५५
अयनांशा: २२।१३।४४।३३




**अथ विविध विषया:—फाल्गुन पूर्णिमायां होलिकादाह:**—तत्राग्नौ विधिवद्धुत्वाकाममन्त्रं विवर्जयेत् । घृतैः किलकिला शब्दैस्तालशब्दैः मनोरमैः । तमग्निं त्रिः परिक्रम्य गायन्ति च हसन्ति च । जल्पन्ति स्वेच्छयालोके होलिका-स्यातमागतः । **अस्यां काष्ठादिकमेकत्रीकृत्य होलिकां ध्यायेत्तन्मन्त्र:**—असृमया-वसन्तप्तेः कृत्वा त्वं होलिबालिशः । अतस्त्वां पूजयिष्यामि भूतेभूतिप्रदाभव । ततो होलिकायं नमः इति पञ्चोपचारैः सम्पूज्यप्रदीपयेत् । **तत्प्रदीपनमन्त्र:**— दीपयाम्यत्र ते घोरां चिति राक्षसि ते नमः । हिताय सर्वजगतः प्रीतये पार्वतीपतेः । **ततः परदिने होलिकाभस्मधारणमन्त्र:**—वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्माच्युतशिवादिभिः । अतस्त्वं पाहिनो भीतेर्भूपिताभूतिदा भव । **अथ प्रयागे केशवपनफलम्**—किं गया-पिण्डदानेन काश्यां वा मरणेन किम् । किं कुरुक्षेत्रदानेन प्रयागे मुण्डनं यदि । केशानां यावतीसंख्या छिन्नानां जाह्नवीजले । तावद्वर्षसहस्राणि स्वर्गलोके महीयते । **स्थानविशेषमहत्वम्**—प्रयागे वपनं कुर्याद् गयायां पिण्डपातनम् । दानं दद्यात् कुरुक्षेत्रे वाराणस्यां तनुं त्यजेत् । **गङ्गातोयेऽस्थिप्रक्षेप फलम्**—दशाहाभ्यन्तरेयस्य गङ्गातोयेऽस्थि मज्जति । गङ्गायां मरणं यादृक् तादृक् फलमवाप्नुयात् ।

**वातावरणम्**—पक्षादितोऽष्टमीं यावन्मेघतापादयस्ततः पश्चान्तं यावत्खण्डवृष्टि-वातशीतादय: ।

**ग्रहस्थिति:**—मार्गीपश्चिमास्तः कुजः, मार्गीपूर्वोदितो बुधः गुरुशनीवक्रिणौ पूर्वोदितौ, मार्गीपूर्वास्तः शुक्रः ।

**चैत्रकृष्णपक्षः** | शकः १९०२, सम्वत् २०३७, सन् १३८८ साल. वि. २१।३।८१ ई. स. ४।४।८१ ई. या, दारुणेकालः । वक्री पूर्वोदितो गुरुः, मार्गी पूर्वास्तः शुक्रः, मगुद्धः, वसन्तर्तुः याम्यगोला, सौम्यायनम् ।

| दि.ति. | तिथयः घ.प. | घं.मि. | नक्षत्राणि | घ.प. | घं.मि. | योगाः घ.प. | करणानि घ.प. | चन्द्रस्थितिः घ.प. | घं.मि. | स्पष्टसूर्यः राश्यादिः | दिनमान घ.प. | सू.उ. घं.मि. | सू.अ. घं.मि. | रा.दि | मु.दि | सौ.दि | प्र.दि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | ३७।४९ | रा. ९। ८ | ह. | ५७।३२ | रा. ५। १ | वृ. ३७।४५ | बा. ५।५७ | कन्या | अहोरात्र | ११। ७।२७।३६ | २९।५८ | ६।०० | ६।०० | ३० | १३ | ८ | २१ |
| र. २ | ४२।२५ | रा. १०।५८ | चि. | ६०।०० | अहोरात्र | ध्रु. ३८।२६ | तै. १०। ७ | क. ३०।३४ | रा. ६।१४ | ११। ८।२७।१४ | ३०। २ | ६।०० | ६।०० | १ | १४ | ९ | २२ |
| चं. ३ | ४७।३३ | रा. ११।०० | चि. | ३।३६ | दि. ७।२५ | व्या. ४०। ९ | व. १४।५९ | तुला | अहोरात्र | ११। ९।२६।५२ | ३०। ६ | ५।५९ | ६। १ | २ | १५ | १० | २३ |
| मं. ४ | ५२।५३ | रा. ३। ७ | स्वा. | १०। ९ | दि. १०। २ | ह. ४९।३५ | व. २०।१३ | तुला | अहोरात्र | ११।१०।२६।१६ | ३०।१० | ५।५८ | ६। २ | ३ | १६ | ११ | २४ |
| बु. ५ | ५७।५४ | रा. ५। ७ | वि. | १६।४२ | दि. १२।३८ | व. ४२।५६ | कौ. २५।५४ | तु. ००। ४ | दि. ५।५९ | ११।११।२५।३९ | ३०।१४ | ५।५७ | ६। ३ | ४ | १७ | १२ | २५ |
| बृ. ६ | ६०।०० | अहोरात्र | अनु. | २२।४८ | दि. ३। ३ | सि. ४३।५० | ग. ३०। ५ | वृश्चिक | अहोरात्र | ११।१२।२५। २ | ३०।१८ | ५।५६ | ६। ४ | ५ | १८ | १३ | २६ |
| शु. ६ | २।१६ | दि. ६।५० | ज्ये. | २८।११ | दि. ५।१२ | व्य. ४४। ४ | व. २।१६ | वृ. २८।११ | दि. ५।१२ | ११।१३।२४।२५ | ३०।२२ | ५।५६ | ६। ४ | ६ | १९ | १४ | २७ |
| श. ७ | ५।३५ | दि. ८। ९ | मू. | ३२।२६ | रा. ६।५३ | व. ४३।२३ | व. ५।३५ | धनु | अहोरात्र | ११।१४।२३।४८ | ३०।२६ | ५।५५ | ६। ५ | ७ | २० | १५ | २८ |
| र. ८ | ७।५२ | दि. ९। ३ | पूषा | ३५।३८ | रा. ८। ९ | प. ४१।५० | कौ. ७।५२ | ध. ५१। ६ | रा. २।२० | ११।१५।२३।११ | ३०।३० | ५।५४ | ६। ६ | ८ | २१ | १६ | २९ |
| चं. ९ | ८।४७ | दि. ९।२४ | उषा | ३७।३० | रा. ८।५३ | शि. ३९।१५ | ग. ८।४७ | मकर | अहोरात्र | ११।१६।२२।३४ | ३०।३४ | ५।५३ | ६। ७ | ९ | २२ | १७ | ३० |
| मं. १० | ८।२३ | दि. ९।११ | श्र. | ३८। ७ | रा. ९। ७ | सि. ३५।३९ | वि. ८।२३ | मकर | अहोरात्र | ११।१७।२१।४२ | ३०।३८ | ५।५२ | ६। ८ | १० | २३ | १८ | ३१ |
| बु. ११ | ६।४६ | दि. ८।३४ | ध. | ३७।३३ | रा. ८।५३ | सा. ३१। ६ | बा. ६।४६ | म. ७।५० | दि. ९।०० | ११।१८।२०।५० | ३०।४२ | ५।५२ | ६। ८ | ११ | २४ | १९ | १ |
| बृ. १२ | ४।१२ | दि. ७।२७ | श. | ३५।५६ | रा. ८।१३ | शु. २५।४३ | तै. ४। १ | कुम्भ | अहोरात्र | ११।१९।१९।५८ | ३०।४६ | ५।५१ | ६। ९ | १२ | २५ | २० | २ |
| शु. १३ | ००।१४ | दि. ५।५६ | पूभा. | ३३।३० | रा. ७।१४ | शु. १९।३७ | व. ००।१४ | कु. १९। ७ | दि. १।२९ | ११।२०।१९। ५ | ३०।५० | ५।५० | ६।१० | १३ | २६ | २१ | ३ |
| श. ३० | ५०।२४ | रा. ११।५९ | उभा | ३०।२१ | दि. ५।५७ | ब्र. १२।५१ | च. २३। १ | मीन | अहोरात्र | ११।२१।१८।१२ | ३०।५४ | ५।४९ | ६।११ | १४ | २७ | २२ | ४ |

द. ति. ३७।४९ उ., होलिका भस्मधारणं, चाण्डालस्पर्शः मूर्वलस्नानञ्च, सप्तडोरकबन्धनं, यायिजयदयोगो दक्षिणदिशियात्रा च प्रतिपदि, चैत्रे लदनणास्नानं महापुण्यप्रदम् ।
द. ति. ४२।२५ या., दक्षिणदिशियात्रा तृतीयायाम् ।
भ. १०।५९ उ. ४७।३३ या., पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा तृतीयायां, यायिजयदयोगः स्वात्यां तृतीयायाम् ।
श्रीगणेश ४ व्रत स्थायिजयदयोगो विशाखायां चतुर्थ्यां, पश्चिमदक्षिणयोर्यात्रा स्वात्याम् ।
पश्चिमदिशियात्राऽनुराधायाम् ।
पूर्वंभद्रे बुधः ५६।२५ । F उत्तरभाद्रे बुधः ४८।३६, स्थायिजयदयोगश्चतुर्दश्यां पूर्वभाद्रे, पश्चिमदिशियात्रा घं. १ मि. २९ यावद्दिने ततः पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा घं. ७ मि. १४ यावद्रात्रौ ।
भ. २।१६ उ. ३३।५६ या., गं. २२।११ उ. ३७।११ या., उत्तरदिशियात्रा पञ्चम्याम् ।
उत्तरदिशियात्राऽष्टम्याम् । चैत्रमासि प्रातर्भ्रमणं तैलमर्दनं तिक्तभोजनञ्च पथ्यावहं स्वास्थ्यप्रदञ्च ।
शीतलाष्टमी, पूर्वोत्तरयोर्यात्राऽष्टम्यां, यायिजयदयोगः उत्तराषाढे ।
भ. ८।३५ उ., पूर्वां विना यात्रोत्तमा श्रवणायां, यायिजयदयोगो नवम्याम् । A घं. ८ मि. ५३ यावद्रात्रौ ।
रेवत्यां रविः २।५६, भ. ८।२३ या., स्थायिजयदयोगो दशम्यां, रेवत्यां शुक्रः २६।१८ ।
सर्वेषां पापमोचिनी ११ व्रतं, अप्रील ४ मासारंभः, रेवत्यां कुजः ११।४४, मीने बुधः ५५।२९, पूर्वास्तो बुधः ३।१८, पूर्वदिशियात्रा घं. ९ यावद्दिने ततः पश्चिमदिशियात्रा A
गोघृतेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, पश्चिमदिशि यात्रा पूर्वभाद्रे ।
चतुःस्नानं ५५।२४, वारुणी १३ गङ्गास्नानं कोटिसूर्यग्रहण समफलदं, गृहोपरिधवलकलशन्यस्तरक्तपताकान्वितस्नूहीधारणम्, प्रदोष १४ व्रतं, म. ००।१४ उ. २७।५६ या.,F
चैत्रे ३० पार्वणम्, पश्चिमोत्तरयोर्यात्रा रेवत्यां, यायिजयदयोगः ।

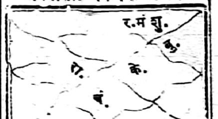
### मिश्रमानकालिक दैनिक मंगलादिस्पष्टग्रहाः, दिनद्वयग्रहान्तरं गतिश्च

| दि.ति. | मंगलः | बुधः | गुरुः | शुक्रः | शनिः | केतुः | मिश्रमानं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | ११। ८।३४।२८ | १०।१२।१०।२६ | ५।१४।११।५७ | ११। ४।३१।१५ | ५।१४।१२।२५ | ९।१६।५०।२० | ४४।५६ |
| र. २ | ११। ९।२१।१६ | १०।१३।३५। ६ | ५।१४। ४।१८ | ११। ५।४६।१६ | ५।१४। ७।३० | ९।१६।४७। ९ | ४५। १ |
| चं. ३ | ११।१०। ८। ४ | १०।१४।५६।५२ | ५।१३।५६।४० | ११। ७। १।१७ | ५।१४। २।३६ | ९।१६।४३।५९ | ४५। ३ |
| मं. ४ | ११।१०।५४।३६ | १०।१६।३७।२६ | ५।१३।४८।३७ | ११। ८।१६। ६ | ५।१३।५७।४४ | ९।१६।४०।४८ | ४५। ५ |
| बु. ५ | ११।११।४१। ८ | १०।१८।१५।०० | ५।१३।४०।३४ | ११। ९।३१। १ | ५।१३।५२।५२ | ९।१६।३७।३७ | ४५। ७ |
| बृ. ६ | ११।१२।२७।४० | १०।१९।५२।३४ | ५।१३।३२।३१ | ११।१०।४५।५३ | ५।१३।४८।०० | ९।१६।३४।२६ | ४५। ९ |
| शु. ६ | ११।१३।१४।१२ | १०।२१।३०। ८ | ५।१३।२४।२८ | ११।१२।००।४५ | ५।१३।४३। ८ | ९।१६।३१।१५ | ४५।११ |
| श. ७ | ११।१४।००।४४ | १०।२३। ७।४२ | ५।१३।१६।२५ | ११।१३।१५।३६ | ५।१३।३८।१६ | ९।१६।२८। ४ | ४५।१३ |
| र. ८ | ११।१४।४७।१५ | १०।२४।४५।१६ | ५।१३। ८।२२ | ११।१४।३०।२७ | ५।१३।३३।२४ | ९।१६।२४।५४ | ४५।१५ |
| चं. ९ | ११।१५।३३।४६ | १०।२६।२२।५० | ५।१३।००।२० | ११।१५।४५।१८ | ५।१३।२८।३२ | ९।१६।२१।४४ | ४५।१७ |
| मं. १० | ११।१६।२०। २ | १०।२८। ८।५६ | ५।१२।५२।३२ | ११।१७।००।०० | ५।१३।२३।४४ | ९।१६।१८।३३ | ४५।१९ |
| बु. ११ | ११।१७। ६।२८ | १०।२९।५५। २ | ५।१२।४४।४४ | ११।१८।१४।४२ | ५।१३।१८।५६ | ९।१६।१५।२२ | ४५।२१ |
| बृ. १२ | ११।१७।५२।३४ | ११। १।४१। ८ | ५।१२।३६।५७ | ११।१९।२९।२४ | ५।१३।१४। ८ | ९।१६।१२।११ | ४५।२३ |
| शु. १३ | ११।१८।३८।५० | ११। ३।२७।१४ | ५।१२।२९।१० | ११।२०।४४। ५ | ५।१३। ९।२० | ९।१६। ९।०० | ४५।२५ |
| श. ३० | ११।१९।२४। ५ | ११। ५।१३।२० | ५।१२।२१।२३ | ११।२१।५८।४६ | ५।१३। ४।३२ | ९।१६। ५।४९ | ४५।२७ |

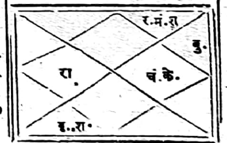
### दैनिकलग्नसारिणीचक्रम्

| दि.ति. | मे.प्र. | वृ.प्र. | मि.प्र. | क.प्र. | सि.प्र. | क.प्र. | तु.प्र. | वृ.प्र. | ध.प्र. | म.प्र. | कु.प्र. | मी.प्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. १ | ८।४८ | १०।४४ | १२।५७ | १५।१५ | १७।२९ | [illegible] | २१।५८ | ००।१५ | २।२१ | ४। ७ | ५।३६ | ७।१० |
| र. २ | ८।४५ | १०।४१ | १४।५४ | १५।१२ | १७।२६ | १९।३६ | २१।५५ | ००।१२ | २।१८ | ४। ४ | ५।३६ | ७। ७ |
| चं. ३ | ८।४१ | १०।३७ | १४।५० | १५। ८ | १७।२२ | १९।३५ | २१।५१ | ००। ८ | २।१४ | ४।०० | ५।३२ | ७। ३ |
| मं. ४ | ८।३७ | १०।३३ | १४।४६ | १५। ४ | १७।१८ | १९।३१ | २१।४७ | ००। ४ | २।१० | ३।५६ | ५।२८ | ६।५९ |
| बु. ५ | ८।३३ | १०।२९ | १४।४२ | १५।०० | १७।१४ | १९।२७ | २१।४३ | ००।०० | २। ६ | ३।५२ | ५।२४ | ६।५५ |
| बृ. ६ | ८।२९ | १०।२५ | १४।३८ | १४।५६ | १७।१० | १९।२३ | २१।३९ | २३।५६ | २। २ | ३।४८ | ५।२० | ६।५१ |
| शु. ६ | ८।२६ | १०।२२ | १४।३५ | १४।५३ | १७। ७ | १९।२० | २१।३६ | २३।५३ | १।५९ | ३।४५ | ५।१७ | ६।४८ |
| श. ७ | ८।२२ | १०।१८ | १४।३१ | १४।४९ | १७। ३ | १९।१६ | २१।३२ | २३।४९ | १।५५ | ३।४१ | ५।१३ | ६।४४ |
| र. ८ | ८।१८ | १०।१४ | १४।२७ | १४।४५ | १६।५९ | १९।१२ | २१।२८ | २३।४५ | १।५१ | ३।३७ | ५। ९ | ६।४० |
| चं. ९ | ८।१४ | १०।१० | १२।२३ | १४।४१ | १६।५५ | १९। ८ | २१।२४ | २३।४१ | १।४७ | ३।३३ | ५। ५ | ६।३६ |
| मं. १० | ८।१० | १०। ६ | १२।१९ | १४।३७ | १६।५१ | १९। ४ | २१।२० | २३।३७ | १।४३ | ३।२९ | ५। १ | ६।३२ |
| बु. ११ | ८। ७ | १०। ३ | १२।१६ | १४।३४ | १६।४८ | १९। १ | २१।१७ | २३।३४ | १।४० | ३।२६ | ४।५८ | ६।२९ |
| बृ. १२ | ८। ३ | ९।५९ | १२।१२ | १४।३० | १६।४४ | १८।५७ | २१।१३ | २३।३० | १।३६ | ३।२२ | ४।५४ | ६।२५ |
| शु. १३ | ७।५९ | ९।५५ | १२। ८ | १४।२६ | १६।४० | १८।५३ | [illegible] | २३।२६ | १।३२ | ३।१८ | ४।५० | ६।२१ |
| श. ३० | ७।५५ | ९।५१ | १२। ४ | १४।२२ | १६।३६ | १८।४९ | [illegible] | २३।२२ | १।२८ | ३।१४ | ४।४६ | ६।१७ |

३ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३७।२
अयनांशाः २२।१३।४५।३६




९ चन्द्रेवल्ली ८।३५।३७।९
अयनांशाः २२।१३।४६।३९




अथ विविध विषयाः—चैत्रकृष्ण त्रयोदश्यां वारुणी, तत्र गङ्गास्नानम्, तिथितत्त्वचिन्तामणौ—वारुणेन समायुक्ता मधौ कृष्णा त्रयोदशी । गङ्गायां यदि लभ्येत कोटिसूर्यग्रहैः समा । अथ गोक्षुतस्य दोषाधिक्यमुक्तं नारदेन—सर्वदिक्षु क्षुतं नेष्टं गोक्षुतं मरणप्रदम् । अफलं तत्क्षुतं वाच्यमन्यपीनस कैतवे । कैतवः कपटः पीनसोमुहुर्नासास्रावी । अथ रत्नावली रत्नकलापयोः—प्रागन्यपुंसः पुरतोऽपरस्मात् पुनः पुनर्वाउत एव जातम् । वृद्धाच्छिशोर्वा कफतो हठाद्वा जातं क्षुतं केऽपि वदन्त्यसत्यम् । यात्रायां क्षुतमवश्यं वर्जनीयम्, रत्नकलापे—अग्रेक्षुतं चेच्छकुनैः किमन्यैः पश्चात्क्षुतं चेच्छकुनैः किमन्यैः । जातानजाताच्छकुनानि हन्ति क्षुतप्रदेनात्रवदन्ति तज्ज्ञाः । अथ शुभक्षुतम्, सर्वशाकुने—औषधे च नवारोहे विवादे शयनेऽशने । विद्यारम्भे बीजवापे क्षुतं सप्तसु शोभनम् ।

वातावरणम्—पक्षादितः सप्तमीं यावत्तापवातादयस्ततः पक्षान्तं यावत्खण्डवृष्टिमेघचारवातादयः ।

ग्रहस्थितिः—मार्गीपश्चिमास्तःकुजः, मार्गीबुधः एकादश्यां बुधे ३।१७ यावत् पूर्वोदितस्ततः पूर्वास्तः, गुरुशनी वक्रिणी पूर्वोदितौ, मार्गीपूर्वास्तः शुक्रः ।